VeeKay

MARBLE

No. 150

File No. II

Previous No.

Following No.

Name ਗਊ ਰਖਿਆ &

Address VEGETARIAN

Subject

Serial No.

From 1980 To ੮੨

Year

गोरक्षा सत्याग्रह समिति दिल्ली
GORAKSHA SATYAGRAH SAMITI DELHI
1 अनसारी रोड, नई दिल्ली फोन–272219

रामनवमी दिनांक 10/4/84

आ॰ सद्गुरु जगजीत सिंगजी

सादर प्रणाम।

दिल्ली का साप्ताहिक सत्याग्रह अखण्ड चल रहा है, पू. विनोबाजी की प्रेरणा से चलाये गये सभी सत्याग्रह सब ओर बराबर चल रहे हैं। पंचविध सत्याग्रह की जानकारी साथ है।

आज रामनवमी के शुभ दिन एक नया चिंतन मन में आया वह साथ भेज रहा हूं। आशा है चिंतन की दिशा आपको भी सही लगेगी।

आशा है आप प्रसन्न होंगे। जब कभी दिल्ली पधारें तो सूचित कीजिये ताकि मैं मिलने आजाऊंगा। सत्याग्रह ठीक से चल रहे हैं।

आपका

राधाकृष्ण बजाज

गोरक्षा सत्याग्रह समिति दिल्ली
GORAKSHA SATYAGRAH SAMITI
1, ANSARI ROAD, NEW DELHI-110002
Phone-272219

क्रमांक

दिनांक 10/4/84

आदरणीय बालासाहब,

सादर प्रणाम । दिल्ली का सत्याग्रह अखण्ड चल रहा है । अखबारों में तो कभी कभी ही रिपोर्ट निकलती है । कभी-कभी रिपोर्ट निकलना भी पर्याप्त है । आखिर हमारी त्याग- तपस्या भी कौनसी बड़ी है, जिसके लिये अधिक अपेक्षा रखें ।

आपको दो- अढाई साल पहले एक लेख दिया था । " इस देश का राष्ट्रधर्म हिन्दू धर्म ही हो सकता है" । आज एक नया चिंतन भेज रहा हूँ जो रामनवमी के शुभ पर्व पर आज ही चित्त में आया है । पुराने लेखमें और इसमें मौलिक बुनियादी फर्क है ।

उस समय की मान्यता थी कि हिन्दू धर्म राष्ट्रधर्म बनने के लायक तो है, लेकिन बनेगा तभी जब भारत सरकार बनायेगी । आज का चिंतन कहता है कि हिन्दू धर्म राष्ट्रधर्म बन चुका है । सेक्युलर का अर्थ ही हिन्दू धर्म है । दूसरा कोई धर्म सेक्युलर है ही नहीं । अतः सेक्युलर घोषित होना ही हिन्दू धर्म घोषित होना है ।

अब जरुरत है हिन्दू इस विचार को ताकत के साथ उठावें । जो धर्म सेक्युलर नहीं हैं वे भारत को मान्य ही नहीं हो सकते । जो धर्म देश को मान्य ही न हों उनका मायनारिटी के नाम पर अस्तित्व मानना और उन्हें सहूलियत देना सरासर अवैधानिक है ।

आप लोग इस विचार से प्रसन्न तो होंगे ही । लेकिन आशा है सहमत भी होंगे ।

श्री बालासाहब देवरस
सरसंघ चालक, हेडगेवार भवन
इतवारी- नागपुर

आपका
22-4011101
(राधाकृष्ण बजाज)

सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा
क्योंकि-यह सेक्युलर राष्ट्र है
याने हिन्दू राष्ट्र है

卐 ० 卐

बहुत वर्षोंसे मेरा चिंतन चल रहा था कि हमारे बुजुर्गों ने भारत-वर्ष को सेक्युलर स्टेट क्यों माना? सेक्युलर का हिन्दी धर्म निरपेक्ष किया गया है। धर्म निरपेक्ष के दो अर्थ हो सकते हैं। अेक यह कि धर्म रहित - किसी भी धर्म को न मानने वाला निधर्मी या अधर्मी। दूसरा अर्थ यह कि किसी भी अेक धर्म से न बंधकर सब धर्मोंका समादर करनेवाला। इस संबंधमें अनेक बार चर्चाअें हुअी हैं और हमारे प्रधान मंत्रीजी ने भी स्वीकार किया है कि सेक्युलर का अर्थ निधर्मी या अधर्मी नहीं है अुसका अर्थ सब धर्मों का समादर है।

यहां बिराजे हुअे संत महंत और उपस्थित जनता, भगवान राम-चंद्र के जन्म महोत्सव पर अिस बात को स्वीकार करेंगे कि हमारा देश सभी धर्मोंका समान आदर करनेवाला है। यहां किसी भी धर्म का निरादर नहीं होता। अैसा यह पुज्य पावन देश है। इसी लिये दुर्लभं भारते जन्म कहा गया है।

सेक्युलर का अर्थ सर्वधर्म समादर मान लेनेपर यह समझने की जरुरत है कि सर्वधर्म समादर के नजदीक धर्म कौनसा है और अुसके खिलाफ कौनसे धर्म है? जो धर्म सेक्युलर के नजदीक होगा वही इस राष्ट्र का धर्म है।

दुनिया में प्रमुख धर्म चार - हिन्दू, बौद्ध, अिस्लाम और ईसाई। कम अधिक प्रमाणमें चारों ही हमारे यहां विद्यमान हैं, अेक अेक की छानबीन करें। ईसाई धर्म कहता है प्रभु पुत्र ईसा जो कह गये वही धर्म है। उसी-की शरण में जानेसे मानव का उद्धार होगा, बाकी सब नरकमें जावेंगे। अर्थात अन्य धर्मोंका निषेध करता है। यही हालत इस्लाम की है। वह भी कहता है - हजरत महम्मद पैगंबर साहब कह गये वही धर्म है, बाकी सब दोजख में जावेंगे। अर्थात अन्य धर्मोंका निषेध करता है। बौद्ध कहते हैं - बुद्ध भगवान बता गये, वही धर्म मार्ग है। लेकिन वे दूसरे धर्मोंका निषेध नहीं करते। इसलिये सेक्युलर से कुछ नजदीक है। केवल हिन्दू धर्म ही अैसा है जो संपूर्ण सेक्युलर है। धर्ममात्र-का आदर करता है, सब धर्माचार्यों को भगवान का अवतार अेवं पूजनीय मानता है। किसी धर्म पुरुष का यहां निषेध नहीं, सब का सत्कार है। वह आदर-भाव से संसार के कुल महापुरुषों का नाम स्मरण कर सकता है।

ॐ तत्सत् श्री नारायण तू, पुरुषोत्तम गुरु तू।
सिद्ध बुद्ध तू, स्कंद विनायक, सविता पावक तू॥
ब्रह्म मज्द तू, यह्व शक्ति तू, ईशु-पिता प्रभु तू।
रुद्र विष्णु तू, रामकृष्ण तू, रहीम ताओ तू॥
वासुदेव गो विश्वरूप तू, चिदानन्द हरि तू।
अद्वितीय तू, अकाल निर्भय, आत्मलिंग शिव तू॥

इस नाममाला का जो धर्म श्रद्धापूर्वक अपने धर्म स्थानों में जाप कर सकता है वही सेक्युलर धर्म है। केवल हिन्दू धर्म ही ऐसा सेक्युलर धर्म है। वास्तव में तो हिन्दू नाम का कोई धर्म दुनिया में न था न है। भारतवासियोंके मिलेजुले सार्वभौम सनातन धर्म को ही दुनियावालों ने हिन्दू धर्म याने हिन्दुस्तान वालोंका धर्म कहा और हमने उस नामको मान लिया।

ऊपर के विवेचन से स्पष्ट होगया है कि सेक्युलर धर्म ओक मात्र हिन्दू धर्म ही है, अिसलिये सेक्युलर स्टेट याने हिन्दू स्टेट। भारतजैसे सेक्युलर देशमें मायनोरिटि के नामपर किसी भी धर्म को मान्यता देना या सुविधाओं देना सेक्युलर की भावना के खिलाफ माना जायेगा। बोलिये –

सारे जहां से अच्छा- हिंदोस्ता हमारा।
हिन्दू धर्म की जय - भगवान राम की जय - गोमाता की जय।

1 अनसारी रोड नओ दिल्ली - 2
फोन न. 272219

रा. बजाज
[राधाकृष्ण बजाज]
10 - 4 - 84
(रामनवमी)

सन्त विनोबा की प्रेरणा से चल रहे

पंचविध सत्याग्रह

स्वराज्य से पहले और स्वराज्य के बाद गोरक्षा के लिये सतत प्रयत्न चल रहे हैं। राष्ट्र के गणमान्य नेताओं ने गोरक्षा का विश्वास दिलाया और कहा कि स्वराज्य मिलते ही कलम की एक नोक से गोवंश की हत्या बन्द कर दी जायेगी। स्वराज्य के बाद भी अनेक प्रयत्न चलते रहे।

१९६६-६७ में संसद पर लाखों सन्तों-गोभक्तों का प्रदर्शन हुआ, हजारों साधु-सन्त जेलों में गये, शहीद हुए, अनशन हुए, करोड़ों की तादाद में हस्ताक्षर राष्ट्रपति को दिये गये। इन प्रयत्नों के फलस्वरूप कई प्रान्तों में गोहत्या बन्दी कानून बने। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के १९५८ के फैसले ने सब कानूनों को बेकार कर दिया। गाय और बैलों को अलग माना और बूढ़े अनुपयोगी बैलों की कत्ल करने की इजाजत दे दी। इस लंगड़े निर्णय के कारण प्रदेशों के सारे कानून बेकार सिद्ध हुए। बैलों के नाम पर गायों की आम कत्ल होने लगी। भारत के हजारों वर्षों के इतिहास में गाय शब्द में पूरा गोवंश माना जाता रहा। किसी ने भी गाय से बैल को अलग नहीं माना था।

गोरक्षा के प्रश्न को सन्त विनोबा ने फिर से जागृत किया।

प्रथम उपवास सत्याग्रह

मई १९७६ में प्रथम सत्याग्रह के रूप में पू० विनोबा जी ने स्वयं आमरण उपवास का ऐलान किया। १९७९ में फिर से आमरण अनशन का ऐलान किया, ५ दिन अनशन भी हुआ, इन्दिरा सरकार और जनता सरकार दोनों ने केन्द्रीय कानून बनाने का आश्वासन दिया।

दूसरा गायें रोको सत्याग्रह

'रोको भाई रोको' के नाम से शुरु हुआ। केरल बंगाल में कत्ल के लिये ले जाने वाले गाय बैलों को रोकने के लिये सारे भारत में १९७८ से 'रोको भाई रोको' सत्याग्रह आरम्भ हुआ। तब से आज तक सारे भारत में अनेक स्थानों पर कम अधिक प्रमाण में गाय, बैल रोकने का सत्याग्रह चल रहा है।

तीसरा देवनार सत्याग्रह

सन्त विनोबा के आदेशानुसार बम्बई के देवनार कत्लखाने पर तीसरा सत्याग्रह शुरु हुआ। कत्ल के लिये जाने वाले बैलों को कत्लखाने के गेट पर रोका जाता है। महाराष्ट्र की पुलीस सत्याग्रहियों को गिरफ्तार करके अच्छे-अच्छे जवान बैलों को कत्लखाने के भीतर भेज देती हैं। वहां पर बैलों को कत्ल तो किया ही जाता है, साथ-साथ महाराष्ट्र सरकार के अपने ही कानून की कत्ल भी होती है।

चौथा नई दिल्ली में

हर सोमवार को गोरक्षा सत्याग्रह

सन्त विनोबा जी के निर्देशानुसार गोवंश हत्यावन्दी का केन्द्रीय कानून वनाने का स्मरण दिलाने के लिए २० जून १९८३ से भारत की राजधानी नई दिल्ली में गोरक्षा सत्याग्रह चल रहा है। नौ माह हुए, अखण्ड रूप से सत्याग्रह चालू है। भारत सरकार ने अपने वादे पूरे किए ही नहीं, संसद के प्रस्ताव का भी आदर नहीं किया। गोहत्या दिन-दूनी रात चौगुनी बढ़ती जा रही है। इस विनाश को रोकने के लिए हर सोमवार को दूर-दूर के ग्रामीण अंचलों से सत्याग्रही आते हैं, सत्याग्रह करते हैं। सरकार उन्हें गिरफ्तार करती है, दो-तीन घंटे बाद छोड़ देती है। हमारी भावना है कि यह तपस्या काम करेगी, सरकार और जनता दोनों में चेतना जागृत होगी।

पिछले जत्थे

२० फरवरी को फरीदाबाद के जत्थे ने श्रीमती अरुणबाला शर्मा के नेतृत्व में सत्याग्रह किया था। २७ फरवरी को दिल्ली बन्द होने के कारण आगरा का जत्था रास्ते से ही लौट गया। गोरक्षा सम्मेलन की पूर्णाहुति पर १३ मार्च को बड़ा सत्याग्रह हुआ। करीब ४०० प्रतिनिधि का जत्था प्रधानमन्त्री के निवास पर, सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बाबू भाई पटेल (भू०पू० मुख्यमन्त्री गुजरात) के नेतृत्व में पहुंचा। दो फर्लांग दूरी पर ही रोक कर गिरफ्तार कर लिया गया। २६ मार्च को राजस्थान का जत्था आया था। श्री रामदयाल जी खंडेवाल के नेतृत्व में सत्याग्रह किया।

आगामी जत्थे

दिनांक	वार	प्रवेश
२-४-८४	सोमवार	बल्लभ गढ़-फरीदाबाद
९-४-८४	सोमवार	हापुड़-गाजियाबाद-मेरठ
१६-४-८४	सोमवार	दिल्ली
२३-४-८४	सोमवार	—
३०-४-८४	सोमवार	राजस्थान एवं अन्य प्रदेश

राधाकृष्ण बजाज
संयोजक

नारायणदेव शास्त्री
सहसंयोजक

गोरक्षा सत्याग्रह समिति
श्रीमति कृष्णादेवी राजकृष्ण जैन स्मृति भवन
१ अन्सारी रोड, नई दिल्ली-२, फोन : २७२२१९

पांचवां सांसद सत्याग्रह

दिल्ली में ११-१२ मार्च १९८४ को गोरक्षा सम्मेलन हुआ। इस सम्मेलन में अगले कदम के रूप में सारे देश में सांसद सत्याग्रह चलने का निश्चय किया गया है। सांसद सत्याग्रह याने हर लोक सभा सदस्य के निवास पर सौम्य सत्याग्रह करना। यह सत्याग्रह भारत सरकार के सामने होगा। दिल्ली सत्याग्रह का विस्तार माना जायेगा। प्रदेश के विधायक एवं मन्त्रियों के सामने सत्याग्रह करने की बात आयी थी, लेकिन वे सब प्रदेश सरकार के अंग हैं। प्रदेश सरकार को परिपूर्ण गोवंश हत्याबन्दी कानून बनाने का अधिकार नहीं है। वह अधिकार केवल केन्द्रीय सरकार को ही है। हमारी मांग परिपूर्ण गोवंश हत्याबन्दी का केन्द्रीय कानून बनाने की होने के कारण केन्द्र सरकार के सामने ही सत्याग्रह करना होगा। लोक सभा सदस्य केन्द्र सरकार के अंग हैं। उनके सामने किया गया सत्याग्रह केन्द्र सरकार के सामने ही माना जायेगा। राज्य सभा सदस्यों के सामने भी सत्याग्रह नहीं करना है, क्योंकि वे जनता के सीधे चुने हुए प्रतिनिधि नहीं हैं।

सत्याग्रह में यह भी मर्यादा रखनी है कि सदस्य का जो चुनाव क्षेत्र याने प्रेम क्षेत्र हो, उसी क्षेत्र के निवासी सत्याग्रह करें, तभी प्रेम-प्यार रहेगा। जो सदस्य स्थायी रूप से दिल्ली रहने वाले हों, उनके दिल्ली के निवासों पर सत्याग्रह किया जा सकता है। यह सौम्य सत्याग्रह होगा। इस सत्याग्रह की मर्यादा में निवेदन, धरना, उपवास आदि सौम्य तरीके आ सकते हैं। घेराव आदि वर्ज्य हैं।

संसद सदस्यों से कहना है कि गोवंश और गांव दोनों की रक्षा करें। गोरक्षा के लिये गोवंश हत्याबन्दी का केन्द्रीय कानून बनवाने के लिये प्रधान मन्त्री जी से निवेदन करें। संसद में बिल रखवाने की कोशिश करें। गांव की रक्षा के लिये भूमि, वन, सिंचाई, ग्रामीण, आयात-निर्यात के अधिकार कानून में ग्राम-सभा को दिलवायें। यदि सांसद इन दोनों कार्यों के करने में असमर्थ हो, तो त्याग-पत्र देकर हमारे बीच आजावें। सांसद हमारे क्षेत्र का प्रतिनिधि है, हमारे क्षेत्र की राय उसे संसद में देनी चाहिये। उस राय को मनवाने के लिये हर सम्भव प्रयास करना चाहिये, तभी वह हमारा प्रतिनिधि रह सकता है।

धीरे-धीरे अनुभव से आगे का मार्ग सूझता जावेगा। गांधी-विनोबा के सत्य प्रेम-करुणा के मार्ग से ही आगे बढ़ना है, हमारा यह सत्याग्रह अराजनैतिक, असाम्प्रदायिक एवं अहिंसक होगा, इतना ध्यान में रहे।

गोरक्षा का आरम्भ घर से हो

गोव्रत-गोग्रास-वनस्पति बहिष्कार

१९२४ में बेलगांव कांग्रेस के समय गोरक्षा सम्मेलन हुआ था, जिस की अध्यक्षता प्रथम बार महात्मा जी ने की थी। गोरक्षा का भार उठाते ही महात्मा जी ने पहली मांग यह रखी थी कि गोरक्षा चाहने वालों को अपने नित्य जीवन में गाय को स्थान देना चाहिये। अर्थात् गोव्रत रखना चाहिये। गोव्रत यानि घी, दूध या उससे बनी चीजें केवल गाय की ही हों। भैंस के घी-दूध का इस्तेमाल न किया जाय। गोव्रत रहेगा तो गोपालन होता रहेगा। घर में गाय रख सके तो सर्वोत्तम, नहीं तो गाय का घी-दूध खरीदें, ताकि ग्वाला गाय पालता रहे। आज ऐसा समय आयाहै कि शुद्ध घी के दर्शन ही दुर्लभ हो गये हैं। जमाये तेल में भी चर्बी मिलाई जाती है। ऐसी स्थिति में घी की बात छोड़कर केवल दूध-दही ही गऊ का लिया जाय तो गायें पल सकती हैं। गोव्रत लेने में आरम्भ में कठिनाई हो सकतीहै, लेकिन संकल्प पक्का हो तो कोई न कोई व्यवस्था मनुष्य बैठा ही लेता है।

दिल्ली वाले पूछते हैं कि दिल्ली में गोदुग्ध कहां से मिलेगा ? दिल्ली में रोजाना बीकानेर के रेगिस्तान से उत्तम से उत्तम एक से दो लाख लीटर तक गोदुग्ध आ रहा है। लोगों की निष्क्रियता के कारण भैंस के दूध के साथ मिलाकर वह बेचा जाता है। यदि दिल्ली के लाख-पचास हजार लोग गाय का दूध लेने का निर्णय करें तो दिल्ली दूध योजना पटेल नगर से चालू भावों में ही उत्तम गोदूध मिल सकता है।

गोग्रास

प्राचीन काल से यह परम्परा चली आ रही है कि भोजन के आरम्भ में गोग्रास निकाला जावे। प्राचीन जमाने में हर घर में गायें रहती थी और उन्हें पहला ग्रास खिलाना आसान था। आज तो शहरों में रहने वाले अनेक बच्चों ने गाय देखी भी नहीं है। बच्चों से पूछते हैं, दूध कहां से आता है ? तो कहते हैं, बोतल से। ऐसे जमाने में गोग्रास निकालने का एक ही तरीका है कि हर माह अपनी आमदनी का कुछ हिस्सा, कम से कम रुपये में एक नया पैसा यानि एक प्रतिशत आमदनी गोरक्षा के निमित्त निकाली जाय और उसे हर माह गोरक्षा के काम के लिये ऐसी गोरक्षा संस्था को दिया जाय जिस पर आपका विश्वास हो।

हम सचमुच इस देश में गोरक्षा चाहते हों तो उसका प्रारम्भ अपने घर से करना चाहिए। जो भाई-बहन सत्याग्रह में नहीं जा सकते हैं, या अन्य त्याग तपस्या नहीं कर पाते हैं, वे भी गोव्रत रख सकते हैं, गोग्रास दे सकते हैं, यदि करोड़ों लोग इस प्रकार सक्रिय रूपसे गोरक्षा में लग जायें तो गोरक्षा होकर ही रहेगी। साथ ही एक संकल्प यह भी लिया जाय अपने घर में वनस्पति (जमाया तेल) कतई नहीं आवे, उसका परिपूर्ण बहिष्कार करेंगे।

प्रधान फोन नं: 20664-26104 21.11.82 कार्यालय : 20920

श्री गौ रक्षणी सभा (रजि:) लुधियाना

SHRI GOW RAKSHANI SABHA (REGD.) LUDHIANA.

क्रमाँक नं GR.No 276/82 तिथि 17/11/82

Worthy Worship Shri Sat Guru Ji Maharaj,

It gives me immense pleasure to inform your Holiness that the management of SHRI GOW RAKSHANI SABHA (REGD) LUDHIANA is celebrating the GORE ASHTAMI on Wednesday the 24th November, 1982. Honourable Dr. Kewal Krishan, Finance Minister Punjab, Honourable Sh. Sardari Lal ji Kapoor, Local Bodies Minister Punjab have very kindly accepted to grace the occassion. Honourable Sh. Joginder Paul ji Panday, Health Minister Punjab shall preside over the function. It is the ardent desire of the Managing Committee that your Holiness be approached with a request to prticipate alongwith other Dignatories and personalities of your great institution NAMDHARI DARBAR in the celebrations of GORE ASHTAMI.

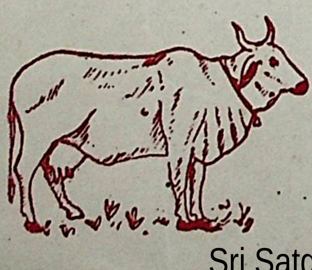
I am, therefore, writing this to give your kind approval to join us in the function. It will be our proud privilege to honour your goodself on THE day. Further the audience shall also be too happy to hear your sermons in this connection. I fervently request Your Holiness to spare a few minutes from your busy schedule with a view to guide us, so as to further THE cause of GOW MATA which is also so dear to Namdharies. The management trust your goodself will kindly acceed to our request and allow us to welcome Your Holiness on this occasion.

It will be relevant tomention that Vice-Chancellor, Punjab Agricultural University, Ludhiana and other prominent personalities shall also grace the occasion. A line in confirmation shall be highly appreciated.

With personal regards,

Yours sincerely,

PRESIDENT.



vegli

ફોન C/O ૪૪૧૩૭૯

"અબોલ જીવો માટે બોલનારી સંસ્થા"

શ્રી અખિલ ભારતીય હિંસા નિવારણ સંઘ

ઠે. ચંદ્રાલય, ૪૭, સ્વસ્તિક સોસાયટી, નવરંગપુરા, અમદાવાદ–૩૮૦ ૦૦૯.

Regd. No. 2304-744 Dt. 14-8-80 Donation is exemoted under Section 80 G of the Income Tex Act. ref. Income Tax certificate No. HQ 11/P 33-45/ AR III/81-84

પ્રતિ શ્રી

વિ. આપના પુણ્યદેહે કુશળતા હશે.

બીજુ વર્તમાનકાળમાં ભારત દેશમાં અબોલ પ્રાણીઓની થતી કારમી હિંસાથી તો આપ સુપરિચિત છો. તેનું હવે વર્ણન કરવાની જરૂર રહી નથી તેમ છતાં 'સંદેશ' ના તા. ૨૯–૧૦–૮૨ ના અંકમાં 'પ્રાસંગિક' ચર્ચા છપાઈ છે તેની નકલ આં સાથે અમો મોકલીએ છીએ તે જોઇ જવા વિનંતી. સ્વરાજય મળ્યા પછી સરકારોની સક્રિય સહાયથીજતે ફુલીફાલી રહી છે. તેમાં હવે કોંઈ શંકાનું કારણ રહ્યું નથી. તે ઉપરાંત સારાએ દેશમાં ભ્રષ્ટાચાર, અનીતિ, માંસાહાર, મચ્છીમારી, ઈંડા વિગેરેના ખોરાકનો થઈ રહેલો જોરશોરથી પ્રચાર તેમજ ગર્ભપાતનો કાયદો લોટરી, જુગાર અને સીનેમા, રેડીઓ. દ્વારા ટેલીવીઝન દ્વારા આપણી સંસ્કૃતિનો નાશ કરનાર તત્વોનો મોટા પાયા પર થતો પ્રચાર દારૂ તથા સીગાચેટ જેવી માદક વસ્તુઓનો થઈ રહેલો ખુબ જ મોટા પ્રમાણમાં વપરાશ વિગેરેથી આપણો ભારત દેશ આર્ય દેશના બદલે અનાર્ય દેશ જેવો દેખાય છે. આથી તમામ ધર્મોના પૂ. સાધુ સંતો તથા સજ્જનો હાલમાં ખુબજ વ્યવસ્થિત છે તે અંગે આ બધાઓ ખાનગીમાં પોતપોતાના વર્તુળોમાં હાયરવરાળ કાઢે છે. અને દુઃખી થઇ રહ્યા છે. પરંતુ આવા સંજોગોમાં તમામ ધર્મોના પૂ. સાધુ સંતોએ સંગઠીત થઈ સરકાર તેમજ પ્રજા ઉપર પ્રભાવ પાડી હવે આપણા દેશને ફરીથી આર્ય દેશ બનાવવા પ્રજાએ શું કરવું જોઈએ અને ફુલીફાલેલા તમામ અનિષ્ઠો દુર કરવા સમગ્ર પ્રજાએ કઈ રીતે સંગઠન કરવું જોઈએ તે અંગે સ્પષ્ટ માર્ગદર્શન આપવુ જોઈએ. આપ સારી રીતે જાણો છો કે તમામ સત્તા સ્થાનો જેવા કે લોકસભા–રાજસભા ધારાસભા-મ્યુનિસિપલ કોર્પોરેશનો - મ્યુનિસિપાલીટીઓ - પંચાયતો ટ્રસ્ટો તથા મંડળોમાંથી સજ્જન પુરૂષો અલિપ્તા રહેવાથી અનિષ્ઠ તત્વોએ આવી બધી સંસ્થાઓનો કબજો લીધો છે. ઉંડી વિચારણા કરતાં એમ જણાય છે. કે પૂ સાધુસંતો તથા સજ્જનો રાજકારણથી અલિપ્ત રહ્યા હોવાથીજ આવું ભયંકર પરીણામ આવેલુ છે. તે માટે હવે જનતાને કઈ રીતનું માર્ગદર્શન આપવું તે વિચારવા જેવું છે. આવી વિચારણા કરવા સારૂ ઠેર ઠેર તમામ ધર્મોના પૂ. સાધુ સંતો તથા સજ્જનોના સંમેલનો ભરવાની તાતી જરૂર છે.

આ માટે શ્રી અખિલ ભારતીય હિસા નિવારણ સંઘ તરફથી તૈયાર કરેલા નિવેદનની નકલ આપશ્રીને અમો આ સાથે મોકલી આપીએ છીએ. તમામ ધર્મોના સંપ્રદાયોમાં આપસઆપસમાં ગમે તે પ્રકારના મતભેદો હોય તે બાજુએ રાખી આપણે જે ધ્યેય માટે સૌ એક મત છીએ તેવા આ નિવેદનમાં જણાવેલ ઉપરોક્ત સિધ્ધાંતો માન્ય રાખનારા તમામ ધર્મોના સંતપુરુષોની સહી મેળવી આ નિવેદન અખબારોમાં પ્રસિધ્ધ કરવા અમોએ વિચાર્યું છે. જેથી દરેક ધર્મના અનુયાયીઓ હિંદુસ્તાનમાં અબોલ પ્રાણીઓની થતી ક્રૂર હિંસાના નિવારણ તથા ભારતીય સંસ્કૃતિના રક્ષણ કાર્યમાં જોડાય અને પ્રજાનું માનસ બદલવામાં સહાયરૂપ થાય અને પ્રજા ચેતનવંતી બને.

અબોલ પ્રાણીઓની થતી ઘોર હિંસાનું નિવારણ અને આર્યસંસ્કૃતિના રક્ષણના કાર્યમાં બધા જ સાધુ–સંત પુરૂષો એકમત છે એમ અમો મક્કમ પણે માનીએ છીએ. આવા સાધુ–સંત પુરૂષોનું એક સંમેલન કેટલાય સાધુ સંત પુરૂષોની પ્રેરણાથી અમદાવાદમાં યોજવાનો કાર્યક્રમ અખિલ ભારતીય હિંસા નિવારણ સંઘ દ્વારા વિચારવામાં આવેલ છે, જે સંમેલનમાં તમામ ધર્મોના સાધુઓ, સંતો, મહંતો મઠાધિશો એકઠા મળીને ઉપરોક્ત પ્રશ્નો અંગે સંપૂર્ણ ચર્ચા વિચારણા કરી પ્રજાને નક્કર કાર્યક્રમ આંપી હાલના અસાધારણસં જોગોમાં સાચું માર્ગદર્શન પૂરું

પાડે અને અબોલ પ્રાણીઓની થઈ રહેલી ઘોર હિંસા અટકાવવા તથા આર્ય સંસ્કૃતિના રક્ષણ માટે તમામ સાધુ-ભગવંતો, સંતપુરૂષો અને સજ્જનોને આગળ આવવા અને સંમેલનમાં નક્કી કરવામાં આવે તે કાર્યક્રમને અમલમાં મૂકવા આદેશ આપે અને તેના અમલ માટે યોગ્ય વ્યવસ્થા પણ સાથે નક્કી કરવામાં આવે. હાલના તમામ રાજકીય પક્ષો માત્ર સત્તા હાંસલ કરવા પ્રયત્ન કરે છે તેમને હિંદુસ્તાનમાં ફેલાયેલ અનિષ્ટો દુર કરવામાં ખાસ કોઈ રસ હોય તેમ પ્રજાને લાગતું નથી તેથી હવે રાજકીય પક્ષોથી અલિપ્ત રહી હિંદુસ્તાનમાં સુરાજ્ય સ્થાપવા માટે ઉપર જણાવેલ સ્પષ્ટ ધ્યેયો સ્વીકારનાર જ સત્તાસ્થાને ચૂંટી મોકલવા પ્રયત્ન કરવો રહ્યો. અને તેની તૈયારીઓ અત્યારથીજ કરવી રહી.

અત્યાર સુધીમાં આ સાથે મોકલેલ નિવેદન ઉપર જે સાધુઓ-સંતપુરૂષોની સહીઓ અમોએ મેળવી છે તેમની યાદી આ સાથે આપેલ છે. વિશેષ સહીઓ મેળવવાનું કાર્ય ચાલુ છે. સાધુ-સંતપુરૂષોની સહીવાળા જેટલા નિવેદનો અમોને મળશે તેઓના નામ સાથે અખબારમાં પ્રગટ કરવાનું અમોએ વિચાર્યું છે.

આવું સાધુ-સંત સંમેલન અમદાવદ માં સંવત ૨૦૩૯ના ૨૦મી ફેબ્રુઆરી ૧૦૮૩ નારોજ ગોઠવવા અમારો વિચાર છે. આપ તેમાં અવશ્ય ઉપસ્થિત થઈ સક્રિય બની આવા મહાન પવિત્ર કાર્યમાં અમોને પૂરેપૂરો સહકાર આપશો એવી અમોને ખાત્રી છે. આપશ્રી આવા સંમેલનમાં કોણકોણ હાજરી આપી શકશો તે અમોને બનતી ત્વરાથી જણાવવા કૃપા કરશો જેથી સંમેલન યોજવાનો નિર્ણય લેવામાં અને તે માટે જરૂરી વ્યવસ્થા કરવામાં સરળતા રહે.

આપ પૂજ્યશ્રી આ સાથેના નિવેદનપત્રમાં આપની સહી કરી બનતી વહેલી તકે અમોને મોકલી આપવા કૃપા કરશોજી. સાથે સાથે આપના તે અંગેના સલાહ સૂચનો, માર્ગદર્શન જણાવવા અમારી નમ્ર વિનતી છે.

આપ પૂજ્યશ્રીઓના આશિર્વાદની અને સહકારની અભિલાષા રાખીએ છીએ.

લી. દર્શનાભિલાષી

ડો. સુરેશભાઇ એસ. ઝવેરી

(એમ. ડી. એમ. આર સી. પી. એડીન બરો)

ના સબહુમાન પ્રણામ

માનદ્ પ્રધાનમંત્રી

શ્રી અખિલ ભારતીય હિંસા નિવારણ સંઘ

બીડાણ: ૧ નિવેદન

૨ પ્રાસગિકલેખની નકલ

૩ યાદી

ફોન C/o ૪૪૧૩૭૯

"અબોલ જીવો માટે બોલનારી સંસ્થા"

શ્રી અખિલ ભારતીય હિંસા નિવારણ સંઘ

ઠે. ચંદ્રાલય, ૪૭, સ્વસ્તિક સોસાયટી, નવરંગપુરા, અમદાવાદ–૩૮૦ ૦૦૯.

Regd. No. 2304–744 Dt. 14-8-80 Donation is exempted under Section 80 G of the Income Tex Act. ref. Income Tax certificate No. HQ 11/P 33–45/ AR III/81-84

પ્રતિ શ્રી

વિ. આપના પુણ્યદેહે કુશળતા હશે. આપશ્રી સારી રીતે જાણો છો કે પ્રાચીન કાળમાં આપણા હિંદુસ્તાનમાં અબોલ પ્રાણીઓની કતલ ખૂબ જ ઓછા પ્રમાણમાં થતી હતી. કારણ કે તે સમયે માંસાહાર કરનારાઓનું પ્રમાણ બહુ ઓછું હતું. તેમાં પણ સરકારો આવી કતલને પ્રોત્સાહન આપતી ન હતી. પરંતુ આપણા દેશમાં જ્યારથી અંગ્રેજોનું રાજ્ય આવ્યું ત્યારથી રાજ્યે મોટા કતલખાના ઉભા કરવાનું શરૂ કર્યું અને આવા કાર્ય માટે રાજ્યનો ટેકો મળવાથી અબોલ પ્રાણીઓની કતલ મોટા પ્રમાણમાં થવા માંડી તેમજ માંસાહારને વેગ મળ્યો. ત્યાર બાદ આપણો દેશ સ્વતંત્ર થયો અને પ્રજાએ ચુંટેલા પ્રતિનિધિઓ દ્વારા રાજ્યનો કારભાર શરૂ થયો. દુઃખની વાત એ છે કે આપણી લોકસભા રાજ્યસભા–ધારાસભા વિગેરેમાં ચુંટયેલા પ્રતિનિધિઓ મોટા ભાગે પશ્ચિમની કેળવણી લીધેલા હોવાથી પશ્ચિમના દેશોની અસર નીચે આવી ગયા અને અનેક બહાનાં હેઠળ તેમણે આખાએ દેશમાં છેલ્લી ઢબનાં મોટા મોટા કતલખાના ખોલવા માંડયા. મત્સ્યઉદ્યોગના નામે અગણિત માછલાંના સંહારની યોજનાઓ અમલમાં મૂકવામાં આવી અને મરઘાપાલનના નામે લાખો મરઘીઓની હત્યા કરવાની યોજનાઓ અમલમાં મૂકી તેના વપરાશ માટે સીધી કે આડકતરી રીતે માંસાહારના પ્રચારની યોજનાઓ અમલમાં આવી. બાકી હતું તે ગર્ભપાતનો કાયદો આવ્યો. આમ કરી આપણા દેશમાં રાજ્યાશ્રયે કરોડોની સંખ્યામાં અબોલ પ્રાણીઓની ક્રૂર હત્યા વર્તમાનકાળમાં થઈ રહી છે.

આવી બધી યોજનાઓ સરકાર ઘડી રહી હતી ત્યારે આપણા તમામ ધર્મોના આચાર્યભગવંતો, સંતો, મહંતો, મઠાધીશો વિગેરે તેનાથી તદ્દન અલિપ્ત રહીને પ્રજાને માત્ર ચીલાચાલુ વ્યાખ્યાનો, કથાઓ, ઓચ્છવો અને ધાર્મિક અનુષ્ઠાનો કરાવવાનું કામ કરતા રહ્યા તેમજ મોટા મોટા મંદિરો ધાર્મિક સ્થાનો વિગેરે બાંધવાની યોજનાઓ ઘડીને પ્રજાને પોતાની આવક આવા ધાર્મિક કાર્યોમાં ખરચવાનો ઉપદેશ તેઓએ આપ્યા કર્યો અને તે મુજબનો વ્યવહાર આજ સુધી ચાલુ રહયો છે. સરકારે જોયું કે અબોલ પ્રાણીઓની થઈ રહેલી કારમી કતલ સામે તમામ ધર્મના આચાર્યો, સંતો, મહંતો, મઠાધીશો વિગેરે તથા આમપ્રજા આ બાબતમાં તદ્દન ગાફેલ અને બેદરકાર છે, જેનો લાભ લઈ સરકાર ભયંકર હિંસક યોજનાઓ વિના રોકટોક ઘડીને અમલમાં મૂકતી રહી છે.

ઉપરની વાસ્તવિક હકીકતથી આપ સહેલાઈથી સમજી શકશો કે અત્યારે જે ન કલ્પી શકાય તેટલા મોટા પ્રમાણમાં અબોલ પ્રાણીઓની ગોઝારી હિંસા થઈ રહી છે તેની ખરેખરી જવાબદારી કોની છે તે તો તમામ ધર્મોના આચાર્યભગવંતો, સંતો, મહંતો, મઠાધિશો વિગેરે જ નક્કી કરે તેજ યોગ્ય ગણાશે. જો આ મહાપુરૂષોએ આવી ભયંકર યોજનાઓનો સામનો પોતાનું બલિદાન આપીને પણ તે વખતે કર્યો હોત. તો આવી કારમી હિંસા ના કાર્યો અમલમાં આવી શકયાં નહોત. ખેર.........જેવી ભવિતવ્યતા.

હજુ પણ આવી ઘોર હિંસા અટકાવવી હોય તો હવે તમામ ધર્માચાર્યો વિગેરેએ મોટા પ્રમાણમાં પોતાનું આત્મબલિદાન આપ્યા સિવાય ચાલે તેમ નથી. જો તમામ ધર્મોના આચાર્યો, સંતો, મહંતો, મઠાધિશો વિગેરે સંગઠન સાધી પોતપોતાના આચારોની મર્યાદામાં રહીને અને જરૂર પડે અપવાદ માર્ગનું પણ સેવન કરીને પોતાનું બલિદાન આપવા તૈયાર થાય અને જનતાને બલિદાન આપવા તૈયાર કરે તો આવી બીન જરૂરી ગોઝારી હિંસા થોડાક જ વખતમાં જરૂરથી અટકાવી શકાય એમ અમારું મક્કમ પણે માનવું 'છે

" ધર્મનો પંથ છે. શૂરાનો, નહિ કાયરનું કામ જોને........" આપ સૌ જો આપસ-આપસના મતમતાંતરોને ગૌણુ બનાવીને વિશાળ સંગઠન સાધી જાત કુરબાની આપવા તૈયાર થાવ તો પ્રાણીઓની થતી હિંસા મોટા ભાગે જરૂર અટકાવી શકાશે.

અત્યારના ચીલાચાલુ વ્યાખ્યાનો, ઉપદેશો, કથાઓ, ધાર્મિક અનુષ્ઠાનો, મોટા મોટા મંદિરો બાંધવાની યોજનાઓ કરવાના કાર્યને દ્રવ્ય, ક્ષેત્ર, કાળ, ભાવને ધ્યાનમાં લઈને થોડા સમય માટે ગૌણુ કરી કરોડોની સંખ્યામાં અબોલ પ્રાણીઓને બચાવવાનાં કાર્યને મુખ્ય ગણી આ ભગીરથ કાર્ય ઉપાડી લો અને અહિંસા ધર્મનો ડંકો વગાડાવવા માટે થોડોક વખત દાનનો પ્રવાહ પણુ બદલાવી અબોલ પ્રાણીઓની હિંસા નિવારણુના કાર્યમાં દાનનો પ્રવાહ લઈ ગામોગામ ફરીને ઉપદેશ આપવાનું શરૂ કરો તો જ અબોલ પ્રાણીઓની હિંસા માં રૂકાવટ આવશે અને હિંદુસ્તાનની આર્યસંસ્કૃતિનું ફરીથી પ્રતિષ્ઠાન કરી શકાશે. આપ સૌ જો જાત કુરબાની આપવા તૈયાર થશો તો પ્રજા આપને તન-મન-ધનથી સંપૂર્ણ ટેકો આપશેજ એવી અમોને ખાત્રી છે.

હવે કોઈએ પ્રમાદ સેવવાનો સમય નથી. સવેળા જાગો-ઉઠો અને કુરબાની આપવા તૈયાર થાવ.

સુજ્ઞેષુ કિં બહુના

લિ.

શ્રી અખિલ ભારતીય હિંસા નિવારણુ સંઘ

ડૉ. સુરેશભાઈ એસ. ઝવેરી

M. D. M. R. C. P. (Edn)

માનદ્ પ્રધાનમંત્રી

ઘોર હિંસાને અટકાવવા તમામ આર્યસંસ્કૃતિપ્રેમીઓને.......

—: જાહેર નિવેદન :—

"અહિંસા પરમો ધર્મઃ" અને "આત્મનઃ પ્રતિકુલાનિ પરેષાં ન સમાચરેત" એ મોક્ષલક્ષી આર્યસંસ્કૃતિના પાયાના મૂળભૂત સિધ્ધાંતો છે. એ સિધ્ધાંતોના પાલન માટે જ મહાપુરૂષોએ અસત્યત્યાગ, અચૌર્ય, બ્રહ્મચર્ય અને નિષ્પરિગ્રહિતા વિગેરે ધર્મોનું પાલન આવશ્યક ફરમાવ્યું છે. આજે તે પાયાના મૂળભૂત સિધ્ધાંતો અને એ માટે જરૂરી ધર્મોનો છડે-ચોક રાજસત્તા ધ્વારા ભંગ થઈ રહયો છે, જે આર્યદેશનું મોટામાં મોટું કલંક બની ચૂકયું છે.

વર્તમાનમાં છેલ્લાં કેટલાક વર્ષોથી રાજયાશ્રયે અબોલ પ્રાણીઓની વિશાળ પ્રમાણમાં જે રીતે હિંસા થઈ રહી છે, તેથી કોઈપણ દયાળુ હૈયું કારમી કંપારી અનુભવ્યા સિવાય રહી શકે તેમ નથી. રાજયાશ્રયે આવી કારમી હિંસા ભૂતકાળમાં કદાપિ થઈ હોવાનું જાણવામાં આવ્યું નથી. આર્ય દેશમાં ભૂતકાળમાં મુસ્લિમ સમ્રાટોના રાજયકાળમાં પણ રાજયાશ્રયે આવી ઘોર હિંસા થઇ નથી.

આર્યદેશમાં રાજસત્તા હમેશાં ધર્મસાપેક્ષ રહી છે, અને તેના કારણે જ આજે હજારો વર્ષોથી મોક્ષલક્ષી આર્ય સંસ્કૃતિ પોતાનું અસ્તિત્વ ટકાવી રહી છે.

કારમી કમકમાટી અનુભવતા દયાળુ હૈયાને કારમો વજ્રઘાત પહોંચાડે તેવી વાત તો એ છે કે અહિંસા પ્રધાન ભારતની ભવ્યભૂમિમાં જન્મેલા આ દેશના વર્તમાન શાસકો આજે વૈભવવિલાસ માટે, હુંડિયામણ કમાવા માટે અને સૌંદર્ય પ્રસાધનો મેળવવા તથા અનાજની તંગીના કૃત્રિમ કારણો જેવા અનેક કારણો આગળ ધરી અસંખ્ય જીવોની ભયંકર હિંસા કરી રહયા છે તે આર્ય એવા ભારતવર્ષ માટે કલંક રૂપ છે.

જગતના જીવ માત્ર જીવવા ઈચ્છે છે. મરવા કોઈ ઈચ્છતું નથી, માટે કોઈપણ જીવની હિંસા ન થાય તેની કાળજી રાખી તે માટે યથા શકય પ્રયત્ન કરવો, એ આર્ય દેશનો સર્વોત્તમ ધર્મ છે. એ ધર્મના પાયા ઉપર **મોક્ષલક્ષી આર્ય સંસ્કૃતિની** ઈમારત ખડી થઈ છે તે ઈમારતના વિલયનો પ્રસંગ ઉપસ્થિત થયો દેખાય છે. તેવા સમયે **અહિંસાપ્રેમીઓ સંસ્કૃતિપ્રેમીઓ અને તેવી સંસ્કૃતિના આધારસ્થંભો જેવા સંતો, મહંતો અને ધર્માચાર્યો વિગેરેએ** રાજયાશ્રયે થતી ગોઝારી હિંસાને અટકવવાના પોતાના સુપ્રયત્નોને વેગવંતા બનાવવાની અને તે માટે શાસકો તથ પ્રજાને સુયોગ્ય દોરવણી આપવાની તાતી જરૂરિયાત ઉભી થઇ છે.

અમે આર્ય ગણાતા ભારતવર્ષના તમામ શાસકોને તથા સંસ્કૃતિપ્રેમીઓને ભારપૂર્વક જણાવીએ છીએ કે. સઘળા સંસ્કૃતિપ્રેમીઓએ એકત્ર થઇને આ રાજયાશ્રયે થતી ઘોર હિંસાને અટકાવવા સંપૂર્ણ પ્રયત્ન કરવો જોઇએ, અને એવો પ્રયત્ન કરતી **સુયોગ્ય સંસ્થાઓ કે વ્યકિતઓને તન, મન, ધનથી સહકાર આપો એ ખૂબ જરૂરી છે.**

સહી :—

ફોન C/o ૪૪૧૩૭૯

"અબોલ જીવો માટે બોલનારી સંસ્થા"

શ્રી અખિલ ભારતીય હિંસા નિવારણ સંઘ

. ચંદ્રાલય, ૪૭, સ્વસ્તિક સોસાયટી, નવરંગપુરા, અમદાવાદ—૩૮૦ ૦૦૯.

Regd. No. 2304-744 Dt. 14-8-80 Donation is exempted under Section 80 G of the Income Tax Act. ref. Income Tax certificate No. HQ 11/P 33-45/ AR III/81-84

રૂા. ૧૨ કરોડના હુંડીયામણને ખાતર દેડકાના પગની થતી નિકાસ

'પ્રાસંગિક' સંદેશ શુક્રવાર ૨૯-૧૦-૮૨ પાનું-૪

બાર મહિને ૨૦૦ કરોડ નંગ દેડકા કેવી રીતે મળે છે.?

પરદેશી હુંડિયામણ માટે આપણી સરકારનું અધઃપતન કેટલું બધું થયું છે તેનો ખ્યાલ ભારતમાંથી થતી માંસની નિકાસ પરથી આવે છે. માત્ર માંસ જેમાં ગૌમાંસ પણ મોટા પ્રમાણમાં હોય છે એટલુજ નહિ પણ જીવતાં પ્રાણીઓ પણ કતલ માટે પરદેશ વેચાય છે. બીજી તરફ ઉત્તમ જાતના ચોખા, સરસ કેરી સહીતનાં ઉત્તમ ફળ અને મચ્છીની નિકાસપણ એટલી બધી થાય છે કે ડુંગળી જેવી ગરીબોના ચીજ પણ અહીં કેટલીક વખત દુર્લભ બને છે. હુંડિયામણ માટે આટલાં વલખાં માર્યા પછી જે ડોલર કે પાઉન્ડ-સ્ટર્લીંગ મળે છે તેને આપણે કેવી મોજશોખની ચીજોમાં અને બીન જરૂરી પ્રવૃતિઓમાં વેડફી દઈએ છીએ.

બીફ વગેરે માંસ અને મચ્છી ઘણા દેશો યુરોપ, અમેરીકા તથા જાપાનને વેચે છે. આંતર રાષ્ટ્રીય વેપારની એ પણ મહત્વની આઈટમ છે. પરંતુ દરેક દેશ પોતાની પ્રજાના સંસ્કાર અને ધર્મની દષ્ટિએ સુસંગત હોય એ જ કરે છે. બાકીના બધા માટે તે ગમે તેટલું ધન મળવા છતાં એ કરતાં નથી.

આપણી ગંદી અને લોકલાગણીને દુભાવે એવી નિકાસની એક ચીજ છે દેડકાના પગ. એક માણસે આ ધંધાનું હમણાં સર્વેક્ષણ કરીને જે વર્ણન આપ્યું છે તે કોઇ પણ સંસ્કારી ભારતીયને, અને ગુજરાતીઓને સવિશેષ, આઘાત લગાડે તેવું છે.

ભારતમાંથી દેડકાના પાછળના પગ અને તેના બાકીના ભાગનું માંસ નિકાસ કરવાની શરૂઆત ૧૯૫૬માં થઈ ત્યારે તેમાંથી વાર્ષિક રૂા ૧ાાનું વિદેશી હુંડીયામણ મળેલું. આજે આ આઈટમોના નિકાસ એટલી વધી છે કે તેમાંથી અત્યારે બાર મહિને બાર કરોડ રૂપીયાનું વિદેશી હુંડીયામણ મળે છે. પરંતુ એ માટે એટલી ક્રુરતા કરવી પડે છે કે બાર કરોડ રૂપીયા જેટલી ડોલર કે પાઉન્ડ કે યેન ન કમાઈએ તો ખોટું નહિ એમ લાગે અને વધારામાં આપણા લાભોજી લાભાજી જેવા એશિયાડ, ૮૨નો જલ્સો એક દાખલો છે. જેના ખર્ચમાં બાર કરોડના હુંડિયામણની વિસાત કેટલી ?

બાર કરોડ રૂપિયાના હુંડિયામણ માટે ૪૩૬૮ ટન દેડકાનું માંસ અને તેના પાછલા પગની નિકાસ ગયા વર્ષે કરી હતી. દેડકાની ૨૦૦ જાતોમાંથી માત્ર ત્રણ જ જાત ભોજન માટે વખણાય છે, અને હવે જયારે ધંધો લઇને બેઠા છીએ ત્યારે દેડકાને પધ્ધતિસર કેમ જથ્થાબંધ ઉછેરવાનો પ્રબંધ ન કરવો? કેન્દ્ર સરકારે આ જરૂરીયાત પારખીને પ. બંગાળમાં કલ્યાણી ખાતે ફ્રોગ કલ્ચર રીસર્ચ સેન્ટર સ્થાપ્યું છે, જયાં ભોજન માટે ઉત્તમ ગણાતી દેડકાની જાતોને વધુ સુધારવાના પ્રયોગ થાય છે.

પ. બંગાળ અને કેરલમાં ગરીબ લોકો જેમ ગુજરાતમાં ભુંડ પકડે છે, તેમ દેડકા પકડવાનું કામ કરે છે. તેઓ તળાવ, નદી, નાળાના કાંઠા વગેરે નાના મોટા પાણીના સ્થળો રાત-દિવસ ખૂંદીને દેડકા પકડે છે દેડકા રાત્રે જલ્દી મળી આવે છે. તેથી ફાનસ લઈને એ લોકો તલાવડાં, ખાબોચીયા વગેરેમાં ભમ્યા કરે છે. સાઠેક હજાર ગરીબ લોકો થોડાક પૈસા કમાવા માટે આ પ્રવૃત્તિમાં પડયા છે. તેમને કશું ખાસ મળતું નથી, પણ પેટનો ખાડો પૂરવાનો હોય ત્યાં આ સારી તક ન ગણાય? ધંધામાં ઉપર બેઠેલા માણસો એ બિચારાઓ પાસેથી લગભગ મફતમાં માલ પડાવી લેતા હોય છે. આ રઝળતા માણસો પાસેથી દેડકા ખરીદનારા દલાલો હોય છે. એ દલાલો દેડકાના કસાઈઓને તે વેચે છે. કસાઈઓ જેમ દરજી કપડું વેતરે તેમ દેડકાના પાછલા ભાગથી છેક કરોડરજજુના ભાગ સુધીના પગ કાપીને જુદા કરી બાકીના તરફડતા દેડકાને ફેંકી દે છે. ત્યાર પછી નિકાસકાર કંપનીઓને એ પગ જથ્થાબંધ વેચવામાં આવે છે. દેશમાં એવી ત્રીસેક કંપનીઓ છે જે આ નિકાસની સ્પેશ્યાલીટીવાળી ગણાય છે. નિકાસ કંપનીઓ એજન્ટો પાસેથી "માલ" લઇને "ફેકટરીઓ" માં મોકલે છે ત્યાં પગ પરથી ચામડી ઉઝરડીને માંસ ખુલ્લું કરે છે. અને સ્વચ્છમાં સ્વચ્છ એવા કલોરીનેટેડ પાણીમાં બોળીને બિલકુલ સાફ કરીને તરત જ ડીપ ફ્રીઝમાં મૂકી દે છે. એ પગનું માંસ એટલું બધું કુમળું હોય છે કે તેને તરત જ હવામાંના જંતુઓની અસર થતાં ઝેરી બનીને ખાવાને લાયક રહેતું નથી. ડીપ ફ્રીઝમાં સેંકડો કીલોગ્રામ માલ એકઠો થયા પછી તેને ૧૦ થી ૨૦ કીલોનાં પેકીંગ માટે પોલીથીનની બેગોમાં જાપાનના વેપારીઓ સુધી મૂકવામાં આવે છે.

એ બેગોને યુરોપ, અમેરિકા કે જાપાનના વેપારીઓ સુધી પહોંચાડવા માટે એર કન્ડીશન્ડ વહાણો હોય છે જેમાં ફ્રીઝવાળી મોટી વખારોમાં એ " માલ " ગોઠવવામાં આવે છે. યુરોપ-અમેરિકામાં આયાતી માંસ, અનાજ અને દારૂ જેવા પ્રવાહીઓની કડક ચકાસણી આરોગ્યની દષ્ટિએ કરવામાં આવે છે અને જો તે જરા પણ ઉતરી ગયેલાં કે કહોવાનાં લાગે તો બંદરેથી ન ઉતરવા દેતા તેનો તત્કાલ નાશ કરે છે. દેડકાના પગની વાનગી પશ્ચિમમાં ખૂબ લોકપ્રિય હોય છે, પરંતુ જો બંદર પર ઉતરતાં સુધી એ જરા પણ વાસી બને તો તે માલને ત્યાંના અમલદારો રીજેકટ કરીને ફેંકી દે છે અહીંથી તાજો

જ માલ જાય અને સ્ટીમરમાં ફ્રીઝીગંની સગવડ સંતોષકારક છે તેની ખાત્રી કરવા માટે સરકારનું એક ખાતું છે. પરદેશમાં ખરાબ માલ જાય તો આપણી આબરૂ જાય અને સોદો નિષ્ફળ જવાથી આર્થિક ફટકો પડે એ આફતો ટાળવા માટે સરકાર આ સાવચેતી, ધંધો ખાનગી કંપનીઓનો છતાં રાખે છે.

વધારે રમુજ અથવા ક્રુર કટાક્ષની વિગત એ છે કે, આ વેપારની બધી ક્રિયાઓ વાઈલ્ડ લાઇફ એક્ટ નીચે ચાલતી હોવાથી તેમાં કોઈ પણ તબક્કે બિનજરૂરી ક્રુરતા આચરવામાં આવી નથી તેની ખાત્રી પણ વાઈલ્ડ લાઈફ ખાતું કરે છે અને દરેક નિકાસકારે તેમનું પ્રમાણપત્ર વખતોવખત મેળવવું પડે છે.

ધંધો ધમધોકાર ચાલે તો દેડકાં ખુટીને નાબુદ થઈ જાય. દેડકાં કુદરતે નક્કી કરેલી સજીવ સૃષ્ટિમાં મહત્વનાં હોવાથી દેડકાં તો પુષ્કળ સંખ્યામાં હોવા જોઈએ એવું કુદરતી ફરમાન છે. તેથી સરકારે નિકાસ વધવા સાથે દેડકાની વસ્તી વધારવાની વ્યાપક વ્યવસ્થા કરી છે જે દેડકા વધારવાનાં પગલાં લીધા કરે છે.

પરદેશોની માંગને પહોંચી વળવા માટે વાર્ષિક ૨૦૦ કરોડ નંગ દેડકાં જોઈએ છે. દેડકાંની વસ્તી આટલી બધ વધારી દેવી કેવી રીતે? આ માટે પણ ક્રુરતા આચરવામાં આવે છે નર દેડકાની પીચ્યુટરી ગ્રંથીમાંથી હોરમોન ખેંચી કાઢીને માદામાં તેના ઈંજેક્શન આપવાથી એ દેડકી યંત્રની જેમ હજારોને હજારો ઈંડા આપે છે, તેને મોટી મોટી ટ્રેમાં ભેગા કરી લીધા પછી નર દેડકાના એંડ (ટેસ્ટીકલ્સ) કાઢી લઇ તેમાંથી વીર્યનાં જંતુનું પ્રવાહી ઈંડા પર છાંટવામાં આવે છે. તે પછી એ પ્રવાહી સાથેના ઇંડાને એક મશીનમાં સોળ કલાક સુધી અમુક પ્રકારે હલાવ્યાથી એ સેવાઈ જાય છે અને તેમાંથી દેડકાંના બચ્ચે બચ્ચા બહાર પડે છે, જેને વેપારીઓનાં તાળવો અને બીજા જળાશયોમાં છોડી દઇ ઉછેરવા દેવાય છે.

ફોન C/o ૪૪૧૩૭૯

"અબોલ જીવો માટે બોલનારી સંસ્થા"

શ્રી અખિલ ભારતીય હિંસા નિવારણ સંઘ

ઠે. ચંદ્રાલય, ૪૭, સ્વસ્તિક સોસાયટી, નવરંગપુરા, અમદાવાદ—૩૮૦ ૦૦૯.

Regd. No. 2304-744 Dt. 14-8-80 Donation is exemoted under Section 80 G of the Income Tex Act. ref. Income Tax certificate No. HQ 11/P 33-45/ AR III/81-84

નિવેદનમાં જે પૂજ્યોની સહી આવી છે તેમના નામની યાદી

પ. પૂ. શ્રી ગૌભક્ત બ્રહ્મર્ષિ શ્રી શંભુ મહારાજ

પ. પૂ. સ્વામી શ્રી નારાયણ સ્વરૂપદાસજી, શ્રી પ્રમુખ સ્વામી (અક્ષર પુરૂષોત્તમ સ્વામિનારાયણ મંદિર શાહીબાગ.)

પ. પૂ. શ્રી જ્ઞાનચંદ્રજી – હરિ ૐ વિશ્વકુટીર સાણંદ.

જૈન મુનિ ભગવંતો

પ. પૂ. જૈનાચાર્ય શ્રી વિ. રામચન્દ્ર સૂરીશ્વરજી મ. સા.
,, ,, શ્રી વિ. કૈલાસ સાગર સૂરીશ્વરજી મ. સા.
,, ,, શ્રી વિ. ભુવનભાનુ સૂરીશ્વરજી મ. સા.
,, ,, શ્રી વિ. ભદ્રંકર સૂરીશ્વરજી મ. સા.
,, ,, શ્રી વિ. હિમાંશુ સૂરીશ્વરજી મ. સા.
,, ,, શ્રી વિ. વિબુધપ્રભ સૂરીશ્વરજી મ. સા.
,, ,, શ્રી વિ. કુંદકુંદ સૂરીશ્વરજી મ. સા.
,, ,, શ્રી વિ. જયંતશેખર સૂરીશ્વરજી મ. સા.
,, ,, શ્રી વિ. ગુણાનંદ સૂરીશ્વરજી મ. સા.
,, ,, શ્રી કલ્યાણસાગર સૂરીશ્વરજી મ. સા.
,, ,, શ્રી પદ્મસાગર સૂરીશ્વરજી મ. સા.
,, ,, શ્રી સુબોધસાગર સૂરીશ્વરજી મ. સા.
,, ,, શ્રી વિ. મિત્રાનંદ સૂરીશ્વરજી મ. સા.
,, ,, શ્રી ભુવનશેખર સૂરીશ્વરજી મ. સા.
,, ,, શ્રી મનોહર કીર્તિસાગર સૂરીશ્વરજી મ. સા.
,, ઉપાધ્યાય શ્રી મહિમા વિજયજી ગણિવર્ય મ. સા.
,, ગણિવર્ય શ્રી નિત્યાનંદજી મ. સા.
,, ગણિવર્ય શ્રી નિત્યાનંદજી મ. સા.
,, ગણિવર્ય શ્રી અભ્યુદયસાગરજી મ. સા.
,, પં. પ્ર. શ્રી રૈવતસાગર મ. સા.
,, પં. શ્રી હેમપ્રભવિજયજી ગણિવર્ય
,, પં. શ્રી શ્રેયાંસચન્દ્રવિજયજી મ. સા.
,, પં. શ્રી ભદ્રબાહુસાગરજી મ. સા.
,, પં. શ્રી દેવચન્દ્રવિજયજી મ. સા.
,, મુનિરાજ શ્રી ચન્દ્રશેખર વિજયજી મ. સા.
,, ,, શ્રી ગુણરત્નવિજયજી મ. સા.
,, ,, શ્રી જનકચન્દ્રવિજયજી મ. સા.
,, ,, શ્રી સ્થુલભદ્રવિજયજી મ. સા.
,, ,, શ્રી પુંડરીકવિજયજી મ. સા.
,, ,, શ્રી ભદ્રબાહુ વિજયજી મ. સા.
,, ,, શ્રી નંદિષેણવિજયજી મ. સા.
,, ,, શ્રી સૂર્યસેનવિજયજી મ. સા.

તા. ક. સંત સંમેલન તા. ૨૦–૨–૮૩ ના રવિવાર સંવત ૨૦૩૯ પ્રથમ ફાગણ સુદ–૭ (સાતમ)ના દિવસે યોજવા વિચારેલ છે.

गाड़ी अधिवेशन
3·9·82

गावो विश्वस्य मातरः

अ० भा० गोरक्षा सम्मेलन रायपुर

दि० २५-२६ सितम्बर, १९८२

श्री महावीर गोशाला कृष्णकुमार रोड, रायपुर (म०प्र०)

सम्मान्य महोदय,

आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि दि० २५-२६ सितम्बर, १९८२ को श्री महावीर गोशाला रायपुर के तत्वाधान में अ०भा० गोरक्षा सम्मेलन का आयोजन किया जा गया है। इस समय देश में गोरक्षण और गोसंवर्धन की समस्या अत्यन्त जटिल बनी हुई है। १९६६-६७ में देशव्यापी प्रचण्ड गोरक्षा सत्याग्रह और अनेक महानुभावों के आमरण अनशन के बावजूद तथा पू० विनोबा जैसे राष्ट्रसंत के निरंतर प्रयास करने पर भी शासन केन्द्रीय कानून द्वारा सम्पूर्ण गोवंश की हत्या पर प्रतिबन्ध लगाने के लिए तैयार नहीं है। राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वाले प्रायः सभी दल गोरक्षा के प्रश्न पर तुष्टिकरण की नीति पर प्रतिबद्ध हैं। गोवंश का विनाश और भीषण संहार हो रहा है, उसके जीवन यापन के प्रायः सभी साधन पंगु बना दिये गये हैं। एक ओर पशुखाद्य का निर्यात किया जा रहा है, गोचर भूमियां छीन ली गई तो दूसरी ओर जगह-जगह से गोमांस, खाड़ी के देशों को स्वार्थी तत्वों द्वारा सरकार की कमजोरी के कारण भेजा जा रहा है। इसके साथ ही क्रास ब्रीडिंग अर्थात् विदेशी सांडों से भारतीय गौओं का प्रजनन किया जाना एक और घातक बीमारी भारत में छोड़ी जा रही है जिससे भारतीय गोवंश और कृषि का भाग्य धूमिल बन गया है।

इन सब परिस्थितियों पर विचार करके कोई प्रभावी समाधान ढूंढ़ने की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य को लेकर यह सम्मेलन किया जा रहा है। सम्मेलन को मार्ग दर्शन प्रदान करने के लिए देश के अनेक मूर्धन्य नेताओं, धर्माचार्यों तथा विशिष्ट गोभक्तों को निमन्त्रित किया गया है। आपसे विनम्र प्रार्थना है कि आप भी इस शुभ अवसर पर अन्य गोभक्तों के साथ रायपुर पधारकर सम्मेलन को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

सम्मेलन संबंधी अन्य जानकारी आपको समय-समय पर भेजी जाती रहेगी।

सम्मेलन की सुसम्पन्नता के लिये २५ हजार रु० का अनुमानित बजट रखा गया है जिसकी पूर्ती के लिये सम्मेलन के संरक्षक—५०१ रु० देने वाले, विशिष्ट सहायक २५१ रु० तथा स्वागत सदस्य १०१ रु० देने वाले बनाये जा रहें हैं। आशा है मध्यप्रदेश के गो प्रेमी महानुभाव इन श्रेणियों में सम्मिलित होकर सम्मेलन को सफल बनायेंगे। प्रतिनिधियों तथा आगत सज्जनों के भोजन तथा निवास का प्रबंध स्वागत समिति की ओर से रहेगा।

विनीत—

आर० पी० मिश्र
स्वागताध्यक्ष

महावीरप्रसाद अग्रवाल
स्वागत मंत्री

विश्वम्भरप्रसाद शर्मा
मंत्री भारत गो सेवक समाज, दिल्ली

पुरुषोत्तम दास काबरा
मंत्री म०प्र० गोशाला संघ, भोपाल

Vegl
5.9.82

17

Telephone : 532929

विश्व सार्वभौम सनातन धर्म महासम्मेलन

(सार्वभौम सनातन धर्म महासभा)

UNIVERSAL SANATAN DHARMA FOUNDATION

WORLD CONFERENCE OF SARVABHAUM SANATAN DHARMA

26th, 27th, 28th November, 1982

YUGACHARYA
ACHARYA PRABHAKAR MISHRA
General Secretary

DHARMAVACHASPATI
DR. RUPLAL BATRA
Principal Secretary

Regd. Office :
C-121, KIRTINAGAR,
NEW DELHI - 110015.

Admn. Office :
Motia Khan, NEW DELHI-110055

Dated 30.8.82

परमपूज्य, सत्कार योग्य, माननीय, परम संत सद्‌गुरुदेव जी महाराज ! श्री जगजीतसिंह जी महाराज

सुप्रेम मेरा सादर प्रणाम ।

आप इससे सहमत होंगे कि त्यागमूर्ति गोस्वामी गणेश दत्त जी और सद्‌गुरु महाराज प्रतापसिंह जी में कितना प्रेम और अनन्यता थी। आप भी उसी परम्परा का पालन करते हुए सार्वभौम सनातन धर्म के संवर्द्धन में सदैव तत्पर रहते हैं। विश्व धर्म संगम की हर कांफ्रेंस में आप हमारे सरताज और शिरोमणि रहे हैं। नामधारी समाज के प्रति जो मेरी आस्था और निष्ठा बनी है, आप भली प्रकार से जानते हैं। सनातन धर्म की फाउन्डेशन में नामधारी समाज का तप, त्याग और बलिदान का पूर्ण इतिहास है। सनातन धर्म [illegible] प्रभुत्व और [illegible]ता का

Telephone : 532929

विश्व सार्वभौम सनातन धर्म महासम्मेलन

(सार्वभौम सनातन धर्म महासभा)

UNIVERSAL SANATAN DHARMA FOUNDATION

WORLD CONFERENCE OF SARVABHAUM SANATAN DHARMA

26th, 27th, 28th November, 1982

YUGACHARYA
ACHARYA PRABHAKAR MISHRA
General Secretary

DHARMAVACHASPATI
DR. RUPLAL BATRA
Principal Secretary

Regd. Office :
C-121, KIRTINAGAR,
NEW DELHI - 110015.

Admn. Office :
Motia Khan, NEW DELHI-110055

Dated........................

दिग्दर्शन आपका मिशन अपनी सेवा, सहयोग और सद्भाव से बराबर करता आ रहा है। देशभक्ति, ईश्वर भक्ति, निष्काम सेवा, शाकाहारी और गोवंश रक्षण की ओर आप से पूर्व और आपने सद्गुरु के रूप में भारतीय समाज को पूर्ण रूप से स्थायी दिशा दी है। इसी आत्मीयता, अभिन्नता और अभेदता के भाव से आपको २६, २७, २८ नवम्बर '८२ को होने वाली सनातन धर्म वर्ल्ड कांफ्रेंस में आमन्त्रित कर रहा हूँ। कृपया ये तीन दिन हमारे लिये अभी से सुरक्षित रखें। इस शुभ अवसर पर अपनी शुभ-कामनायें भेज कर हमें कृतार्थ करें। प्रोग्राम, पैम्फलेट अन्य लिटरेचर आप को इस बीच में पहुँच जायगा। लगभग १२ देश इसमें भाग ले रहे हैं। भारत इस बार मेज़बान बना है। धन्यवाद

आपका सेवक
डा० रूपलाल बत्रा - धर्मवाचस्पति

6.10.82

—: गावो विश्वस्य मातरः :—

तार :
अग्रसेन भवन, जवाहरनगर
रायपुर म. प्र.



दूरभाष :
२५२८२ (अग्रसेन भवन)
२५५१८ (महावीर गौशाला)

अ. भा. गोरक्षा सम्मेलन

दिनांक – २५, २६ सितम्बर १९८२

श्री अग्रसेन भवन, जवाहरनगर, रायपुर, म. प्र.

निमंत्रण-पत्र

श्रीमान ______________________________

समस्त गोभक्तों से निवेदन है कि सपरिवार तथा इष्ट मित्रों सहित सम्मेलन में पधारकर गोरक्षा यज्ञ में योगदान करें।

विनीत दर्शनाभिलाषी,

आर० पी० मिश्र
स्वागताध्यक्ष

महावीर प्रसाद अग्रवाल
स्वागत मंत्री

विश्वंभरप्रसाद शर्मा
प्रचार मंत्री

लक्ष्मीदेवी काबरा
संयोजक
महिला विभाग

पुरूषोत्तमदास काबरा
मंत्री म. प्र. गोशाला संघ

अ. भा. गौरक्षा सम्मेलन, रायपुर

सम्मान्य महोदय,

आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि दिनांक २५-२६ सितंबर १९८२ को श्री महाबीर गौशाला रायपुर के तत्वाधान में अ. भा. गोरक्षा सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस समय देश में गोरक्षा और गोसंवर्धन की समस्या अत्यन्त जटिल बनी हुई है। १९६६-६७ में देश-व्यापी प्रचण्ड गोरक्षा सत्याग्रह और अनेक महानुभावों के आमरण अनशन के वावजूद तथा पू. विनोवा जैसे राष्ट्रसंत के निरंतर प्रयास करने पर भी शासन केन्द्रीय कानून द्वारा सम्पूर्ण गोवंश की हत्या पर प्रतिवन्ध लगाने के लिए तैयार नहीं हैं। राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वाले प्राय: सभी दल गोरक्षा के प्रश्न पर अकर्मण्य तथा उदासीन हैं। गोवंश का विनाश और भीषण संहार हो रहा है। उसके जीवन यापन के प्राय: सभी साधन पंगु वना दिये गये हैं। एक ओर पशुखाद्य का निर्यात किया जा रहा है, गोचर भूमियां तोड़ ली गई है, तो दूसरी ओर जगह-जगह से गोमांस, खाड़ी के देशों को स्वार्थी तत्वों द्वारा सरकार की कमजोरी के कारण भेजा जा रहा है। इसके साथ ही क्रास ब्रीडिंग अर्थात विदेशी सांडों से भारतीय गौओं का प्रजनन किया जाना एक और घातक बीमारी भारत में छोड़ी जा रही है जिससे भारतीय गोवंश और कृषि का भाग्य धूमिल वनता जा रहा है।

इन सब परिस्थितियों पर विचार करके कोई प्रभावी समाधान ढूंढने की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य को लेकर यह सम्मेलन किया जा रहा है। सम्मेलन को मार्गदर्शन प्रदान करनें के लिए देश के अनेक मूर्धन्य नेताओं, धर्माचार्यो तथा विशिष्ट गोभक्तों को निमंत्रित किया गया है।

पूज्यपाद श्री जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी निरंजनदेव तीर्थ गोवर्धन मठ पुरी सम्मेलन को शुभाशीर्वाद प्रदान करेंगे। सार्वदैशिक आर्य प्रति–

निधि सभा के प्रधान श्री रामगोपाल शालवाले वानप्रस्थ दि. २५ सितंबर को अपरान्ह ३ बजे श्री अग्रसेन भवन रायपुर में सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। अ. भा. कृषि गोसेवा संघ के महामन्त्री श्री राधाकृष्ण बजाज सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। सम्मेलन में अनेक विशिष्ट महानुभवों के भाषण होंगे।

देवनार (बंबई) कतलखाने पर बैलों की हत्या रोकने के लिए पू. विनोबाजी के निर्देशन में जो सत्याग्रह चल रहा है, उसके संयोजक श्री अच्युत काका (पटवर्धन) को सत्याग्रह की स्थिति से सम्मेलन को अवगत कराने के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।

इस अवसर पर अ. भा. गोशाला संघ की कार्य समिति की बैठक भी आयोजित की गई है जिसकी अध्यक्षता संघ के सभापति श्री रामपाल अग्रवाल 'नूतन' करेंगे।

२५ सितंबर को प्रात: ९ बजे सम्मेलन में पधारने वाले प्रतिनिधियों का नामांकन होगा और १० बजे देश की आदर्श गोशाला बम्बई पांजरापोल के अध्यक्ष श्री तुलसीदासजी विश्राम के सभापतित्व में गोसंवर्धन गोप्रजनन संगोष्ठी होगी। रात्रि में म. प्र. गोशाला संघ का अधिवेशन गोशालाओं की समस्याओं पर विचार विमर्श करने के लिये होगा। इसकी अध्यक्षता म. प्र. के सेवानिवृत संचालक पशुपालन विभाग डा. मो. या. मंगरूलकरजी करेंगे।

सम्मेलन की सुसम्पन्नता के लिए २५ हजार रू. का अनुमानित बजट रखा गया हैं जिसकी पूर्ति के लिये सम्मेलन के संरक्षक-५०१ रू. देने वाले, विशिष्ट सहायक २५१ रू. तथा स्वागत सदस्य १०१ रू. देने वाले बनाये जा रहें हैं। आशा है मध्यप्रदेश के गोप्रेमी महानुभाव इन श्रेणियों में सम्मिलित होकर सम्मेलन को सफल बनायेंगे। प्रतिनिधियों तथा आगत सज्जनों के भोजन तथा निवास का प्रबंध स्वागत समिति की ओर से अग्रसेन भवन में किया गया है।

कृपया अपने रायपुर पहुंचने की सूचना दें ताकि स्टेशन पर स्वयं सेवक स्वागत कर सकें। रायपुर के लिए देहली से सीधी छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस चलती है। बम्बई से हावड़ा जाने वाली कई गाड़ियां आती है।

विनीत—

आर० पी० मिश्र
स्वागताध्यक्ष

महावीर प्रसाद अग्रवाल
स्वागत मंत्री

विश्वंभरप्रसाद शर्मा
मंत्री भारत गोसेवक समाज
दिल्ली

लक्ष्मीदेवी काबरा
संयोजक
महिला विभाग

पुरुषोत्तम दास काबरा
मंत्री म. प्र. गोशाला संघ, भोपाल



भारत प्रेस, मालवीय रोड, रायपुर (म. प्र.)

Vegetarian
18-6-82

ॐ

विश्व हिन्दू परिषद

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

प्रधान कार्यालय :
~~९६/१०, आर्य समाज मार्ग, करोल बाग,~~
~~नई दिल्ली-११०००५, दूरभाष : ५६४०५६~~

बम्बई कार्यालय :
३६, पिरोजा मेन्शन
ग्रांट रोड स्टेशन के सामने (पूर्व)
बम्बई-४०००0७
दूरभाष : ३७३८०५, ८६१०१२

क्रमांक वि॰हि॰प/82/

दिनांक 14•6•1982

Vishva Hindu Parishad
(Karyalaya)
Sarojini Nagar (I Block) Ring Road,
New Delhi-110023

श्रद्धेय,

विषय :- <u>तार द्वारा भेजी गयी सूचना</u>

सादर प्रणाम ।

"20 जून की धर्म संसद की बैठक के पूर्व दिनांक 19 जून की शाम को 4•00 बजे विश्व हिन्दू परिषद के कार्यालय ग्वालियर पोटरीज कम्पाउन्ड, रिंगरोड, सरोजनी नगर, नई दिल्ली में होने वाली बैठक में आपकी उपस्थिति अत्यंत आवश्यक है । आपके दिल्ली पहुँचने की सूचना जानकारी शीघ्र दें ।"

केन्द्रीय कार्यालय का दूरभाष नम्बर- 673295 है और तार का पता-"हिन्दू धर्म" । आप अपने आने की सूचना एवं किस गाड़ी से दिल्ली पहुँच रहे हैं अवश्य ही देवें ।

शेष भगवत् कृपा.

भवदीय

कृते [signature]

(हरमोहन लाल)

गाहै ०२ ...
20.2.82

गो-रक्षा सौम्य सत्याग्रह

(३० जनवरी से २२ फरवरी १९८२ तक)

इस अवधि में अपने-अपने क्षेत्र में समिति बनाकर गो-रक्षा हेतु दो-दो दिन का उपवास कीजिये ।

सन्तों का सन्देश

विनोबा : "गाय हमारी माता है । गो-हत्या मातृ-हत्या है ।

१. गो-हत्या बन्दी भारतीय संस्कृति का आदेश है ।

२. यह भारतीय संविधान का निर्देश है ।

३. उसके लिए भारत सरकार वचनबद्ध है ।

४. और भारतीय संसद् का संकल्प है ।

इसलिए सारे भारत में तुरन्त गो-हत्या बन्दी होनी चाहिए ॥"

योगिराज देवराहा बाबा : विनोबा मेरी आत्मा है । हण्डिया चढ़ी रखे, गो-हत्या बन्द होकर रहेगी ।

माँ आनन्दमयी : राष्ट्र-सन्त विनोबा को माँ आनन्दमयी का शुभाशीर्वाद । गोरक्षा के लिए संगठन, अनुष्ठान, बलिदान एवं त्याग-तपस्या चाहिए ।

गो-रक्षा सौम्य-सत्याग्रह : गो-रक्षार्थ प्रथम कदम के तौर पर भगवान् के दरबार में सौम्य सत्याग्रह करना तय हुआ है । यह सत्याग्रह महात्मा गांधी निर्वाण-दिवस ३० जनवरी १९८२ से माता कस्तूरबा गांधी निर्वाण-दिवस २२ फरवरी १९८२ तक २४ दिन चलाया जायगा । सौम्य सत्याग्रह में दो-दो दिन के उपवासों की शृंखला चलेगी, हरएक व्यक्ति को पूरे दो दिन का उपवास करना है । उपवास में पानी, नीबू, नमक, सोडा ले सकते हैं । तन से उपवास, मन से प्रार्थना और धन के प्रतीकस्वरूप यथाशक्ति दान देकर तन, मन, धन तीनों से इस अभियान में सहयोग देना है ।

१. सर्वसमर्थ विश्वनियन्ता प्रभु से प्रार्थना है कि वह गोरक्षा एवं मानव-समाज की रक्षा करे ।

२. भारत सरकार से प्रार्थना है कि वह ग्रामीण अर्थतन्त्र को टूटने से बचाने के लिए केन्द्रीय गोवंश हत्याबन्दी कानून बनाकर सम्पूर्ण भारत में गोरक्षा करे ।

३. भारत की कोटि-कोटि जनता से प्रार्थना है कि वह सुस्ती और उदासीनता छोड़कर जागृत हो एवं सक्रिय होकर गोरक्षा करे, ताकि भारतीय संस्कृति की रक्षा हो ।

उपर्युक्त त्रिविध प्रार्थना के लिए यह सौम्य सत्याग्रह रहेगा। दिनभर के कार्यक्रमों में भगवत्-भजन, चिन्तन या गीता-प्रवचन का पाठ हो। कुछ समय गोसेवा के शास्त्रीय ज्ञान के लिए रहे। सत्याग्रह जितना शुद्ध सात्त्विक रहेगा, उतना ही तेजस्वी होगा। सत्याग्रह जितना व्यापक होगा, उतना ही असर कारक होगा। कम-से-कम १० हजार केन्द्रों में ५ लाख व्यक्ति उपवास करें, तो यह प्रार्थना भगवान्, सरकार और जन-मानस तक अवश्य पहुँचेगी।

केन्द्र कायम करना : यह सौम्य सत्याग्रह भगवत् प्रार्थनामय है। इसमें जाति-पाँति, पंथ, धर्म या किसी पक्ष-विशेष का कोई भेद नहीं होगा। गोमाता सबको दूध पिलाती है। उसकी सेवा करना मानवमात्र का धर्म है। जहाँ भी ६० या अधिक उपवास-दानी तैयार हों, रोजाना कम-से-कम ५ व्यक्ति साथ बैठ सकें, वहीं केन्द्र कायम किया जा सकेगा। गाँववाले या मोहल्लेवाले स्वयं गोरक्षा-समिति बनाकर, सौम्य सत्याग्रह का अभियान चला सकते हैं। समिति कायम करके उसकी सूचना जिला-समिति, प्रदेश-समिति तथा केन्द्रीय-समिति कृषि गोसेवा संघ, गोपुरी, वर्धा को दी जाय।

अर्थ-व्यवस्था : गाँव-समिति अपना खर्च स्वयं करे। प्राप्त दान में से आधा दान केन्द्रीय समिति को वर्धा भेजियेगा। आधे दान के खर्च का हिसाब बराबर रखा जाय। २५०) से अधिक दान देनेवाले को आयकर से छूट का प्रमाण-पत्र चाहिए तो वे दान सीधा वर्धा भेजें। किसी खास क्षेत्र में खर्च करना हो तो क्षेत्र का नाम दे सकते हैं।

अपेक्षित सहयोग : गोरक्षा सौम्य सत्याग्रह की सफलता के लिए देश भर की जनता का सक्रिय सहयोग अपेक्षित है। सभी सन्त-महन्तों एवं प्रमुख नागरिकों से प्रार्थना है कि फरवरी '८२ तक का अपना पूरा समय इस आयोजन के प्रचार-प्रसार में लगायें। हमें आशा है कि भारत की कोटि-कोटि जनता-लाखों में ही नहीं, करोड़ों की संख्या में उपवास-दान के लिए आगे बढ़ेगी।

निवेदक

तुलसीदास विश्राम कार्याध्यक्ष, कृषि गो-सेवा संघ गोपुरी, वर्धा	विश्वम्भरप्रसाद शर्मा महामन्त्री, भारत गो-सेवक समाज
मानव मुनि संयोजक, सन्त सेवक समुद्रम परिषद्	ठाकुरदास बंग अध्यक्ष, सर्व-सेवा-संघ
किशनलाल कटपीसवाले महामन्त्री, स० गो-रक्षा म० समिति	रामगोपाल शालवाले अध्यक्ष, सा० आर्य प्रतिनिधि सभा

संयोजक : राधाकृष्ण बजाज

आशीर्वाद प्राप्त हैं

स्वामी करपात्रीजी महाराज	श्री रविशंकर महाराज
जगद्गुरु श्रीशंकराचार्य, चारों पीठ	रुक्मिणीदेवी अरुण्डेल
स्वामी गंगेश्वरानन्दजी	स्वामी श्रद्धानन्दजी, लक्ष्मणगढ़
स्वामी नन्दनन्दनानन्दजी	महन्त श्री अवैधनाथजी
आचार्य श्री तुलसीजी	सन्त भादरिया महाराज
मुनि श्री सुशीलकुमारजी	गणिवर्य मुनि जनकविजयजी
मुनि सन्तबालजी	साध्वी श्री मृगावतीजी
बाबा सीताराम ओंकारनाथ	आचार्यश्री धर्मेन्द्रजी महाराज
आचार्य रामकिशोरजी	भारतीय शान्ति सेना, पवनार
स्वामी चिदानन्दजी, ऋषिकेश	आचार्यकुल, पवनार
स्वामी अखण्डानन्दजी	स्त्री-शक्ति-जागरण, पवनार
स्वामी रामसुखदासजी	खादी मिशन पवनार
स्वामी प्रकाशानन्दजी	भारतीय विद्या भवन
श्री प्रभुदत्तजी ब्रह्मचारी	विश्व हिन्दू परिषद्
शास्त्री कृष्णशंकरजी	श्री बाला साहब देवरस
मुनि ज्ञानचन्दजी, दिल्ली	सरसंघचालक
स्वामी सत्यमित्रानन्दजी	श्री राजेन्द्र सिंह, सरकार्यवाह
योगिराज हैडाखान, हल्द्वानी	राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
स्वामी कल्याणदेवजी	आचार्य दादा धर्माधिकारी
साधु बालदासजी, कच्छी आश्रम	सन्त देवकीजी, वृन्दावन
सद्गुरु जगजीतसिंहजी	श्री महबूब खाँ, लोहरदगा
हरिभक्त धुंडा महाराज	श्री शारदा माताजी
हरिभक्त अप्पासाहेब वास्कर	एलाचार्य मुनि विद्यानंदजी
स्वामी रामचन्द्र वीर	आचार्य आनंद ऋषि
श्री शरदवल्लभा बेटीजी	आचार्य इन्द्रजिन सूरीजी
सुश्री विमलाबहन ठकार	आचार्य विजयजयदेव सूरीजी
गुलाम रसूल कुरेशी, साबरमती	श्री अकबर अली खान
श्री नूरुद्दीन जे० मवानी, गोवा	(भू० पू० गवर्नर, उ० प्र०)

गो सेवा सम्मेलन

२५, २६, २७ दिसम्बर १९८१ को सन्त विनोबा जी के सान्निध्य में पवनार वर्धा में गो-सेवा सम्मेलन होगा। गो-सेवा में रुचि रखनेवाले सभी भाई-बहन आमन्त्रित हैं। रेलवे कन्सेशन गोपुरी-वर्धा रु० पाँच भेजकर प्राप्त करें।

गो-हत्यानिवारण एवं समग्र गो-रक्षण की माँग

१. सम्पूर्ण गोवंश-हत्याबन्दी का केन्द्रीय कानून बने।
२. कानून का अमल कड़ाई से हो।
३. गाय, भैंस दोनों के मांस का निर्यात पूर्णतः बन्द हो।
४. गो-सदनों की समुचित व्यवस्था हो। समाज और सरकार दोनों मिल कर भार उठायें।
५. गो-सदनों के लिए बाजारों पर आवश्यक लाग बाग लगायी जाय।
६. दानदाताओं को आयकर में शत प्रतिशत छूट हो।
७. गो-संवर्धन की नीति सर्वांगी नस्ल तैयार करने की हो, ताकि बछड़ा खेती-जोत के लिए उत्तम बैल बने एवं बछड़ी उत्तम दुधारू गाय हो।
८. फ़ूड प्लानिंग की तरह फाडर प्लानिंग भी हो, ताकि चारा-दाना पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो सके।
९. गोचर-भूमियाँ सुरक्षित रहें।
१०. खली का निर्यात बन्द हो।
११. अखाद्य वस्तु जैसे पेपर आदि में पशु-खाद्य चारे का उपयोग बन्द हो।
१२. शुद्ध गो-दूध को, शुद्ध भैंस दूध के बराबर भाव मिले। फैट प्रतिशत पर भाव-निर्धारण की पद्धति तुरन्त बन्द हो।
१३. यन्त्रचालित ट्रक-ट्रैक्टर आदि तथा बैलगाड़ी-बैलजुताई आदि में इस प्रकार की मर्यादा बाँधी जाय कि आपस में स्पर्धा न होकर एक-दूसरे के पूरक बनें

नोट :—यदि आप उपर्युक्त विचारधारा से सन्तुष्ट हैं और उपवास में योगदान देने का संकल्प करें तो कृपया निम्नांकित पत्र द्वारा अपनी स्वीकृति अविलम्ब भेजने का कष्ट करें।

श्री मन्त्री, कृषि गो-सेवा संघ,
गोपुरी (वर्धा) महाराष्ट्र

हम गो-रक्षा 'सौम्य सत्याग्रह' की श्रृंखला में योगदान देने के लिए तैयार हैं और तिथियों को मोहल्ला/ग्राम/नगर में दो दिवस का उपवास करने का संकल्प करते हैं।

नाम पते संलग्न हैं ____________________

8.3.82 Vegelain

The North India Vegetarian Union (N.I.V.U.)

(Hon. Patron : H.H. Sadguru Jagjit Singh Ji Maharaj)

Hon. President
L. Jagat Narain
Ex. M. P.
Jullundur
Phone : 73559

Hon. Vice President
Mr. S. S. Sanehi M. A.
Reserch Scholar
V. P. O. SHAHPUR

Hon. Treasurer
Sh. S D. Sagar
Mandi Gobind Garh
Phone : 17

Hon Sec.
Inderjit Jain
BANGA
Phone : 84
Res. : 56

Office : B A N G A. 144505 INDIA

Ref. No.......... Dated 5.3.82.

Respected His Holiness Sat Guru Jagjit Singh Ji Maharaj,

While hoping you in the best of health and spirits, I am to inform you ~~to please~~ that Sh. Romesh Ji has agreed to be president of N.I.V.U in its executive meeting on 28/2/82 at Jullundur.

I hope Sh. Vijay Chopra, brother of Sh. Romesh Ji may attend the congress, ~~for~~ since he is going in June and if possible he will spare some time in and for this congress.

Secondly, please let me know your programme, ~~at~~ if you are going or Sh. Bir Singh Ji Maharaj with followers are going to attend the congress and how many persons. I am preparing a preleminary list of delegates of N.I.V.U. for the congress. I think it would be between 10 to 20 persons. Also please

~~write~~ prepare Mr. S.S. Sandhi to attend the congress. Since he can go only with your help and blessings and I feel he must go. As he is much familiar with the cause and movement. He can play a good role in the congress.

So please reply at your earliest your earliest as to your opinion.

Rest is O.K. and for the next.

Yours faithfully

[signature]

← पहला मोड़ First Fold →

अन्तर्देशीय पत्र INLAND LETTER

Rec 6-3-82

H. H. Satguru Jagjit Singh Ji Maharaj

Namdhari Head Gurdwara

BHAINI SAHIB

(Dt Ludhiana)



← तीसरा मोड़ Third Fold →

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :-

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

← दूसरा मोड़ Second Fold →

Vegetarian 21.4.82

THE NORTH INDIA VEGETARIAN UNION (N.I.V.U.)

(Hon. Patron : HIS HOLINESS SATGURU JAGJIT SINGH JI MAHARAJ)

Hon. President : L. Jagat Narain Ex-M.P. Pacca Bagh, JULLUNDUR. Phone—5952

Hon. Vice-President : Sh. Sawarn Singh Sanehi V. & P. O. SHAHPUR. (Distt. Jullundur)

Hon. Treasurer : Sh. S. D. Saggar MANDI GOBINDGARH. Phone—14.

Hon. Secretary : Sh. Inder Jit Jain BANGA. Phone—56

Ref. No. ....

BANGA 19.4.82.
(DISTT. JULLUNDUR)

Respected Sh....

Sub: All religion conference on Vegetarianism at BANGA on 9th. ~~April~~ May '82 at 9 A.M.

Kindness to living beings has been prescribed by the founders of all religions. Killing the animals for food is a way of cruelity. While killing the animals it becomes poisonous and causes danger to human health. Though India is known as predominantly a Vegetarian country but it is going doubtful if coming generations will follow the the path of their ancesstors.

The necessety of such conference was /is felt by all corners to edugate the gounger generations to the maximum possible ways to maintain spiritual culturehiddenin vegetarianism .and supported by the scientist, doctors, bio-chemists and proffessors of economics.

Hope you will fully agree with and gladly accept this invitation to attend this conference in person and let your followers know the actual value of vegetarianism . In case your goodself os unable, plese depute your representative. In either way please inform us your participationo or the name of your delegate to the conference by the 30th. April 1982, so that needful may be done well in time , in finalising the speakers and their time etc.

Our President Sh. Romesh Chander, Chief editor, Hind Samachar, Punjab Kesari, Jagbani shall also exchange his views.

With best regards and hope to hear from you at the earliest.

Yours sincerely,

Inder Jit Jain
Secy.

H. H. S. Jagjit Singh Ji Maharaj.
Shri Bhaini Sahib,

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER



Ree 20.4.82

H. H. S. Sh. Jagjit Singh Ji
Maharaj - Namdhari Head
Shri Bhaini Sahib
Dt Ludhiana

← पहला मोड़ First Fold →

⇐ तीसरा मोड़ Third Fold ⇒

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :-

⇐ दूसरा मोड़ Second Fold ⇒

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

यहाँ काट कर खोलिये To Open Cut Here

REGAL UTILITY

Telegrams : "NECKLACE"

Telephone: 445481

THE INDIAN VEGETARIAN CONGRESS

(A Registered, Non-Sectarian, Non-Political Charitable Society for the Propagation of Vegetarianism)
(Affiliated to the International Vegetarian Union)

Official Organ :
THE INDIAN VEGETARIAN CONGRESS QUARTERLY

National Headquarters:
"THE GROVE",
NO. 1, ELDAMS ROAD,
MADRAS - 600 018

Date: 4.3.82

H.H.Sri Satguru Jagjit Singh Ji,
Sri Bhaini Sahib.
Distt. Ludhiana(Punjab),
P.C.141 113

Dear Swamiji,

We are herewith enclosing an application form for Congress booking for necessary action, in respect of 26th World Congress. For further particulars, if any, you are requested to contadt the undersigned.

Thanking you,

Yours sincerely,

(Surendra M.Mehta)
Hon.General Secretary.

Kindly send the application to us here - or inform us that you have ~~applied~~ sent.

Enc: one application for booking in
26th World Vegetarian Congress.

8.3.82

Vegetarian April 1982

26th Vegetarian World Congress

22 July to 1 August 1982
Ulm/Neu-Ulm-W.-Germany

Bookings and Organisation
Rudolf Meyer
Munzeler Straße 18 b
3000 Hannover 91
W. Germany

Firm Congress Booking

Surname	First name	Children up to age 14	Children age 15 - 18	Address

For the period of 22. 7. to 1. 8. 1982 at the Edwin-Scharf-Haus, 7910 Neu Ulm, from evening meal on the first day to breakfast on the last, and packed lunch.

STUDENTS PAY DM 100.– CONGRESS-FEE

Conference fee DM 200 per person (DM 250 for bookings after 4. 3. 82)

Full board (3 meals a day) DM 260 per person

Day-trip on 28. 7. 82 no. ☐, half-day outing on 30. 7. 82 no. ☐, Excursion on 1. 8. 82 ☐
Alternative trip if full, no. ☐ do. no. ☐

Sponsorship for ______________________ or contribution

DM
Total:

Remittances in German marks only please, into account no. 160 180 79 at the Stadtsparkasse Hannover (Bank code 260 501 80) in favour of Bund für Lebenserneuerung e.V. Vegetarier Weltkongreß 1982.
DM ____________ was remitted to the above account on ____________ .

I should like to be accomodated at the Mövenpick Hotel ☐
(Twin-bedded double rooms only für married couples and families with up to two children)

We should like to take a double room together with two friends ☐

I should like to be accomodated at the Youth Hostel ☐

I should like to book another hotel through the hotel accomodation bureau (Single ☐ /Double ☐). With/without breakfast)

Price category	DM 20/30	DM 30/40	DM 40/50	DM 55/70

I can understand: English ☐. French ☐. German ☐. Japanese ☐. Spanish ☐
Please indicate the desired diet: Lacto-vegetarian ☐, Vegan ☐.

Reservations will be made on receipt of payment. DM 50 will be forfeited on unavoidable cancellation before 1. 6. 81, and the full fee on cancallation thereafter.

Please write legibly and place crosses where appropriate. Please observe the enclosed brochure.

The booking form should be returned as soon as possible.

Date: ____________________ Signature: ____________________

Weiter an Verkehrsverein ☐./ Mövenpick ☐./ JH ☐. am: ____________________

Bestätigung an Teilnehmer am ____________________ erledigt.

26. Vegetarier Weltkongreß

22. Juli · 1. August 1982
Deutschland · Ulm/Neu-Ulm

Anmeldung und Organisation:
Rudolf Meyer
Munzeler Straße 18 b
3000 Hannover 91
Deutschland

Verbindliche Anmeldung zum Kongreß

Name	Vorname	Kinder bis 14 J.	Kinder 15 - 18 J.	Adresse

Für die Zeit vom 22. 7. – 1. 8. 1982 im Edwin-Scharff-Haus, 7910 Neu-Ulm
Erste Mahlzeit abends, letzte Mahlzeit morgens und Lunchpaket.

	DM
Tagungsgebühr, DM 200,–/Person/(Bei Anmeldung nach dem 4. 3. 82 DM 250,–)	
Verpflegungskosten, 3 Mahlzeiten täglich 260,– DM/Person	
Tagesfahrt am 28. 7. 82 Nr. ☐ ,Halbtagesfahrt am 30. 7. 82 Nr. ☐ ,Exkursion am 1. 8. 82 ☐ Ersatzfahrt, wenn besetzt Nr. ☐ Nr. ☐	
Patenschaft für ______________________ oder Spende	
Gesamtbetrag:	

Überweisungen bitte nur in DM auf das Konto Bund f. Lebenserneuerung eV. Vegetarier Weltkongreß 1982 Nr.: Nr.: 160 180 79
bei der Stadtsparkasse Hannover (BLZ 250 501 80).
DM ____________ wurden am ____________ auf obiges Konto überwiesen.

Ich möchte im Mövenpick-Hotel übernachten ☐
(Nur Doppelzimmer mit 2 franz. Betten vorgesehen für Ehepaare und Familien mit bis zu zwei Kindern)

Wir möchten mit einem befreundeten Ehepaar das Doppelzimmer zusammen bewohnen. ☐

Ich möchte in der Jugendherberge schlafen ☐

Ich möchte über den Verkehrsverein ein anderes Hotel buchen: EZ ☐ DZ ☐
(mögl. ohne Frühstück)

Preisklasse	20,–/30,–	30,–/40,–	40,–/55,–	55,–/70,–

Ich verstehe die Sprachen: Englisch ☐ Französisch ☐ Deutsch ☐ Japanisch ☐ Spanisch ☐
Bitte die Essenswünsche ankreuzen: Lactovegetabil ☐ vegan ☐

Reservierung erfolgt erst nach Eingang des Betrages. Bei Rücktritt bis zum 1. 6. 82 aus wichtigem Grund werden DM 50,– einbehalten, bei späterem Rücktritt die volle Tagungsgebühr.

Bitte leserlich schreiben und Zutreffendes ankreuzen, beigefügten Prospekt beachten.

Bitte senden Sie das Formular so schnell als möglich wieder zurück.

Datum: ____________________ Unterschrift: ______________________________

Weiter an Verkehrsverein ☐ Mövenpick ☐ JH ☐ am: ________________

Bestätigung an Teilnehmer am ________ erledigt

20.4.82

शुध्धि साधना प्रयोग केन्द्र
१ अन्सारी रोड, दरियागंज
नई-दिल्ली -११०००२
दिनांक १९-४-८२

श्री

सविनय,

स्वामी ज्ञानचंद्रजीको दिनांक १९ अप्रेल १९८२ शाम सात बजे इस्पीतालसे छुट्टी दे दी गई। स्वामीजी केन्द्रपर आ गये है। उनका स्वास्थ प्राय: ठीक है। बी० पी०, पल्स आदि सामान्य है। अशक्ति तो है ही फिरभी प्रसन्न और स्वस्थ है।

दिनांक १५ अप्रैल १९८२ को ११-१२ बजे पुलिस स्वामीजी को अस्पताल ले गई थी। तबसे तारीख १८ अप्रेल के रातके बारा बजेतक स्वामीजीको सोलह बोतल सलाईन दी गई। औषधि, दूध, पानी आदि लेनेसे उन्होंने इन्कार किया हि था उसपर वह अटल रहें। तारीख १८ अप्रेल रविवार के बारा बजेसे स्वामीजीने सलाईन भी लेनेसे इन्कार कर दिया। तारीख १९ अप्रेल को डाक्टर, पुलिस आदि सभीलोगोने स्वामीजीको बहुत समझाया, परंतु स्वामीजी अटल रहें। स्वेच्छासे हम रजा लेते ऐसा लिखकर स्वामीजी को अस्पतालसे छुट्टी दे दी गई।

पू० मुनिजी पांच दिन अस्पताल में रहे। सब डाक्टरोंका तथा अस्पतालके छोटेमोटे कर्मचारीओंका बर्ताव स्वामीजी के प्रति बहुत अच्छा रहा। पुलिसने भी कोई कडा कदम नहीं उठाया।

स्वामीजीका अनशन चालू ही है।

शेष कुशल। आप प्रसन्न होंगे।

आपका

अंबुभाई शाह



Rcd. 28.11.82

२० श्री सद्गुरु जगजीतसिंहजी महाराज
मु० पो० भैणीसाहिब जि० लुधियाना-पंजाब

ज्ञानचन्द्रजी
बुद्धि साधना प्रयोग केन्द्र
अनसारी रोड, १, दरिया गंज
बदिया मन्दिर के पास, नई दिल्ली-२

Rec 15.4.82

गोरक्षा-अभियान

गोरक्षा सौम्य सत्याग्रह का अगला कदम

अेक करोड दाता –
अेक लाख सत्याग्रही

सौम्य सत्याग्रह के बाद अगले कदम के रूप में निम्न कार्यक्रम रखना तय रहा है। इन कार्यक्रमों पर पूरी शक्ति से अमल किया जायेगा तो सौम्य सत्याग्रह के परिणाम स्वरूप जो जनशक्ति उभर आयी है वह और भी व्यापक होगी और इतनी प्रचंड शक्ति जगेगी कि जनता की केवल जयजय-कार मात्रसे गोवंश की हत्या पूर्णरूपेण बंद होकर रहेगी। गोवंश हत्याबंदी का केन्द्रीय कानून बनवाने के लिए सतत प्रयत्न चलते ही रहेंगे। लेकिन उसमें कुछ विलंब हुआ तो भी गोमाताकी जय-जयकार मात्र से गोवंश हत्या अवश्य बंद होगी, ऐसा दृढ विश्वास रखिये।

भगवान के दरबारमें

१– **नित्यप्रार्थना–** रोजाना अपने ही घर में प्रार्थना करनी है कि भगवान तू गाय की रक्षा कर और इस देश को बचा। पू० बाबा ने गोरक्षा प्रार्थना को आश्रम की नित्य प्रार्थना के आरंभ में मौन प्रार्थना जोड दी है।

२– **महिने के अंतिम दिन उपवास व सभा–** हर माह के आखरी दिन उपवास रखा जाय। शाम को सामूहिक प्रार्थना सभा हो, जिसमें महिने भर के काम का लेखा-जोखा हो और आगे के काम की योजना बने। सभा के बाद उपवास छोड सकते हैं।

३– **गोरक्षा का जय-जयकार– एक दिन की कमाई का दान–** कतल से बचायी एवं असहाय गायों के पालन-पोषण के लिए सालभर के एक दिन की आमदनी देनी है। यह दान हरेक भाई-बहन को देना है। अपने विश्वास की किसी भी गोसेवा संस्था को दे सकते हैं, या कृषि गोसेवा संघ को वर्धा भेज सकते हैं। पू० बाबाने एक दिनकी प्राप्ति देना स्वीकार किया है।

जिस दिन एक दिन की कमाई का दान करोडों लोग देने लगेंगे उसी दिन गोमाता की जय-जयकार हो जायेगी और जनता की हुंकार मात्र से गोहत्या रुक जायेगी ।

४- **गोव्रत–** जिन्हें संभव हो अपने घर में गाय रखें । जिनको आज के जमाने में यह बात कठिन है, उन लोगों को अपने घर में कम से कम दूध तो गाय का ही इस्तेमाल करने की कोशिश करनी चाहिए । इससे गोदूध का मूल्य बना रहेगा और गाय हमारे जीवन से नित्य जुडी रहेगी । पू० बाबा का गोव्रत १९२४ से चालू है । स्वयं बापूजी ने गोव्रत दिलवाया था ।

५- **कतली चमडे का त्याग–** गाय-भैंस की कतल करके जो मुलायम चमडा तैयार किया जाता है उसका त्याग करना चाहिए । इस चमडे के इस्तेमाल से गोहत्या को प्रोत्साहन मिलता है । पू० बाबा ने १९२४ से ही कतली चमडे का त्याग कर रखा है ।

राज दरबार में

ऊपर के कार्यक्रम भगवान के दरबार के हैं । इनका संबंध हमारे निजीजीवन से है । राजदरबार की दृष्टि से बंबई में देवनार कतलखाने का सत्याग्रह और गाय-बैल कटने के लिए जहांसे चलते हो उन्हीं स्थानों पर रोकने का "गाय– बैल रोको सत्याग्रह" है । दोनों ही कार्यक्रमों में सरकार से अनुरोध है कि वह गोहत्या को तुरंत रोके । दोनों ही कार्यक्रमों में सरकार का कानून टूटेगा और उसके लिए सरकार जो भी सजा देगी भुगतनी होगी । पू० बाबा ने इसके लिए प्रथम ही आशिर्वाद दिये हैं । गाय–बैल दोनों की, किसी भी उम्र के हों, कतल रोकी जाय । इसमें सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से आगे की मांग है, संपूर्ण गोवंश की हत्या रोकने का आदेश है । पूरे देश की शक्ति केन्द्रित होनी चाहिये अेवं अेक लाख सत्याग्रही हों ।

अ. भा. कृषि गोसेवा संघ
गोपुरी वर्धा (४४२००१)

राधाकृष्ण बजाज
महामंत्री

परंधाम मुद्रणालय, पवनार : ३०००

गोरक्षा सौम्य सत्याग्रह अगला कदम

सौम्य सत्याग्रह के बाद अगले कदम के रूप में निम्न कार्यक्रम रखना तय रहा है। इन कार्यक्रमों पर पूरी शक्ति से अमल किया जायेगा तो सौम्य सत्याग्रह के परिणाम स्वरूप जो जनशक्ति उभर आयी है वह और भी व्यापक होगी और इतनी प्रचंड शक्ति जागेगी कि जनता की केवल जयजय-कार मात्रसे गोवंश की हत्या पूर्णरूपेण बंद होकर रहेगी। गोवंश हत्याबंदी का केन्द्रीय कानून बनवाने के लिए सतत प्रयत्न चलते ही रहेंगे। लेकिन उसमें कुछ विलंब हुआ तो भी गोमाताकी जय-जयकार मात्र से गोवंश हत्या अवश्य बद होगी, ऐसा दृढ विश्वास रखिये।

भगवान के दरबारमें

१– **नित्यप्रार्थना–** रोजाना अपने ही घर में प्रार्थना करनी है कि भगवान तू गाय की रक्षा कर और इस देश को बचा। पू० बाबा ने गोरक्षा प्रार्थना को आश्रम की नित्य प्रार्थना के आरंभ में मौन प्रार्थना जोड दी है।

२– **महिने के अंतिम दिन उपवास व सभा–** हर माह के आखरी दिन उपवास रखा जाय। शाम को सामूहिक प्रार्थना सभा हो, जिसमें महिने भर के काम का लेखा-जोखा हो और आगे के काम की योजना बने। सभा के बाद उपवास छोड सकते हैं।

३– **गोरक्षा का जय-जयकार– एक दिन की कमाई का दान–** कतल से बचायी एवं असहाय गायों के पालन-पोषण के लिए सालभर के एक दिन की आमदनी देनी है। यह दान हरेक भाई-बहन को देना है। अपने विश्वास की किसी भी गोसेवा संस्था को दे सकते हैं, या कृषि गोसेवा संघ को वर्धा भेज सकते हैं। पू० बाबाने एक दिनकी प्राप्ति देना स्वीकार किया है।

जिस दिन एक दिन की कमाई का दान सब लोग देने लगेंगे उसी दिन गोमाता की जय-जयकार हो जायेगी और जनता की हुंकार मात्र से गोहत्या रुक जायेगी।

४– **गोव्रत–** जिन्हें संभव हो अपने घर में गाय रखें । जिनको आज के जमाने में यह बात कठिन है, उन लोगों को अपने घर में कम से कम दूध तो गाय का ही इस्तेमाल करने की कोशिश करनी चाहिए । इससे गोदूध का मूल्य बना रहेगा और गाय हमारे जीवन से नित्य जुडी रहेगी । पू० बाबा का गोव्रत १९२४ से चालू है । स्वयं बापूजी ने गोव्रत दिलवाया था ।

५– **कतली चमडे का त्याग–** गाय-भैंस की कतल करके जो मुलायम चमडा तैयार किया जाता है उसका त्याग करना चाहिए । इस चमडे के इस्तेमाल से गोहत्या को प्रोत्साहन मिलता है । पू० बाबा ने १९२४ से ही कतली चमडे का त्याग कर रखा है ।

राज दरबार में

ऊपर के कार्यक्रम भगवान के दरबार के हैं । इनका संबंध हमारे निजीजीवन से है । राजदरबार की दृष्टि से बंबई में देवनार कतलखाने का सत्याग्रह और गाय-बैल कटने के लिए जहांसे चलते हो उन्हीं स्थानों पर रोकने का "गाय– बैल रोको सत्याग्रह" है । दोनों ही कार्यक्रमों में सरकार से अनुरोध है कि वह गोहत्या को तुरंत रोके । दोनों ही कार्यक्रमों में सरकार का कानून टूटेगा और उसके लिए सरकार जो भी सजा देगी' भुगतनी होगी । पू० बाबा ने इसके लिए प्रथम ही आशिर्वाद दिये हैं । गाय–बैल दोनों की, किसी भी उम्र के हों, कतल रोकी जाय । इसमें सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से आगे की मांग है, संपूर्ण गोवंश की हत्या रोकने का आदेश है । पूरे देश की शक्ति केन्द्रित होनी चाहिये तभी सफलता मिलेगी ।

अ. भा. कृषि गोसेवा संघ
गोपुरी वर्धा (४४२००१)

राधाकृष्ण बजाज
महामंत्री

परंधाम मुद्रणालय, पवनार : ५०००

vegetarian 13.2.82 1

The North India Vegetarian Union (N.I.V.U.)

(Hon. Patron : H.H. Sadguru Jagjit Singh Ji Maharaj)

Hon. President	Hon. Vice President	Hon. Treasurer	Hon Sec.
L Jagat Narain	Mr. S. S. Sanehi M. A.	Sh. S D. Sagar	Inderjit Jain
Ex. M. P.	Reserch Scholar	Mandi Gobind Garh	BANGA
Jullundur	V. P. O. SHAHPUR	Phone : 17	Phone : 84
Phone : 73559			Res. : 56

Office : B A N G A. 144505 INDIA

Ref. No,........ *Dated* ....

11.2.82.

The meeting of N.I.V.U. Executives will be held at the residence of Late Lala Jagat Narain Ji, Pacca Bagh , Civil Lines, Jallander, on SUNDAY -28th. Feb.1982 at 12-30 P.M.

Sh. Romesh ji has kindly agreed to be present at the meeting.

Agenda:

1. Homage to Lala Ji.
2. Election of President
3. 26th. World Veg. Congress
4. Old Accounts
5. Budget 1982-83
6. Reg Registeration of N.I.V.U.

Though I have every hope that you will make it sure to attend the meeting, please confirm your participation at your earliest and oblige.

With best Wishes,

Yours Sincerely,

(Inder Jit Jain)

WHY VEGETARIAN?

* Science Favours Vegetarianism
* Greatmen Favour Vegetarianism
* Vegetarianism Has Moral Values
* Vegetarianism Reduces Crimes
* Vegetarianism Has Nutritioual Values
* Vege arianism Leads To Simple Liying And High Thinking

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

Rec. 12.2.82

H.H.S. Jagjit Singh Ji Maharaj
V. & P.O. Bhaini Sahib,
Dt. Ludhiana

← तीसरा मोड़ Third Fold →

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :-

THE NORTH. INDIA VEGETARIAN UNION
BANGA (Jullundur).

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

← पहला मोड़ First Fold →

← दूसरा मोड़ Second Fold →

यहाँ काट कर खोलिये To Open Cut Here

TAJ MAHAL

27.2.82

फोन नं० 450

पंजाब गोरक्षा समिति,

प्रस्थान आज्ञग
पठानकोट
दिनांक 25.2-82

आदरणीय महोदय,

पंजाब गोरक्षा समिति की एक आवश्यक बैठक दिनांक 6.3.82 शनिवार प्रातः 11-बजे गांधी स्मारक भवन सैक्टर 16.A चण्डीगढ़ में होगी उसमे आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है। कृपया यथा समय पधार कर कृतार्थ करें। इस बैठक के बाद गीता प्रवचन स्वर्ण महोत्सव समिति की बैठक भी होगी उसके लिये भी आप सादर आमन्त्रित हैं। कृपया अपने कार्यक्रम की सूचना देने की कृपा करें ताकि व्यवस्था में सुविधा हो आभारी होंगे।

ऐजण्डा

1- गत बैठक कार्यवाही सम्पुष्टि।
2- गोरक्षा सौम्य सत्याग्रह कार्यक्रम समीक्षा
3- बैल रोको सत्याग्रह देवनार (बम्बई) मे पंजाब से जत्थे भेजने हेतु।
4- गाय रोको अभियान की योजना
5- अन्य विषय अध्यक्ष जी की अनुमति से

विनीत
यशपाल गुप्ता
(यशपाल मित्र)

28·1·82

गो-रक्षा सौम्य सत्याग्रह

(३० जनवरी से २२ फरवरी १९८२ तक)

इस अवधि में अपने-अपने क्षेत्र में समिति बनाकर गो-रक्षा हेतु दो-दो दिन का उपवास कीजिये ।

सन्तों का सन्देश

विनोबा : "गाय हमारी माता है । गो-हत्या मातृ-हत्या है ।
१. गो-हत्या बन्दी भारतीय संस्कृति का आदेश है ।
२. यह भारतीय संविधान का निर्देश है ।
३. उसके लिए भारत सरकार वचनबद्ध है ।
४. और भारतीय संसद् का संकल्प है ।
इसलिए सारे भारत में तुरन्त गो-हत्या बन्दी होनी चाहिए ॥"

योगिराज देवराहा बाबा : विनोबा मेरी आत्मा है । हण्डिया चढ़ी रखे, गो-हत्या बन्द होकर रहेगी ।

माँ आनन्दमयी : राष्ट्र-सन्त विनोबा को माँ आनन्दमयी का शुभाशीर्वाद । गोरक्षा के लिए संगठन, अनुष्ठान, बलिदान एवं त्याग-तपस्या चाहिए ।

गो-रक्षा सौम्य-सत्याग्रह : गो-रक्षार्थ प्रथम कदम के तौर पर भगवान् के दरबार में सौम्य सत्याग्रह करना तय हुआ है । यह सत्याग्रह महात्मा गांधी निर्वाण-दिवस ३० जनवरी १९८२ से माता कस्तूरबा गांधी निर्वाण-दिवस २२ फरवरी १९८२ तक २४ दिन चलाया जायगा । सौम्य सत्याग्रह में दो-दो दिन के उपवासों की श्रृंखला चलेगी, हरएक व्यक्ति को पूरे दो दिन का उपवास करना है । उपवास में पानी, नीबू, नमक, सोडा ले सकते हैं । तन से उपवास, मन से प्रार्थना और धन के प्रतीकस्वरूप यथाशक्ति दान देकर तन, मन, धन तीनों से इस अभियान में सहयोग देना है ।

१. सर्वसमर्थ विश्वनियन्ता प्रभु से प्रार्थना है कि वह गोरक्षा एवं मानव-समाज की रक्षा करे ।

२. भारत सरकार से प्रार्थना है कि वह ग्रामीण अर्थतन्त्र को टूटने से बचाने के लिए केन्द्रीय गोवंश हत्याबन्दी कानून बनाकर सम्पूर्ण भारत में गोरक्षा करे ।

३. भारत की कोटि-कोटि जनता से प्रार्थना है कि वह सुस्ती और उदासीनता छोड़कर जागृत हो एवं सक्रिय होकर गोरक्षा करे, ताकि भारतीय संस्कृति की रक्षा हो ।

उपर्युक्त त्रिविध प्रार्थना के लिए यह सौम्य सत्याग्रह रहेगा। दिनभर के कार्यक्रमों में भगवत्-भजन, चिन्तन या गीता-प्रवचन का पाठ हो। कुछ समय गोसेवा के शास्त्रीय ज्ञान के लिए रहे। सत्याग्रह जितना शुद्ध सात्त्विक रहेगा, उतना ही तेजस्वी होगा। सत्याग्रह जितना व्यापक होगा, उतना ही असर कारक होगा। कम-से-कम १० हजार केन्द्रों में ५ लाख व्यक्ति उपवास करें, तो यह प्रार्थना भगवान्, सरकार और जन-मानस तक अवश्य पहुँचेगी।

केन्द्र कायम करना : यह सौम्य सत्याग्रह भगवत् प्रार्थनामय है। इसमें जाति-पाँति, पंथ, धर्म या किसी पक्ष-विशेष का कोई भेद नहीं होगा। गोमाता सबको दूध पिलाती है। उसकी सेवा करना मानवमात्र का धर्म है। जहाँ भी ६० या अधिक उपवास-दानी तैयार हों, रोजाना कम-से-कम ५ व्यक्ति साथ बैठ सकें, वहीं केन्द्र कायम किया जा सकेगा। गाँववाले या मोहल्लेवाले स्वयं गोरक्षा-समिति बनाकर, सौम्य सत्याग्रह का अभियान चला सकते हैं। समिति कायम करके उसकी सूचना जिला-समिति, प्रदेश-समिति तथा केन्द्रीय-समिति कृषि गोसेवा संघ, गोपुरी, वर्धा को दी जाय।

अर्थ-व्यवस्था : गाँव-समिति अपना खर्च स्वयं करे। प्राप्त दान में से आधा दान केन्द्रीय समिति को वर्धा भेजियेगा। आधे दान के खर्च का हिसाब बराबर रखा जाय। २५०) से अधिक दान देनेवाले को आयकर से छूट का प्रमाण-पत्र चाहिए तो वे दान सीधा वर्धा भेजें। किसी खास क्षेत्र में खर्च करना हो तो क्षेत्र का नाम दे सकते हैं।

अपेक्षित सहयोग : गोरक्षा सौम्य सत्याग्रह की सफलता के लिए देश भर की जनता का सक्रिय सहयोग अपेक्षित है। सभी सन्त-महन्तों एवं प्रमुख नागरिकों से प्रार्थना है कि फरवरी '८२ तक का अपना पूरा समय इस आयोजन के प्रचार-प्रसार में लगायें। हमें आशा है कि भारत की कोटि-कोटि जनता-लाखों में ही नहीं, करोड़ों की संख्या में उपवास-दान के लिए आगे बढ़ेगी।

निवेदक

तुलसीदास विश्राम	**विश्वम्भरप्रसाद शर्मा**
कार्याध्यक्ष, कृषि गो-सेवा संघ गोपुरी, वर्धा	महामन्त्री, भारत गो-सेवक समाज
मानव मुनि	**ठाकुरदास बंग**
संयोजक, सन्त सेवक समुद्यम परिषद्	अध्यक्ष, सर्व-सेवा-संघ
किशनलाल कटपीसवाले	**रामगोपाल शालवाले**
महामन्त्री, स० गो-रक्षा म० समिति	अध्यक्ष, सा० आर्य प्रतिनिधि सभा

संयोजक : राधाकृष्ण बजाज

आशीर्वाद प्राप्त हैं

स्वामी करपात्रीजी महाराज
जगद्गुरु श्रीशंकराचार्य, चारों पीठ
स्वामी गंगेश्वरानन्दजी
स्वामी नन्दनन्दनानन्दजी
आचार्य श्री तुलसीजी
मुनि श्री सुशीलकुमारजी
मुनि सन्तबालजी
बाबा सीताराम ओंकारनाथ
आचार्य रामकिशोरजी
स्वामी चिदानन्दजी, ऋषिकेश
स्वामी अखण्डानन्दजी
स्वामी रामसुखदासजी
स्वामी प्रकाशानन्दजी
श्री प्रभुदत्तजी ब्रह्मचारी
शास्त्री कृष्णशंकरजी
मुनि ज्ञानचन्दजी, दिल्ली
स्वामी सत्यमित्रानन्दजी
योगिराज हैडाखान, हल्द्वानी
स्वामी कल्याणदेवजी
साधु बालदासजी, कच्छी आश्रम
सद्गुरु जगजीतसिंहजी
हरिभक्त धुंडा महाराज
हरिभक्त अप्पासाहेब वास्कर
स्वामी रामचन्द्र वीर
श्री शरदवल्लभा बेटीजी
सुश्री विमलाबहन ठकार
गुलाम रसूल कुरेशी, साबरमती
श्री नूरुद्दीन जे० मवानी, गोवा
श्री रविशंकर महाराज
रुक्मिणीदेवी अरुण्डेल
स्वामी श्रद्धानन्दजी, लक्ष्मणगढ़
महन्त श्री अवैधनाथजी
सन्त भादरिया महाराज
गणिवर्य मुनि जनकविजयजी
साध्वी श्री मृगावतीजी
आचार्यश्री धर्मेन्द्रजी महाराज
भारतीय शान्ति सेना, पवनार
आचार्यकुल, पवनार
स्त्री-शक्ति-जागरण, पवनार
खादी मिशन पवनार
भारतीय विद्या भवन
विश्व हिन्दू परिषद्
श्री बाला साहब देवरस
सरसंघचालक
श्री राजेन्द्र सिंह, सरकार्यवाह
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
आचार्य दादा धर्माधिकारी
सन्त देवकीजी, वृन्दावन
श्री महबूब खाँ, लोहरदगा
श्री शारदा माताजी
एलाचार्य मुनि विद्यानंदजी
आचार्य आनंद ऋषि
आचार्य इन्द्रजिन सूरीजी
आचार्य विजयजयदेव सूरीजी
श्री अकबर अली खान
(भू० पू० गवर्नर, उ० प्र०)

गो सेवा सम्मेलन

२५, २६, २७ दिसम्बर १९८१ को सन्त विनोबा जी के सान्निध्य में पवनार वर्धा में गो-सेवा सम्मेलन होगा। गो-सेवा में रुचि रखनेवाले सभी भाई-बहन आमन्त्रित हैं। रेलवे कन्सेशन गोपुरी-वर्धा रु० पाँच भेजकर प्राप्त करें।

गो-हत्यानिवारण एवं समग्र गो-रक्षण की माँग

१. सम्पूर्ण गोवंश-हत्याबन्दी का केन्द्रीय कानून बने।
२. कानून का अमल कड़ाई से हो।
३. गाय, भैंस दोनों के मांस का निर्यात पूर्णतः बन्द हो।
४. गो-सदनों की समुचित व्यवस्था हो। समाज और सरकार दोनों मिल कर भार उठायें।
५. गो-सदनों के लिए बाजारों पर आवश्यक लाग बाग लगायी जाय।
६. दानदाताओं को आयकर में शत प्रतिशत छूट हो।
७. गो-संवर्धन की नीति सर्वांगी नस्ल तैयार करने की हो, ताकि बछड़ा खेती-जोत के लिए उत्तम बैल बने एवं बछड़ी उत्तम दुधारू गाय हो।
८. फूड प्लानिंग की तरह फाडर प्लानिंग भी हो, ताकि चारा-दाना पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो सके।
९. गोचर-भूमियाँ सुरक्षित रहें।
१०. खली का निर्यात बन्द हो।
११. अखाद्य वस्तु जैसे पेपर आदि में पशु-खाद्य चारे का उपयोग बन्द हो।
१२. शुद्ध गो-दूध को, शुद्ध भैंस दूध के बराबर भाव मिले। फैट प्रतिशत पर भाव-निर्धारण की पद्धति तुरन्त बन्द हो।
१३. यन्त्रचालित ट्रक-ट्रैक्टर आदि तथा बैलगाड़ी-बैलजुताई आदि में इस प्रकार की मर्यादा बाँधी जाय कि आपस में स्पर्धा न होकर एक-दूसरे के पूरक बनें

नोट :—यदि आप उपर्युक्त विचारधारा से सन्तुष्ट हैं और उपवास में योगदान देने का संकल्प करें तो कृपया निम्नांकित पत्र द्वारा अपनी स्वीकृति अविलम्ब भेजने का कष्ट करें।

श्री मन्त्री, कृषि गो-सेवा संघ,
गोपुरी (वर्धा) महाराष्ट्र

हम गो-रक्षा 'सौम्य सत्याग्रह' की श्रृंखला में योगदान देने के लिए तैयार हैं और ______ तिथियों को ______ मोहल्ला/ग्राम/नगर में दो दिवस का उपवास करने का संकल्प करते हैं।

नाम पते संलग्न हैं ______________________

गउ रक्षा
21.1.82

रामहरि

गोमाताकी जय　　　　　　　　　　　　　　　　　　भारत माता की जय

पंजाब, हरियाणा के प्रमुख गो सेवकों, गो भक्तों तथा शांति सैनिकों के नाम

वम्बई, दिनांक ५-१-१९८२

माननीय श्री.

आपसे निवेदन है कि सारे देश में सम्पूर्ण गोवंश की हत्या वन्द हो इसके लिये संत विनोवाजी ने आवाहन किया है और इसकी शुरुआत करने के लिये भारतीय शांति-सेना को वम्बई के देवनार कतलखाने पर सत्याग्रह शुरु करने का आदेश दिया है। उनके इस आदेश के मुताविक अलग अलग प्रान्तों के १८ प्रमुख शांति सैनिकों का एक प्रथम जत्था भारतीय शांती सेना के संयोजक श्री अच्युत देशपांडे के नेतृत्व में पवनार से ३ जनवरी को वम्बई पहूँच चुका है।

इस सत्याग्रह के सम्बन्ध में पर्चे, पोस्टर तथा इश्तेहार छपवाये जा रहे है जो आपकी सेवा में भी भेज रहे हैं। ११ जनवरी १९८२ से यहां देवनार के कतलखाने पर सत्याग्रह शुरु किया जा रहा है।

आपसे प्रार्थना है कि गोवंश को वचाने के इस सत्याग्रह को सफल वनाने के लिये आप गम्भीरता से विचार करें तथा ज्यादा से ज्यादा सत्याग्रही वम्बई आ सकें इसकी कोशिश करें। आप तथा आपके यहां से कितने सत्याग्रही इस सत्याग्रह में वम्बई आ सकते है इसकी सूचना आप भारतीय शांति-सेना, आश्रम पवनार, जिला वर्धा, महाराष्ट्र के पते पर भेजे तथा हमें भी वम्बई के पते पर सूचना देने की कृपा करें।

धन्यवाद सहित।

निवेदक
—:—

एस. पी. सिंह	निरंजन सिंह
सत्यपाल सिंह	निरंजन सिंह
भारतीय शांति-सेना, (पंजाब शाखा)	भारतीय शांति सेना, (हरियाणा शाखा)
प्रेम कुटीर, न्यु माडल टाउन	सोशल वर्करज होम,
होशियारपूर	७ माडल टाउन, करनाल

कैम्प

भारतीय शांति सेना
गोहत्या-वन्दी सत्याग्रह
शांताश्रम
२९९, जावजी दादाजी मार्ग
नानाचौक, वंबई ४०००००७

सेवामें श्री सतगुरु जगजीत सिंह जी

20.12.81

regelo

फोन नं. २८७

विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध-संस्थान

(भारतीय संघ व प्रदेश सरकारों तथा विश्वविद्यालयों द्वारा संरक्षित)

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]-प्रधान : डा. जी. एल. दत्ता
M.A., Ph. D.
पूर्व उपकुलपति, विक्रम विश्वविद्यालय
[illegible]
[illegible]

सामान्य विभाग

पो. साधु आश्रम,
होशिआरपुर (पं., भारत)

सह संचालक: वेद प्रकाश, विद्यावाचस्पति, शास्त्री, एम० ए०, एम० ओ०, एल०

सं. १०।१६(१२)। 1706 ता. 16-१२-१९८१

आदरणीय श्री सतगुरु जी महाराज,

सादर नमस्ते । मैं बड़े हर्ष से आपको सूचित कर रहा हूं कि हमारा संस्थान अपने सफल जीवन के ७६वें वर्ष को पूरा करने जा रहा है । यह जीवन उन सभी क्रियाकलापों को समर्पित है जो वैदिक, संस्कृत, हिन्दी तथा पंजाबी भाषाओं एवम् उनके साहित्यों के और प्राचीन भारतीय इतिहास, दर्शन, धर्म तथा संस्कृति के क्षेत्रों में उनके गम्भीर अध्ययन और अनुसन्धान कार्यों की दिशा में किए जा रहे हैं । ७६वें वर्ष के आरम्भ के उपलक्ष्य में हमारी प्रमुख हिन्दी मासिक पत्रिका "विश्वज्योति" का ५०० पृष्ठी वार्षिक विशेषांक "मानसिक स्वास्थ्य अंक" के रूप में प्रकाशित हो रहा है जिसमें लेखों, कविताओं और कहानियों द्वारा मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला जाएगा । इस विशेषांक का लगभग २५० पृष्ठी उत्तरार्धभाग "पुण्य-स्मारक-खण्ड" के रूप में होगा जिसमें महापुरुषों के सर्वश्रेष्ठ मूल वचनामृत हिन्दी अनुवाद सहित प्रस्तुत किये जायेंगे ।

संस्थान का कार्य चलाने के लिए सरकार व विश्वविद्यालय की ओर से प्राप्त हो रही अपर्याप्त सहायता के अतिरिक्त निजी क्षेत्र के अपने बन्धुवर्ग से भी प्रतिवर्ष दो लाख रुपये की सहायता प्राप्त करना अत्यावश्यक होता है । अत:, इस शुभ अवसर पर, हम अपने प्रिय सदस्यों एवम् सहायकों से संस्थान की विशेष सहायता करने के लिए निवेदन करने में अपना गौरव समझते हैं ।

आपसे पुन: एक वर्ष के पश्चात्, उपर्युक्त सम्बन्ध में इस पत्र द्वारा प्रेमपूर्वक निवेदन करने में मुझे विशेष प्रसन्नता प्रतीत हो रही है । पिछले वर्ष आपने २०० रुपये दान देकर संस्थान की सहायता की थी । हमें पूर्ण विश्वास है कि आप इस बार भी उसी प्रकार से, अपितु आज की विशेष मंहगाई को देखते हुए, ~~कम से कम २०० रुपये~~ कुछ अधिक दान देकर, इस पवित्र महायज्ञ में आहुति डालने की कृपा करेंगे । यदि आप यह दान यहां चैक या ड्राफ्ट द्वारा भेजें तो उस पर "वी० वी० आर० आई०, होश्यारपुर" लिखा जाना चाहिए, किसी का निजी नाम नहीं ।

क्र० पृ० उ०

आपकी ओर से गत वर्ष के "शरीर रक्षा अंक" में जो पुण्य-स्मारक पृष्ठ छापा गया था उसकी अनुमुद्रित एक प्रति इस पत्र के साथ भेजी जाती है। कृपया इसे देख लीजिएगा और यदि इसके निचले भाग में दी गई "स्मारक-शब्दावली" में कोई परिवर्तन करना आवश्यक समझें, तो यथाशीघ्र सूचित कर दीजिएगा।

इस संस्थान को दान में दी जाने वाली राशि पर आयकर की छूट दी जाती है।

आपसे यह भी निवेदन है कि संस्थान के पवित्र कार्य में योगदान देने के लिए तीन-चार अन्य प्रेमी सज्जनों को भी प्रेरणा कीजिएगा। साथ ही, उनके पूरे नाम और पते हमें सूचित करने का कष्ट कीजिएगा ताकि उन्हें यहां से भी पत्र भेजा जा सके।

शेष कुशल, आप सब सदा सुखी रहें।

भवदीय,

(वेद प्रकाश)

श्री सतगुरु जगजीत सिंह जी महाराज,
श्री भैनी साहिब,
जिला लुधियाना।

vegetar [illegible]
18.4.81

अभयं मित्रादभयममित्राद् अभयं ज्ञातादभयं पुरो यः।
अभयं नक्तमभयं दिवा नः सर्वा आशा मम मित्रं भवन्तु ॥

(अथ० १९,१५,६)

मित्र से हमें अभय हो, अमित्र से हमें अभय हो, अपने से हमें अभय हो, पराये से अभय हो, रात हो तो हमें अभय हो, दिन हो तो हमें अभय हो, सब दिशाएँ हमारे प्रति अभय से भरी हों।

हार्दिक शुभ कामनाओं के साथ

विश्वेश्वरानन्द-संस्थान के आजीवन सदस्य

तथा

परम हितैषी

श्री सतगुरु जगजीतसिंह जी महाराज

श्री भैनीसाहिब (लुधियाना, पंजाब)

की ओर से

श्री मेवा

2.12.81

अ० भारत कृषि गोसेवा संघ, गोपुरी (वर्धा)

दिनांक: ३०-११-८१

प्रिय भाई,

स० वन्दे । गोरक्षा सम्मेलन ता० २५ तथा २६ दिसंबर १९८१ को परंधाम आश्रम पवनार में होगा । सम्मेलन का प्रारंभ ता० २५-१२-८१ को सुबह १० बजे होगा । ता० २७ को गोसेवा संघ कार्यकारिणी तथा सौम्य सत्याग्रह के कार्य में जुटने वाले कार्यकर्ताओं की कार्यक्रम आयोजन के लिए सभा होगी ।

प्रतिनिधियों के आवास की व्यवस्था मनोहर आरोग्यधाम, दत्तपुर में कीगयी है । यह स्थान वर्धा नागपूर मुख्य रास्ते पर वर्धा से तीन किलोमीटर पर है । वहां से पवनार तीन किलोमीटर है । आप दत्तपुर पहुंचने की कृपा कीजिये । आप के वर्धा पहुंचने की निश्चित तिथि, गाड़ी तथा समय का पता चलने पर संभव हुआ तो स्टेशनपर वाहन व्यवस्था करने का प्रयत्न किया जायगा । अन्यथा स्टेशनपर उपलब्ध वाहनोंसे दत्तपुर पहुंचने की कृपा कीजिये । प्रतिनिधियों को प्रति व्यक्ति प्रतिनिधि शुल्क रु० ५) निवास के लिए रखा है । सभा के लिए दत्तपुर से पवनार जाने और आने के लिए बसोंकी व्यवस्था सोची गयी है ।

आपको रेल्वे कंसेशन फार्म आपकी सूचनानुसार भेजे हैं । प्रत्येक कंसेशन के लिए रु० ५) इस दफ्तर में जमा करने की कृपा कीजिये । यदि पहले से आपने न भेजे हों तो फार्म मिलने पर भेज दीजिये ।

सामान्यतया रेल्वे द्वारा ५० प्रतिशत किराये में रियायत दी जाती है । इस बार के कंसेशन में २५ प्रतिशत ही रियायत दी गयी है ।

वर्धा से वापसी रिजर्वेशन के लिए अधिक अच्छा यही होगा कि आप कंसेशन टिकट बनाते समय ही आपके वहां के रिजर्वेशन दफ्तर को वापसी रिजर्वेशन के लिए गाड़ी नंबर तथा तारीख देकर तार देने के लिए कार्यवाही करने के लिए कहियें । रेल्वे के द्वारा यह कार्य नियमानुसार किया जाता है । वर्धा से आप वापसी रिजर्वेशन चाहेंगे तो आपके वर्धा पहुंचने पर वर्धा स्टेशन पर कंसेशन टिकट बताने पर खाली जगह होगी तो मिलेगा ।

किस तारीख को, किस गाड़ी से कितने व्यक्ति आवेंगे इसकी निश्चित सूचना लौटती डाक से देने की कृपा कीजिये ।

आपका

नारायण जाजू

(ना० श्री० जाजू)

मंत्री

फोन नं०- दफ्तर: २३६५

निवास : २५६३

तार: 'सर्वसेवा', वर्धा

1171

बुक-पोस्ट

भारत INDIA 20

5 भारत INDIA

Shri Veersinhaji Maharaj

श्री वीरसिंह जी महाराज

Namdhari Firm नामधारी फर्म, बीडाडी, Bidadi,

बंगलोर – ५६२१०९ (कर्ना.)

अ. भा. कृषि गो-सेवा संघ,
पुरी (वर्धा) 442 114

A. B KRISHI GOSEVA SANGH

No. 1171

MINISTRY OF RAILWAY XXR WIRELESS ORDER
No. TC II 2066 / 77 / 10 DATED 26th NOVEMBER 1981

CONCESSION CERTIFICATE FORM

CONCESSION FOR ALL INDIA BODIES OF CULTURAL, EDUCATIONAL AND SOCIAL IMPORTANCE

It is certified that Shri/Smt. ______________________ is a person travelling from ______________________ to WARDHA Central Rly Stn. Conferance to be held at PAUNAR from 25 th to 27 th December 1981 and is entitled to the concession of return tickets in any Second Class only available for one month as indicated below.

Seccond Class return tickects on payment of one and a half single Second Class Mail.

It is also certified that the total emoluments / earnings drawn by Shri / Smt. ______________ on date do not exceed Rs. 2000/— (Rupees two thousand) per month.

* (I) He / She is a Servant of the Central / State Government / Local Body or a Statutory Authority or a a Corporation or a Government Undertaking or a University.

* (ii) He / She is not a Servant of the Cenaral / State Government / Local Body or a Statutory Authority or a Corporation or a Government Undertaking or a University.

* (iii) His / Her travelling expenses will not be borne by the Central / State Government / Local Body or a Statutory Authority or a Corporation or a Government Undertaking or a University.

Place : GOPURI (WARDHA)

Secretary
A. B. Krishi Goseva Sangh

Date :

2 DEC 1981

अ. भा. कृषि गो-सेवा संघ,
गोपुरी (वर्धा) 442 114

* The item not applicable must be struck out by the Secretary .

** I hereby certify that I am an employee of the Central/State Government, /Local Body or a Statutory Authority or a Corporation or a Government Undertaking or a University and that I shall not claim kilometrage allowance from the Central / State Government / Local Body or a Statutory Authority or a Corporation or a Government Undertaking or a University for the Journey performed on the Concessional return ticket.

Place....................

Signature....................................

Designation....................................

Office address....................................

Date....................

Note : 1. ** This Certificate (must invariably) be filled in by employees of the Central / State Governmet / Local Body or Statutory Authority or a Corporation or a Government Undertaking or a University.

2. Government Servants etc. whose travelling expenses are borne by the Central / State Government or Local Body or a Statutory Authority or a Corporation or a Government Undertaking or a University either wholly or even partly are not entiled to this concession. Any breach of this rule by the Government servant will render him liable to disciplinary action.

9.9.81

तार-'सर्वसेवा'

फोन { दफ्तर : २३६५ / निवास : २५६३

आखिल भारत कृषि-गोसेवा संघ

AKHIL BHARAT KRISHI-GOSEVA SANGH

GOPURI, WARDHA, 442001 (Maharashtra)

गोपुरी, वर्धा (महाराष्ट्र)

पत्र क्रमांक-

दिनांक : ५ सितंबर, १९८१

आदरणीय महोदय,

सादर प्रणाम। आपको विदित होगा कि दि० २२-२३ अगस्त १९८१ को दिल्ली में आयोजित गोरक्षा कार्यकर्ता सम्मेलन ने यह प्रस्ताव किया है कि यदि ३१ मार्च, १९८२ तक भारत सरकार केन्द्रीय कानून द्वारा सम्पूर्ण देश के लिए गोहत्या पर प्रतिबन्ध न लगाये तो विवश होकर रामनवमी दि० २ अप्रैल, १९८२ से शांतिमय रूप में सत्याग्रह करने के लिए जनता का आवाहन किया जाय। इस प्रस्ताव को क्रियान्वित करने के लिये पूर्व तैयारी के रूप में एक योजना बनाई गई है जो आपकी जानकारी और उसके लिए आपका आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु इस पत्र के साथ में प्रेषित की जारही है।

सौम्य सत्याग्रह योजना के अन्तर्गत देश में ५००० सौम्य साधना केन्द्र स्थापित करने हैं जहां एक मास तक निरन्तर दो दो दिन का उपवास गोभक्त महानुभाव समूह रूप में करते रहें। विश्वास है कि इस सौम्य उपवास योजना में जनजागरण होने के साथ शासन का भी प्रभु प्रेरणा से हृदय परिवर्तन होगा और देश में गोहत्याबंदी आन्दोलन के चलाने के लिये कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मिल सकेंगे।

इस योजना पर देश के मूर्धन्य साधु सन्तों, विद्वानों, सार्वजनिक संस्थाओं के अध्यक्षों के ऊपर स्वीकृति सूचक हस्ताक्षर कराये जारहे हैं। अभी तक कुछ हस्ताक्षर मिल चुके हैं। प्रार्थना है कि आप भी इस योजना को अपना आशीर्वाद दें और संलग्न फार्म पर अपने हस्ताक्षर करके यह यह विज्ञप्ति गोपुरी-वर्धा भेजने की कृपा करें।

आशा है आप प्रसन्न होंगे।

विनीत -

राधाकृष्ण बजाज

राधाकृष्ण बजाज

संयोजक

श्री. सद्गुरु जगजीत सिंगजी

भैयनी साहब (लुधियाना)

(पंजाब)

अखिल भारत कृषि गोसेवा संघ : गोपुरी - वर्धा :महाराष्ट्र:

दिल्ली कार्यालय : ३ सदर थाना रोड, दिल्ली-११०००६ दूरभाष: ५१ १६१०
मुनि ज्ञानचन्द्रजी : १ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-२ " २७ ३५३७
बंबई कार्यालय : भारतीय विद्या भवन, चौपाटी, बम्बई-७ " ३६ ६३१३

गो र क्षा सौ म्य स त्या ग्र ह का आ वा ह् न

पांच लाख उपवासदाता चाहिये

गोसेवा कार्यकर्ता सम्मेलन ता० २२-२३ अगस्त, १६८१ को दिल्ली में हुआ। इस सम्मेलन का आयोजन अ० भा० कृषि गोसेवा संघ, गोरक्षा समन्वय समिति, सर्वसेवा संघ, भारत गोसेवक समाज एवं सर्वदलीय गोरक्षा महाभियान समिति की ओर से हुआ। इसमें प्राप्त विनोबाजी का संदेश :-

गाय हमारी माता है । गोहत्या मातृहत्या है ।।

१. गोहत्याबन्दी भारतीय संस्कृति का आदेश है ।
२. यह भारतीय संविधान का निर्देश है।
३. उसके लिए भारत - सरकार वचनबद्ध है।
४. और भारतीय संसद का संकल्प है ।

इसलिये सारे भारत में तुरन्त गोहत्याबन्दी होनी चाहिये।

सम्मेलन का मुख्य प्रस्ताव -

गंभीर विचार विमर्श के बाद निम्नलिखित प्रस्ताव स्वीकृत हुआ :-

" भारत की कोटि कोटि जनता की ओर से यह गोरक्षा कार्यकर्ता सम्मेलन भारत सरकार का ध्यान विशेष रूप से आकृष्ट करना चाहता है कि वह संत विनोबाजी के माध्यम से राष्ट्र को दिये गये अपने वचन और भारतीय लोकसभा के संकल्प के अनुसार संविधान में आवश्यक संशोधन करके सम्पूर्ण गोवंश हत्याबन्दी के लिए तुरन्त सशक्त केन्द्रीय कानून बनाये। यदि ३१ मार्च, १६८२ तक कानून नहीं बना तो विवश होकर शांतिपूर्ण सत्याग्रह के लिये भारतीय जनता को आवाहन करना होगा।"

उपरोक्त प्रस्तावानुसार शांतिपूर्ण सत्याग्रह के प्रथम कदम के तौर पर ता० २ अप्रैल, १६८२ से १ मई, १६८२ तक ३० दिन सौम्य सत्याग्रह चलाया जाना है। सौम्य सत्याग्रह में दो-दो दिन के उपवास की श्रृंखला चलेगी। हरेक व्यक्ति को पूरे दो दिन का उपवास करना है। तन से उपवास, मन से प्रार्थना और धन के प्रतीक स्वरूप (यथाशक्ति दान) रुपये १०/- दस देकर, तन-मन - धन तीनों से इस अभियान में सहयोग देना है।

१. सर्वसमर्थ, विश्व नियंता प्रभु से प्रार्थना है कि वह गोरक्षा एवं मानव समाज की रक्षा करे।
२. भारत सरकार से प्रार्थना है कि वह केन्द्रीय गोहत्याबंदी कानून बनाकर गोरक्षा करे एवं भारत के ग्रामीण अर्थतंत्र को टूटने से बचाये।

कृ० उ० देखें -----

३. भारत की कोटि कोटि जनता से प्रार्थना है कि वह सुस्ती और उदासीनता छोड़कर जागृत हो एवं सक्रिय होकर गोरक्षा करे ताकि भारतीय संस्कृति की रक्षा हो ।

उपरोक्त त्रिविध प्रार्थना के लिये यह सौम्य सत्याग्रह रहेगा । दिनभर के कार्यक्रम में भगवत्भजन, चिंतन अधिक हो । कुछ समय गोसेवा के शास्त्रीय ज्ञान के लिये रहे । सत्याग्रह जितना शुद्ध सात्विक रहेगा उतना ही तेजस्वी होगा, सत्याग्रह जितना व्यापक होगा उतना ही असरकारक होगा । कम से कम ५ हजार केन्द्रों में ५ लाख व्यक्ति उपवास रखेंगे तो यह प्रार्थना भगवान, सरकार और जनमानस तक अवश्य पहुंचेगी ।

सं चा ल न -

१. इस सौम्य सत्याग्रह में जाति, धर्म, पंथ या किसी पक्ष विशेष का कोई भेद नहीं होगा । गोमाता सबको दूध पिलाती है, उसकी सेवा करना मानवमात्र का धर्म है ।

२. जो भाई - बहन दो दिन के उपवास के लिये तैयार हों, वे ~~१०) दस देकर~~ अपना नाम लिखवा सकते हैं ।

३. १०० या अधिक उपवासदानियों के नाम दर्ज हों वहीं केन्द्र कायम किया जासकेगा, ताकि रोजाना ५-६ व्यक्ति उपवास के लिये एक साथ बैठ सकें । स्थान ऐसा हो जहां किसी के आने में बाधा न हो ।

४. संयोजन का कार्य अखिल भारत कृषि गोसेवा संघ के जिम्मे रखा है । अत: सारा पत्र-व्यवहार तथा आर्थिक व्यवहार गोपुरी-वर्धा के पते पर किया जाय । धीरे-धीरे प्रदेश व जिला सत्याग्रह समितियों का गठन होने पर प्रत्यक्ष संचालन की जिम्मेवारी स्थानीय संगठनों की रहेगी । उपवासदान की रकम केन्द्रीय कार्यालय को वर्धा भेजी जाय । आधी केन्द्रीय खर्च के लिये एवं आधी प्रादेशिक खर्च के लिये रहेगी ।

गोरक्षा सौम्य सत्याग्रह की सफलता के लिये देशभर की जनता का सक्रिय सहयोग अपेक्षित है । हमें आशा है कि भारत की कोटि कोटि जनता, लाखों में ही नहीं करोड़ों की संख्या में उपवासदान के लिये आगे बढ़ेगी ।

निवेदक -

8.9.81

श्री:

अखिल भारतीय आर्य (हिन्दू) धर्म सेवा संघ

सन् १९८० का संक्षिप्त कार्य-विवरण

संघ का संक्षिप्त परिचय

आर्य (हिन्दू) धर्म एवं संस्कृति के प्रसार, प्रचार और संरक्षण के लिए तथा समस्त हिन्दू जाति जिसमें सनातन धर्मी, आर्यसमाजी, जैन, बौद्ध, सिक्ख, हरिजन आदि सम्मिलित हैं, उसकी सामूहिक उन्नति के लिए यह संघ आज से प्राय: चालीस वर्ष पूर्व सन् १९४१ में हिन्दू धर्म एवं संस्कृति के परम उपासक, संरक्षक उदार-चरित स्व० सेठ जुगलकिशोर जी बिरला द्वारा स्थापित किया गया था। यह संघ एक रजिस्टर्ड धार्मिक-सांस्कृतिक संस्था के रूप में तब से अपने उपलब्ध साधनों के द्वारा हिन्दू धर्म, संस्कृति और जाति की सेवा में अनवरत रूप से संलग्न है।

वर्तमान में संघ की प्रवृत्तियों का परिचय एवं सन् १९८० का संघ का संक्षिप्त कार्य-विवरण निम्नप्रकार है :-

इस संघ द्वारा वर्तमान में प्राय: ५० संस्थाओं को नियमित मासिक सहायता (कुछ को वार्षिक रूप में भी) दी जा रही है। इनमें धार्मिक संस्थाएं, आश्रम, शिक्षण संस्थाएं, अनाथालय, मन्दिर, दातव्य औषधालय, शुद्धि-संगठन और प्रचार की संस्थाएं, आर्यसमाज तथा बौद्ध संस्थाएं एवं तीर्थ-स्थानों में सेवारत संस्थाएं भी सम्मिलित हैं।

इनमें कुछ प्रमुख संस्थाओं का संक्षिप्त परिचय इस प्रकार है :-

१- सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा, पंजाब, नई दिल्ली :

यह संस्था एक रजिस्टर्ड धार्मिक संस्था है। इनके अन्तर्गत अनेक छोटी-बड़ी शाखा-संस्थाएं, मन्दिर, धर्म-स्थान, आश्रम आदि संचालित हैं। संघ से इन्हें प्रतिमास साधु-सन्तों की सेवा और प्रचार-कार्य के लिए १०००) एक हजार रुपये मासिक की सहायता जाती है। इसके अतिरिक्त इन्हें महावीर-दल तथा गोस्वामी गणेशदत्त जी की वर्षी के लिए भी १०००)-२०००) एकमुश्त सहायता दी जाती है।

२- स्वामी ब्रह्मानन्द सरस्वती, गुरुकुल वैदिक आश्रम, वेदव्यास, पानपोश, राउरकेला, जिला सुन्दरगढ़, उड़ीसा।

यह भी एक नियमत: रजिस्टर्ड संस्था है। इसके अन्तर्गत उड़ीसा में शराब प्रचार-निरोध, वनवासी क्षेत्रों में शुद्धि, संगठन, शिक्षा प्रचार आदि का बहुत अच्छा कार्य हो रहा है। लड़के लड़कियों के कई स्कूल, कई आश्रम, छात्रावास आदि संचालित हैं। इस संस्था को इस संघ से ३००) मासिक की सहायता जा रही है। शिक्षा प्रचार; तूफान पीड़ितों की सेवा इस वर्ष का उल्लेखनीय कार्य है।

३- भारतीय विद्या-भवन बम्बई :

स्व० श्रीयुत क० मा० मुंशी द्वारा स्थापित यह प्रख्यात संस्था शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य कर रही है। इसके अन्तर्गत गीता-विद्यालय के लिए इस संघ से १००) मासिक सहायता भेजी जा रही है।

अखिल भारतीय आर्य (हिन्दू) धर्म सेवा संघ
... नगर, दिल्ली-७

४- राजा बिरला हिन्दू उरांव-मुण्डा छात्रावास, रांची :

यह पूज्य स्व० सेठ जुगलकिशोर जी बिरला द्वारा स्थापित आदिवासियों के लाभ के लिए एक छात्रावास है जिसकी व्यवस्था और सहायता के लिए संघ से वार्षिक एकमुश्त प्राय: ३०००) की सहायता भेजी जाती है।

५- आर्य प्रतिनिधि सभा, मध्य-दक्षिण, सुलतान बाजार, हैदराबाद :

यह हैदराबाद (मध्य दक्षिण) में हरिजनों के बीच सेवा कार्य करने वाली प्रसिद्ध आर्यसमाज की संस्था है। इसे संघ द्वारा प्रतिमास २००) मासिक की सहायता भेजी जा रही है।

६- मस्तूराश्रम, पांडुरंगवाड़ी, गोरेगांव, बम्बई :

यह भी एक प्रगतिशील हिन्दू संस्था है। इसके कार्यकर्ता अच्छे उत्साही हैं और उनके द्वारा शुद्धि-संगठन का कार्य निष्ठापूर्वक हो रहा है। इन्हें संघ से प्रचार कार्य के लिए २००) मासिक सहायता भेजी जा रही है।

७- हिन्दू धर्म रक्षक प्रसारक मंडल, बड़ौदा :

यह भी एक रजिस्टर्ड और पुरानी संस्था है जिसका संचालन आर्य समाज के प्रसिद्ध नेता श्री आनन्दप्रिय जी द्वारा हो रहा है। गुजरात में पिराना पन्थी एवं मोलेसलाम आदि नव-मुस्लिम जातियों में शुद्धि प्रचार के द्वारा उन्हें हिन्दू धर्म में लाने का प्रयत्न इनके द्वारा किया जा रहा है। हिन्दू धर्म में दीक्षित हुए लोगों द्वारा वहां विशाल मन्दिर भी बनाये जा रहे हैं। इस संस्था को प्रचार, शुद्धि तथा संगठन कार्य के लिए २००) मासिक की सहायता भेजी जा रही है।

८- हिन्दू धर्म सेवा संघ, रांची :

यह संस्था भी रजिस्टर्ड है और श्री गंगाप्रसाद जी बुधिया के दिग्दर्शन में इस संस्था द्वारा आदिवासियों में धर्म प्रचार और शिक्षा प्रचार का अच्छा कार्य हो रहा है। इन्हें भी संघ से २००) मासिक सहायता भेजी जा रही है।

इन मुख्य संस्थाओं के अतिरिक्त राजस्थान, रत्नागिरि, रायगढ़ आदि की अनेक संस्थाओं को इस संघ से सहायता दी जा रही है।

संघ के अन्तर्गत शिक्षण संस्थाएं :

संघ द्वारा संस्कृत तथा हिन्दी के प्रचार के लिए तथा हरिजन आदि पिछड़ी जाति के लोगों को प्रशिक्षित करने के लिए कितने ही गुरुकुल, विद्यालय, पाठशालाओं आदि को सहायता जा रही है। इन संस्थाओं की रिपोर्ट आती रहती है। इनमें कुछ ये हैं :-

१- विश्वनाथ संस्कृत पाठशाला, उत्तरकाशी : संस्कृत विद्यालय आचार्य कक्षा तक।

२- गुरुकुल झज्जर, रोहतक : स्नातकीय स्तर तक शिक्षा।

३- सांगवेद महाविद्यालय नरवर, नरौरा, बुलन्दशहर : संस्कृत की उच्च कक्षा तक।

४- वी०वी०वी० पाठशाला, कांचीपुरम् : वेद का शिक्षा केन्द्र।

५- चन्द्रमणि पाठशाला, कुशीनगर, देवरिया : बौद्ध तीर्थ में शिक्षा केन्द्र।

अखिल भारतीय आर्य (हिन्दू) धर्म सेवा संघ
२५ ... रोड ... नगर, दिल्ली-७

६- जाह्नवी आदर्श संस्कृत विद्यालय, कालाकांकर प्रतापगढ़ : संस्कृत की उच्च शिक्षा ।

७- रामकृष्ण मिशन हाई स्कूल, चेरापूंजी, आसाम : आदिवासियों में शिक्षा प्रचार।

इनके अतिरिक्त और भी कई स्कूलों, पाठशालाओं तथा हरिजन-गुरुकुलों को इस संघ से मासिक सहायता जा रही है ।

संघ द्वारा संचालित दातव्य औषधालय :

स्व० सेठ जुगलकिशोर जी बिरला द्वारा कई स्थानों पर तथा शुद्धजा लोगों के लाभ के लिए मन्दिर निर्माण कराये गये और उनके साथ औषधालय भी खोले गये हैं। वर्तमान में संघ द्वारा निम्नलिखित ऐसे औषधालयों के लिए सहायता जा रही है :

१- आर्य दातव्य औषधालय, बिरला मन्दिर, सान्धन, आगरा ।

२- आर्य दातव्य औषधालय, कठूमर, अलवर ।

३- आर्य धर्म सेवा संघ औषधालय, बिरला लाइन्स, दिल्ली ।

४- आर्य समाज कोसी कलां, मथुरा ।

५- आर्य दातव्य औषधालय मलिकपुर, परखम, मथुरा । आदि ।

संघ के अन्तर्गत मन्दिर :

निम्नलिखित मन्दिरों में पूजा, अर्चा और व्यवस्था के लिए संघ से सहायतायें दी जा रही हैं। इनमें पांच मन्दिर स्व० सेठ जी द्वारा बनवाये हुए हैं :

१- तराई मन्दिर, कठूमर, अलवर ।

२- बिरला मन्दिर, सांधन, अछनेरा, आगरा ।

३- खड्गेश्वर मन्दिर, रुनुकता, आगरा ।

४- बरवाला ग्राम मन्दिर, बरवाला, दिल्ली ।

५- शिव मन्दिर, मन्दार हिल, भागलपुर ।

६- संकट मोचन हनुमान मन्दिर, तारादेवी, शिमला ।

शुद्धि, संगठन, प्रचार :

शुद्धि, संगठन, प्रचार के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों और संस्थाओं को नियमित रूप से सहायता जा रही है -

१- श्री रामचन्द्र जी शास्त्री, आर्यसमाज बिरला लाइन्स, दिल्ली ।

२- श्री महीपाल शास्त्री, लपरापारी मोहल्ला, अलवर ।

३- आर्यसमाज, शोराकोठी, सब्जीमण्डी, दिल्ली ।

४- आर्य वेद प्रचार मंडल मेवात, नगीना, गुड़गावां ।

५- हरिशरण बनवासी छात्रावास, सिमडेगा, रांची ।

प्रियव्रत ... शास्त्री
मं०

अखिल भारतीय आर्य (हिन्दू) धर्म सेवा संघ
२५ मलका गंज रोड, जवाहर नगर, दिल्ली-७

भारत स्थित विदेशी विद्वान् :

संघ द्वारा ऐसे कुछ विदेशी विद्वानों को जो भारत की नागरिकता लेकर भारतीय

संस्कृति और धर्म के अध्ययन में या प्रचार में लगे हुए हैं, उन्हें संघ से सहायता जा रही है। इस वर्ष ऐसे दो व्यक्तियों को सहायता गयी :

१- जार्ज हेनरी, सेवाफलम, मल्लीताल, नैनीताल।

२- सद्गुरु महेन्द्रनाथ अवधूत (अंग्रेज साधु) नवजीवन विहार, महमदाबाद, गुजरात।

बौद्ध धर्म और बौद्ध संस्थाएं :

संघ द्वारा बौद्ध शरणार्थियों एवं भारत स्थित कितनी ही बौद्ध संस्थाओं और भिक्षुओं को सहायता जाती रही है। वर्तमान में अब इन संस्थाओं तथा व्यक्तियों को संघ से नियमित सहायता जा रही है :

१- रेवरेंड सिनो जाकी, जापान सद्धर्म विहार, कलकत्ता।

२- जयवर्द्धन इन्दु सुमन, लंका के भिक्षु।

३- थिरिजय भिक्षु, पाटलीपुत्र सोसाइटी, पटना।

४- भिक्षु संघ रत्न, जेतवन विहार, श्रावस्ती, बहराइच।

५- इनके अतिरिक्त जैन साधु श्री मुनि कनकविजय को भी संघ से नियमित रूप से सहायता जा रही है।

६- प्रोफेसर तान युन शान, सेक्रेटरी, सिनो इंडियन कल्चरल सोसाइटी, विश्वभारती शान्तिनिकेतन को भी संघ से नियमित २००) मासिक की सहायता जा रही है।

विविध छात्रवृत्तियां :

इसके अन्तर्गत इस वर्ष १८ छात्र-छात्राओं को मासिक छात्रवृत्तियां प्रदान की गयी हैं जिन पर कुल ७१०) मासिक व्यय हुआ है।

धर्म-परीक्षा छात्रवृत्ति :

संघ द्वारा धर्म-रत्न तथा धर्म-विशारद नाम की दो परीक्षाएं संचालित हैं। इनमें सर्वोत्तम अंक पाने वाले तीन तीन छात्रों को क्रमशः ५), ४) और ३) की छात्रवृत्तियां दी जाती हैं। इस प्रकार छः छात्रवृत्तियों पर २४) मासिक व्यय होता है।

संस्कृत-सिख छात्रवृत्ति :

सिखों में संस्कृत के प्रचार के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इस वर्ष ऐसे १४ छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गयी और इस पर २५१) मासिक व्यय हुआ है।

आयुर्वेद महिला छात्रवृत्ति :

महिलाओं में आयुर्वेद की शिक्षा के प्रचार के लिए भी छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती है। किन्तु इस वर्ष इस सम्बन्ध में आवेदन पत्र नहीं आये और किसी को छात्रवृत्ति नहीं दी गयी।

व्यक्तिगत सहायताएं :

इसके अन्तर्गत कई साधू-सन्यासी, सामाजिक और धार्मिक प्रचारक, कार्यकर्ता, अनाथ,

विधवा तथा सहायता योग्य व्यक्तियों को सहायता प्रदान की जाती है। इस वर्ष इस मद में ११३५) मासिक व्यय किया गया है।

एकमुश्त सहायता :

संघ से दी जानेवाली नियमित सहायता के अतिरिक्त सहायता योग्य छात्रों को, कन्याओं के विवाह के लिए, क्षय अथवा कुष्ट-रोगियों के उपचारार्थ, बाढ़, तूफान तथा अकाल पीड़ित लोगों की सेवा के लिए, धर्म प्रचार, शिक्षा प्रचार में लगी संस्थाओं और व्यक्तियों के लिए संघ से एकमुश्त सहायतायें दी जाती हैं। इस वर्ष एकमुश्त सहायता पाने वालों की संख्या ४०० रही और इस पर कुल ११६७००) व्यय हुआ है। संघ द्वारा जो शीत काल में रजाई आदि का वितरण होता है उसका भी व्यय इसमें सम्मिलित है।

संघ के सीमित साधनों के अन्तर्गत उक्त सहायतायें दी जा रही हैं। इसके अतिरिक्त संघ द्वारा निम्नलिखित साहित्य का प्रकाशन किया गया :

१- श्री लक्ष्मीनारायण मन्दिर, नई दिल्ली की सचित्र पुस्तिका।

२- हिन्दूइज्म : फिलोसफी आफ लाइफ (माननीय श्री लक्ष्मीनिवास जी बिरला द्वारा लिखित)।

३- पावर इन टैम्पल।

इन तीनों पुस्तकों का वितरण श्री लक्ष्मीनारायण मन्दिर, नई दिल्ली के माध्यम से विदेशी यात्रियों में किया जाता है।

श्यामसुन्दर शास्त्री (signature)

अखिल भारतीय आर्य (हिन्दू) धर्म सेवा संघ
२५ पंचकुइयां रोड जवाहर नगर, दिल्ली-७

ओ३म्

अखिल भारतीय आर्य (हिन्दू) धर्म सेवा संघ की प्रबन्धक समिति की एक साधारण मीटिंग संघ का सन् १९८० का आडिट किया हुआ हिसाब पास करने के लिए श्री लक्ष्मीनारायण मन्दिर नई दिल्ली के कार्यालय में दिनांक ७ सितम्बर १९८१ सोमवार ६ बजे सन्ध्या समय बुलायी गयी है। मीटिंग माननीय की अध्यक्षता में सम्पन्न होगी। निम्नलिखित प्रस्ताव पास करने हैं -

प्रस्ताव नं० १

संघ की पिछली मीटिंग की कार्यवाही की सम्पुष्टि करना।

प्रस्ताव नं० २ सन् १९८० के आडिटेड हिसाब का लेखाजोखा ब्यौरा

आडिटर द्वारा संघ का सन् १९८० का आडिट किया हुआ हिसाब पास करना जिसका मोटा-मोटा ब्योरा निम्नप्रकार है -

२१०२९९-४१	जनरल सहायता खाते जमा	२२२५९३-०७	भिन्न भिन्न सार्वजनिक संस्थाओं व व्यक्तियों को सहायता दी
	२०२८००-०० इस साल प्राप्त ७४९९-४१ पुराना २१०२९९-४१	३०९४५-०७	शताब्दी सहायता खाते नाम ३०९४५-०७ शताब्दी सहायता
७९८१०-९०	शताब्दी सहायता खाते जमा	६००-००	आर्य धर्म सेवा संघ द्वारा प्राप्त सहायता दी गयी
	५००००-०० इस साल प्राप्त २९८१०-९० पुराना ७९८१०-९०	२९७७५०-००	युनाइटेड कमर्शियल बैंक फिक्स डिपाजिट खाते नाम
६००-००	आर्य धर्म सेवा संघ द्वारा प्राप्त सहायता खाते जमा इस साल	५०७-३०	सैण्ट्रल बैंक चांदनी चौक के नाम
२१८२५७-३०	प्राविडेण्ड फण्ड खाते जमा	३०६७-५८	युनाइटेड क० बैंक चालू खाते नाम
		५५०-००	बिजली पानी संस्थान डिपाजिट नाम
		१८०२८-६२	पुस्तक खाते नाम
		५३९९-००	एडवान्स खाते नाम
		३६-४०	वी० पी० खाते नाम
		२४७२-८२	फरनीचर खाते नाम
		१५९३-९५	जनरल चन्दा खाते नाम
		५०३४०३-०१	
		२५९४-६०	श्री रोकड़ पोते बाकी
५०५९९७-९१		५०५९९७-९१	

संलग्न : मंत्री रिपोर्ट (१९८०)

(स्टाम्प) [signature]
अखिल भारतीय आर्य (हिन्दू) धर्म सेवा संघ
२५, मलका गंज रोड, जवाहर नगर, दिल्ली-७

गद्दी ओदेश 20·8·81

ॐ हरि

अ०भा०सम्मेलन कार्यालय
भाद्रपद कृ० 14 सम० 2038

प्रिय महोदय !

जय गोमाता ।

आपको यह जान कर हर्ष होगा कि भारत की राजधानी नव दिल्ली में सन् 1966 के पश्चात पुन: इतिहासक अ० भारतीय गोवंश रक्षा सम्मेलन संलग्न कार्यक्रम अनुसार 6 -सितम्बर 1981 रविवार को हो रहा है । आपसे सानुरोध निवेदन है कि भाग लेकर देश का नव मार्ग दर्शन करने में सहायक हों, अथवा अपनी संस्था के प्रतिनिधि भेजें । कौन-बाहन से किस समय पधारेंगे । लौटती डाक से सूचित करें, ताकि सम्मिलित भोजन-भिक्षा एवं ठहरने की व्यवस्था उचित रूप से हो सके ।

यदि आप ठहरना अथवा भोजन आदि कहीं और करना चाहते हों तो भी अवश्य लिखनेका कष्ट करें ।

सम्मेलन में विचारार्थ कोई प्रस्ताव एवं सुझाव देना चाहें तो कृपया विधिवत लिखित रूप से अविलम्ब कार्यालय में निम्नांकित ठिकाने से भेजें । ओढ़ने विछौने के वस्त्र अपनी आवश्यकतानुसार साथ लाना न भूलें । शेष शुभ ।

दर्शनाभिलाषी
अशोक कुमार छिब्बर
: अशोक कुमार छिब्बर :
कार्यालय सचिव

सेवा में श्री गुरु जगजीत सिंह जी
भैणी साहब

स्वागतसमिति- अ०भा० गोवंश रक्षा सम्मेलन
श्रीरघुनाथ मंदिर, अमरकालोनी, लाजपत नगर, नवदिल्ली-110024
दूर भाष- पी.पी. - 693976

आवश्यक:- यदि आप अविलम्ब लिखदेंगेतो 7 सितम्बर-सोमबार को दिल्ली दर्शनकी सुव्यवस्था करने का प्रयास होगा । जो प्रात: 8बजे से सायंकाल 5 बजे तक का कार्यक्रम होगा ।

स्वागत समिति ने निर्णय किया है कि अ० भा० गोवंश रक्षा सम्मेलन प० पूज्य महामण्डलेश्वर स्वामी श्री योगेश्वर विदेही हरि जी महाराज प्रधान अ० भा० गोसंरक्षण परिषद की अध्यक्षता में 6 सितम्बर 1981 रविवार को होगा । कार्यक्रम निम्नांकित है :-

प्रात: 7बजे हवन यज्ञ श्रीरघुनाथ मंदिर, अमर कालोनी, लाजपत नगर -4
" " 8½ " अल्पाहार " " " "
" " 10 विषय निर्धारिणी समिति की बैठक " " " "
12·30 बजे भोजन - भिक्षा " " " " " "
अपराह्न 3 बजे प्रतिनिधि सम्मेलन धर्म भवन, साउथ एक्सटैंशन -एक , में
सायंकाल 7 बजे प्रीति भोज
रात्रि 8 बजे खुला अधिवेशन अमर कालोनी , लाजपत नगर-4
" " 10· 30 बजे से सांस्कृतिक एवं संगीत कार्य- क्रम रात्रि भर

उद्घाटन प. पू. ब्रह्मचारी श्री प्रभु दत्त जी महाराज करेंगे।

शेष कार्यक्रम अथवा किसी कार्यक्रम में आवश्यक परिवर्तन की सूचना समयानुसार निवेदन की जाएगी ।

for कार्यालय सचिव
:अशोक कुमार छिब्बर :

अखिल भारतीय गौरक्षा सम्मेलन.
स्वागत समिति कार्यालय,

अखिल भारतीय गौरक्षा सम्मेलन.
स्वागत समिति कार्यालय,

प्रकाशनार्थ

ॐ हरि

अखिल भारतीय गोवंश रक्षा सम्मेलन, 6 सितम्बर को नव दिल्ली में होगा

नव दिल्ली -- अ० भा० गोवंश रक्षा सम्मेलन की स्वागत समिति ने निर्णय किया है कि अखिल भारतीय गोवंश रक्षा सम्मेलन परम पूज्य महामण्डलेश्वर स्वामी श्री योगेश्वर विदेही हरि जी महाराज अध्यक्ष अ० भा० गोसंरक्षण परिषद की अध्यक्षता में 6 सितम्बर 1981 रविवार को निर्मल पुरी : राधाकृष्ण मंदिर : के सामने लाजपत नगर-4, नव दिल्ली-24 में होगा । सम्मेलन का उद्घाटन परम पू० ब्रह्मचारी श्री प्रभुदत्त जी महाराज करेंगे । इस सम्मेलन में सभी राज्यों के प्रतिनिधि भाग लेंगे ।

---: कार्यक्रम : ---

प्रात:	7	बजे	हवन यज्ञ श्री रघुनाथ मंदिर, अमर कालोनी में
"	10	"	विषय निर्धारिणी समिति की बैठक " "
अपराह्न	3	"	प्रतिनिधि सम्मेलन धर्म भवन, साउथ एक्सटेंशन-एक में
रात्रि	8	"	खुला अधिवेशन, निर्मल पुरी, लाजपत नगर-4 में
"	$10\frac{1}{2}$	"	से सांस्कृतिक एवं शास्त्रीय संगीत तथा रात्रि जागरण

कार्यालय सचिव

: अशोक कुमार छिब्बर :

अ०भा०गोवंश रक्षा सम्मेलन, स्वागत समिति
श्री रघुनाथ मंदिर; अमर कालोनी, लाजपत नगर-4
नव दिल्ली-110024, दूरभाष - 693976

26.5.81

ॐ गौः

पोष्ट बक्स १६०८

फोनः अफिस १४०३६
महासचिव १६६३२

च.नं. ४४८

विश्व हिन्दू सम्मेलन

क्रम संख्या (प्रतिष्ठासमिति) मिति २०३८.२.१६

वेदविद्याश्रम, गोशाला, पशुपति, काठमाडौं, (नेपाल)

परम पुज्य,
श्री सतगुरू जगजीत सिंहजी महाराज,
जी.पी.ओ. श्री भैनी साहिब,
जि. लुधियाना, पंजाब, भारत ।

विषय:- प्रतिनिधि भेजना ।

श्रीमन् सतगुरुजी महाराज,
सादर प्रणाम,

१९८१ अप्रिल १२ ता. को नेपालके वीरगन्ज नगर में हिन्दु सम्राट नेपाल नरेश द्वारा समुद्घाटित विश्व हिन्दु सम्मेलनने आपने पूर्व घोषित उद्देश्य अनुरूप "विश्व हिन्दु बौद्ध महासंघ" स्थापनाकी सर्व सम्मति से घोषणा की हैं ।

इस महा संघके निर्णयोंकी एक प्रति आपकी जानकारी के लिये भेजी जा रही हैं। महासंघ में आपकेद्वारा मनोनीत एक प्रतिनिधिको तदर्थ समितिके मंत्री पदमें रखनेका सर्व सम्मति से निर्णय किया गया है ।

तदर्थ समितिकी बैठक आगामी २५ मे १९८१ को काठमाडौं में करनेका निर्णय हुआ हैं । सूचना की एक प्रतिभी संलग्न है । कृपया अपने प्रतिनिधिको आगम की सूचना और नाम यथा शीघ्र भेजेंदे । काठमाडौं में रहने और भोजनका सामान्य प्रबन्ध महासंघ की ओर से किया गया हैं ।

आपका सहयोग, मार्ग दर्शन और आशिर बचन सदा आपेक्षित हैं ।

विनित--
(हस्ताक्षर)
डा. काशीराज उपाध्याय
महा मन्त्री

गऊ रक्षा

तार-'सर्वसेवा' वर्धा
पत्र क्रमांक

फोन दफ्तर : २३६५
निवास : २५६३

अखिल भारत कृषि-गोसेवा संघ

AKHIL BHARAT KRISHI - GOSEVA SANGH
GOPURI, WARDHA (Maharashtra)
(बंबई कार्यालय भारतीय विद्याभवन, चौपाटी, बंबई-७) फोन : ३५१४६१, ३६४१५९

श्री० आदरणीय गुरुजी

गोपुरी, वर्धा (महाराष्ट्र)
दिनांक : ९-४-८२

आप जानते ही होंगे कि मुनि ज्ञानचंद्रजी महाराज रामनवमी २ अप्रैल से दिल्ली में आमरण अनशन कर रहे हैं। उनकी मांग है कि गोहत्याबंदी का केन्द्रीय कानून बने। आज तक अनेक प्रसंगों पर भारत सरकार ने वचन दिया है उसे पूरा करें। लोकसभा में भी प्रस्ताव पास करके भारत सरकार को केन्द्रीय कानून बनाने का आदेश दिया है। सरकार नियुक्त गोरक्षा कमेटी ने भी गोहत्याबंदी कानून बनाने व बनवाने की शिफारिश की है।

मुनिजी के उपवास को आज आठवां दिन है। मुनिजी का वजन ९ पौंड घटा है। पेशाब में असीटोन अधिक मात्रा में जाने लगा है, कमर में दर्द है। वैसे चित्त से अत्यंत प्रसन्न हैं। गुजरात के इस संत ने जीवन भर अध्यात्म साधना की है। बाल ब्रह्मचारी हैं। पिछले २० वर्षों से गोहत्या निवारण के कार्य में ही लगे हैं। इनका उपवास श्री राजकृष्ण जैन स्मृति भवन, १ अंसारी रोड, पर चल रहा है। पिछले डेढ़ साल से शुद्धि साधना के निमित्त दो दो दिन के उपवास चलते रहे हैं। वहां का फोन नं० २७२२२९ है। उनकी सेवा में गुजरात के १५-२० भाई- बहन आये हैं।

कल पुलिस आयी थी। मुनि संतबालजी के शिष्य भालनलकांठा प्रयोग क्षेत्र के संचालक श्री अंबुभाई पुलिस कमीश्नर से मिलेथे। पुलिसकमीश्नर का कहना हैकि हम इस उपवास को आत्महत्याका प्रयत्न मानतेहैं, इन्हें अस्पताल लेजायेंगे। मरने नहीं देंगे, फोर्सिबल फीडिंग करेंगे।

कानून बनाना न बनाना अलग बात है, लेकिन ऐक संत का अनादर न हो। संत का अनादर भारतीय संस्कृति का अनादर है। मुनिजी आध्यात्मिक पुरुष हैं। उपवास में पूरा मौन रखते हैं। भगवद् चिंतन में ही समय जाता है। सरकार की निंदा स्तुति में भी नहीं पड़ते। ऐसे संत को मरने देना हो तो भी शांति से मरने देना चाहिए। फोर्सिबल फीडिंग न किया जाय। इस बारे में आपलोगों को प्रधानमंत्रीजी तथा गृहमंत्रीजी पर जोर डालना चाहिए। तारसे, फोनसे, पब्लिकस्टेटमेंट, या मिलकर जैसा भी ठीक समझें कीजिये।

मेरा मनतो कह रहा है कि सब प्रयत्नों के बावजूद भी पुलिस मुनिजी को उठाने के लिए आवे तो चारों ओर से घेरा डाल दें। जबतक हमारे जी में जी रहे या कैस नहीं बना दिये जावें तब तक मुनिजी को नहीं ले जाने दें। मैं तीन दिन वहां था ही अब भी समय मिलते ही दिल्ली पहुंचना है। ता. १२ को दिल्ली पहुंचूंगा।

आशा है इस पुण्य कार्य में आपका सहयोग मिलेगा। प्रथम तो इसीबात पर जोर दिया जाना चाहिए कि सरकार अपना वचन पालन करके केन्द्रीय गोहत्याबंदी कानून बनावे। वैसा संभव न हो तो मुनिजी को शांतिसे मरने दिया जाय। फोर्सिबल फीडिंग की कोशिश न हो।

आपका
राधाकृष्ण
(राधाकृष्ण बजाज)

दिल्ली में आपके लोग मुनिजी से मिलते रहें और उन्हें संभालें और ...

गोवंश हत्याबंदी का केन्द्रीय कानून बने

सौम्य सत्याग्रह का अगला कदम

भगवान के दरबार में

१—**नित्य प्रार्थना**—रोजाना अपने ही घर में प्रार्थना करनी है कि भगवान तू गाय की रक्षा कर और इस देश को बचा। पू० बाबा ने गोरक्षा प्रार्थना को आश्रम की नित्य प्रार्थना के आरम्भ में जोड़ दिया है।

२—**महीने के अन्तिम दिन उपवास व सभा**—हर माह के आखरी दिन उपवास रखा जाय। शाम को सामूहिक प्रार्थना सभा हो, जिसमें महिने भर के काम का लेखा-जोखा हो और आगे के काम की योजना बने। सभा के बाद उपवास छोड़ सकते हैं।

३—**गोरक्षा का जय-जयकार, एक दिन की कमाई का दान**—कतल से बचायी एवं असहाय गायों के पालन-पोषण के लिए सालभर में एक दिन की आमदनी देनी है। यह दान हरेक भाई-बहन को देना है। अपने विश्वास की किसी भी गोसेवा संस्था को दे सकते हैं, या कृषि गोसेवा संघ को वर्धा भेज सकते हैं। पू० बाबा भी एक दिन की प्राप्ति देंगे।

जिस दिन एक दिन की कमाई का दान करोड़ों लोग देने लगेंगे उसी दिन गोमाता की जय-जयकार हो जायेगी और जनता की हुंकार मात्र से गोहत्या रुक जायेगी।

४—**गोव्रत**—जिन्हें सम्भव हो अपने घर में गाय रखें। आज के जमाने में यह बात कठिन लगे तो उन लोगों को अपने घर में कम से कम दूध तो गाय का ही इस्तेमाल करने की कोशिश करनी चाहिए। इससे गोदूध का मूल्य बना रहेगा और गाय हमारे जीवन से नित्य जुड़ी रहेगी। पू० बाबा का गोव्रत १६२५ से चालू है। स्वयं बापूजी ने गोव्रत दिलवाया था।

५—**कतली चमड़े का त्याग**—गाय-भैंस को कतल करके जो मुलायम चमड़ा तयार किया जाता है उसका त्याग करना चाहिए। इस चमड़े के इस्तेमाल से गोहत्या को प्रोत्साहन मिलता है।

राज दरबार में

ऊपर के कार्यक्रम भगवान के दरबार के हैं। इनका सम्बन्ध हमारे निजी जीवन से है। राजदरबार की दृष्टि से बम्बई में देवनार कतलखाने का सत्याग्रह और गाय-बैल कटने के लिए जहां से चलते हों उन स्थानों पर रोकने का "गाय-बैल रोको सत्याग्रह" है। दोनों ही कार्यक्रमों में सरकार से अनुरोध है कि वह गोहत्या को तुरन्त रोके। दोनों ही कार्यक्रमों में सरकार का कानून टूटेगा और उसके लिए सरकार जो भी सजा देगी भुगतनी होगी। पू० बाबा ने इसके लिए प्रथम ही आशीर्वाद दिये हैं। गाय-बैल दोनों की किसी भी उम्र के हों, कतल रोकी जाय। इसमें सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से आगे की माँग है, सम्पूर्ण गोवंश की हत्या रोकने का आदेश है। पूरे देश की शक्ति केन्द्रित होनी चाहिये एवं एक लाख सत्याग्रही प्राप्त हों।

निवेदकः—**महामन्त्री, अ० भा० कृषि गोसेवा संघ, गोपुरी वर्धा (महाराष्ट्र)**

गोरक्षा के लिये संत विनोबा का आह्वान

एक करोड़ दाता

एवं

एक लाख सत्याग्रही चाहियें

ब्रह्म विद्या मन्दिर
पो० पवनार ४४२१११ (वर्धा)

गोरक्षा सौम्य सत्याग्रह का अगला कदम

(१) एक करोड़ दाता–

साल में एक दिन की कमाई देने वाले।

(२) एक लाख सत्याग्रही–

किसी भी उम्र के गाय-बैलों को कतल से बचाने के लिये देवनार कतलखाने पर तथा उनका लदान जहां से होता है, वहां पर सत्याग्रह करने के लिये।

इस मंगल कार्य में सबका सहयोग मिलेगा ऐसी आशा है।

बाबा की शुभ कामना

रविवार
२८-३-१९८२

रामहरि

1 ਹਿੰਸਾ ਦੀ ਰਾਜਨੀਤੀ ਅਤੇ ਅਲਗਾਵ ਦੀ ਭਾਵਨਾ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਏਕਤਾ, ਸ਼ਾਂਤੀ ਅਤੇ ਸਵਤੰਤਰਤਾ ਤੇ ਹਮਲਾ ਹੈ।

2 ਅਸੀਂ ਭਾਰਤ ਮਾਤਾ ਦੇ ਸਹੀ ਸਪੁੱਤਰ ਬਣੀਏ।

3 ਦੇਸ਼ ਦੀ ਸੇਵਾ ਸਾਡਾ ਮੂਲ ਮੰਤਰ ਹੋਵੇ।

4 ਸ਼ਾਂਤੀ ਖੁਸ਼ਹਾਲੀ ਦੀ ਬੁਨਿਆਦ ਹੈ।

5 ਆਪਸੀ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਏਕਤਾ ਦਾ ਆਧਾਰ ਹੈ।

6 ਦੇਸ਼ ਦੀ ਖੁਸ਼ਹਾਲੀ, ਸੇਵਾ ਅਤੇ ਸੁਰਖਿਆ ਵਿੱਚ ਪੰਜਾਬੀ ਸਭ ਤੋਂ ਅੱਗੇ ਹੈਂ।

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਜੀ ਦੀ ਬਾਣੀ ਨਾ ਭੁਲੋ।

ਨਾ ਕੋਈ ਵੈਰੀ ਨਾ ਹੀ ਬੇਗਾਨਾ।

ਸਗਲ ਸੰਗ ਹਮਕੋ ਬਨ ਆਈ॥

5 ...

6 ਦੇਸ਼ ਦੀ ਖੁਸ਼ਹਾਲੀ, ਸੇਵਾ ਅਤੇ ਸੁਰਖਿਆ ਵਿੱਚ ਪੰਜਾਬੀ ਸਭ ਤੋਂ ਅੱਗੇ ਹੈਂ।

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕਦੇਵਜੀਦੀਬਾਣੀਨਾ ਭੂਲੋ ।

ਨਾ ਕੋਈ ਵੈਰੀ ਨਾ ਹੀ ਬੇਗਾਨਾ ।
ਸਗਲ ਸੰਗ ਹਮਕੋ ਬਨ ਆਈ ॥
ਸਭ ਮੇਂ ਰੰਵ ਰਹਿਆ ਪ੍ਰਭੂ ਏਕੋ ।
ਪੇਖ ਪੇਖ ਨਾਨਕ • ਬਿਗਸਾਈ ॥

ਭਾਰਤੀ ਸ਼ਾਂਤੀ ਸੇਵਾ, ਪੰਜਾਬ ਸ਼ਾਖਾ
ਗਾਂਧੀ ਧਾਮ, ਫਿਲੌਰ ।

ਜਸਟਿਸ ਪ੍ਰਿੰਟਰਜ਼ ਨਜ਼ਦੀਕ ਚੌਕ ਗਿਰਜਾ ਘਰ ਚੌੜਾ ਬਾਜ਼ਾਰ ਲੁਧਿਆਣਾ ਫੋਨ ਨੰ: 26367 (ਰਤਨ ਕਾਤਿਬ)

प्यारे भारत वासियो !

उठो ! जागो !! सुनो !!!

संत विनोबा का आदेश

'किसी भी उमर की गाय और बैल देश मे न कटे इस हेतूसे बम्बई मे सत्याग्रह करो ! इसका प्रारम्भ शांति सैनिक करे ।'

.१.८२

विनोबाकी शुभ कामना

राम हरि

संत विनोबाजी के उपरोक्त आदेश के अनुसार भारतीय शांति-सेना की ओर से देवनार, बम्बई के कत्तलखाने पर ११ जनवरी १९८२ से सत्याग्रह शुरू हो रहा है। सब लोग तन-मन-धन से सहयोग देकर इसे सफल बनायें।

भारतीय शांति सेना, पवनार, वर्धा.

कैम्प :- शांताश्रम, ~~२११~~ 299 जावजी दादाजी मार्ग, नानाचौक बम्बई - ४००००७.

The President and Members of

Bangalore Society for the Prevention of Cruelty to Animals

solicit your presence at the concluding function of

All India Animal Welfare Fortnight

at 5p.m. on Saturday the 30th January, 1982 at the Auditorium of the Institution of Engineers, Vidhana Veedhi, Bangalore-1

Hon'ble Shri Y. Ramakrishna,

Minister for Law, Parliamentary Affairs and Animal Husbandry, Govt. of Karnataka,

will be the Chief Guest

Smt. Lakshmi Nizamuddin

will preside and distribute the prizes.

Smt. Sandhya Madappa
Hony. Secretary

Lt. Gen. B. M. Rao
President

(Programme overleaf)

Programme

1. Invocation
2. Welcome by the President, B. S. P. C. A.
3. Report by the Hony. Secretary
4. Address by Hon'ble Shri Y. Ramakrishna
5. Speech by Dr. V. S. Joshi
6. Distribution of Prizes and Certificates
   by Smt. Lakshmi Nizamuddin
7. Vote of Thanks

नव जीव दया मण्डल, दिल्ली (रजि०)

1443, गली छीपियां, मालीवाड़ा, दिल्ली-110006.

की

देश की सारी धार्मिक जनता से अपील

मांसाहार के झूठे प्रचार को रुकवाने के लिए

संलग्न अपील को प्रधानमन्त्री जी के पास भेजिए

आदरणीय महोदय,

सादर जयजिनेन्द्र। जैसाकि आप को पता ही होगा कि हमने दिनांक 9 जुलाई 1980 को आदरणीया प्रधानमन्त्री जी के पास भारत के बन्दरों के निर्यात पर रोक लगाने के लिए एक अपील भेजी थी। प्रधानमन्त्री जी ने जनता की भावनाओं का आदर करते हुए दि० 10 जनवरी 1981 को भारत के बन्दरों के निर्यात पर पाबन्दी लगा दी।

इसी प्रकार से हम एक और अपील देश की कई राज्य सरकारों से लगातार करते आ रहे थे कि वे अपने-अपने राज्यों के स्कूलों में से माँसाहार प्रोत्साहन सम्बन्धी तमाम शिक्षा बन्द कर दें क्योंकि यह धार्मिक दृष्टिकोण से घोर आपत्तिकारक है—परम हर्ष का विषय है कि चार राज्यों—गुजरात, दिल्ली, राजस्थान व मध्य प्रदेश—की सरकारों ने हमें 1980-81 में शुभ सूचना दी कि उन्होंने हमारी धार्मिक भावनाओं का आदर करते हुए अपने राज्यों के स्कूलों की पाठ्यपुस्तकों में से मांसाहार सम्बन्धी पढ़ाई बन्द कर दी है तथा मांसाहार के गुणों के स्थान पर उससे होने वाली हानियों को बताना शुरू किया है। यह सब आप के ही पूर्ण सहयोग का फल है।

इसी प्रकार से संलग्न अपील द्वारा प्रधानमन्त्री जी से प्रमाण व तथ्यों के आधार पर ज़ोरदार प्रार्थना की गई है कि वे अण्डे, मछली, मांस के झूठे, निराधार एवं भ्रामक प्रचार पर तुरन्त रोक लगायें तथा मांसाहार से उत्पन्न होने वाली हानियों से जनता को सावधान करें और जनता के सामने सही आंकड़े उपस्थित करें।

आशा है आप भी ऐसी अपीलें हजारों की संख्या में स्वयं भी छपवाकर प्रधानमन्त्री जी के पास भेजेंगे तथा समाचार पत्रों में भी यह अपील छपवायेंगे अन्यथा सारी भावी पीढ़ी मांसाहारी, शराबी, अनाचारी, व्यभिचारी बनकर अपना सर्वनाश कर लेगी। जब भी आप यह हमारी अपील प्रधानमन्त्री जी के पास भेजें उसकी सूचना उपरोक्त पते हमें भी अवश्य दें।

निवेदक :

केवल चन्द जैन—प्रधान

नोट : प्रधानमन्त्री जी को अपील भेजते समय नव जीव दया मण्डल, दिल्ली द्वारा प्रकाशित—'हैल्थ बुलेटिन नं० 23 की प्रतिलिपि,' 'शाकाहार,' व 'अण्डों में 6 प्रकार के विष' भी नत्थी करिए।

* प्रधानमन्त्री जी के नाम अपील *

सेवा में,

परम आदरणीया, धर्मप्राणा श्रीमती इन्दिरा गांधी जी,

प्रधानमन्त्री, भारत सरकार, नई दिल्ली।

माननीया प्रधानमन्त्री जी,

सादर निवेदन है कि आजकल अण्डों के बारे में बिल्कुल झूठा एवं भ्रामक व निराधार प्रचार सारे देश में निम्नलिखित प्रकार से फैलाया जा रहा है जो घोर आपत्तिकारक है। आप से उस पर तुरन्त रोक लगाने की प्रार्थना की जाती है :—

अण्डों के बारे में पहला झूठा प्रचार

अण्डे पेड़ पर लगते हैं–वे शाकाहार होते हैं

नैफेड (A Govt. of India Undertaking) 54, East of Kailash, New Delhi-110065 द्वारा दि०—17 जनवरी 1981 को 'TIMES OF INDIA' के पृष्ठ 14 पर एक अण्डों का पेड़ छपवाया गया उस पेड़ के नीचे लिखा गया कि अब तो अण्डे भी फलों के समान शाकाहारी ही मान लिए गए हैं। यह बिल्कुल मिथ्या एवं निराधार प्रचार है क्योंकि अण्डे पेड़ पर कभी लगते ही नहीं इस कारण उन के शाकाहारी होने का प्रश्न ही पैदा नहीं होता। अण्डे तो हमेशा मुर्गी के पेट से ही निकलते हैं अतः वे सदैव मांसाहारी ही होते हैं।

अण्डों के बारे में दूसरा झूठा प्रचार

अण्डों में प्रोटीन आदि पौष्टिक तत्व भरे पड़े हैं

नैफेड द्वारा उपरोक्त समाचार पत्र तथा 'EVERYDAY EGG RECIPES' नामक फोल्डर द्वारा एक और झूठा प्रचार किया जा रहा है कि अण्डों में प्रोटीन कार्बोहाइड्रेटस, खनिज लवण आदि पौष्टिक तत्व काफी मात्रा में पाए गए हैं। यह भी गलत है क्योंकि भारत सरकार द्वारा प्रकाशित हैल्थ बुलेटिन नं० 23 के अनुसार अण्डों में कार्बोहाइड्रेटस तो बिल्कुल भी नहीं पाए गए हैं बल्कि प्रोटीन, चिकनाई, फासफोरस, कैलशियम, लोहा आदि की मात्रा भी शाकाहारी खाद्य पदार्थों के मुकाबले में बहुत ही कम पाई गई है। अतः जनता के सम्मुख सही-सही आंकड़े उपस्थित करने चाहिए। आशा है कि भारत सरकार तुरन्त इस झूठे प्रचार पर रोक-लगायेगी।

P. T. O.

अण्डों के बारे में तीसरा झूठा प्रचार

अण्डे भी फल व दूध के समान लाभदायक होते हैं

उपरोक्त समाचार पत्र में नैफेड द्वारा प्रचार किया गया है कि अण्डे भी फल व दूध के समान लाभदायक होते हैं। यह भी मिथ्या प्रचार है क्योंकि फल व दूध तो शक्ति व स्वास्थ्य को देने वाले हैं तथा अनेक रोगों को दूर करने वाले हैं जबकि अण्डों में अब तक की खोजों के अनुसार कोलेस्ट्रोल आदि 6 प्रकार के विषैले तत्व पाए गए हैं जिनके कारण दिल की बीमारी, हाई ब्लड प्रैशर, लकवा, पित्ताशय में पथरी आदि अनेक रोग पैदा होते हैं। इस प्रकार अण्डे कभी भी फल व दूध के समान गुणकारी नहीं हो सकते बल्कि सदैव अत्यन्त हानिकारक ही होते हैं।

मांसाहार के झूठे प्रचार ने देश को बर्बाद कर दिया

आज जहाँ देश की आम जनता में मांसाहार का झूठा प्रचार किया जा रहा है, वहाँ हमारी भावी पीढ़ी को भी मांसाहारी बनाने के लिए स्कूलों में मांसाहार प्रोत्साहन सम्बन्धी शिक्षा बड़े जोर शोर से दी जा रही है। फलस्वरूप देश में मांसाहार के बढ़ने के साथ-साथ शराब, व्यभिचार, अनाचार, लूटमार भी बढ़ते ही जा रहे हैं, इस प्रकार देश व जाति का सर्वनाश होने जा रहा है। देश को बर्बादो से बचाने का एक ही मुख्य उपाय है 'सात्विक खान-पान' कहा भी है "जैसा खाए अन्न वैसा हो जाए मन" अतः आपसे करबद्ध प्रार्थना है कि आप हमारो भावनाओं का आदर करते हुए मांसाहार के झूठे प्रचार पर तुरन्त रोक लगाने की कृपा करें और हमें भी सूचित करने का कष्ट करें।

निवेदक...

पूरा नाम व पता...

....

....

....

नोट : इस अपील के साथ में 'नव जीव दया मण्डल, दिल्ली' द्वारा प्रकाशित 'हैल्थ बुलेटिन नं० 23 की प्रतिलिपि' 'शाकाहार' व 'अण्डों में 6 प्रकार के विष' नामक बुकलैट संलग्न हैं कृपया विस्तृत जानकारी के लिए उनका अवलोकन कीजियेगा।

A GREAT MEDICAL AUTHORITY

पौष्टिक तत्व तुलनात्मक चार्ट

FOOD VALUE CHART

(HEALTH BULLETIN NO. 23–GOVERNMENT OF INDIA)

नाम पदार्थ	प्रोटीन %	चिकनाई %	खनिज लवण %	कार्बोहाइड्रेट्स %	केलशियम %	फासफोरस %	लोहा %	कैलोरी Per Grs.
शाकाहारी खाद्य Vegetarian Foods								
Green Gram मूंग	24.0	1.3	3.6	56.6	0.14	0.28	8.4	334
Black Gram उड़द	24.0	1.4	3.4	60.3	0.20	0.37	9.8	350
Red Gram अरहर	22.3	1.7	3.6	57.2	0.14	0.26	8.8	353
Lentil मसूर	25.1	0.7	2.1	59.7	0.13	0.25	2.0	346
Peas मटर	22.9	1.4	2.3	63.5	0.03	0.36	5.0	358
Bengal Gram चना	22.5	5.2	2.2	58.9	0.07	0.31	8.9	372
Cow gram लोभिया	24.6	0.7	3.2	55.7	0.07	0.49	3.8	327
Soya Beans सोयाबीन	43.2	19.5	4.6	22.9	0.24	0.69	11.5	482
Almond बादाम	20.8	58.9	2.9	10 5	0 23	0.49	3.5	655
Cashewnut काजू	21.2	46.9	2.4	22.3	0.05	0.45	5.4	596
Coconut नारियल	4.5	41.6	1.0	13.0	0.01	0.24	1.7	444
Gingelly तिल	18.3	43.3	5.2	25.2	1.44	0.57	10.5	564
Groundnut मूंगफली	31.5	39.8	2.3	19.3	0.05	0.39	1.6	549
Pistochionut पिस्ता	19.8	53.5	2.8	16.2	0.14	0.43	13.7	626
Walnut अखरोट	15.6	64.5	1.8	11.0	0.10	0.38	4.8	687
Cumin जीरा	18.7	15.0	5.8	36.6	1.08	0.49	31.0	356
Fenugreek मेथी	26.2	5.8	3.0	44.1	0.16	0.37	14.1	333
Cheese पनीर	24.1	25.1	4.2	6.3	0.79	0.52	2.1	348
Ghee घी	—	98.0	—	—	—	—	—	900
Skimmed Milk Powder स्प्रेटा दूध पाउडर	38.0	0.1	6.8	15.0	1.37	1.00	1.04	347
मांसाहारी खाद्य Flesh Foods								
Egg अण्डा	13.3	13.3	1.0	—	0.06	0.22	2.1	173
Fish मछली	22.6	0.6	0.8	—	0.02	0.19	0.9	91
Mutton बकरी का मांस	18.5	13.3	1.3	—	0.15	0.15	2.5	194
Pork सुअर का मांस	18.7	4.4	1.0	—	0.03	0.2	2.3	114

Raghu Printing Press, Jogiwara, DELHI. Phone : 266776

1980-81 में

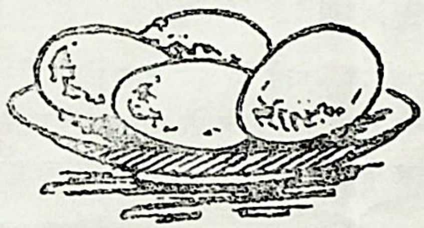
Dr. S. LAL *M. D. (Medicine) F. R. C. P. (America)*
460, MAHATMA GANDHI MARG, INDORE (M.P.)

की

नई वैज्ञानिक खोज

NEW SCIENTIFIC RESEARCH

अण्डों में 6 प्रकार के विष



EGGS CONTAIN 6 KINDS OF POISONS

सम्पादक

केवल चन्द जैन

प्रकाशक

नव जीव दया मण्डल, दिल्ली (रजि०)

NAV JEEV DAYA MANDAL, DELHI (Regd.)

1443, Gali Chhipian, Maliwara, DELHI-110006.
(H. O.—769-A, Jheel Kuranja, DELHI-110051)

नई वैज्ञानिक खोज

[New Scientific Research]

अण्डे-स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त हानिकारक हैं क्योंकि

अण्डों में 6 प्रकार के विष

[Eggs Contain 6 Kinds of Poisons]

Modern Science has found the following harmful substances in egg which damage the organs of the human body in different ways and cause many diseases in the human beings :

(1) CHOLESTEROL (2) D. D. T. (3) LIPOPROTEINS
(4) SATURATED FATTY ACIDS (5) S.R. FRACTION 10 TO 20
(6) MICROGLOBULINS

आधुनिक वैज्ञानिक खोज के द्वारा अण्डों में अब तक निम्नलिखित विष पाए गए हैं, जो शरीर के महत्वपूर्ण अवयवों को हानि पहुंचा कर कई तरह के रोग शरीर में पैदा करते हैं :—(१) कोलेस्टरोल (2) लाइपो प्रोटीनस (3) सैच्युरेटिड फैटी एसिडस (4) एस. आर. फ्रेक्शन 10 से 20 तक (5) माइक्रोग्लोब्युलिनस (6) डी. डी. टी.

इन विषों का शरीर पर प्रभाव

[Effect of the Poisons in the Body]

अण्डों से दिल की बीमारी, हाई ब्लड प्रैशर, लकवा, पित्ताशय में पथरी आदि

(Eggs cause Heart Disease. High Blood Pressure, Paralysis, Stone in gall Bladder, Intermittent Claudication etc.)

The above six harmful substances damage the human body such as Arteries, Heart, Brain, Kidney, Liver etc. and cause many diseases such as Coronary Artery Thrombosis, Angina Pectoris, Atherosclerosis, Hypertention, Paralysis, Stone in gall bladder, Intermittent claudication, Cerebral insufficiency etc.

Whatever may be the type of eggs, they gradually and slowly damage the important organs of the human body and help in creating diseases.

उपरोक्त छः प्रकार के विष शरीर के मुख्य अंगों जैसे धमनियों (Arteries), हृदय (Heart), मस्तिष्क (Brain), गुर्दा (Kidney), जिगर (Liver) आदि को हानि पहुंचाते हैं तथा अनेक रोगों जैसे हृदय रोग (Coronary Heart Disease), पक्षाघात अर्थात् लकवा (Paralysis), रक्त चाप वृद्धि (High Blood Pressure), पैरों में दर्द (Intermittent Claudication), पित्ताशय में पथरी (Stone in gall Bladder) आदि को पैदा कर क्रमशः धीरे-धीरे शरीर को कमजोर करते हैं, पाचन शक्ति को नष्ट करते हैं तथा आयु को घटाते हैं।

अण्डे चाहे किसी भी प्रकार के हों वे कभी भी किसी को लाभदायक नहीं हो सकते उल्टे शरीर में बीमारियाँ ही पैदा करते हैं।

सैंकड़ों रोगों की जड़

अण्डों से अन्तड़ियों में सड़ान

Eggs Cause Putrefaction in the Intestines

Eggs do not contain carbohydrates and Vitamin 'C' and are deficient in Calcium, Iron, and Vitamin B-Complex. Besides this, they contain many poisonous substances. So they cause putrefaction in the intestines and harmful substances which are generated and absorbed in the body and thus damage important organs of human beings and put unnecessarily harmful load on the body metabolism. As such they disturb the digestion and normal metabolism of the body and reduce life span in the long run. Eggs are not completely and easily digested as compared to milk.

अण्डों में शक्तिदायक तत्व-शर्करा (कार्बोहाइड्रेटस) व विटामिन 'सी' बिल्कुल नहीं होते तथा कैलशियम और बी-कम्पलैक्स विटामिन भी न के बराबर पाए गए हैं। इन तत्वों की कमी के कारण तथा विषैले तत्वों से युक्त होने के कारण अण्डे अन्तड़ियों में सड़ान (Putrefaction) पैदा कर कई रोगों को बढ़ाने में सहायक होते हैं इसके सिवाय अण्डे, दूध के मुकाबले पूर्ण रूप से तथा आसानी से हजम नहीं होते।

शाकाहारी अण्डे-एक मिथ्या व भ्रामक प्रचार

अण्डे कभी पेड़ पर नहीं लगते

इसलिए वे शाकाहारी कभी हो ही नहीं सकते

(Vegetarian Eggs–Absolutely A False Propaganda because they are not produced by any plant.)

Misconception is being intentionally created by some Poultry farms by the name of so called 'Vegetarian eggs'. In fact they are not produced by any plant like vegetable-milk or ghee. Each and every egg is produced by a hen or a duck.

शाकाहारी अण्डा अर्थात् मुर्गी का गर्भपात

मल मूत्र व खून से भीगा हुआ-बच्चा जिसमें नहीं निकलता

(Vegetarian Egg-a type of abortion, moistened with urine blood & faecal matter.)

Egg, from which a chicken does not come out, some people also call it, by nick name, 'Vegetarian egg' for business purpose to increase their sale. In reality it is a type of abortion of a hen which is moistened with urine, blood and faecal matter. It has more potential of creating diseases in human body than an ordinary egg. It is not a vegetable substance. Normally such type of eggs are not produced. They are not available in the market and an average person cannot recognise them.

अर्थात् जिस अण्डे से मुर्गी उत्पन्न नहीं होती प्रचार के लिए कुछ लोग उसको अपने व्यापार की बिक्री बढ़ाने हेतु 'शाकाहारी अण्डा' बतौर उपनाम भी कह देते हैं। वास्तव में यह मुर्गी का गर्भपात होता है जोकि खून, मलमूत्र आदि से भीगा होकर मुर्गी के पेट से बाहर निकल पड़ता है। इसमें साधारण अण्डे की अपेक्षा बीमारी पैदा करने की अधिक शक्ति होती है। इस तरह के अण्डे न पैदा किए जाते हैं, न बाजार में उपलब्ध होते हैं। सामान्य नागरिक तो इन्हें पहचान भी नहीं सकता।

शाकाहार सर्वश्रेष्ठ आहार है

(Vegetarian Diet is the Best)

क्योंकि

शाकाहार–भोजन के सभी आवश्यक पौष्टिक तत्वों से भरपूर है

(Vegetarian Diet-Full of Food Essentials)

शाकाहारी भोजन से ही शरीर नीरोग, स्वस्थ व पुष्ट रखा जा सकता है क्योंकि उसमें भोजन के सभी निम्नलिखित आवश्यक पौष्टिक तत्व पाए गए हैं :—

1–प्रोटीन (Protein)

(Supplies building material for the Body and making good the loss of Tissue)

शारीरिक विकास, फुर्तीलापन, उत्साह और शक्ति पैदा करता है। शरीर की क्षति पूर्ति करता है। यह दालों, अनाजों, चना, मटर, सोयाबीन, लोबिया (चौला), मूंगफली, काजू, बादाम, हरी सब्जियाँ. दूध, दही, पनीर, सेम, स्प्रेटा दूध, फल, मेवे आदि में काफी मात्रा में पाया जाता है।

2–फैट अथवा चिकनाई (Fat)

(Supplies reserve energy and prevents the loss of heat from the body)

शरीर में गर्मी और शक्ति पैदा करता है। यह दूध, दही, घी, मक्खन, मलाई तथा सरसों, नारियल, मूंगफली, तिल आदि का तेल, बादाम, अखरोट, सूखे मेवे आदि में विशेष तौर पर पाया जाता है।

3–कार्बोहाइड्रेट्स-शर्करा (Carbohydrates)

(Body's chief source of energy)

शरीर में शक्ति और गर्मी को प्रदान करता है। यह चावल, गेहूँ, मक्का, ज्वार, बाजरा, गन्ना, खजूर, अंगूर, दूध, मेवे, मीठे फल, बादाम, दालें, केले आदि में विशेष तौर पर पाया जाता है।

4–खनिज लवण (Mineral Salts)

(A) कैलशियम (Calcium)

(Necessary for the growth of bones and teeth and makes the heart work properly)

हड्डियों और दांतों को मजबूत तथा स्वस्थ बनाता है। शरीर का रंग निखारता है। बाल घने और मजबूत करता है दिल ठीक ढंग से काम करता है। यह हरी सब्जियों, दूध, दही, छाछ, पनीर, बादाम, स्प्रेटा दूध आदि में विशेषतः पाया जाता है।

(B) फासफोरस (Phosphorus)

(Necessary for all living tissues and is an important constituent of blood.)

भोजन में इसकी विद्यमानता अत्यन्त महत्वपूर्ण है क्योंकि यह शरीर के सभी अंगों और रक्त तन्तुओं में महत्वपूर्ण भाग लेते हैं। शरीर अस्थि रचना व वृद्धि में कैलशियम के साथ फॉसफोरस समान रूप से मुख्य स्थान रखता है। इसकी उपयोगिता मुख्य रूप से कैलशियम के संयोग में ही है और इसकी प्राप्ति उन्हीं भोज्यपदार्थों से होती है जिनमें कैलशियम अधिक मिलता है।

(C) लोहा (Iron)

(Necessary for blood formation. Enables blood to carry oxygen from lungs to every part of the body. For lack of sufficient iron in the blood, people suffer from general weakness anaemia.)

यह खून बनाता है व उसे लाल करता है। यह शरीर के प्रत्येक तन्तु तक आक्सीजन पहुँचा सकता है। इसकी कमी से खून की कमी की बीमारी हो जाती है। कमजोरी पैदा हो जाती है। यह हरी सब्जियों, अनाज, दालें, रोटी, सेम, मटर, हरी फलियों, सूखे मेवे, पालक, खीरा, सेव, अनार के दाने, दूध, दूध से बने पदार्थ, गाजर आदि में विशेष रूप से पाया जाता है।

(5) विटामिन (Vitamins)

(Vitamins (A,B,C,D etc.) are organic substances required in regulating some of the body processes and preventing] diseases. Their constant deficiency in food causes one disease or the other.)

विटामिन (ए, बी, सी, डी, आदि) कई प्रकार के होते हैं

ये शरीर को स्वस्थ, सहनशील और नीरोग बनाते हैं, पाचनशक्ति ठीक करते हैं। भोजन में इनका निरन्तर अभाव किसी न किसी रोग को उत्पन्न करता है। ये चावल, गेहूँ, दूध, दही, दूध से बने पदार्थ, मक्खन, फल, ताजी पत्तियों वाली व बिना पत्ती वाली सब्जियों, नींबू, टमाटर, सेम, केला, आम, पपीता, दाल आदि में विशेष रूप से पाए जाते है।

कैलोरी (Calories)

(Calories are heat units by which food requirements are estimated.) One gram of protein yields-4.1 calories. One gram of carbohydrates yields 4.4 calories. One gram of

Fats yields 9.3 calories).

कैलोरी शरीर में शक्ति व गर्मी मापने का पैमाना है। एक ग्राम प्रोटीन में 4.1 कलोरी, एक ग्राम कार्बोहाइड्रेटस में 4·4 कैलोरी तथा एक ग्राम वसा (चिकनाई) में 9.3 कैलोरी के लगभग पाई गई है।

पानी [Water]

शरीर की सफाई करके गन्दे पदार्थों जैसे पसीना, मलमूत्र आदि को शरीर से बाहर निकालता है, गुर्दों को साफ करता है, प्यास बुझाता है; पाचनक्रिया ठीक रखता है; भोजन को पचने में व खून के दौरे में मदद देता है; शरीर के तापक्रम को समान रखता है।

आप प्रतिदिन कितना खायें ?

एक स्वस्थ हृष्टपुष्ट व्यक्ति की दैनिक आहार तालिका

(नोट - अलग-अलग आयु वाले अथवा मानसिक परिश्रम करने वाले अपनी पाचनक्रिया व शारीरिक अवस्था के अनुसार यथोचित परिवर्तन भी कर सकते हैं)

	ग्राम
चावल, गेहूं, मक्का, ज्वार, बाजरा आदि अनाज (Cereals)	=450
दूध, दही, छाछ आदि (Milk & Milk Products)	=250
मूँग, उड़द, चना, मसूर, अरहर (तूअर) आदि की दालें (Pulses)	=100
घिया, टिण्डे, तोरई, भिण्डी, परमल आदि बिना पत्ते वाली सब्जियाँ (Vegetables)	=200
पालक, बथुआ, सरसों, मेथी आदि पत्ते वाली हरी सब्जियाँ (Leafy Vegetables)	=125
घी, मक्खन, तेल आदि की चिकनाई (Ghee, Oils, Fats)	=50
आम, खरबूजा, सन्तरा, केला, अमरूद, आदि फल अथवा सूखे मेवे (Fruits, Nuts)	=50

Health Bulletin No-30 (Govt. of India) Page 15 पर भारत सरकार लिखती है

शाकाहार ही सर्वोत्कृष्ट आहार है —

Meat, fish and eggs are not necessary food because a diet containing cereals, milk, pulses, vegetables and fruits in the right amount, is in every way a quite satisfactory (well balanced) diet.

भोजन में उचित मात्रा में लिए गए अनाज, दालें, दूध, वनस्पति, फल आदि का आहार ही सर्वश्रेष्ठ है अण्डे, मछली माँस की कोई आवश्यकता नहीं।

GREAT MEDICAL OPINION

संस्था के साहित्य के बारे में देश के सैंकड़ों प्रसिद्ध डाक्टरों ने प्रमाण पत्र भेजे हैं इनमें से कुछ प्रमाणपत्र यहाँ दिए जा रहे हैं :—

दि०—18-1-81 को **डा० जीवनलाल** *M.B.B.S., D.M.R.E.* 178, केशवगंज, सागर (म० प्र०) लिखते हैं :—

I have gone through the litrature, published by NAV JEEV DAYA MANDAL, DELHI, in support of vegetarian diet. The details given, are correct and scientific, therefore the litrature is very useful for people of our country who are 80% vegetarian and whose diet mainly consist of the articles described in the chart. The Charts are very useful for doctors, chambers, dispensaries, hospitals for ready reference.

My experience of sixteen years of practice is that high blood pressure, angina pectoris, heart attack, gall stones are more common in non-vegetarians.

दि० 23-1-81 को **डा० राजकुमार** *M.B.B.S.* खुरई (सागर) लिखते हैं :—

मैंने नव जीव दया मण्डल, दिल्ली का पूरा साहित्य देखा और उससे अत्यन्त प्रभावित हुआ। मैंने अपनी डिस्पैन्सरी में नव जीव दया मण्डल के शाकाहारी भोजन के पक्ष में प्रसारित चार्ट लगा रखे हैं और दैनिक जीवन में भी शाकाहारी भोजन का प्रचार एवं मांसाहारी भोजन का सदैव विरोध करता हूँ. क्योंकि मेरा गत 15 वर्षों का अनुभव है कि मांसाहार एवं शराब का प्रयोग करने वालों को हाई ब्लड प्रैशर, दिल की बीमारी, गुर्दों की बीमारी तथा पथरी, शाकाहारियों की अपेक्षा अधिक होती है। मेरी शुभ कामना है कि नव जीव दया मण्डल—अपने उद्देश्य में शत प्रतिशत सफल हो और सम्पूर्ण भारत ही नहीं बल्कि विश्व पूर्णतः शाकाहारी हो जाए।

Dr. B. N. Upadhaya—Medical Officer, Chatta Hospital Agra

I was glad to see all the litrature published by Nav Jeev Daya Mandal Delhi (Regd.) regarding vegetarianism and Prohibition.

I was much impressed by the Food Value Chart and egg, fish and mutton charts which are full of poisonous therein materials.

The Charts, Posters, books. booklets are very useful, Scientific, instructive and attractive. They are really impressive and worth keeping in every house, hospital, institution, office & public place.

अजय आर्टस, वैदवाड़ा, दिल्ली-6

* सार्वजनिक सूचनार्थ *

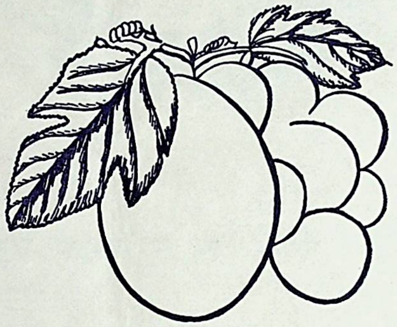
NAFED (A Govt. of India Undertaking) 54, East of Kailash, New Delhi द्वारा

बिल्कुल झूठा प्रचार

अण्डे पेड़ पर लगते हैं, वे शाकाहारी होते हैं

TIMES OF INDIA-NEW DELHI-दि० 17-1-81 को पृष्ठ 14 पर छपा

अण्डों का पेड़



* इस मिथ्या प्रचार का जबर्दस्त विरोध करें *

अण्डे कभी भी पेड़ पर नहीं लग सकते इसलिए उनको शाकाहारी कहना उचित नहीं है। वे कभी भी फलों व सब्जियों के समान नहीं हो सकते। वे तो मुर्गी के पेट से ही निकलते हैं अतः वे सदैव मांसाहारी ही होते हैं। ऐसे मिथ्या, भ्रामक व धर्म विरोधी प्रचार का जबर्दस्त विरोध किया जाना चाहिए।

Dr. S. LAL M.D. (Medicine) **F.R.C.P.** (America)**-460, M.G. Marg, Indore** की

नई वैज्ञानिक खोज

शाकाहारी अण्डा अर्थात् मुर्गी का गर्भपात

मल मूत्र व खून से भीगा हुआ-बच्चा जिसमें नहीं निकलता

ऐसे घृणित अण्डे को कुछ व्यापारी अपनी बिक्री (सेल) को बढ़ाने के लिए 'शाकाहारी अण्डा' का उपनाम दे कर देश की भोली-भाली जनता को ठग रहे हैं। उनसे विशेष सावधान रहने की आवश्यकता है।

विशेष जानकारी के लिए लिखें :-

नव जीव दया मण्डल [रजि०]

1443, गली छीपियां, मालीवाड़ा, दिल्ली-110006

(H.O. 769-A, झील कुरंजा, दिल्ली-110051)

1980-81 में

Dr. S. LAL M.D. (Medicine) F.R.C.P. (America)-460, M.G. Marg, Indore की

नई वैज्ञानिक खोज

अण्डों में 6 प्रकार के विष



EGGS CONTAIN 6 KINDS OF POISONS

अण्डों में अब तक की हुई वैज्ञानिक खोजों के अनुसार निम्नलिखित 6 प्रकार के विष पाए गए हैं।

1. कोलेस्ट्रोल 2. डी डी टी 3. लाइपो प्रोटीन्स 4, सैच्युरेटिड फैटीएसिडस
5. एस० आर० फ्रेक्शन 10 से 20 तक 6. माइक्रोग्लोब्युलिनस

विषों का प्रभाव

अण्डों से दिल की बीमारी, हाई ब्लड प्रेशर आदि

Eggs Cause Heart Disease, High Blood Pressure, Paralysis etc.

अण्डों में पाए गए 6 विषों के कारण शरीर में अनेक रोग जैसे दिल की बीमारी, हाई ब्लड प्रेशर, लकवा, पित्ताशय में पथरी, जोड़ों में दर्द आदि पैदा होते हैं जिससे शरीर कमजोर हो जाता है, पाचन शक्ति नष्ट हो जाती है और आयु घट जाती है।

सैंकड़ों रोगों की जड़

अण्डों से अन्तड़ियों में सड़ान

Eggs Cause Putrefaction in the Intestines

अण्डों में शक्तिदायक तत्व-कार्बोहाइड्रेट्स और विटामिन सी बिल्कुल नहीं होते तथा कैलशियम व विटामिन बी कम्पलैक्स भी बहुत ही कम होते हैं इस कारण अण्डों से अन्तड़ियों में सड़ान पैदा होती है जो अनेक रोगों के बढ़ाने में सहायक होती है।

विशेष जानकारी के लिए लिखें :-

नव जीव दया मण्डल [रजि०]

1443, गली छीपियां, मालीवाड़ा, दिल्ली-110006

(H.O. 769-A, झील कुरंजा, दिल्ली-110051)

अजय आर्टस, वैदवाड़ा, दिल्ली

मार्च, 81

फोन नं० - ४५०

Rajghi
24.1.82

गीता प्रवचन स्वर्णमहोत्सव समिति, प्रस्थान आश्रम पठानकोट।

दिनांक - २१-१-८२

आदरणीय महोदय,

पंजाब गीता प्रवचन स्वर्णमहोत्सव समिति की १६-१-८२ आदमपुर दोआबा में बैठक का निमंत्रण आप की सेवा में पहले भेजा गया था परन्तु कुछ अनिवार्य कारणों से उस समय वह बैठक स्थगित करनी पड़ी थी। गीताप्रवचन का ज्यादह से ज्यादह प्रचार प्रसार कैसे हो तथा अन्तरप्रान्तीय गीता प्रवचन स्वर्णमहोत्सव पदयात्रा के कार्यक्रम पर विचार करने के लिये अब उपरोक्त बैठक दिनांक ३१-१-८२ दोपहर १-०० बजे खादी सेवा संघ, खादी कोठी निकट रेल्वे गोदाम जालन्धर शहर में होगी। उपरोक्त सभा में आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है कृपया यथा समय भाग ले कर कृतार्थ करें। अपने कार्यक्रम की सूचना भेजियेगा।

विनीत,

(signature)

(यशपाल मित्तल)
संयोजक।

फोन नं० - ४५०

पंजाब गोरक्षा समिति , प्रस्थान आश्रम पठानकोट

दिनांक - २१-१-८२

मान्यवर ।

आगामी ३० जनवरी से २२ फरवरी तक गोरक्षा सौम्यसत्याग्रह के रूप में चलने वाले उपवासों की श्रृंखला कार्यक्रमों के लिये अपने क्षेत्र में सत्याग्रहियों की भर्ती तथा ज्यादा से ज्यादा केन्द्र स्थापित करने के लिये आप प्रयत्न शील होंगे । इस सिलसिले में आप की ओर से जानकारी की हम इंतजार में हैं । कृपया सब समाचार शीघ्र भिजवाने की कृपा करें ।

३० जनवरी प्रात: ८-०० बजे से सब स्थानों पर व्रतों का सिलसिला शुरू हो जायेगा । तब तक की अनुभवों के आदान प्रदान और आगे के कार्यों को प्रभावशाली बनाने के लिये आवश्यक विचार हेतु पंजाब गोरक्षा समिति की आवश्यक बैठक दिनांक ३१-१-८२ रविवार बाद दोपहर ३-०० बजे खादी सेवा संघ , खादी कोठी जालन्धर शहर में होगी । उसमें आप की उपस्थिति प्रार्थनीय है कृपया यथा समय भाग लेकर कृतार्थ करें । अपने कार्यक्रम की जानकारी भेजियेगा ।

बैठक स्थान - खादी सेवा संघ , खादी कोठी

निकट - रेलवे गोदाम - जालन्धर शहर ।

विनीत ,

यशपाल मित्तल

(यशपालमित्तल)
प्रधान ।

30 जनवरी से 22 फरवरी 1982 तक

गोरक्षा सौम्य सत्याग्रह को सफल बनायें।

अखिल भारत कृषि गोसेवा संघ तथा भारत की अन्य गोप्रेमी संस्थाओं तथा सन्त साधुओं द्वारा संपूर्ण गोवंश की रक्षा के लिये सौम्यसत्याग्रह की घोषणा की गई है। इस सत्याग्रह के रूप में तारीख 30 जनवरी से 22 फरवरी 1982 (महाशिवरात्री) तक 2-2 दिन का उपवास (व्रत) श्रृंखला (**RELAY FAST**) का कार्यक्रम चलेगा।

परम श्रद्धेय श्री सन्त विनोवा भावे जी 30 जनवरी के दिन खुद अपने प्रतिकात्मक उपवास के द्वारा इस आयोजन का आरम्भ करेंगे।

पंजाब में यह कार्यक्रम पंजाब गोरक्षा समिति द्वारा पूरे प्रदेश भर में आयोजित किया जा रहा है। पंजाब के सभी गो-भक्त नर-नारियों, साधु-सन्तों, धर्मसम्प्रदायों और सभी तवकों और पक्षों के महानुभावों से पुरजोर अपील है कि वे इस सौम्य सत्याग्रह के कार्यक्रम में जी जान से भाग लें। अपने अपने क्षेत्र में बड़ी संख्या में व्रत करने वालों की भरती करें और ज्यादा से ज्यादा सत्याग्रह केन्द्र चलाकर इस महान यज्ञ को सफल बनायें और पुण्य के भागी बनें।

-: निवेदक :-

सत्गुर जगजीत सिंह भैनी साहिब	स्वामी सर्वानन्द दयानन्द मठ	जैनमुनि जनक बिजय
भगत पूर्ण सिंह पिंगल बाड़ा अमृतसर	वीरेन्द्र, प्रधान आर्यप्रतिनिधि सभा	रमेश चन्द्र पंजाबकेसरी
महन्त राम प्रकाश दास प्रधान विश्व हिन्दु परिषद	बाबू दलीप चन्द प्रा०, सरसंघ संचालक	गौरी शंकर ऋषि स्वतन्त्रता सेनानी
कपूर चन्द शास्त्री संगठन मंत्री विश्वहिन्दु परिषद	मित्रसेन अग्रवाल कार्य वाह आर एस एस	लक्ष्मीकान्ताचावला अ० भा० विद्यार्थी परिषद
डा० विद्याबती, प्रधान प्रान्तीय नशाबन्दी कौंसिल	सेठ शिव चन्द, प्रधान अग्रवाल सभा	सू० मेजर शाम लाल, प्रधान ब्राह्मण सभा
पं० उदय चन्द, प्रधान पंजाब खादी मण्डल	बनारसी दास गोयल संयोजक, पंजाब सर्वोदय मण्डल	स० उजागर सिंह बिलगा प्र० भारतीय शान्ति सेना पंजाब

यशपाल मित्तल प्रधान	चतुर्भुज मित्तल उपप्रधान	युगल किशोर गोयनका महामंत्री	पं० अमर नाथ शर्मा मंत्री

पंजाब गो—रक्षा समिति

नोट :- अधिक जानकारी और अपने कार्यक्रमों की सूचना के लिये पंजाब गोरक्षा समिति प्रस्थान आश्रम पठानकोट (फोन नं० 450) के पते पर सम्पर्क करें।

पंजाब गोरक्षा समिति, प्रस्थान आश्रम, पठानकोट

३० जनवरी से २२ फरवरी तक के गोरक्षा - सौम्य सत्याग्रह - के लिये

- आवश्यक - सूचनायें -

३० जनवरी का दिन समीप आ गया है, जबकि पूरे देश में इस पुण्य कार्य के लिये श्रृंखला (वारी वारी से) उपवासों का क्रम चालू हो जायेगा। इस सिलसिले में कुछ आवश्यक सूचनायें और सुझाव निम्नानुसार हैं।

१) यह सत्याग्रह किसी पार्टी या सरकार के विरुद्ध नहीं है। सौम्य सत्याग्रह के रूप में सर्वशक्तिमान प्रभु के दरबार में गोमाता की रक्षा के लिये प्रार्थना करने, आवश्यक चेतना एवं जनजागरण की बात है।

२) जहाँ यानी सत्याग्रह का केन्द्र कोई सार्वजनिक स्थान, मन्दिर-धर्मशाला आदि चुना जाये वहाँ गोमाता की महत्ता तथा गोरक्षा और गोहत्याबंदी के मोटो आदि भी सजाये जायें। सत्याग्रहियों के अतिरिक्त उन के पास आने वाले गोप्रेमी भाई - बहनों के बैठने और सत्याग्रहियों के रात को सोने आदि के लिये समुचित प्रबन्ध हो।

३) सत्याग्रह स्थान पर दो समय प्रार्थना, दिन में हो सके तो कुछ देर के लिये कथा-वार्ता आदि का भी आयोजन हो जिस से वहाँ का वातावरण आध्यात्मिक बना रहे।

४) एक केन्द्र पर प्रतिदिन कम से कम ५ सत्याग्रही भाई-बहिन उपवास करें। जो व्यक्ति हो सके तो पूरे ४८ घण्टे व्रत करें। उसमें दिक्कत हो तो कम से कम २४ घण्टे का व्रत जरूरी है। फिर उनका स्थान दूसरे सत्याग्रही ले लेवें।

५) व्रत का समय प्रतिदिन प्रातः ८-०० से दूसरे दिन प्रातः ८-०० बजे तक का होगा।

६) सत्याग्रह में शामिल होने के लिये पूज्य विनोबा जी के इलावा देश भर की प्रायः सभी गोसेवक और धार्मिक तथा सामाजिक संस्थाओं और सन्तों महात्माओं की ओर से अपील निकाली गई है। उसी तरह पंजाब के प्रमुख धार्मिक और सामाजिक नेताओं और संस्थाओं ने बयान दिया है - अखबार भी सहयोग दे रहे हैं। इसी नमूने पर आप अपने इलाके के सब तबकों के खास खास व्यक्तियों की ओर से अपील निकाल सकते हैं। (वैसी कोई अपील छपे तो उसकी प्रति हमें भी भेजिये)। इस अपील में केन्द्रों के स्थान और संयोजकों के पते भी छापिये जिससे सत्याग्रह के इच्छुक नर नारियों को अपने नाम देने में सुविधा हो।

७) सत्याग्रह और केन्द्रों की जानकारी तथा सत्याग्रह प्रेरणा के लिये एक से अधिक बार मुनादी भी करवाईये। उससे काफी मदद मिल सकती है।

८) सत्याग्रह के खास खास समाचार और खास खास सत्याग्रहियों के नाम आदि बीच बीच में हमें और प्रैस को भेजते रहिये ताकि उन का व्यापक प्रचार हो सके।

९) इन के इलावा भी आप के ध्यान में कोई सुझाव हो तो कृपया उनकी जानकारी हमें भी दें ताकि उस से दूसरे केन्द्रों में भी लाभ उठाया जा सके।

यशपाल मित्तल (हस्ताक्षर)

(यशपाल मित्तल)
प्रधान।

फोन नं - ४५०

पंजाब गौरक्षा समिति , प्रस्थान आश्रम पठानकोट

दिनांक - २१-१-८२

मान्यवर ।

आगामी ३० जनवरी से २२ फरवरी तक गौरक्षा सौम्यसत्याग्रह के रूप में चलने वाले उपवासों की श्रृंखला कार्यक्रमों के लिये अपने क्षेत्र में सत्याग्रहियों की भर्ती तथा ज्यादा से ज्यादा केन्द्र स्थापित करने के लिये आप प्रयत्न शील होंगे । इस सिलसिले में आप की ओर से जानकारी के हम इंतजार में हैं । कृपया सव समाचार शीघ्र भिजवाने की कृपा करें ।

३० जनवरी प्रातः ८-०० वजे से सव स्थानों पर व्रतों का सिलसिला शुरू हो जायेगा । तव तक के अनुभवों के आदान प्रदान और आगे के कार्य को प्रभावशाली वनाने के लिये आवश्यक विचार हेतु पंजाब गौरक्षा समिति की आवश्यक वैठक <u>दिनांक ३१-१-८२ रविवार वाद दोपहर ३-०० वजे खादी सेवा संघ , खादी कोठी</u> जालन्धर शहर में होगी । उसमें आप की उपस्थिति प्रार्थनीय है कृपया यथा समय भाग लेकर कृतार्थ करें । अपने कार्यक्रम की जानकारी भेजियेगा ।

वैठक स्थान - खादी सेवा संघ , खादी कोठी
निकट - रेल्वे गोदाम - जालन्धर शहर ।

विनीत ,

यशपाल मित्तल

(यशपालमित्तल)
प्रधान ।

गढ़ु अंदिरा
2.1.82

गोरक्षा सौम्य-सत्याग्रह को सफल बनावें

३० जनवरी से २२ फरवरी

अ. भा. कृषि-गोसेवा संघ अेवं भारत की अन्य गो-प्रेमी संस्थाओं तथा संत-साधुओं द्वारा संपूरण गोवंश की रक्षा के लिये सौम्य सत्याग्रह की घोषणा की गअी है। ता. ३० जनवरी बापू निरवाण दिन से २२ फरवरी १९८२ कस्तूरबा निरवाण दिन (महाशिवरात्रि) तक दो-दो दिन की अुपवास शृंखला का कार्यक्रम सौम्य सत्याग्रह के रूप में चलना है।

बाबा स्वयं ३० जनवरी के दिन प्रतीकात्मक अुपवास के द्वारा अिस आयोजन का आरंभ करेगा। बाबा आशा करता है कि भारत के साधु-संत अेवं राष्ट्रपति से लेकर सभी धरम, संप्रदाय तथा पक्षों के भाअी बहनें गोरक्षा के अिस मंगल आयोजन में शरीक होकर अिसे सफल बनावेंगे।

बाबा की शुभकामना

मंगलवार } राम. हरि

२९. १२. १९८१

गोरक्षा की मांग बुलन्द

३० जनवरी और बाईस फरवरी चूल्हा बन्द

होवे भारत में आनन्द। जय गोमाता ! जय गोमाता !!

३० जनवरी को पूज्य विनोबा के आश्रम परंधाम-पवनार और पूज्य महात्मा गांधी समाधि राजघाट नई दिल्ली पर सामूहिक प्रार्थना—उपवास द्वारा इस गोरक्षा सौम्य सत्याग्रह का आरम्भ होगा। भारत वर्ष के सभी साधु-सन्त-महात्मा गोप्रेमी संस्थाओं से निवेदन है कि वह अपने-अपने आश्रम केन्द्रों व नगरों में उपवास-प्रार्थना द्वारा भारत में सम्पूर्ण गोवंश की रक्षा हेतु स्वयं इस सौम्य सत्याग्रह का आरम्भ करके जनता को जाग्रत करें। (पीछे देखिये)

विश्व शान्ति-विश्व कल्याण हेतु
भारत में सम्पूर्ण गोवंश की रक्षा हो।

संत बिनोवा भावे का भारतवर्ष को संदेश

१--गाय हमारी माता है। गो-हत्या मातृ हत्या है।
२--गोहत्या बन्दी भारतीय संस्कृति का आदेश है।
३--यह भारतीय संविधान का निर्देश है।
४--उसके लिये भारत सरकार वचन वद्ध है।
५--और भारतीय संसद् का संकल्प है।

इसलिए सारे भारतवर्ष में तुरन्त गोहत्या वन्दी होनी चाहिये।

-: आशीर्वाद :-

योगीराज देवराहा बाबा—विनोबा मेरी आत्मा हैं। हण्डिया चढ़ी रहे, गोहत्या बन्द होकर रहेगा।

मां आनन्दमयी—राष्ट्रसंत विनोबा को माँ आनन्दमयी का शुभाशीर्वाद ! गोरक्षा के लिये संगठन, अनुष्ठान, बलिदान एवं त्याग, तपश्या चाहिये।

श्री करपात्री जी महाराज—गोवंश की रक्षा होने से ही सब अनर्थों का निवारण एवं राष्ट्र का कल्याण होगा। ३० जनवरी से २२ फरवरी १९८२ तक होने जा रहे, गोरक्षा सौम्य सत्याग्रह के लिये (सन्त विनोबा जी को) हमारा हृदय पूर्वक का साथ एवं आशीर्वाद है। इति शुभम्

जगद्गुरु शंकराचार्य
श्री निरंजनदेव, तीर्थ (पुरी)
जगद्गुरु शंकराचार्य
श्री स्वरूपानन्दजी (जोशी मठ)
स्वामी गंगेश्वरानन्द जी
स्वामी अखण्डानन्द सरस्वती
बाबा सीताराम ओंकारनाथ, बंगाल
स्वामी रामसुखदास जी, बीकानेर
ऐलाचार्य मुनि विद्यानन्द जी
आचार्य आनन्दऋषि जी
मुनि सन्तबाल जी चिंचणी,
श्री प्रभुदत्तजी ब्रह्मचारी, प्रयाग
आचार्य श्री सुशील कुमार जी
आचार्य श्री तुलसीजी लाडनू,
आचार्य विजय जयदेव सूरी जी
स्वामी नन्दनन्दनानन्द जी महाराज
श्री योगीराज हैडाखान, हल्द्वानी
स्वामी चिदानन्दजी, ऋषिकेश
स्वामी प्रकाशानन्द जी,
स्वामी कल्याणदेव मुजफ्फर नगर
महामंडलेश्वर वेदव्यासानन्द जी
वीणामहाराज बद्रीनाथ
श्री प्रथमेश जी महाराज
स्वामी विश्वेश्वर तीर्थ पेजावर मठ
विश्वगुरु मुनीशानन्द जी
स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य जी
शास्त्री कृष्णशंकर जी
स्वामी सत्य मित्रानन्द गिरी
मुनि ज्ञानचन्द जी
साधु वालदास जी महाराज

सद्गुरु जगजीतसिंह जी, भैनी साहेब
हरिभक्त धुंडा महाराज
हरिभक्त अप्पा साहेब वास्कर
स्वामी रामचन्द्र वीर
श्री शरदबल्लभा बेटी जी
श्री भादरिया महाराज जेसलमेर
आचार्य श्री धर्मेन्द्र विराटनगर
महन्त श्री अवैधनाथ जी
साध्वी श्री मृगावति जी
आचार्य कुल पवनार वर्धा
आचार्य दादा धर्माधिकारी
श्री शारदा माता जी
स्वामी श्रद्धानाथ जी लछमनगढ़
गणिवर्य मुनि जनकविजयजो
स्वामी देवमूर्ति, रोहतक
सन्त देवकी जी मानव सेवा संघ
आचार्य रामकिशोरजी रामस्नेही
आचार्य इन्द्रदिन सूरीजी
श्री बालासाहेब देवरस, सरसंघचालक
डा० कर्णसिंह अध्यक्ष विराट हिन्दू समाज
भारतीय विद्या भवन
सुश्री विमला बहन ठकार
गुलाम रसूल कुरेशी साबरमती
श्री रुक्मणि देवी अरुण्डेल
श्री नूरुद्दीन जे० मवानी गोवा,
श्री महबूबखां गोरक्षासंघ लोहरदगा
स्त्री शक्ति जागरण पवनार वर्धा
भारतीय शान्ति सेना पवनार
खादी मिशन पवनार वर्धा
श्री राजेन्द्रसिंह सर कार्यवाह

* निवेदक *

तुलसीदास विश्राम — विश्वम्भर प्रसाद शर्मा — रामगोपाल शालवाले
ठाकुरदास बंग — मानव मुनि — किशनलाल कटपीसवाले

संयोजक:—**राधाकृष्ण बजाज : योगी शान्ति स्वरूप**, गोपुरी (वर्धा) महाराष्ट्र

(अध्यक्ष हिन्दू विराट समाज के सौजन्य से) — सार्वदेशिक प्रेस, नई दिल्ली-२ से मुद्रित

मुंबई कतलखाने पर सत्याग्रह

(संत विनोबा का आदेश)

पू० बाबा को दो दिन से अचानक नई प्रेरणा हुई है। श्री अण्णा जाधव ने गोसेवा सम्मेलन का रिपोर्ट पू० बाबा को दिया था। उसमें लिखा था कि गोमांस गाय का दाना-भूसा यहां तक कि गोबर भी विदेशों में निर्यात होता है। उसे पढ़ते ही पू० बाबा ने उस वाक्य के नीचे अंडरलाईन करके कहा कि, इस निर्यात के खिलाफ तुरंत सत्याग्रह होना चाहिए। दोरोज पहिले ही सत्याग्रह के बदले प्रचार-प्रसार करने की सलाह देने वाले बाबा के मन में एकदम सत्याग्रह की प्रेरणा होना, ईश्वरी संकेत ही मानना चाहिए।

इस विषय में दो-तीन दिन से काफी विचार-विनिमय और चर्चायें होकर अंतिम निर्णय हुआ है कि प्रथम सत्याग्रह, बंबई के देवनार कतलखाने पर किया जाय। यह सत्याग्रह पू० बाबा की ओर से भारतीय शांति सेना चलावे इस आदेश के अनुसार भारतीय शांति सेना के संयोजक श्री अच्युतभाई देशपांडे १५ कार्यकर्ताओं का जत्था लेकर तीन जनवरी को बंबई पहुंच गये हैं। मुंबई में तय होगा कि सत्याग्रह कब से आरंभ हो।

सुप्रीमकोर्ट का निर्णय है कि १५ साल की उम्र के बाद या निकम्मा होने पर बैल की कतल की जा सकती है। पांच साल के अनुभव से दिखा दिया है कि यह अव्यवहार्य है। इतनी सी छूट के कारण चाहे जिस उम्र के जवान-जवान बैलों की कतल होती है। यहां तक कि बैलों के नाम पर गायों की भी कतल हो रही है। ऐसी अवैध गैरकानूनी कतल सारे भारत में जगह-जगह चालू है। उसे रोकने के लिए यह आवश्यक है कि गाय बैल दोनों याने संपूर्ण गोवंश की कतल पूर्णतया रोकी जाय, उसके बिना गोवंश का बचना संभव नहीं।

पू० बाबा की बुनियादी मांग सदा से यही थी कि संपूर्ण गोवंश की हत्या बंद हो, नरमादा दोनों की रक्षा हो। भारतीय संस्कृति में दोनों का समान आदर है। फिर भी सत्याग्रह की शर्त कम से कम रहे इस दृष्टि से सुप्रीमकोर्ट की मर्यादा मानली थी। लेकिन इस बार स्पष्ट कर दिया है कि सुप्रीमकोर्ट की मर्यादा मान्य नहीं है। संपूर्ण गोवंश (गाय-बैल दोनों) की हत्याबंद होनी चाहिए।

सौम्य सत्याग्रह के बाद आगे क्या कदम रहे इसकी शुरूवात अभी से हो रही है। इस अनुभव पर से आगे का मार्ग स्पष्ट होता जावेगा। इस सत्याग्रह से सौम्य सत्याग्रह को बल ही मिलेगा। दो दो दिन की उपवास श्रृंखला का काम तेजी के साथ बढ़ना चाहिए। प्रथम पंक्ति के लोगों को मुंबई सत्याग्रह में जाना आवश्यक हो जाय तो दूसरी और तीसरी पंक्ति के कार्यकर्ताओं को सौम्य सत्याग्रह का काम उठा लेना चाहिए।

अ०भा० कृषि गोसेवा संघ
गोपुरी- वर्धा, ४-१-८२

(राधाकृष्ण बजाज)
महामंत्री

Rec 27.1.82

बुक-पोस्ट.

श्री जगदीश सिंहजी
श्री भैनीसाहेब जि. लुधियाना (पंजाब)

अ. भा. कृषि गो-सेवा संघ,
गोपुरी (वर्धा) 442114

।। श्री सतिगुरू, राम सिंह जी सहाय ।।

गुरद्वारा श्री जीवन नगर
सिरसा

सम्मान योग्य श्री राधा कृष्ण जी,

आप का १२-११-८१ का पत्र उसके साथ 'गौ रक्षा सौम्य सत्याग्रह' और २५ से २७ दिसंबर तक किये जा रहे गौ सेवा सम्मेलन का निमंत्रण भी मिला। आप के इस शुभ कार्य के लिये श्रेय आप को ही है। मेरी ओर से धन्यवाद।

"सदगुरू" शब्द केवल श्री सतगुरू जगजीत सिंह जी, जो हमारे सदगुरू (सतगुरू) हैं, उन ही के लिये है। मैं, अथवा और कोई व्यक्ति इस उपाधी का अधिकारी नहीं है। मैं सेवक के रूप में रह सकूं यही मेरे लिये सौभाग्य की बात है।

देश का दुरभागय है कि गौ-हतया तथा जीव घात अधिक से अधिक होने लगा है। न होने वाली बातें हो रही हैं जिन को देख सुन कर मन दुखी हो रहा है। श्री सतगुरू जी के आदेशानुसार हम नामधारी प्रात:, व सायं काल नितप प्रारथना करते है कभी कभी यगय भी करते हैं कि गौ गरीब की रक्षा हो। गाय गरीब की रक्षा की प्रार्थना हमारे नितप कार्यक्रम मे सदा के लिये है।

गौ सेवा सम्मेलन का आप का निमंत्रण श्री सतगुरू जी की सेवा में भेज रहा हूं। उनके आदेश आने पर मैं या कोई इस सम्मेलन मे भाग ले सकेगा।

तार-'सर्वसेवा'

[illegible] 17-11-81

फोन } दफ्तर : २३६५
} निवास: २५६३

आखिल भारत कृषि-गोसेवा संघ
AKHIL BHARAT KRISHI-GOSEVA SANGH
GOPURI, WARDHA, 442001 (Maharashtra)

गोपुरी, वर्धा (महाराष्ट्र)

पत्र क्रमांक- 2920/81-82

दिनांक : १२-११-८१

आदरणीय सद्गुरु बीरसिंहजी,

सादर प्रणाम। आपका कार्तिक १३ का पत्र मिला। साथमें चंडीगढ पशुपालन निर्देशक की नकल मिली। मंडी डब्वाली के बैलों का केस अभी चल रहा है यह जानकर संतोष हुआ। आप लोगों के प्रयास से यह सारा हो रहा है।

साथ में गोसेवा सम्मेलन पवनार का निमंत्रण भेज रहा हूं। सम्मेलन में अवश्य पधारियेगा। गोरक्षा सौम्य सत्याग्रह का पत्रक भी साथ है। गोरक्षा सौम्य सत्याग्रह के निमित्त सभी नामधारी स्त्री-पुरूष इन उपवासों में भाग ले सकेंगे ऐसा मानता हूं।

आशा है आप स्वस्थ्य होंगे।

आपका

राधाकृष्ण बजाज

(राधाकृष्ण बजाज)

श्री० सद्गुरु बीरसिंहजी,

१) नामधारी फार्म बिहादी
पी०-५६२१०९

✓ २) गुरूद्वारा श्री जीवन नगर
जिला-सिरसा (हरियाणा) १२५०७५

गो-रक्षा सौम्य सत्याग्रह

(३० जनवरी से २२ फरवरी १९८२ तक)

इस अवधि में अपने-अपने क्षेत्र में समिति बनाकर गो-रक्षा हेतु दो-दो दिन का उपवास कीजिए।

सन्त विनोबा का सन्देश

"गाय हमारी माता है। गो-हत्या मातृ हत्या है।।
१—गो-हत्या बन्दी भारतीय संस्कृति का आदेश है।
२—यह भारतीय संविधान का निर्देश है।
३—उसके लिए भारत सरकार वचनबद्ध है।
४—और भारतीय संसद् का संकल्प है।
इसलिए सारे भारत में तुरन्त गो-हत्या बन्दी होनी चाहिए।"

गो-रक्षा सौम्य सत्याग्रह

गौ रक्षार्थ प्रथम कदम के तौर पर भगवान् के दरबार में सौम्य सत्याग्रह करना तय हुआ है। यह सत्याग्रह महात्मा गांधी निर्वाण दिवस ३० जनवरी, १९८२ से माता कस्तूरबा गांधी निर्वाण दिवस २२ फरवरी, १९८२ तक २४ दिन चलाया जायेगा। सौम्य सत्याग्रह में दो-दो दिन के उपवासों की शृंखला चलेगी, हरेक व्यक्ति को पूरे दो दिन का उपवास करना है। उपवास में पानी, नीबू, सोडा ले सकते हैं। तन से उपवास, मन से प्रार्थना और धन के प्रतीक स्वरूप यथाशक्ति दान देकर तन, मन, धन तीनों से इस अभियान में सहयोग देना है।

१—सर्व समर्थ विश्व नियन्ता प्रभु से प्रार्थना है कि वह गोरक्षा एवं मानव समाज की रक्षा करे।

२—भारत सरकार से प्रार्थना है कि वह ग्रामीण अर्थ तन्त्र को टूटने से बचाने के लिये केन्द्रीय गोवंश हत्याबन्दी कानून बनाकर सम्पूर्ण भारत में गोरक्षा करे।

३—भारत की कोटि-कोटि जनता से प्रार्थना है कि वह सुस्ती और उदासीनता छोड़कर जागृत हो एवं सक्रिय होकर गोरक्षा करे, ताकि भारतीय संस्कृति की रक्षा हो।

उपरोक्त त्रिविध प्रार्थना के लिये यह सौम्य सत्याग्रह रहेगा। दिन भर के कार्यक्रमों में भगवत् भजन, चिन्तन अधिक हो। कुछ समय गोसेवा के शास्त्रीय ज्ञान के लिये रहे। सत्याग्रह जितना शुद्ध सात्विक रहेगा, उतना ही तेजस्वी होगा। सत्याग्रह जितना व्यापक होगा, उतना ही असरकारक होगा। कम से कम १० हजार केन्द्रों में ५ लाख व्यक्ति उपवास करें, तो यह प्रार्थना भगवान, सरकार और जन-मानस तक अवश्य पहुंचेगी।

केन्द्र कायम करना

यह सौम्य सत्याग्रह भगवत् प्रार्थनामय है। इसमें जाति-पांति, पंथ, धर्म या किसी पक्ष-विशेष का कोई भेद नहीं होगा। गोमाता सबको दूध पिलाती है। उसकी सेवा करना मानव मात्र का धर्म है। जहां भी ६० या अधिक उपवास दानी तैयार हों वहीं केन्द्र कायम किया जा सकेगा। रोजाना कम से कम ५ व्यक्ति साथ बैठ सकें, स्थान सबके अनुकूल हो। गांव वाले या मोहल्ले वाले स्वयं गोरक्षा समिति बनाकर, सौम्य सत्याग्रह का अभियान चला सकते हैं। समिति के कम से कम ५ सदस्य हों, उनमें एक संयोजक हो, समिति कायम करके उसकी सूचना जिला समिति, प्रदेश समिति तथा केन्द्रीय समिति, कृषि गोसेवा संघ, गोपुरी, वर्धा को दी जावे।

अर्थ व्यवस्था

गांव समिति अपना खर्च स्वयं करे। प्राप्त दान में से आधा दान केन्द्रीय समिति को वर्धा भेजियेगा। आधे दान के खर्च का हिसाब बराबर रखा जाय। २५०) से अधिक दान देने वाले को आयकर से छूट का प्रमाण-पत्र चाहिये तो वे दान सीधा वर्धा भेजें। किसी खास क्षेत्र में खर्च करना हो तो क्षेत्र का नाम भी लिख दिया जाय, ताकि रकम उसी क्षेत्र के लिये सुरक्षित रहे।

गोरक्षा सौम्य सत्याग्रह की सफलता के लिये देश भर की जनता का सक्रिय सहयोग अपेक्षित है। सभी सन्त-महन्तों एवं प्रमुख नागरिकों से प्रार्थना है कि फरवरी, ८२ तक का अपना पूरा समय इस आयोजन के प्रचार-प्रसार में लगावें। हमें आशा है कि भारत की कोटि-कोटि जनता लाखों में ही नहीं, करोड़ों की संख्या में उपवास दान के लिये आगे बढ़ेगी।

आशीर्वाद प्राप्त हैं

विनोबा मेरी आत्मा है। हण्डिया चढ़ी रखे, गोहत्या बन्द होकर रहेगी। —योगीराज देवराहा बाबा

राष्ट्र-सन्त विनोबा को मां आनन्दमयी का शुभाशीर्वाद।

गोरक्षा के लिये संगठन, अनुष्ठान, बलिदान, एवं त्याग-तपस्या चाहिये। —मां आनन्दमयी

१—स्वामी करपात्री जी महाराज
२—जगद्गुरु शंकराचार्य श्री निरंजन देव, तीर्थ (पुरी)
३— ,, ,, ,, स्वरूपानन्द जी (जोशी मठ)
४—स्वामी नन्दनन्दनानन्द जी महाराज
५—आचार्य श्री तुलसीजी लाडनू, ६—मुनि श्री सुशील कुमार जी
७—मुनि सन्तवाल जी चिंचणी, ८—बाबा सीताराम ओंकारनाथ, बंगाल
९—स्वामी गंगेश्वरानन्द जी १०—स्वामी चिदानन्दजी, ऋषिकेश

११—स्वामी अखण्डानन्द जी, १२—स्वामी रामसुखदास जी, बीकानेर
१३—स्वामी प्रकाशानन्दजी, १४—श्री प्रभुदत्तजी ब्रह्मचारी प्रयाग
१५—शास्त्री कृष्णशंकर जी १६—मुनि ज्ञानचन्द जी, महाराज
१७—स्वामी सत्य मित्रानन्द जी १८—श्री योगीराज हैडाखान, हल्द्वानी
१९—स्वामी कल्याणदेव मुजफ्फर नगर
२०—साधु बालदास जी महाराज कच्छी आश्रम हरिद्वार
२१—सद्गुरु जगजीतसिंह जी, सैनी साहेब
२२—हरिभक्त धुंडा महाराज देगलूरकर
२३—हरिभक्त अप्पा साहेब वास्कर, २४—स्वामी रामचन्द्र वीर
२५—श्रीमति शरदवल्लभा बेटी जी, २६—सुश्री विमला बहन ठकार
२७—श्री भादरिया महाराज २८—गुलाम रसूल कुरेशी साबरमती
२९—श्री नूरुद्दीन जे० मवानी गोवा, ३०—रुक्मणि देवी अरुण्डेल
३१—पं० भगवानदत्त जोशी, सनातन धर्म महामण्डल
३२—स्वामी श्रद्धानाथ जी महाराज लक्ष्मणगढ़
३३—महन्त श्री अवैधनाथ जी महाराज, गोरखपुर

❋ निवेदक ❋

तुलसीदास विश्राम
कार्याध्यक्ष, कृषि गो-सेवा संघ गोपुरी, वर्धा

विश्वम्भर प्रसाद शर्मा
महामन्त्री, भारत गो-सेवक समाज

ठाकुरदास बंग
अध्यक्ष, सर्व सेवा संघ

आचार्य श्री धर्मेन्द्र
महामन्त्री, गो-रक्षा समन्वय समिति

मानव मुनि
संयोजक, सन्त सेवक समुद्यम परिषद्

अच्युत भाई
संयोजक, भारतीय शान्ति सेना

किशनलाल कटपीस वाले
महामन्त्री, सर्वदलीय गो-रक्षा महाभियान समिति

रामगोपाल शालवाले
अध्यक्ष सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा

राधा कृष्ण बजाज
संयोजक

गो सेवा सम्मेलन

२५, २६, २७ दिसम्बर १९८१ को सन्त विनोबा जी के सानिध्य में पवनार वर्धा में गो-सेवा सम्मेलन होगा। गोसेवा में रुचि रखने वाले सभी भाई-बहन आमन्त्रित हैं। रेलवे कन्सेशन के लिए गोपुरी-वर्धा से सम्पर्क करें।

गोहत्या निवारण एवं समग्र गो रक्षण की मांग

१—सम्पूर्ण गोवंश हत्याबन्दी का केन्द्रीय कानून बने।
२—कानून का अमल कड़ाई से हो।
३—गाय, भैंस दोनों के मांस का निर्यात पूर्णतः बन्द हो।

४ - गो सदनों की समुचित व्यवस्था हो। समाज और सरकार दोनों मिल कर भार उठावें।

५—गो सदनों के लिए बाजारों पर आवश्यक लाग बाग लताई जाय।

६—दानदाताओं को आयकर में शत प्रतिशत छूट हो।

७—गो-संवर्धन की नीति सर्वांगी नसल तैय्यार करने की हो ताकि बछड़ा खेती-जोत के लिए उत्तम बैल बने एवं बछड़ी उत्तम दुधारू गाय हो।

८—फूड प्लानिंग की तरह फ़ाडर प्लानिंग भी हो, ताकि चारा दाना पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो सके।

९—गोचर भूमियां सुरक्षित रहें।

१०-खली का निर्यात बन्द हो।

११-अखाद्य वस्तु जैसे पेपर आदि में पशु-खाद्य चारे का उपयोग बन्द हो।

१२-शुद्ध गो-दूध को, शुद्ध भैंस दूध के बराबर भाव मिले। फैट प्रतिशत पर भाव निर्धारण की पद्धति तुरन्त बन्द हो।

१३-यन्त्रचालित ट्रक-ट्रैक्टर आदि तथा बैलगाड़ी-बैलजुताई आदि में इस प्रकार की मर्यादा बांधी जाय कि आपस में स्पर्धा न होकर एक-दूसरे के पूरक बनें।

नोटः—यदि आप उपर्युक्त विचारधारा से सन्तुष्ट हैं और उपवास में योगदान देने का संकल्प करें तो कृपया निम्नांकित पत्र द्वारा अपनी स्वीकृति अविलम्ब भेजने का कष्ट करें।

सेवा में

महामन्त्री,

कृषि गो सेवा संघ, गोपुरी

(वर्धा) महाराष्ट्र

महोदय,

मैं गो-रक्षा 'सौम्य सत्याग्रह' की शृंखला में योगदान देने के लिये तैय्यार हूं और .... तिथियों को .... स्थान पर निश्चितरूप से दो दिवस का उपवास करने का संकल्प लेता हूं।

भवदीय

नाम..

घर का पता..

कार्यालय का पता..

टेलीफोन घर.................. कार्यालय..................

सार्वदेशिक प्रेस, नई दिल्ली-२

दीपावली की शुभ कामना

गाय बचाओ - देश बचाओ

परम प्रिय बहनो और भाइयो,

सबको दीपावली के प्रणाम । आज देश में बहुत ही भयावह स्थिति है, दीपावली के दीये बुझने की बारी है । गाय, बैल, बछडे, बछडियों की बेतहाशा कतल हो रही है । अरब देशों में गोमांस के भाव बेहद बढ़ गये हैं, जिनके कारण जिंदी गाय से मरी गाय की कीमत अधिक मिलने लगी है । यह पापाचार मांस के व्यापारी करते हैं जिनमें हिंदू-मुसलमान-ईसाई सभी हैं ।

जनम से लेकर मरने तक गाय मानव की सेवा करती है । घी, दूध तो देती ही है, खेती के लिए बैल देती है, भूमि के लिए उत्तम खाद (खाना) देती है, भोजन पकाने के लिये उर्जा देती है एवं मरने पर भी चमड़ा हड्डी देती है । वह महान परोपकारी गाय नष्ट होने जा रही है । उसके नष्ट होने से भारत की ग्रामीण अर्थ-व्यवस्था टूटेगी और साथ ही भारतीय संस्कृति का भी विनाश होगा । आज अत्यंत दुखद, वेदनामय परिस्थिति है । परिस्थिति बलिदानों की मांग कर रही है ।

संत-सज्जन एवं गोसेवकों ने तय किया है कि प्रथम कदम के तौर पर भगवान के दरबार में सौम्य सत्याग्रह किया जाय । बापू निर्वाण दिवस ता. ३० जनवरी से माता कस्तूरबा गांधी निर्वाण दिवस ता. २२ फरवरी १९८२ तक २४ दिन चलाया जायेगा । सौम्य सत्याग्रह में दो-दो दिन के उपवासों की श्रृंखला चलेगी । हरेक व्यक्ति को पूरे दो दिन का उपवास करना है । तन से उपवास, मन से प्रार्थना और धन के प्रतीक स्वरूप यथाशक्ति दान देकर तन-मन-धन तीनों से इस अभियान में सहयोग देना है ।

नम्र निवेदन है कि गोमाता को बचाने के लिए दो दिन का पूरा उपवास करके उसका पुण्य गाय को दीजिये, एवं दीपावली के बुझते दीये को बचाइये ।

अ. भा. कृषि गोसेवा संघ, गोपुरी-वर्धा
फोन : निवास – २५६३

राधाकृष्ण बजाज
ता. २८-१०-१९८१

गोसेवा सम्मेलन पवनार, वर्धा

ता. २५, २६, २७ दिसंबर को पू. विनोबाजी के सानिध्य में पवनार, वर्धा में गोसेवा संमेलन होगा। सभी गोप्रेमी आमंत्रित हैं। रेल्वे कंसेशन रु ५) भेजकर गोपुरी-वर्धा-से प्राप्त कर सकते हैं।

—मंत्री

सन्त विनोबा जी के सानिध्य में
गोसेवा सम्मेलन पवनार-वर्धा
दिनांक २५, २६, २७ दिसम्बर १९८१
निमन्त्रण-पत्र

अखिल भारतीय कृषि गोसेवा संघ
गोपुरी (वर्धा)

दिनांक १९८१

आदरणीय महोदय,

भारत देश की आर्थिक व्यवस्था तथा संस्कृति को विनाश से बचाने के लिये सारे भारतवर्ष में सम्पूण गोवंश का केन्द्रीय कानून बनाने एवम् बने हुए कानून के अनुपालन में प्रशासनिक उदासीनता व अकर्मण्यता के दूर करने में ज़ोरदार कदम उठाना है।

महान् विचारक, सन्त विनोबाजी द्वारा दी गई दिशा के लिये भारतीय जनमानस में जागृति एवम् जीवन की बाज़ी लगाने वाले क्रांतिकारियों की अत्यन्त आवश्यकता है।

भारत के कुछ तपस्वी सन्तों ने 'सौम्य सत्याग्रह' प्रारम्भ करने के पहले कदम का प्रभावी निर्णय लिया है। इसके अनुसार महात्मा गांधी जी के निर्वाण दिवस ३० जनवरी, ८२ से माता कस्तूरबा निर्वाण दिवस २२ फरवरी १९८२ तक २४ दिन के निरन्तर दो-दो दिन के देशव्यापी उपवासों की शृंखला चलेगी। तन से उपवास, मन से प्रार्थना और धन का दान देकर तन-मन-धन का समन्वित सहयोग देना होगा। कम से कम ५ लाख व्यक्तियां द्वारा भाग लेना अपेक्षित है।

इस पावन कार्य में सफलता के लिये आपका आशीर्वाद प्राप्त है, ऐसा हमें विश्वास है। अपने दैनिक प्रवचनों में इस 'सौम्य सत्याग्रह' को उचित स्थान प्रदान करने की कृपा करें।

साथ ही इस सत्याग्रह से पूर्व, देशव्यापी गोवध बन्दी के सम्बन्ध में

शुक्र, शनि व रविवार दिनांक २५, २६ व २७ दिसम्बर १९८१

को पवनार-वर्धा में संत विनोबा जी के सानिध्य में बृहद् गोसेवा सम्मेलन होगा।

गोवंश पर आये इस संकट के परिप्रेक्ष्य में भारत के समस्त धर्म व मत-मतान्तरों के अनुयायियों को जागरूक करने की योजना तैयार करने के लिये इस सम्मेलन में स्वयम् आपका भाग लेना प्रार्थनीय है। भारत के सभी सन्त पथ-प्रदर्शन करें, इस मनोकामना के साथ सम्मेलन में पधारने के लिये आप सादर आमन्त्रित हैं।

यात्रा के लिये, रेलवे कन्सेशन प्राप्त है। कृपया अपने साथियों के साथ अपने आगमन की स्वीकृति व पहुंचने के समय से शीघ्र अवगत कराने का कष्ट करें ताकि रेलवे कन्सेशन फ़ार्म भेजा जा सके।

सेवा में सद्गुरु बीरसिंह जी

भवन्निष्ठ

रा. बजाज

(राधाकृष्ण बजाज)

महामन्त्री

28.1.82

गोसेवा सम्मेलन का निवेदन

३० जनवरी से २२ फरवरी तक दो दो दिन के उपवास हों

संत विनोबाजी के सान्निध्य में पवनार (वर्धा) में आयोजित गोसेवा संमेलन ता. २५, २६ दिसंबर १९८१ को हुआ। पूरे भारत से प्रतिनिधि आये। दो दिन तक गोरक्षा के प्रश्न पर अनेक दृष्टि से विचार विनिमय हुआ। आचार्य विनोबाजी ने सम्मेलन का उद्घाटन किया।

सम्मेलन को इस बात का दुख है कि अनेक साधु संतों के अथक् प्रयास, उपवास, सत्याग्रह, निवेदन-आवेदन, सबके बावजूद गाय की कतल नहीं रुक सकी है। केंद्रीय गोवधबंदी कानून भी नहीं बन पाया, एवं जहां कानून बने हैं वहां भी कानून का कडाई से पालन नहीं हुआ। विविध प्रकार के चमडे के लिए गायों की कतल होती ही थी, इन दिनों विदेशों में गोमांस की मांग एवं गोमांस के भाव बढ जाने के कारण कतल बढ गयी है। अर्थ के लोभ से व्यापारी अधिक पैमाने पर मांस निर्यात कर रहे हैं। भारत सरकार ने भी मांस और चमडे की निर्यात को प्रोत्साहन दिया है। इन दोनों दृष्टियों से गाय की कतल दिन दूनी, रात चौगुनी बढती जा रही है। आज तक तो स्वीकृत कतलखानों में एवं बंगाल, केरल में अधिक गोहत्या होती थी, लेकिन अब तो जहां गोवधबंदी कानून है उन प्रदेशों में से, जहां तहां अनधिकृत स्थानों पर, कतल होकर ट्रकों द्वारा गोमांस निर्यात के स्थानों पर भेज दिया जाता है। इस तरह की कतल को न रोका गया तो कुछ ही वर्षों में गोवंश का संपूर्ण विनाश हो जावेगा। गांवों की अर्थ व्यवस्था का संतुलन बिगडेगा और देश विनाश के कगार पर पहुंच जावेगा।

इस विषम परिस्थिति में जनता जनार्दन को जागृत किया जाय एवं गोरक्षार्थ प्रथम कदम के तौर पर भगवान के दरबार में सौम्य सत्याग्रह किया जाय ऐसा तय हुआ है। यह सत्याग्रह गांधी निर्वाण दिवस ३० जनवरी से माता कस्तूरबा निर्वाण दिवस २२ फरवरी २२ तक २४ दिन चलाया जायेगा। सौम्य सत्याग्रह में दो

२– भारत सरकार से निवेदन है कि वह ग्रामीण अर्थतंत्र को टूटने से बचाने के लिए केंद्रीय गोवंश (नर-मादा हत्याबंदी कानून शीघ्र बनाकर एवं गाय-बैल को राष्ट्रीय पशु घोषित करके गोवंश की परिपूर्ण रक्षा करे। गोमांस की निर्यात पूर्णत: बंद हो।

३– भारत के किसान को अच्छे बैल प्राप्त हों तथा दूध भी मिले इसलिए आवश्यक है कि गोसंवर्धन से सर्वांगी नसल तैयार की जाय, ताकि बछडे उत्तम बैल बन सकें एवं बछडी उत्तम दुधारु गाय बने।

४– गोरक्षा के लिए आवश्यक है कि गाय के चारे दाने की समुचित व्यवस्था हो। चारे दाने का अधिक उत्पादन हो, इसके प्रयत्न होने चाहिए एवं खली, भूसा आदि पशु खाद्यों का निर्यात बंद हो। चारे का कागज आदि बनाने में उपयोग न हो

५– भारत की कोटि-कोटि जनता से प्रार्थना है कि वह सुस्ती और उदासीनता छोडकर जागृत हो एवं सक्रिय होकर गोरक्षा करे, कतल के लिए जानेवाली गायों को रोके, तथा भारतीय संस्कृति की रक्षा करे।

गोरक्षा सौम्य सत्याग्रह के लिए १ – जनशक्ति २ – सज्जनशक्ति ३ – महाजनशक्ति ४ – विद्वज्जनशक्ति ५ – राज्य शक्ति इन पंच शक्तियों का सहयोग लिया जाय। यह सौम्य सत्याग्रह भगवत प्रार्थना स्वरूप है। इसमें जाति-पाति, पंथ, धर्म या किसी पक्षविशेष का कोई भेद नहीं होगा। गोमाता सबको दूध पिलाती है, उसकी सेवा करना मानव मात्र का धर्म है।

राष्ट्रपति से लेकर सभी सरकारी सेवक, जन प्रतिनिधि तथा सभी नागरिकों से प्रार्थना है कि वे गोरक्षा के निमित्त दो-दो दिन के उपवास करें। देश की सभी रचनात्मक तथा अन्य संस्थाओं से प्रार्थना है कि वे अगले दो माह के लिए अपने नित्य कार्यों की जगह, गोरक्षा सौम्य सत्याग्रह को प्राथमिकता देकर उसमें पूरी शक्ति लगायें।

31.12.81

केन्द्रीय गोरक्षा समन्वय समिति का विसर्जन-

दिनांक:२८-१२-८१

दिनांक २७ दिसंबर को दोपहर ४ बजे ब्रह्मविद्या मंदिर में मुक्त अध्यक्ष पू० विनोबाजी के सानिध्य में श्री तुलसीदासभाई विश्राम की अध्यक्षता में केन्द्रीय गोरक्षा समन्वय समिति की मीटिंग सम्पन्न हुई। जिसमें समन्वय समिति के मंत्री श्री० किशनलालजी कटपीसवाला, श्री मानवमुनि, श्री यश० जगन्नाथनजी, अन्य सदस्य एवं विशेष आमंत्रित लोग उपस्थित थे। जिसमें निर्णय लिया गया कि, केन्द्रीय गोरक्षा समन्वय समिति विसर्जित की गयी।

सेवा में सूचनार्थ--

विनीत

मानवमुनि

(मानवमुनि)

मंत्री, समन्वय समिति

गोसेवा सम्मेलन का निवेदन

३० जनवरी से २२ फरवरी तक दो दो दिन के उपवास हों

संत विनोबाजी के सानिध्य में पवनार (वर्धा) में आयोजित गोसेवा सम्मेलन ता०२५,२६ दिसंबर १९८१ को हुआ। पूरे भारत से प्रतिनिधि आये। दो दिन तक गोरक्षा के प्रश्न पर अनेक दृष्टि से विचार विनिमय हुआ। आचार्य विनोबाजी ने सम्मेलन का उद्‌घाटन किया।

सम्मेलन को इस बात का दुख है कि अनेक साधु संतों के अथक् प्रयास,उपवास, सत्याग्रह,निवेदन-आवेदन,सबके बावजूद गाय की कतल नहीं रुक सकी है। केन्द्रीय गोवधबंदी कानून भी नहीं बन पाया,एवं जहां कानून बने हैं वहां भी कानून का कड़ाई से पालन नहीं हुआ। विविध प्रकार के चमड़े के लिए गायों की कतल होती ही थी, इन दिनों अरब देशों में गोमांस की मांग एवं गोमांस के भाव बढ़ जाने के कारण कतल बढ़ गयी है। अर्थ के लोभ से व्यापारी अधिक पैमाने पर मांस निर्यात कर रहे हैं। भारत सरकार ने भी मांस और चमड़े की निर्यात को प्रोत्साहन दिया है। इन दोनों दृष्टियों से गाय की कतल दिनदूनी,रात चौगुनी बढ़ती जा रही है। आज तक तो स्वीकृत कतलखानों में एवं बंगाल,केरल में अधिक गोहत्या होती थी,लेकिन अब तो जहां गोवधबंदी कानून है उन प्रदेशों में भी,जहां तहां अनधिकृत स्थानों पर,कतल होकर ट्रकों द्वारा गोमांस निर्यात के स्थानों पर भेज दिया जाता है। इस तरह की कतल को न रोका गया तो कुछ ही वर्षों में गोवंश का संपूर्ण विनाश हो जावेगा। गांवों की अर्थ व्यवस्था का संतुलन बिगड़ेगा और देश विनाश के कगार पर पहुंच जावेगा।

इस विषम परिस्थिति में जनता जनार्दन को जागृत किया जाय एवं गोरक्षार्थ प्रथम कदम के तौर पर भगवान के दरबार में सौम्य सत्याग्रह किया जाय ऐसा तय हुआ है। यह सत्याग्रह गांधी निर्वाण दिवस ३० जनवरी से माता कस्तूरबा निर्वाण दिवस २२ फरवरी ८२ तक २४ दिन चलाया जायेगा। सौम्य सत्याग्रह में दो दो दिन के उपवास की श्रृंखला चलेगी। हरएक व्यक्ति को पूरे दो दिन उपवास करना है। (उपवास में फक्त पानी,नींबू,नमक,सोडा ले सकते हैं) तन से उपवास,मन से प्रार्थना और धन के प्रतीक स्वरूप यथाशक्ति दान देकर तन,मन,धन तीनों से इस अभियान में सहयोग देना है।

१- सर्व समर्थ विश्वनियंता प्रभु से प्रार्थना है कि वह गोरक्षा एवं मानव समाज की रक्षा करे।

२- भारत सरकार से निवेदन है कि वह ग्रामीण अर्थतंत्र को टूटने से बचाने के लिए केन्द्रीय गोवंश (नर-मादा) हत्याबंदी कानून शीघ्र बनाकर एवं गाय- बैल को राष्ट्रीय पशु घोषित करके,गोवंश की परिपूर्ण रक्षा करे। गोमांस की निर्यात पूर्णत: बंद हो।

(पृष्ठ-२)

३- भारत के किसान को अच्छे बैल प्राप्त हों तथा दूध भी मिले इसलिए आवश्यक है कि गोसंवर्धन से सर्वांगी नसल तैयार की जाय, ताकि बछड़े उत्तम बैल बन सकें एवं बछड़ी उत्तम दुधारू गाय बनें।

४- गोरक्षा के लिए आवश्यक है कि गाय के चारे दाने की समुचित व्यवस्था हो। चारे दाने का अधिक उत्पादन हो, इसके प्रयत्न होने चाहिए एवं खली, भूसा आदि पशु खाद्यों का निर्यात बंद हो। चारे का कागज आदि बनाने में उपयोग न हो।

५- भारत की कोटि-कोटि जनता से प्रार्थना है कि वह सुस्ती और उदासीनता छोड़कर जागृत हो एवं सक्रिय होकर गोरक्षा करे, कतल के लिए जानेवाली गायों को रोके, तथा भारतीय संस्कृति की रक्षा करे।

गोरक्षा सौम्य सत्याग्रह के लिए १- जनशक्ति २- सज्जनशक्ति ३- महाजन-शक्ति ४- विद्वजनशक्ति ५- राज्य शक्ति इन पंच शक्तियों का सहयोग लिया जाय। यह सौम्य सत्याग्रह भगवत प्रार्थना स्वरूप है। इसमें जाति-पांति, पंथ, धर्म या किसी पक्ष-विशेष का कोई भेद नहीं होगा। गोमाता सबको दूध पिलाती है, उसकी सेवा करना मानव मात्र का धर्म है।

राष्ट्रपति से लेकर सभी सरकारी सेवक, जन प्रतिनिधि तथा सभी नागरिकों से प्रार्थना है कि वे गोरक्षा के निमित्त दो-दो दिन के उपवास करें। देश की सभी रचनात्मक तथा अन्य संस्थाओं से प्रार्थना है कि वे अगले दो माह के लिए अपने नित्य कार्यों की जगह, गोरक्षा सौम्य सत्याग्रह को प्राथमिकता देकर उसमें पूरी शक्ति लगावें।

पू० विनोबाजी ने ३० जनवरी ८२ को एक वक्त का (प्रात:काल) उपवास रखकर सौम्य सत्याग्रह का उद्घाटन करना स्वीकार किया है। सम्मेलन को विश्वास है कि पू० विनोबाजी के आशीर्वाद से सबको प्रेरणा मिलेगी, एवं उपवासों के बाद गौवंश को कतल को रोकने का हमारा आत्मबल अधिक बढ़ेगा।

रा. बजाज

(राधाकृष्ण बजाज)
महामंत्री

अ०भा०कृषि गोसेवा संघ
गोपुरी-वर्धा, २६-१२-८१

ਓਤੇ ਗਊ ਰਖਿਆ
23/12/81

।। गावो विश्वस्य मातरः ।।

सम्मान्य महोदय,

निवेदन है कि आपका वार्षिक शुल्क मास नवंबर, 81 के अंक के साथ समाप्त होगया है। नम्र निवेदन है कि यह पत्र मिलते ही गोधन का वार्षिक शुल्क ११-०० ग्यारह रुपया मात्र मनीआर्डर द्वारा शीघ्र ही निम्न पते पर भेजकर अनुगृहीत करें ताकि आगामी अंक आपको यथासमय प्राप्त होसके। मनीआर्डर फार्म साथ भेजा जारहा है। कृपया अपना पता मनीआर्डर फार्म पर हिन्दी या अंग्रेजी में शुद्ध व साफ लिखें।

विनीत -
गंभीर
(व्यवस्थापक)

गोधन - मासिक
३ सदर थाना रोड
दिल्ली-११०००६

15.12.81
Go RAKHYA

A. B KRISHI GOSEVA SANGH

No. 971

MINISTRY OF RAILWAY XXR WIRELESS ORDER
No. TC II 2066 / 77 / 10 DATED 26th NOVEMBER 1981

CONCESSION CERTIFICATE FORM

CONCESSION FOR ALL INDIA BODIES OF CULTURAL, EDUCATIONAL AND SOCIAL IMPORTANCE

It is certified that Shri/Smt.______________________________ is a person travelling from ______________________________ to WARDHA Central Rly Stn. Conferance to be held at PAUNAR from 25 th to 27 th December 1981 and is entitled to the concession of return tickets in any Second Class only available for one month as indicated below.

Seccond Class return tickects on payment of one and a half single Second Class Mail.

It is also certified that the total emoluments / earnings drawn by Shri / Smt. ______________ on date do not exceed Rs. 2000/— (Rupees two thousand) per month.

* (I) He / She is a Servant of the Central / State Government / Local Body or a Statutory Authority or a Corporation or a Government Undertaking or a University.

* (ii) He / She is not a Servant of the Cenaral / State Government / Local Body or a Statutory Authority or a Corporation or a Government Undertaking or a University.

* (iii) His / Her travelling expenses will not be borne by the Central / State Government / Local Body or a Statutory Authority or a Corporation or a Government Undertaking or a University.

Place : GOPURI (WARDHA)

Secretary
A. B. Krishi Goseva Sangh

Date : 2 DEC 1981

अ. भा. कृषि गो-सेवा संघ,
गोपुरी (वर्धा) 442 114

* The item not applicable must be struck out by the Secretary .

** I hereby certify that I am an employee of the Central/State Government, /Local Body or a Statutory Authority or a Corporation or a Government Undertaking or a University and that I shall not claim kilometrage allowance from the Central / State Government / Local Body or a Statutory Authority or a Corporation or a Government Undertaking or a University for the Journey performed on the Concessional return ticket.

Place....................

Signature....................

Designation....................

Date....................

Office address....................

Note : 1. ** This Certificate (must invariably) be filled in by employees of the Central / State Governmet / Local Body or Statutory Authority or a Corporation or a Government Undertaking or a University.

2. Government Servants etc. whose travolling expenses are borne by the Central / State Government or Local Body or a Statutory Authority or a Corporation or a Government Undertaking or a University either wholly or even partly are not entiled to this concession. Any breach of this rule by the Government servant will render him liable to disciplinary action.

अ० भा० गो संरक्षण परिषद्,
शिव मन्दिर, अजमल खां रोड, करोल बाग,
नई दिल्ली-५
दूरभाष-५६७३६०

10.12.81

प्रकाशनार्थ

ॐ हरि

केन्द्रीय मन्त्री श्री बूटा सिंह से आश्वासन पूर्ण करने को अनुरोध
----------- स्वामी योगेश्वर विदेही हरि

नव दिल्ली - सम्पूर्ण गोवंश हत्या निरोध केन्द्रीय कानून के लिए आश्वासन पूर्ण करने का केन्द्रीय मन्त्री श्री बूटा सिंह जी को आवश्यक पत्र लिखकर अ0 भा0 गोसंरक्षण परिषद् के अध्यक्ष प0पू0 महामण्डलेश्वर स्वामी श्री यो0 विदेही हरि जी महाराज ने अनुरोध किया है कि 6 नवम्बर 1981 को दिये हुए अपने आश्वासन को अविलम्ब पूर्ण करें ।

श्री सिंह को लिखे पत्र की भाषा:-

"वचनानुसार पत्र प्राप्त नहीं ? सम्पूर्ण गोवंश हत्या निरोध केन्द्रीय कानून के सम्बन्ध में 6 नवम्बर 1981 को आपने आश्वासन दिया था कि "16 नवम्बर को आ0 प्रधानमन्त्री जी के नई दिल्ली लौटने पर उनसे चर्चा कर मैं आपको पत्र लिखूँगा"।

परिषद् ने इस पर 7 नवम्बर 1981 से आरम्भ होने वाला सत्याग्रह स्थगित कर दिया था । क्या चर्चा हुई ? उत्तर अविलम्ब लिखने का कष्ट करें ।" परिषद् के प्रवक्ता ने पत्रकारों को बताया कि इसी सम्बन्ध में सभी संसद सदस्यों को गोसंरक्षण परिषद् की ओर से एक पत्रक के साथ गोरक्षा साहित्य देकर अनुरोध किया है कि वह लोकसभा में उक्त विषय को प्राथमिकता से उठायें । संलग्न साहित्य में अ0भा0 गोवंश रक्षा सम्मेलन नव दिल्ली की कार्यवाही, गृहमन्त्री ज्ञानी जैल सिंह एवं श्री राजीव संसद सदस्य को भेजे पत्र तथा 7 नवम्बर को परिषद् की ओर से की गई घोषणा आदि के कागजात हैं । स्वामी श्री हरि जी के उक्त पत्र को लेकर परिषद् के कार्यालय सचिव श्री राधेश्याम ब्रह्मचारी अनेक संसद सदस्यों से मिले हैं । वह सभी संसद सदस्यों को मिलकर पत्र दे रहें हैं ।

कार्यालय सचिव
(राधेश्याम)

अ0भा0 गोसंरक्षण परिषद्, शिव मन्दिर, अजमलखां रोड, करोल बाग, नव दिल्ली-110005

अ० भा० गो संरक्षण परिषद्
शिव मन्दिर, अजमल खाँ रोड, करोल बाग,
नई दिल्ली-११०००५ दूरभाष-५६७३६०

ॐ हरि

प्रकाशनार्थ   क्र० म० 103

बन्चका देने वाले कार्यक्रम बन्द करें

-----श्री राधाकृष्ण बजाज को स्वामी विदेही हरि का उत्तर

करनाल --- अब भी आप वास्तव में सम्पूर्ण गोवंश हत्या निरोध चाहते हैं तो एक वर्ष के लिए अपने बंचका देने वाले कार्यक्रम बन्द कर गो संरक्षण परिषद्द को सहयोग दें। उक्त वाक्य अ०भा० कृषि गो सेवा संघ के महामंत्री श्री राधा कृष्ण बजाज के पत्र का उत्तर लिखते हुए अ० भा० गो-संरक्षण परिषद के अध्यक्ष परम पूज्य महामण्डलेश्वर स्वामी श्री योगेश्वर विदेही हरि जी महा० ने लिखे। इस उत्तर में पू० स्वामी जी ने [illegible]० ला० हर देव सहाय जी के समय से आज तक गो रक्षा आन्दोलन में डाली अड़चनों की ओर भी संकेत करते हुए लिखा कि अब परिषद्द सावधान है। इस लिए आपके कुचक्र में नहीं फंसेंगे।

पूर्ण पत्रोत्तर ::--

प्रिय बजाज जी! हरि स्मरण!

आपका 30-10-81 का पत्र प्राप्त। धन्यवाद। आपके प्रथम बाक्य से ही स्पष्ट है कि आपकी सभी गतिविधियों का परिणाम भयंकर एवं विपरीत निकला। दूसरा वाक्य असत्य है गोरक्षक संस्थाओं ने सदा आपके इस वंचक कार्यक्रम का खंडन किया है। आपसे अनुरोध है यदि आप अब भी वास्तव में सम्पूर्ण गोवंश हत्या निरोध चाहते हैं तो एक वर्ष के लिए अपने बंचका देने वाले कार्य बन्द कर अखिल भारतीय गोसंरक्षण परिषद को सहयोग दें।

आ० ला० हरदेव सहाय जी के समय से ही न तो आपने कोई ठोस कार्यक्रम बनाया न ही वास्तविक कार्यक्रमों का समर्थन किया। 1966 के विशाल आन्दोलन में भी इसी प्रकार की बंचका आपकी रही।

11 मई 1978 को भारत सरकार की गोसंवर्धन सलाहकार परिषद में सम्पूर्ण गोवंश हत्या निरोध की अनुशंसा के समय आपका भाषण अटकाव डालने वाला था। प्रस्ताव पारित हो जाने पर भी आपने उस पर बल न देकर श्री विनोबा जी से राजकीय कानूनों का षड्यंत्र रचवा दिया। अन्त में असफलता पर गलत ढंग से विधेयक प्रस्तुत करवाया। जब कि उस समय भी सम्पूर्ण गोवंश हत्या निरोध केन्द्रीय कानून बनने वाला था। भारत गृह मंत्री श्री ज्ञानी जी को लिखे मेरे पत्र अनुसार उस समय भी वैधानिक कोई अड़चन नहीं थी।

जिस मुनि ज्ञान चन्द जी को "कालनेमि" का कार्य आपने सौंपा है उनकी बंचका की कहानी सभी गुजरातियों को ज्ञात है। परिषद की प्रेरणानुसार गुजरात शासन सम्पूर्ण कानून बनाने वाला था किन्तु उन्होंने 18 वर्ष की आयु के पश्चात बैलों एवं सांड़ों का मारा जाना स्वीकार कर लिया बाद में कसाइयों से मिलकर दो वर्ष और घटाकर 16 वर्ष के बैलों एवं सांड़ों को मारा जाने का कानून बनवाया। उच्च एवं सर्वोच्च न्यायालय की घटनाएं निर्णय के पश्चात सामने आयेंगी।

अन्त में इन बंचक गतिविधियों को जानकर परिषद ने पुन: अपने ढंग से कार्य आरम्भ किया तो आपने सौम्य सत्याग्रह के नए षड्यंत्र से गोभक्तों को धोखा देकर गोग्रास एवं गोभक्ती के नाम से करोड़ों रुपया एकत्र किया तथा सरकार से अनेक व्यक्तिगत एवं फर्मों के लिए लाभ उठाने के साथ पुरुस्कार के स्वरूप प्रथम श्रेणी का रेलवे पास प्राप्त किया।

खेद से लिख रहा हूं कि परिषद के कार्यकत्ताओं को भी वास्तविक कार्य से हटाने के लिए आपके सहायकों द्वारा अर्थ का लोभ प्रस्तुत किया। कुछ को अपने चक्कर में फंसा भी लिया। पंजाब एवं हरियाणा के कानूनों की कमी में क्या आपका कुचक्र नहीं?

कलकत्ता सम्मेलन से पूर्व एवं पश्चात की सभी कार्यवाही को बंगाली अच्छी तरह से जानते हैं? उसका स्पष्टीकरण देना देश के लिए लाभ-कारी नहीं।

आपने इसी प्रकार के पत्र लिखकर इस विषय का पूर्ण ज्ञान न रखने वालों से श्री विनोबा जी के नामसे कुछ लिखवा लिया होगा। अथवा उनके नाम कैसे छापे हैं? अज्ञात लिखना अच्छा नहीं, परन्तु मेरा आशीर्वाद तो गोरक्षा के वास्तविक प्रत्येक कार्यकर्त्ता के सदा साथ है, पुनश्च बंचकों के लिए यही आशीर्वाद है कि जनता जनार्दन उनकी बुद्धि को अतिशीघ्र ठीक करे। प०पू० महामण्डलेश्वर स्वामी श्री योगेश्वर विदेही हरि जी महाराज की आज्ञासे शेष शुभ ....।

सर्वभूतहिते रत:
स्वामी भक्त हरि

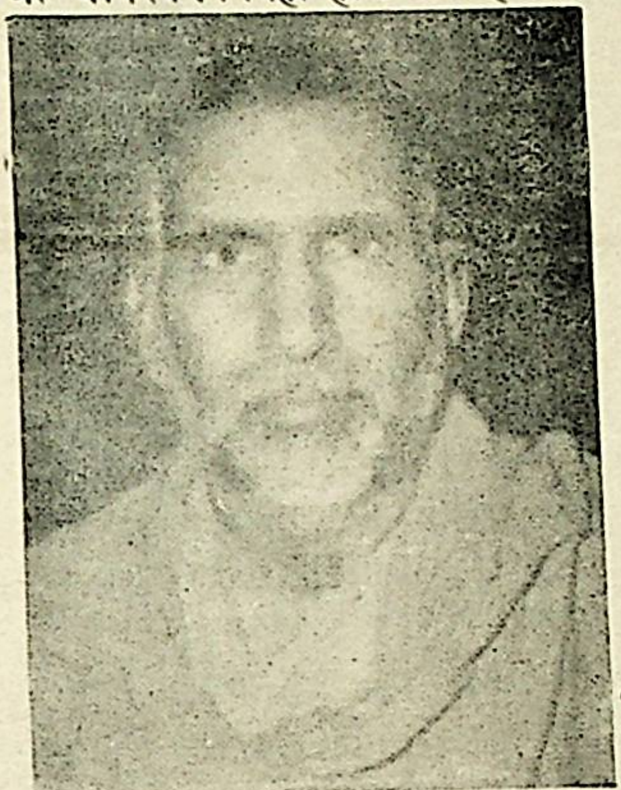
उ०प्र०पत्र में
श्री राधाकृष्ण जी बजाज
अ०भा० कृषि गो [illegible]

ऊँ हरिः

7 नवम्बर से गोरक्षा सत्याग्रह का अल्टीमेटम

भारत गृहमंत्री ज्ञानी जैल सिंह जी के नाम अ० भा० गोसंरक्षण परिषद् का पत्र

अ० भा० गो संरक्षण परिषद् के अध्यक्ष प० पू० महामण्डलेश्वर स्वामी श्री योगेश्वर विदेही हरि जी महाराज ने गृह मंत्री ज्ञानी जैल सिंह जी को लिखा है कि 7 नवम्बर 1966 के अमर बलिदानियों का स्मरण कर यदि शासन ने कोई उचित घोषणा न की तो 7 नवम्बर 1981 से सत्याग्रह की घोषणा कर दी जाएगी। परिषद् के महिला विभाग की ओर से श्री आचार्य विनोबा जी तथा अन्य गोरक्षक वाक्य शूरों को सत्याग्रह की प्रेरणा दी जाएगी। यदि वह तत्पर न हुए तो उन्हें चूड़ियां भेंट कर देवियां स्वयं सत्याग्रह करेंगी। ऊर्जा संकट के समय में



(स्वामी यो० वि० हरिजी म०)

गोवंश हत्या भारत हत्या ही है। इसलिए कोई भी वास्तविक देशभक्त इसे सहन नहीं कर सकता। गोवंश हत्या विदेशी षड्यंत्र से कराई जा रही है। इस पत्र की प्रतिलिपि प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा जी को भी श्री राजीव संसद सदस्य के द्वारा भेजी गई है।

अति आवश्यक

गृहमंत्री को भेजे पत्र की प्रतिलिपि

नव दिल्ली

क्र० के० 1163

आ० गृहमंत्री भारत शासन नव दिल्ली

विषय—सम्पूर्ण गोवंश हत्या निरोध केन्द्रीय कानून

प्रिय ज्ञानी जी !

हरि स्मरण। नैरोबी (अफ्रीका) में बैल गाड़ियों को उन्नत करने के लिए आ० प्रधान मंत्री जी का भाषण एवं DAP in the TWCS Draught Animal power in Third world countries. A Project funded by food and Agriculture OrganiZation of UNO

at Bangalore (INDIA) की सिफारिश के अनुसार यदि गोवंश हत्या को अविलम्ब पूर्णतया नहीं रोका तो देश का सर्वनाश होगा। क्योंकि पेट्रोल, डीजल आदि की समाप्ति पर ऊर्जा संकट से पार करने के लिए गोवंश ही सहायक है। इसलिए गोवंश का विनाश विदेशी षड्यंत्रों से कराया जा रहा है।

संविधान अनुच्छेद 48 के निर्देश अनुसार कुछ राज्यों ने कानून भी बनाए थे, परन्त उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश और बिहार के कानूनों को पेशे के मूलाधिकार की दुहाई देते हुए कसाइयों ने चुनौती दी। सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में केवल कानूनी भाग पर विचार करते हुए : मुहम्मद हनीफ कुरेशी विरुद्ध बिहारराज्य : आल इंडिया रिपोर्टर सुप्रीम कोर्ट पृष्ठ-731 : में 23 अप्रैल 1958 को निर्णय दिया कि बूढ़े बैलों एवं साण्डों की हत्या पर प्रतिबन्ध लगाने से अनुच्छेद 19 (आई) (जी) का हनन होगा अनुच्छेद 48 में लिखित अंग्रेजी के शब्दों Cows and Calves का सही अर्थ समझने में सर्वोच्च न्यायालय असफल रहा क्योंकि गोरक्षक अथवा हिन्दू-धर्म प्रतिनिधियों को इंटरवीन करने की स्वीकृति नहीं मिली थी।

राज्य विषय सूची 2 क्रमांक 15 में Cowes and calves का स्पष्ट उल्लेख न कर केवल "Preservation, Protection and improvement of stock and Prevention of animal diseases, veterinary Training and practice" लिखा है। इसलिए भी सर्वोच्च न्यायालय ने बैल अथवा सांड की हत्या पर पूर्ण प्रतिबन्ध उचित नहीं समझकर कानूनी दांव-पेच में करोड़ों हिन्दुओं की धार्मिक भावना को बलिदान किया।

भारत सरकार निम्नलिखित प्रश्नों का स्वयं अध्ययन करे :—

1—निर्देशक सिद्धान्त 48 में आए Cows and Calves का क्या अभिप्राय है ? यदि इसका अर्थ सम्पूर्ण गोवंश नहीं है तो क्यों न केवल : गाय तथा अन्य दुधारू व बोझा ढोने वाले पशु : का प्रयोग किया जाता ? स्पष्टता Cows and Oalves शब्द "गोवंश" के लिए ही है।

2—अनुच्छेद 48 में निम्नलिखित 3 निर्देश हैं :—

क. कृषि और पशुपालन में सुधार करना।

ख. गोवंश तथा अन्य दुधारू और भारवाही पशुओं का संरक्षण करना व उसकी नस्ल को सुधारना।

ग. गोवंश तथा अन्य दुधारू और भारवाही पशुओं के वध पर प्रतिबन्ध लगाना।

राज्यों की विषय सूची 14 एवं 15 में केवल प्रथम दो अर्थात् (क) और (ख) का ही समावेश है। तीसरा निर्देश अर्थात (ग) न राज्य सूची में एवं न किसी अन्य में है। निश्चय ही तीसरा निर्देश केन्द्रीय सूची की प्रविष्टि 97 तथा अनुच्छेद 248 के अनुसार भारत सरकार के लिए है। भारत सरकार यदि आवश्यक समझे तो सर्वोच्च न्यायालय की राय भी अनुच्छेद 143 के अनुसार म० म० राष्ट्रपति द्वारा ले सकती है। अतएव सम्पूर्ण गोवंश हत्या निरोध केन्द्रीय कानून बनाने में कोई अड़चन नहीं।

भारत सरकार उक्त समस्या को आज तक नहीं सुलझा सकी। देसाई एवं चरण सरकार के अन्त तक उनके विरुद्ध गोरक्षा आन्दोलन चलता रहा, गोवंश हत्या के भीषण पाप से ही वह पतित हुई। वर्तमान सरकार की सुयोग्य प्रधान मंत्री जी तथा आपने भी सम्पूर्ण गोवंश हत्या निरोध कानून बनाने का परिषद् को आश्वासन बहुत पूर्व दिया था। वह भी पूर्ण नहीं हुआ।

यह भी आप भली प्रकार जानते हैं कि सम्पूर्ण गोवंश हत्या निरोध के बिना स्वतन्त्रता सेनानियों के सूक्ष्म शरीर को शांति तथा भारतीय जनता को पूर्णरूपेण सन्तोष प्राप्त नहीं होगा। न ही संविधान, संशोधन द्वारा सम्मिलित किए अनुच्छेद 51 ए का सम्मान हो सकेगा।

आपसे शिष्टमण्डल की भेंट के लिए समयार्थ अनेक लिखे पत्र एवं प्रयास असफल रहे। ऐसा लगता है कि अब देशभक्तों के पास सत्याग्रह के अतिरिक्त कोई मार्ग नहीं रहा। क्योंकि इस प्रकार हो रहे देश के भीषण विनाश को सहन कर सकना राष्ट्रीय अपमान है।

अ० भा० गोवंश रक्षा सम्मेलन के निर्णय अनुसार यदि सत्याग्रह आरम्भ हुआ तो उसका उत्तरदायित्व भारत शासन पर ही होगा। अ० भा० गोवंश रक्षा सम्मेलन नव दिल्ली द्वारा सर्व सम्मति से पारित प्रस्ताव तथा अध्यक्षीय भाषण आपके अध्ययन हेतु संलग्न है।

अतएव आपसे अनुरोध है कि आप इसमें पूर्ण रुचि लेकर उक्त समस्या को सुलझाने के लिए उक्त संविधानिक निर्देश द्वारा सम्पूर्ण गोवंश हत्या निरोध केन्द्रीय कानून शीघ्रातिशीघ्र बनवाने का निश्चय कर परिषद् को सूचित करने का कष्ट करें ताकि सत्याग्रह के निर्णय पर पुनर्विचार हो सके।

शेष शुभ। यथायोग्य आशीर्वाद। सर्वभूतहिते रतः

डाकप्रमाणपत्र में : महामण्डलेश्वर स्वामी योगेश्वर विदेहीहरि :

श्री ज्ञानी जैल सिंह जी अध्यक्ष

गृह मंत्री, भारत शासन

5, रेसकोर्स मार्ग, नव दिल्ली—110011

प्रतिलिपिः—आ० प्रधान मंत्री जी भारत शासन द्वारा—श्री राजीव गांधी जी संसद सदस्य	जानकारी एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु

नव दिल्ली अ० भा० गो० सम्मेलन द्वारा सर्व सम्मति से पारित

प्रस्ताव 1—अ० भारतीय गोवंश रक्षा सम्मेलन को खेद है कि स्वतन्त्रता के 34 वें वर्ष में भी भारत गोवंश की सुरक्षा नहीं कर सका। पवित्र तथा अहिंसकभूमि भारत में अहो रात्रि बढ़ रही गोवंश हत्या, राष्ट्र

संघ के खाद्य एवं कृषि संगठन की ओर से हुए बंगलौर ऊर्जा सम्मेलन तथा नैरोबी के सम्मेलन में प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा जी के सुझावों, भारतीय संस्कृति तथा जनता की भावना को ध्यान में रखकर यदि हम गोवंश का संरक्षण एवं सम्वर्धन नहीं कर सके तो षड्यन्त्रकारियों के द्वारा उपस्थित किए जा रहे संकटों में भारत फंस जाएगा। अतः सम्मेलन, शासनजनता एवं योजना आयोग से अनुरोध करता है कि गोवंश संरक्षण एवं सम्वर्धन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए तथा सम्पूर्ण गोवंश हत्या निरोध केन्द्रीय कानून अविलम्ब बनाया जाए। **उक्त कार्यवाही में देरी करने के फलस्वरूप यदि परिषद् को सत्याग्रह आरम्भ करना पड़ा** तो उसका उत्तरदायित्व भारत शासन पर ही होगा।

सम्मेलन जनता जर्नादन से अनुरोध करता है कि यदि शासन उक्त कार्यवाही अविलम्ब न करे तो गोवंश पर बलिदान हुए 1966 के अमर बलिदानियों की स्मृति में 7 नवम्बर 1981 से सत्याग्रह आरम्भ किया जाए।

प्रस्ताव 3—सम्मेलन अत्यन्त खेद के साथ अनुभव करता है कि भारत शासन बंगाल, केरल आदि राज्यों में अपने आदेशानुसार भी आजतक गोवंश हत्या निरोध कानून नहीं बनवा सका। किसी भी राज्य को सर्वोच्च न्यायालय एवं संविधान के विचारों का अपमान तथा देशघाती कार्य करने के लिए खुला छोड़ना जनता में अपने प्रति अविश्वास उत्पन्न करना है, अतएव भारत शासन से अनुरोध है कि उक्त राज्यों से अविलम्ब सम्पूर्ण गोवंश हत्या निरोध कानून बनवाए अथवा संविधानिक रीति से उक्त देशद्रोही शासनों को समाप्त कर अपने शासन की घोषणा करने की महामहिम **राष्ट्रपति जी को अनुसंशा करे** ताकि सम्पूर्ण गोवंश हत्या निरोध अध्यादेश द्वारा भारत की रक्षा ऊर्जा के भीषण संकट से हो।

प्रस्ताव 4—सम्मेलन आयकर विधान एक्ट धारा 11 को गोशालाओं एवं पांजरापोलों के लिए अत्यन्त हानिप्रद समझते हुए भारत शासन से अनुरोध करता है कि उक्त संस्थाओं को उक्त विधान अथवा कर से मुक्त कर दें।

प्रस्ताव—2 सम्मेलन पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं मध्यप्रदेश आदि के शासकों की ढिलाई से कानून की फज्जियां उड़ाकर की जा रही गोवंश हत्या एवं गोमांस तथा गोवंश के अवैध निकास पर चिंता व्यक्त करते हुए उक्त शासकों से अनुरोध करता है कि अपने कानूनों का सतर्कता एवं कठोरता से पालन कराएं तथा आज तक गोवंश हत्या से हुई बहुत बड़ी राष्ट्रीय कृषि एवं आर्थिक हानि की जांच कराई जाकर दोषियों को उचित दण्ड दिया जाए।

प्रकाशक—**अ० भा० गोसंरक्षण परिषद्, शिव मंदिर, अजमलखां रोड, करोलबाग, नव दिल्ली–110005**

भेंट : २० पैसे

अ० भा० गो संरक्षण परिषद्
शिव मन्दिर, अजमल खाँ रोड, करोल बाग,
नई दिल्ली-११०००५ दूरभाष-५६७३६०

प्रकाशनार्थ ॐ हरि

आगामी वर्ष लोक सभा सम्मुख शहीद मेला होगा

------------ म० मं० स्वामी योगेश्वर विदेही हरि

नव दिल्ली --- 7 नवम्बर 1982 को लोक सभा सम्मुख गोभक्त शहीद मेला लगेगा । तथा गोपाल कृष्ण एवं गोपेश्वर महादेव की विशाल मूर्तियां स्थापित की जाऐंगी । उक्त घोषणा आज अ० भा० गो संरक्षण परिषद के अध्यक्ष म० पूज्य महामण्डलेश्वर स्वामी श्री योगेश्वर विदेही हरि जी महाराज ने परिषद की ओर से गोपेश्वर महादेव के विधिवत पूजन के उपरांत सन् 1966 में इसी स्थान पर हुए गोभक्त बलिदानियों को श्रद्धांजली देते हुए की । पूज्य स्वामी जी ने कहा कि - केन्द्र की ओर से स० बूटा सिंह जी द्वारा दिए आश्वासन पर देवियों ने सत्याग्रह स्थगित कर दिया है ।

पू० स्वामी जी ने कहा कि विभिन्न नेताओं एवं संस्थाओं ने आज तक गोभक्तों को धोके में रखा है, इस सम्बन्ध में पुन: देश में 1966 जैसी जन जाग्रति की जाऐगी ।

पू० स्वामी जी ने भविष्य वाणी की कि आगामी वर्ष विश्व में नव क्रांति का प्रारम्भ इसी स्थल से होगा । सरकार इस पवित्र कार्य में बाधा नहीं बनेगी ।

पू० स्वामी जी ने यह भी कहा कि कुछ नेताओं ने केवल श्रद्धान्जली की पंडागीरी सम्भाल रखी है । उन्हें अब एकओर होने का अनुरोध किया जाऐगा ।

हर वर्ष श्रद्धान्जली देने वाले अनेक नेताओं के अतिरिक्त इस वर्ष सन् 1966 के सत्याग्रह के समय पू० स्वामी श्री योगेश्वर विदेही हरि जी महाराज के साथ पहले जत्थे में सत्याग्रह करने वाले वृज घाट के पू० स्वामी श्री आत्म देव जी महाराज भी थे. ।

ध्यान रहे 1966 के कुम्भ मेला प्रयाग राज में पू० महामण्डलेश्वर स्वामी श्री यो० विदेही हरि जी महाराज के नेतृत्व में सत्याग्रह का निर्णय साधु समाज ने किया था । स्वामी श्री हरि जी के नेतृत्व में सत्याग्रहियों ने प्रयाग राज से पदयात्रा द्वारा दिल्ली पहुंचकर राम-नवमी 31 मार्च 1966 से सत्याग्रह आरम्भ किया था, 5 सितम्बर को बड़ा प्रदर्शन हुआ । पू० स्वामी जी अभी तिहाड़ कारागार में थे कुछ लोगों ने सर्वदलीय के नाम से संस्था की योजना बनाकर और यह बचन देकर कि अब पीछे नहीं हटेंगे । स्वामी जी से स्वीकृति प्राप्त की थी । आगे का विवरण स्वामी श्री हरि जी द्वारा लिखित " गोरक्षा " तथा अन्य पुस्तकों में है ।

कार्यालय सचिव

: राधेश्याम :

अ० भा० गो संरक्षण परिषद्
शिव मंदिर, अजमलखां रोड़, करोल बाग नव दिल्ली -110005

गौशाला

5.11.81

॥ गौमाता की जय ॥



मान्यवर,

श्री कृष्ण गौशाला (रजिस्टर्ड), खारिया (हिसार)

गोपाष्टमी महोत्सव

वृहस्पतिवार, 5-11-1981 को प्रातः 10 बजे

परमसन्त पूज्यनीय स्वामी प्रेमानन्द जी, संस्थापक विश्व अध्यात्मिक संघ

की अध्यक्षता में सम्पन्न होगा।

उनके साथ श्री स्वामी जी के परम शिष्य ऋषि गौत्तम जी भी आयेंगे।

मान्यवर चौ० भजनलाल जी, मुख्य मन्त्री (हरियाणा सरकार)

मुख्य अतिथि होंगे।

आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है।

विनीत :—

दयाकिशन खारियावाला — ट्रस्टी

रामकुमार रावलवासिया — स्वागताध्यक्ष

दूरभाष :- 2326, 3530

नोट :- हिसार से खारिया जाने के लिए लोकल बस प्रातः 8-30 बजे जाती है तथा ट्रक का भी प्रबन्ध है।

UNICO

PHONES: 5724329
5716388

Gurbachan Singh
MANAGING DIRECTOR

UNICO ELECTRICALS (P) LTD.

REGD. OFFICE:
5/1 W.E.A. SARASWATI MARG,
KAROL BAGH. NEW DELHI 110005

फोन नं० २२६२०६ 卐 तार का पता : "इन्दुसंघ" दिल्ली

vegtarian

अखिल भारतीय आर्य (हिन्दू) धर्म सेवा संघ

२५, मलकागंज रोड,
जवाहर नगर, दिल्ली-११०००७

दिनांक अगस्त १६, १९८१

माननीय महोदय,

अखिल भारतीय आर्य (हिन्दू) धर्म सेवा संघ की प्रबन्ध समिति की एक साधारण मीटिंग संघ का सन् १९८० का आडिट किया हुआ हिसाब पास करने के लिए श्री लक्ष्मीनारायण मन्दिर (बिरला मन्दिर) नई दिल्ली के कार्यालय में दिनांक ७ सितम्बर, १९८१ सोमवार , सायं ६ बजे बुलायी गयी है। आशा तथा प्रार्थना है कि उसमें सम्मिलित होने की कृपा करेंगे।

कार्य-सूची :-

१- संघ की पिछली मीटिंग की कार्यवाही की सम्पुष्टि

२- संघ का सन् १९८० का आडिट किया हुआ हिसाब पास करना

३- अन्य विषय जो सभापति जी की स्वीकृति से उपस्थित किये जांय।

संलग्न:

१- पिछली मीटिंग की कार्यवाही

२- आय-व्यय १९८० का

३- तलपट १९८० का

४- मासिक सहायता की सूची

५- एकमुश्त सहायता व शर्तोंवाली सहायता की सूची

भवदीय,

[signature]

संयुक्त मन्त्री

[illegible]

ओ३म्

अखिल भारतीय आर्य (हिन्दू) धर्म सेवा संघ

पिछली मीटिंग की कार्यवाही

अखिल भारतीय आर्य (हिन्दू) धर्म सेवा संघ की प्रबन्धक समिति की एक साधारण मीटिंग संघ का सन् १९७९ का आडिट किया हुआ हिसाब पास करने के लिए श्री लक्ष्मी-नारायण मन्दिर, नई दिल्ली के कार्यालय में दिनांक ७ दिसम्बर, १९८०, रविवार, प्रात: १०॥ बजे बुलायी गयी। मीटिंग माननीय श्री कृष्णकुमार जी बिरला की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे :-

श्री कृष्णकुमार जी बिरला
श्री वियोगी हरि जी
श्री रा० सा० दलीप सिंह जी
श्री एस० एस० राजन
श्री पारसचन्द छाजड़
श्री लक्ष्मणप्रसाद मिश्र
श्री मदनलाल जी आनन्द
श्री चिम्मनलाल जी कतियाल
गोस्वामी गिरधारीलाल जी
श्री भगवद्दत्त जी शिशु
श्री भालचन्द्र जी शर्मा
श्री रामचन्द्र जी शास्त्री
श्री नागरमल जी परवाल
श्री शिवनन्दन पाराशर

निम्नलिखित प्रस्ताव पास हुए :-

प्रस्ताव नं० १ - दिवंगत सदस्यों के प्रति श्रद्धांजलियां :-

(१) श्री गोपालकृष्ण जी सिंहानिया जो संघ की प्रबन्धक समिति के सदस्य थे। उनके असामयिक निधन पर यह समिति हार्दिक शोक व्यक्त करती है तथा शोक-संतप्त सिंहानिया परिवार के प्रति अपनी हार्दिक समवेदना प्रकट करती है। संघ के स्थापना-काल से ही सिंहानिया परिवार का सक्रिय सहयोग संघ को प्राप्त रहा है। श्री गोपालकृष्णजी सिंहानिया की सेवाएं श्लाघ्य रही हैं। परमात्मा से प्रार्थना है कि वह दिवंगत आत्मा को चिर शान्ति प्रदान करें।

(२) वैद्य श्री नारायणदत्तजी जो संघ की प्रबन्धक समिति के वर्षों से सदस्य थे। उनके आकस्मिक निधन पर यह संघ की समिति हार्दिक शोक प्रकट करती है तथा उनके शोक-तप्त परिवार के प्रति हार्दिक सहानुभूति करती है। श्री वैद्यजी एक उत्साही लोकसेवी व्यक्ति थे। संघ के प्रति उनकी रुचि एवं सहयोग सदैव प्राप्त था। भगवान से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को चिर शान्ति मिले।

प्रस्ताव नं० २ – संघ की पिछली मीटिंग की कार्यवाही प्रस्तुत की गयी और उसकी सम्पुष्टि सर्व-सम्मति से की गयी ।

प्रस्ताव नं० ३ – आडिटर द्वारा संघ का सन् १९७९ का आडिट किया हुआ हिसाब उपस्थित किया गया और निश्चय हुआ कि यह हिसाब पास किया जाय । हिसाब का मोटा मोटा ब्योरा निम्न प्रकार है :-

आय

१८५४१४-८३ जनरल सहायता खाते जमा
- १७००००-०० इस साल प्राप्त
- १५४१४-८३ पुराना
- ---
- १८५४१४-८३

६३६८९-६६ शर्तों वाली सहायता खाते जमा
- ३५०८८-७५ इस साल प्राप्त
- २८६००-९१ पुराना
- ---
- ६३६८९-६६

६००-०० आर्य धर्म सेवा संघ द्वारा प्राप्त सहायता खाते जमा

१९८९५४-०७ प्रोविडेण्ट फंड खाते जमा

४४८६५८-६६

व्यय

१७७९१५-५२ भिन्न भिन्न सार्वजनिक संस्थाओं और व्यक्तियों को सहायता दी

३६८७८-७६ शर्तोंवाली सहायता खाते नाम शर्तोंवाली सहायता खाते में सहायता दी गयी

६००-०० आर्य धर्म सेवा संघ द्वारा प्राप्त सहायता खाते नाम

१९८७५०-०० युनाइटेड कमर्सियल बैंक फिक्स डिपाजिट खाते नाम

२०४-०७ सैण्ट्रल बैंक आफ इंडिया चांदनी चौक दिल्ली के नाम

२७१६-५० युनाइटेड कमर्सियल बैंक चालू खाते नाम

५५०-०० बिजली-पानी संस्थान डिपा-जिट खाते नाम

१३६८३-१६ पुस्तक खाते नाम

३२-८५ वी० पी० खाते नाम

६९६५-०० एडवान्स खाते नाम

२७४७-५८ फरनीचर खाते नाम

२८३६-९२ जनरल चन्दा खाते नाम

४४३८८०-३६

४७७८-३० श्री रोकड़ पोते बाकी

४४८६५८-६६

अन्त में सभापति महोदय को धन्यवाद देकर सभा (मीटिंग) समाप्त की गयी ।

शिवनन्दन पाराशर
संयुक्त मन्त्री

अध्यक्ष

आय-व्यय विवरण - अखिल भारतीय आर्य (हिन्दू) धर्म सेवा संघ - १-१-१९८० से ३१-१२-१९८०

२०२८००-००		जनरल सहायता खाते जमा
	२०२८००-००	ट्रस्ट से प्राप्त
५०६००-००		शर्तोंवाली सहायता खाते जमा
	१००००-००	अमेरिका यूरोप आदि देशों से आये लोगों में आर्य धर्म प्रचार
	५०००-००	बौद्ध देशों से भारत आने वाले बौद्ध यात्रियों की सहायता खाते जमा
	५०००-००	दक्षिण भारत के हिन्दुओं में शिक्षा प्रचार सहायता खाते जमा
	५०००-००	शुद्धि से दीक्षित होकर हिन्दू धर्म में आये हुओं की सहायता खाते जमा
	१००००-००	हरिजनोत्थान तथा चमड़ा उधोग सहायता खाते जमा
	५०००-००	सिखों को संस्कृत तथा आयुर्वेद पढ़ाने की सहायता खाते जमा
	५०००-००	राजस्थानी महिलाओं को सहायता खाते जमा
	५०००-००	हिन्दू उरांव मुंडा बोर्डिंग रांची की सहायता खाते जमा
	६००-००	आर्य धर्म सेवा संघ द्वारा प्राप्त सहायता
	५०६००-००	
३०६६५-३८		जनरल चन्दा खाते जमा
	२२२००-००	ट्रस्ट से प्राप्त
	८४००-००	विश्वमंगल ट्रस्ट से प्राप्त
	६५-३८	पुस्तक बिक्री से लाभ
	३०६६५-३८	
२८४०६५-३८		

२२२५६३-०७		जनरल सहायता खाते नाम
	६७१८३-९०	मासिक सहायता
	११६७०३-४१	एकमुश्त सहायता
	३८६७५-७६	धर्मपरीक्षा प्रचार
	२२२५६३-०७	
३१५४५-०७		शर्तोंवाली सहायता खाते नाम
	१०४४-०६	मोरीशश फीजी गायना आदि देशों से आये हिन्दुओं की सहायता
	५०१९-१०	अमेरिका यूरोप आदि देशों से आये लोगों में आर्य धर्म प्रचार
	५१०९-४५	बौद्ध देशों से भारत आने वाले बौद्ध यात्रियों की सहायता
	२४००-००	दक्षिण भारत के हिन्दुओं में शिक्षा प्रचार की सहायता
	६००-००	हिन्दुओं में हाथ की कला कारीगरी तथा
	६७०-००	शुद्धि से दीक्षित होकर हिन्दू धर्म में आये हुओं की सहायता
	१०८००-००	हरिजनोत्थान तथा चमड़ा उधोग सहायता
	१६००-५०	सिखों को संस्कृत तथा आयुर्वेद पढ़ाने की सहायता
	१६००-००) ७०२-७१)	हिन्दू उरांव मुंडा बोर्डिंग रांची को सहायता
	६६२-२५	राजस्थानी महिलाओं को सहायता
	१०७-००	नेत्र चिकित्सा तथा औषधालयों को सहा०

६००-०० आर्य धर्म सेवा संघ द्वारा
प्राप्त सहायता दी

३१५४५-०७

२६३४१-६१ खर्च खाते नाम

१४७७५-००	वेतन खर्च
११८५-००	प्रोविडेण्ड फण्ड
४७५६-१३	फुटकर खर्च
६६६-०६	स्टेशनरी खर्च
२८४६-५०	मार्गव्यय खर्च
७-००	बैंक कमीशन
२१७६-६०	बिजली पानी खर्च
१६५६-७०	टेलीफोन खर्च
१२७-३३	छपाई खर्च
५६१-२०	डाकव्यय खर्च
२७४-७६	फरनीचर डिप्रीशि०
	२६३४१-६१

२८३४४६-७५

तलपट - अखिल भारतीय आर्य (हिन्दू) धर्म सेवा संघ - १-१-१९८० से ३१-१२-१९८० तक का

२१४५-२९ मौरीशश फीजी गायना आदि देशों से आये हिन्दुओंकी सहायता खाते

३१८९-३५ पुराना

१०४४-०६ सहायता दी

२१४५-२९

६४१७-३८ अमेरिका यूरोप आदि देशों से आये लोगों में आर्य धर्म प्रचार खाते जमा

११४३६-४८ इस साल पुराना
१०००० -०० १४३६-४८

५०१९-१० सहायता दी

६४१७-३८

१४६१-८९ बौद्ध देशों से भारत आने वाले बौद्ध यात्रियों की सहायता खाते जमा

६५७१-३४ इस साल पुराना
५०००-०० १५७१-३४

५१०९-४५ सहायता दी

१४६१-८९

४४८३-६६ दक्षिण भारत के हिन्दुओं में शिक्षा प्रचार सहायता खाते जमा

६८८३-६६ इस साल पुराना
५०००-०० १८८३-६६

२४००-०० सहायता दी

४४८३-६६

५१०५-६७ हिन्दुओं में हाथ की कला कारीगरी तथा ग्रामोधोग सहायता खाते जमा

५७०५-६७ पुराना

६००-०० सहायता दी

५१०५-६७

४५१८-७६ शुद्धि से दीक्षित होकर हिन्दू धर्म में आये हुओं की सहायता खाते जमा

५१८८-७६ इस साल पुराना
५०००-०० १८८-७६

६७०-०० सहायता दी

४५१८-७६

१२२६३-६६ जनरल सहायता खाते नाम

२२२५६३-०७ सहायता दी

६७१८३-९० मासिक

११६७०३-४१ एकमुश्त

३८६७५-७६ धर्मपरीक्षा

२२२५६३-०७

२१०२९९-४१ सहायता प्राप्त

७४९९-४१ पुराना

२०२८००-०० इस साल

२१०२९९-४१

१२२६३-६६

२१७७५०-०० युनाइटेड कमर्सियल बैंक फिक्स डिपाजिट खाते नाम

५०७-३० सेण्ट्रल बैंक आफ इंडिया चांदनी चौक दिल्ली के नाम

३०६७-५८ युनाइटेड कमर्सियल बैंक चालू खाते नाम

५५०-०० बिजली पानी संस्थान डिपाजिट खाते नाम

१८०२८-६२ पुस्तक खाते नाम

५३६९-०० एडवान्स खाते नाम

३६-४० वी० पी० खाते नाम

२४७२-८२ फरनीचर खाते नाम

१५१३-१५ जनरल चन्दा खाते नाम

३२१७८-५३ खर्चे का लगा

१४७७५-०० बेतन खर्च

११८५-०० प्रो० फण्ड

४७५९-१३ फुटकर खर्च

६६६-०९ स्टेशनरीखर्च

२८४६-५० मार्गव्ययखर्च

७-०० बैंक कमीशन

२१७९-९० बिजलीपानी

१९५९-७० टेलीफोन

१२७-३३ छपाई खर्च

५६१-२० डाकव्यय

२७४-७६ फरनीचर में छीजन

२८३६-९२ पुराना

१६३६-२६ हरिजनोत्थान तथा चमड़ा उधोग सहायता खाते जमा

१२४३६-२६ इस साल पुराना
१०००० -०० २४३६-२६

१०८००-०० सहायता दी

१६३६-२६

३५८१-६० हिन्दू महिलाओं को आयुर्वेद तथा डाक्टरी पढ़ाने की सहायता खाते जमा पुराना

४४८३-१६ सिखों को संस्कृत तथा आयुर्वेद पढ़ाने की सहायता खाते जमा

६३८३-६६ इस साल पुराना
५०००-०० १३८३-६६

१६००-५० सहायता दी

४४८३-१६

४४०७-७५ राजस्थानी महिलाओं को सहायता खाते जमा

५१००-०० इस साल पुराना
५०००-०० १००-००

६६२-२५ सहायता दी

४४०७-७५

११५३-५७ नेत्र चिकित्सा तथा औषधालयों को सहायता खाते जमा

१२६०-५७ पुराना

१०७-०० सहायता दी

११५३-५७

६४७०-५१ हिन्दू उरांव मुंडा बोर्डिंग रांची की सहायता खाते जमा

६०७३-२२ इस साल पुराना
५०००-०० ४०७३-२२

२६०२-७१ सहायता दी

६४७०-५१

००-०० आर्य धर्म सेवा संघ द्वारा प्राप्त सहायता खाते जमा

६००-०० इस साल प्राप्त

६००-०० सहायता दी

००-००

२१८२५७-३० प्रोविडेण्ड फण्ड खाते जमा

२६४१२३-१३

३२१७८-५३

३०६६५-३८ इस साल प्राप्त
८४००-०० विश्व मंगल ट्रस्ट कलकत्ता से
२२२००-०० ट्रस्ट नई दिल्ली से
६५-३८ पुस्तक बिक्री से लाभ

३०६६५-३८

१५१३-१५

२६१५५८-५३

२५६४-६० श्री रोकड़ पोते बाकी

२६४१२३-१३

अखिल भारतीय आर्य(हिन्दू) धर्म सेवा संघ

मासिक सहायता प्राप्त करने वाली संस्थाओं व व्यक्तियों की सूची १६८० ई०

जनरल फंड से १६८० में

१.	रामदास प्रचारक दिल्ली को सहायता	जनवरी से दिसंबर	२४०-००
२.	पं० रामचन्द्र जी शास्त्री बिरला लाइन्स दिल्ली	,,	१७४०-००
३.	वैदिक सत्संग सभा रोशनारा बाग दिल्ली	,,	२४०-००
४.	आर्य धर्म सेवा संघ औषधालय, बिरला लाइन्स, दिल्ली	,,	६६००-००
५.	इन्दू झा दिल्ली को बच्चों की पढ़ाई के लिए	,,	६००-००
६.	कंवलकान्त अरोड़ा दिल्ली को छात्रवृत्ति	जनवरी से अक्टूबर	१०००-००
७.	अखिल भारतीय रामानुज युवक संघ बलराम कोटपुरी	जनवरी से दिसंबर	१८००-००
८.	सनातन धर्म ~~समा~~ प्रतिनिधि सभा पंजाब नई दिल्ली प्रचारकों को	,,	४८००-००
९.	सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा पंजाब साधुओं के दूध के लिए	,,	१२००-००
१०.	अरविन्द विज विजयनगर दिल्ली को छात्रवृत्ति	,,	३००-००
११.	अतुल विज विजयनगर दिल्ली को छात्रवृत्ति	,,	३००-००
१२.	अवन्तिका मिश्र गुमला रांची को बच्चों की शिक्षा के लिए	,,	६००-००
१३	शिव मन्दिर सीलमपुर दिल्ली को सहायता	जनवरी	२५-००
१४	एस० जी० पौनीकर को मकान भाड़े के लिए सहायता	जनवरी से दिसंबर	३००-००
१५	रामवृक्ष जी शर्मा को ,,	,,	३००-००
१६	दिवाकर देशपाण्डेय को सहायता	,,	३०००-००
१७	सिरियाबाई बिशनगढ़ झुंझुनू को सहायता	,,	१२००-००
१८	रमेशचन्द्र शर्मा तसई को औषधालय के लिए सहायता	,,	४२०-००
१९.	मूरजीलाल तसई मन्दिर के लिए सहायता	,,	१२०-००
२०.	आनन्दमयी संघ नई दिल्ली को सहायता	,,	१२००-००
२१.	बनवारीलाल बिरला लाइन्स दिल्ली बच्चे की पढ़ाई के लिए	जनवरी से सितंबर	४५-००
२२.	देवदत्त भारद्वाज सांधन को मंदिर के लिए सहायता	जनवरी से अक्टूबर	२२५०-००
२३.	श्री पं० जनार्दन जी भट्ट को सहायता	जनवरी से दिसंबर	६०००-००
२४.	रुचिराम जी आर्योपदेशक को सहायता	,,	२४००-००
२५	श्रीमती गंगाशाह नई दिल्ली को सहायता	,,	२४००-००
२६.	बरवाला ग्राम मंदिर को सहायता	,,	३००-००
२७.	मंदार हिल मन्दिर को सहायता	,,	१९००-००
२८.	ज्ञानदेवी गाइड बिरला मंदिर को सहायता	,,	८६०-००
२९.	महीपाल जी शास्त्री अलवर को प्रचारार्थ सहायता	,,	१८००-००
३०.	ब्रह्मानंद जी सहवई को मंदिर के लिए सहायता	,,	७२-००
३१.	दुर्गाप्रसाद मलिकपुर को औषधालय के लिए सहायता	जनवरी से अक्टूबर	२५०-००
			४६४६२-००

	पिछले पृष्ठ का जोड़		४६४६२-००
३२.	अरुणा कुमारी को छात्रवृत्ति	जनवरी से दिसंबर	३६०-००
३३.	सतीश कुमार को छात्रवृत्ति	,,	१२०-००
३४.	सुश्रुत रामजस स्कूल आनन्द पर्वत नई दिल्ली को छात्रवृत्ति	,,	३६०-००
३५.	राकेश कुमार को छात्रवृत्ति	,,	३६०-००
३६.	शरत कुमार को छात्रवृत्ति	,,	१२०-००
३७.	गुरुकुल झज्जर रोहतक को सहायता	,,	१२००-००
३८.	हरिशरण वनवासी छात्रावास सिमडेगा रांची सहायता	,,	१२००-००
३९.	राजकमल कौशिक पाटन को छात्रवृत्ति	,,	३६०-००
४०.	मालारानी हजारी बाग, विहार को छात्रवृत्ति	,,	३००-००
४१.	जुगलकिशोर नौटियाल टिहरी गढ़वाल को छात्रवृत्ति	,,	४००-००
४२.	स्वामी रामानुज उत्तरकाशी को सहायता	,,	३००-००
४३.	गोविन्दा देवी तिवारीपुर को सहायता	,,	६००-००
४४.	संकटमोचन हनुमान मन्दिर शिमला को सहायता	,,	१२००-००
४५.	आर्य वेद प्रचार मंडल मेवात नगीना	जनवरी से अक्टूबर	१०००-००
४६.	सांग वेद महाविधालय नरवर नरौरा बुलन्दशहर	जनवरी से दिसंबर	६००-००
४७.	चन्द्रमणि पाठशाला कुशीनगर	,,	४८०-००
४८.	वी० वी० वी० कांचीपुरम को सहायता	,,	४८०-००
४९.	वीरेन्द्र कुमार नीमता कलकत्ता को सहायता	,,	३००-००
५०.	जाह्नवी संस्कृत पाठशाला कालाकांकर	,,	३००-००
५१.	आर्यसमाज कोसी कलां मथुरा औषधालय के लिए	,,	३००-००
५२.	मनोरमा देवी कलकत्ता को सहायता	,,	६००-००
५३.	ठा० मणिराम सिंह आगरा को सहायता	,,	१००-००
५४.	सीताराम जयराम ऐंग्लो संस्कृत विधालय सुमेरपुर उन्नाव	,,	३००-००
५५.	नवली देवी शामली को सहायता	,,	१२०-००
५६.	सावित्री देवी जलन्धर को सहायता	,,	१८०-००
५७.	विरोजा देवी कलकत्ता को सहायता	,,	२४०-००
५८.	भारतीय विधा भवन बम्बई को सहायता	,,	१२००-००
५९.	गुरुकुल वैदिक आश्रम वेदव्यास राउरकेला	,,	३६००-००
६०.	विश्वनाथ संस्कृत पाठशाला उत्तरकाशी	,,	२४००-००
६१.	राजेन्द्रनाथ कमलानगर को छात्रवृत्ति	,,	३००-००
६२.	ज्ञानेन्द्रदेव जी सूफी को प्रचारार्थ सहायता	,,	३५०-००
६३.	उषारानी कमलानगर को छात्रवृत्ति	,,	३००-००
६४.	सहायता भेजने में बीमा मनिआर्डर कमीशन का लगा		६६१-९०
			६७१८३-९०

सड़सठ हजार एक सो तिरासी रुपये नब्बे पैसे।

अखिल भारतीय आर्य (हिन्दू) धर्म सेवा संघ

एकमुश्त सहायता - सन् १९८० में

१-	भारत कृषि गोसेवा संघ गोपुरी वर्धा महाराष्ट्र को गोवंश की रक्षार्थ	१००००-००
२-	रामरिख मनहर को सहायता	५०००-००
३-	मुजफ्फरपुर आई हास्पिटल बिहार को सहायता	५०००-००
४-	गरीबों तथा अनाथों में १०० रजाइयां वितरण की गयीं	४८८५-००
५-	हिन्दू सेवा सदन हास्पिटल वाराणसी को सहायता	३५००-००
६-	श्री सनातन धर्म सभा लक्ष्मी नारायण मंदिर ट्रस्ट नई दिल्ली को सहायता	३५००-००
७-	सत्य साई ट्रस्ट बंगलौर को ग्राम विकास के लिए सहायता	२५००-००
८-	काशी विश्वनाथ सेवा समिति कलकत्ता को बाढ़ पीड़ितों के लिए सहायता	२५००-००
९-	गोस्वामी गिरधारीलाल जी को धर्म प्रचारार्थ जापान यात्रा के लिए	२५००-००
१०-	अरुण प्रसाद को विदेश में शिक्षा के लिए सहायता	२५००-००
११-	विवेकानन्द निधि को धर्म प्रचार के लिए सहायता	२५००-००
१२-	झुंझुनू सेवा समिति झुंझुनू को अस्पताल के निर्माण के लिए सहायता	२०००-००
१३-	कन्या गुरुकुल हरिद्वार कनखल को यज्ञशाला निर्माण के लिए सहायता	२०००-००
१४-	राम कृष्ण मिशन नई दिल्ली को खेतड़ी सूखा क्षेत्र में चारे के लिए	२०००-००
१५-	विवेकानंद राक मेमोरियल एंड विवेकानंद पुरम को योग प्रचार के लिए	२०००-००
१६-	अरविन्द सोसाइटी जयपुर को भवन निर्माण के लिए सहायता	२०००-००
१७-	आल इंडिया ब्लाइंड रिलीफ सोसाइटी लाजपतनगर नई दिल्ली को सहा०	२०००-००
१८-	नीलकण्ठ महादेव मन्दिर करोलबाग नई दिल्ली को सहायता	२०००-००
१९-	रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट आफ कल्चर को सहायता	१५००-००
२०-	भारतीय हिन्दू शुद्धि सभा ट्रस्ट बिरला लाइन्स मकान मरम्मत के लिए	१५००-००
२१ -	डी० भण्डारी को रिसर्च के लिए सहायता	१५००-००
२२-	हिन्दूइज्म ए फिलासफी आफ लाइफ के लिए कागज खरीदा	१४९७-६५
२३-	गुरुकुल चित्तौड़गढ़ राजस्थान को सहायता	१२००-००
२४-	पावर इन टैम्पल पुस्तक की छपाई में व्यय हुआ	१०८०-००
२५-	गुरुकुल महाविधालय बैरगनिया सीतामढ़ी को यज्ञशाला निर्माण के लिए	१०००-००
२६-	श्री जनार्दन जी भट्ट को वस्त्रों के लिए सहायता	१०००-००
२७-	स० ध० प्र० सभा नई दिल्ली को कुरुक्षेत्र में सूर्यग्रहण पर कैम्प के लिए	१०००-००
२८-	स० ध० प्र० सभा पंजाब नई दिल्ली को महावीर दल के लिए सहायता	१०००-००
२९-	कल्याण आरोग्य सदन सांवली सीकर राजस्थान को सहायता	१०००-००
३०-	स्वर्गाश्रम पीली कोठी चित्रकूट सतना को प्याऊ के लिए सहायता	१०००-००
३१-	रामकृष्ण आश्रम नरेन्द्रपुर बंगलौर को आश्रम की सहायतार्थ	१०००-००
३२-	हरिशरण अन्नानगर मद्रास को लड़के के आपरेशन के लिए सहायता	१०००-००
३३-	बिरला मन्दिर संधिन की मरम्मत के लिए सहायता	१०००-००
		७५९९२-६५

पिछले पृष्ठ का जोड़ ७५६६२-६५

३४-	स० ध० प्र० सभा पंजाब हरिद्वार को अर्धकुंभी पर धर्म प्रचार के लिए सहायता	१०००-००
३५-	रामानन्द मुखर्जी पार्क नई दिल्ली को छात्रवृत्ति तथा पुस्तकों के लिए	१०००-००
३६-	सत्य नारायण बरुवा गांधीनगर दिल्ली को वस्त्र के लिए सहायता	१०००-००
३७-	स० ध० प्र० सभा पंजाब नई दिल्ली को गोस्वामी जी की बरसी के लिए	१०००-००
३८-	हरिराम अग्रवाल देहरादून को पत्नी की चिकित्सा के लिए सहायता	१०००-००
३९-	सनातन धर्म पीठ श्री पशुपतिनाथ मंदिर को जीर्णोद्धार के लिए सहायता	१०००-००
४०-	रामकृष्ण सेवाश्रम तेजपुर को शिक्षा प्रचार के लिए सहायता	१०००-००
४१-	श्री मायानन्द गिरि सं० म० वि० पाटम्बरीमठ वाराणसी को भवन निर्माण	१०००-००
४२-	गवर्नमेंट सैकेंडरी स्कूल डिडावना फागी राजस्थान को टाइप खरीदने के लिए	१०००-००
४३-	परमानन्द राजोरी गार्डन को छात्रवृत्ति तथा फीस के लिए सहायता	७०५-००
४४-	मथुरा वृन्दावन हासानन्द गोचर भूमि ट्रस्ट समिति मथुरा को प्याऊ के लिए	६००-००
४५-	हनुमान प्रसाद पोद्दार स्मृति सेवा ट्रस्ट वाराणसी को नेत्र चिकित्सा शिविरार्थ	५००-००
४६-	वेद विद्यालय गुरुकुल घरौंडा करनाल को अन्न भण्डार के लिए सहायता	५००-००
४७-	केदार कलकत्ता को सहायता दी गयी	५००-००
४८-	श्री ब्रह्मदेव जी शास्त्री को नातिनी की शादी के लिए सहायता	५००-००
४९-	माधोलाल हरलालका कलकत्ता को कन्या के विवाह के लिए सहायता	५००-००
५०-	सं० पा० श्री रासबिहारी मं० सें० स० बठेनकलां मथुरा को भवन निर्माण के लिए	५००-००
५१-	बिरला मन्दिर सांधन अछनेरा को मंदिर मरम्मत के लिए सहायता	५००-००
५२-	सहोद्रा देवी मदनगंज किशनगढ़ राजस्थान को अन्न वस्त्र के लिए सहायता	५००-००
५३-	राधाकृष्ण बिरला बालिका विद्यापीठ पिलानी को सहायता	५००-००
५४-	सनातन धर्म सभा मन्दिर जहांगीरपुरी को सहायता	५००-००
५५-	सीताराम मन्दिर टपूकड़ा अलवर राजस्थान को मरम्मत के लिए	५००-००
५६-	शिव मन्दिर तराई को मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए सहायता	५००-००
५७-	डा० कमला चौहान ग्वालियर को आइडियल चिल्ड्रेन स्कूल के लिए सहायता	५००-००
५८-	युवा दलित उत्थान और विकास समिति इन्द्रपुरी को मंदिर धर्मशाला निर्माण	५००-००
५९-	पूर्णमासी तिवारी नई दिल्ली को चिकित्सा के लिए सहायता	५००-००
६०-	रामजी प्रसाद गुप्त सोखाजार सहर्षा को बच्चे की चिकित्सा के लिए	५००-००
६१-	हनुमान प्रसाद पोद्दार समिति सेवा ट्रस्ट को नेत्र चिकित्सा यज्ञ के लिए	५००-००
६२-	सफेद वस्त्रों वाले साधु को दूध चाय आदि की सहायता	४८०-१५
६३-	श्री स० ध० स० लक्ष्मीनारायण मंदिर ट्रस्ट नई दिल्ली को मद्रासी साधु के लिए	४५७-२०
६४-	लक्ष्मीशंकर त्रिपाठी को चन्द्रमणि पाठशाला कुशीनगर की मरम्मत के लिए	३००-००
६५-	विद्यालय विकास समिति बिरला आधारिक विद्यालय चमोली विद्यालय निर्माण	२५०-००
६६-	स्वर्गाश्रम चित्रकूट को संक्रान्ति पर तिलवा वितरण के लिए सहायता	२५०-००
६७-	अ० भा० श्री सनातन धर्म युवक मंडल को महाअधिवेशन के लिए सहायता	२५०-००
६८-	मोहनलाल जी शर्मा को वस्त्रों के लिए सहायता	२५०-००
६९-	रुचिराम जी हरकेश नगर को वस्त्रों के लिए सहायता	२५०-००
७०-	राजलक्ष्मी कुमारी पटना को पढ़ाई के लिए सहायता	२५०-००
७१-	बैजनाथ शर्मा गाजियाबाद को भुवनेश्वर मंदिर की मरम्मत के लिए सहायता	२५०-००
		९७४५५-००

	पिछले पृष्ठ का जोड़	९७४५५-००
७२-	कुमारी स्वर्णलता पाण्डेय पिलानी को पढ़ाई के लिए सहायता	२५०-००
७३-	ज्ञानेन्द्रदेव जी सूफी को हनुमानगढ़ राजस्थान को भरण पोषण के लिए	२५०-००
७४-	गणेश कहार दरपीपुर सुल्तानपुर को सहायता	२५०-००
७५-	रामलीला समिति वाराणसी को सहायता	२५०-००
७६-	सनातन धर्म सभा चमोली को कथा के लिए सहायता	२५०-००
७७-	सवितन देवी दर्शनपुरवा को तीर्थ यात्रा के लिए सहायता	२००-००
७८-	शीलादेवी सोहनगंज को सिलाई की मशीन के लिए सहायता	२००-००
७९-	ममतादेवी मोहनपुर दरभंगा को पढ़ाई के लिए सहायता	२००-००
८०-	एस० एल० अग्रवाल सिलीगुडी को धर्मशाला बनाने के लिए सहायता	२००-००
८१-	दिवाकर देशपाण्डेय को सर्दी के वस्त्रों के लिए सहायता	१६०-००
८२-	देवकीप्रसाद सुपुत्र रामचन्द्र नई दिल्ली को फीस तथा पुस्तकों के लिए	१५०-००
८३-	कुसुमावली गोखले पूना को पुत्र की पढ़ाई के लिए सहायता	१५०-००
८४-	सनातन धर्म लीला कमेटी दिल्ली को सहायता	१०१-००
८५-	अमर सिंह दिल्ली को मकान मरम्मत के लिए सहायता	२००-००
८६-	मुलेरी देवी वाराणसी को सिलाई मशीन के लिए सहायता	१००-००
८७-	धूहाराम माली पिलानी को सहायता	१००-००
८८-	ललितकुमार बंगला साहब मार्केट नई दिल्ली को चिकित्सा के लिए सहायता	१००-००
८९-	बलवन्तसिंह कुंढी वाराणसी को अन्न वस्त्र के लिए सहायता	१००-००
९०-	पुरुषोत्तम महाराज वाराणसी को कन्या के विवाह के लिए सहायता	१००-००
९१-	सीताराम शाद को औषधि चिकित्सा के लिए सहायता	१००-००
९२-	मुबारक अहमद बामा को संस्कृत पढ़ने के लिए सहायता	१००-००
९३-	आशा खत्री कानपुर को कन्या के विवाह के लिए सहायता	१००-००
९४-	पं० रामाश्रय मिश्र मोहन नगर विहार को कन्या के विवाह के लिए	१००-००
९५-	उषारानी मजूमदार कलकत्ता को कन्या के विवाह के लिए सहायता	१००-००
९६-	गिरजासिंह पजरी विहार को कन्या के विवाह के लिए सहायता	१००-००
९७-	श्री भगवद् गुणगान चतुर्थ सम्मेलन सुभाष मैदान दिल्ली को सहायता	१००-००
९८-	बाबूभाई चिमनलाल त्रिपाठी बालासिनोर को लड़के की फीस के लिए	१००-००
९९-	केशरीशरण अयोध्या जी को मंदिर की सहायता	१००-००
१००-	खेमसिंह राठौर कमलानगर को पुत्री की चिकित्सा के लिए सहायता	१००-००
१०१-	चन्द्रभान वर्मा हापुड़ को औषधि चिकित्सा के लिए सहायता	१००-००
१०२-	सी० सुब्रामनि नई दिल्ली को औषधि चिकित्सा के लिए सहायता	१००-००
१०३-	कुसुमावती पूना को चिकित्सा के लिए सहायता	१००-००
१०४-	हरिश्चन्द्र भागीरथ पैलेस दिल्ली को बौद्ध धर्म के अध्ययन के लिए	१००-००
१०५-	सुदामादेवी दहियावाँ के टोला छपरा को कन्या के विवाह के लिए	१००-००
१०६-	श्यामलाल अग्रवाल गांधीनगर को कन्या के विवाह के लिए सहायता	१००-००
१०७-	राधारानी माहेश्वरी मथुरा को कन्या के विवाह के लिए	१००-००
१०८-	आर्यसमाज बिरला लाइन्स दिल्ली को स्वर्ण जयन्ती महोत्सव पर सहायता	१००-००
१०९-	भगवती प्रसाद माहेश्वरी अलीगढ़ को कन्या के विवाह के लिए सहायता	१००-००
११०-	वैदिक संस्थान नजीबाबाद बिजनौर को पुस्तक प्रकाशन के लिए सहायता	१००-००
		१०२७९६-००

पिछले पृष्ठ का जोड़ १०२७६६-००

१११-	राधा कृष्ण चन्देल नवलगढ़ राजस्थान को बच्चों की पढ़ाई के लिए	१००-००
११२-	खुशीराम मिश्र देहरादून को औषधि चिकित्सा के लिए सहायता	१००-००
११३-	चम्पा गोस्वामी वृन्दावन मथुरा को पुत्री के विवाह के लिए	१००-००
११४-	सावित्री देवी कानपुर को मकान के लिए सहायता	१००-००
११५-	मातूराम शर्मा पिलानी राजस्थान को परिवार के भरण पोषण के लिए	१००-००
११६-	गांधी आश्रम वाल्मीकि हरिजन सेवा समिति किशोरपुरा स्कूल भवन के लिए	१००-००
११७-	सी० आर० वेंकटेश्वरण मालधाट को मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए	१००-००
११८-	राम भजन मिश्र अजमेर को धर्म प्रचारार्थ सहायता	१००-००
११९-	शंकर वामन देवले आकोट को मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए सहायता	१००-००
१२०-	सुधीर हल्कार कमरपाड़ा कलकत्ता को पत्नी की चिकित्सा के लिए	१००-००
१२१-	बलवन्त मिश्र कुंडी वाराणसी को अन्न वस्त्र के लिए सहायता	१००-००
१२२-	किशनलाल नई दिल्ली को बच्चों की पढ़ाई के लिए सहायता	१००-००
१२३-	रामजीदास व कल्याण शेखपुरा को चिकित्सा के लिए	१००-००
१२४-	गोपाल नारायण बोस कलकत्ता को सहायता	१००-००
१२५-	संकटा प्रसाद मिश्र कुंडी वाराणसी को सहायता	१००-००
१२६-	विजय सोनी नई दिल्ली को पति के इलाज के लिए	१००-००
१२७-	कु० किरण बाला पिलानी को पढ़ाई के लिए सहायता	१००-००
१२८-	के० एस० राममूर्ति चिंगलपुर को कुष्ट रोग चिकित्सा के लिए	१००-००
१२९-	रामावतार माटोलिया फतेहपुर को चिकित्सा के लिए सहायता	१००-००
१३०-	अनिल कुमार शर्मा वृन्दावन को चिकित्सा के लिए सहायता	१००-००
१३१-	बलवन्त मिश्र कुंडी वाराणसी को चिकित्सा के लिए सहायता	१००-००
१३२-	नेमीचन्द झुंझनू को पढ़ाई के लिए सहायता	१००-००
१३३-	बाबा फाल्गुनीदास वृन्दावन को चिकित्सा के लिए सहायता	१००-००
१३४-	सतीशचन्द्र शुक्ला कमला मार्केट नई दिल्ली को कन्या के विवाह के लिए	१००-००
१३५-	लक्ष्मणसिंह गुरावा महेन्द्रगढ़ को पढ़ाई के लिए सहायता	१००-००
१३६-	महावीर सिंह पीपली झुंझुनू को पढ़ाई के लिए	१००-००
१३७-	रघुनाथ मिश्र कुंडी वाराणसी को भरण पोषण के लिए सहायता	१००-००
१३८-	जयकरण पिलानी को पढ़ाई के लिए सहायता	१००-००
१३९-	रामस्वरूप योगी शास्त्री को संस्कृत प्रचार के लिए सहायता	१००-००
१४०-	छोटी छोटी रकमों की सहायता (१००-०० से कम की)	६६२४-७४
१४१-	भिन्न भिन्न लोगों को प्रचारार्थ पुस्तकें दी गई	६१७-८७
१४२-	सहायताएं भेजने में बीमा मनिआर्डर कमीशन का लगा	४६४-८०
		११६७०३-४१

एक लाख सोलह हजार सात सौ तीन रुपये इक्तालीस पैसे ।

अखिल भारतीय आर्य (हिन्दू) धर्म सेवा संघ

शर्तों वाली सहायता दी गई १६८० में

मोरीशश फीजी गायना आदि देशों से आये हिन्दुओं की सहायता फण्ड

१- विदेशी यात्रियों को धार्मिक पुस्तकें दी गई — १०४४-०६

अमेरिका यूरोप आदि देशों से आये लोगों में आर्य धर्म प्रचार फण्ड

१- जार्ज हैनरी अर्जेण्टाइना वाले को सहायता	जनवरी से दिसंबर	३६०-००	
२- महेन्द्रनाथ अवधूत अंग्रेज साधु को सहायता	,,	६००-००	
३- विदेशी यात्रियों को धार्मिक पुस्तकें दी गई		४०५६-१०	५०१६-१०

बौद्ध देशों से भारत आने वाले बौद्ध यात्रियों की सहायता फण्ड

१- भिक्षु थिरिजेय को सहायता	जनवरी से अक्टूबर	२५०-००	
२- रेवरेण्ड सिनोजाकी को सहायता	जनवरी से दिसंबर	७२०-००	
३- जयवर्धन इन्दुसुमन को सहायता	,,	४२०-००	
४- प्रो० तान युन शान शांतिनिकेतन को सहायता	,,	२४००-००	
५- भिक्षु संघ रत्न को सहायता	,,	३००-००	
६- मुनि कनक विजय को सहायता	,,	६००-००	
७- जापानी बौद्ध शिष्ट मण्डल को सहायता		४००-००	
८- सहायता भेजने में बीमा मनिआर्डर कमीशन	,,	१६-४५	५१०६-४५

दक्षिण भारत के हिन्दुओं में शिक्षा प्रचार सहायता

१- आर्य प्रतिनिधि सभा मध्य दक्षिण हैदराबाद को सहायता जनवरी से दिसंबर — २४००-००

हिन्दुओं में हाथ की कला कारीगरी तथा ग्रामोद्योग सहायता

१- रामकृष्ण मिशन हाई स्कूल चेरापूंजी आसाम	जनवरी से दिसंबर	३००-००	
२- राजस्थान बाल सेवा सदन फतेहपुर को सहायता	,,	३००-००	६००-००

शुद्धि से दीक्षित होकर हिन्दू धर्म में आये हुओं की सहायता

१- आर्य वेद प्रचार मण्डल नगीना को सहायता	२००-००	
२- देवदत्त भारद्वाज अछनेरा को सहायता	४५०-००	
३- ठा० मणिरामसिंह आगरा को सहायता	२०-००	६७०-००

नेत्र चिकित्सा तथा औषधालयों को सहायता फण्ड

१- शर्मा जी को चश्मा बनाने के लिए सहायता — १०७-००

१४६४६-६१

१४६४६-६१

सिख छात्रों को संस्कृत तथा आयुर्वेद पढ़ाने की छात्रवृत्ति फंड

१- पन्द्रह सिख छात्रों को छात्रवृत्तियां दी गई १६००-५०

हरिजनोत्थान तथा चमड़ा उद्योग सहायता फंड

१- हिन्दू धर्म सेवा संघ रांची	जनवरी से दिसंबर	२४००-००	
२- सनातन धर्म सन्त समाज रायगढ़	,,	१२००-००	
३- धर्म सेवा संघ वनगुर्ले	,,	६००-००	
४- गांधी गुरुकुल भंवरनाथ आजमगढ़	,,	३००-००	
५- हरिजन गुरुकुल दोहरीघाट आजमगढ़	,,	३००-००	
६- हिन्दू धर्म रक्षक प्रसारक मण्डल बड़ौदा	,,	२४००-००	
७- मयूराश्रम गोरेगांव बम्बई		२४००-००	
८- आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान		१२००-००	
		------	१०८००-००

राजस्थानी महिलाओं को सहायता फंड

१- राजस्थानी पांच महिलाओं को सहायता दी गई ६६२-२५

हिन्दू उरांव मुंडा बोर्डिंग रांची को सहायता

१- छात्रावास के जनवरी से दिसम्बर १९७९ के खर्चे का लगा	२०६९-९६	
२- छात्रावास के हाउस टैक्स का	५३२-७५	
	------	२६०२-७१

आर्य धर्म सेवा संघ द्वारा प्राप्त सहायता फंड

१- मन्दार हिल मन्दिर को सहायता	जनवरी से दिसंबर	१८०-००	
२- खहवई मन्दिर अलवर को सहायता	,,	६०-००	
३- पं० रामचन्द्र जी शास्त्री बिरला लाइन्स	,,	३६०-००	
		------	६००-००

			३१५४५-०७

इक्कीस हजार पांच सौ पैंतालीस रुपये सात पैसे ।

Vegetarian

संसर्पमास मासिकव्रत पर्वों के लिए शुध्द है

। एक शास्त्रीय विवेचन ।

प्रिय विद्वद्वर्य

वि॰ सं॰ 2039 में क्षयमास आ रहा है। इस कारण ई० सन 1982 में दशहरा दीपावली आदि पर्वों की तिथियों के विषय में भारी मतभेद की आशंका है। कुछ पन्चांगकार पूर्वाग्रह के कारण शास्त्रवाक्यों के मन माने अर्थ करके ऋषियों के अभिमत की अवहेलना कर रहे हैं। हम यहाँ शास्त्रवाक्यों का स्पष्टीकरण तथा प्रतिवादियों के आक्षेपों की समालोचना करना आवश्यक समझते हैं।

वि0 सं0 2039 में पूर्तिपक्षपरिभाषानुसार शुक्लादि पौष लुप्त होगा और माघ द्विसक्रान्ति होने से क्षय सन्ज्ञक माना जाएगा। इस क्षय मास से पहिले आश्विन एवं वाद में फाल्गुन मास असंक्रान्त होगें। क्षयमास से पूर्व आने वाले संक्रान्तिरहित मास को शास्त्रकारों ने मलमास न मान कर उसे संसर्प संज्ञा दी है। केवल उत्तरवर्ती असंक्रान्त मास को ही वास्तविक अधिमास माना है। प्रथम संसर्पसन्ज्ञक असंक्रान्त मास को अन्यगतिक विवाहादि मंगलकृत्य एवं उद्यापन यज्ञ सप्ताह आदि उत्सवों के लिए ही वर्जित माना है। मासिक व्रत पर्वों के लिए तो इसे शुध्दही माना गया है। संसर्पमास को व्रत-पर्वों के लिए शुध्द मानने में निम्नलिखित दो मुख्य कारण है :--

1। संसर्प के मासिक व्रतपर्वों के लिए शुध्दत्व में गणितीय तर्क यह है कि पहिले असंक्रान्त।संसर्प। मास के आने से 30 तिथि के लगभग अधिशेष सौरचान्द्र पंचांग से बहिष्कृत हो जाता है और बाकी बचा अधिशेष संसर्प से क्षयमास तक के दो तीन मासों में लगभग दो तीन दिन ही बढ़ता है। क्षयमास के आने के तुरन्त बाद इस अधिशेष में वही बहिर्भूत अधिशेष पुन: समाविष्ट हो जाता है और इस प्रकार दो तीन मास बाद ही पुन: कुल अधिशेष 30 तिथि के लगभग बन जाता है। इस तरह केवल दो तीन मासों के लिए ही वह अधिशेष बहिष्कृत सा प्रतीत होता है। वास्तव में वह सौर चान्द्र पन्चांग से सदैव के लिए मलमास के रूप में बहिष्कृत नही हुआ। उसका यह बहिष्कार आभासमात्र है। अत: यह अधिमास न होकर अधिमासाभास ही है। यदि संसर्प वास्तविक अधिमास होता तो उसके लगभग दो चार मास बाद ही पुन: मलरूप मास।द्वितीय अधिमास। प्रवृत्त नही होता। द्वितीय अधिमास ही वास्तविक अधिमास है। क्योंकि उसके बाद ही अधिशेष वस्तुत: समाप्तप्राय हो कर 32 मासों तक आगे बढ़ने के लिए प्रवृत्त होता है। अस्थायी अधिमासाभास असंक्रान्तमास संसर्प को किसी भी दृष्टि से अधिमास मलमास नही माना जा सकता।

====2====

ध्यान रहे -कल्पाधि मासों में संसर्प असंक्रान्तमासों की गणना नहीं है यदि प्रतिशताब्दि एक संसर्प मास भी लिया जाए तब भी कल्प वर्षों में अधिमासों की संख्या लगभग 50 हजार और अधिक होगी जो कि सूर्यसिध्दान्त आदि में निर्दिष्ट कल्पगत अधिमास संख्या में समाविष्ट नही है। ∴ इसके अतिरिक्त अर्हर्गण गणना में संसर्पाधिमास व क्षयमास को नही लिया जाता केवल - एक ही अधिमास को लेकर गणना चलती है अर्हर्गणगणना में संसर्पअसंक्रान्त मास क्षयमास से अपाकृत माने जाते हैं। अत: संसर्प को अधिमास मानना तथा क्षयमास में एक लोप मानना शास्त्र संगत नही है।

2॥ संसर्प को मासिक व्रत पर्वो के लिए शुध्द मानने में गणितीय तर्क के अतिरिक्त धार्मशास्त्र सम्बध्द हेतु भी है। वह यह है कि क्षयमास आने से एक मास का परिभाषा दृष्ट्या॥गणित मात्र से प्राप्त॥ लोप हो जाने के कारण उस मास के व्रत पर्वो के लोप का प्रसंग गले पड़ जाता है और यदि दोनों मासों के ॥ लुप्त मास तथा द्विसंक्रान्तिक मास के ॥ व्रतपर्वों को एक ही मास में साथ साथ सांकर्येण मनाने का प्रयत्न किया जाए जैसा कि कुछ पन्चांगकार कर रहे है॥ तो बहुत से व्रतपर्वों का लोप तथा उनके क्रम में अक्षम्य विपर्यास आ जाते हैं जो कि सौरचान्द्र पन्चांग के स्वाभाविक प्रवाह व परम्परा के विरुध्द है। ध्यान रहे इस अव्यवस्था को दूर करने का एकमात्र उपाय धार्मशास्त्रवाक्यानुसार संसर्पमास को मासकव्रत पर्वों के लिए शुध्द स्वीकार करना ही है। जिसकी व्यवस्था गणित सिध्दान्त दृष्ट्या भी हमें प्राप्त है। इसी अभिप्राय से संसर्प को शुध्द मानाना सभी धार्मशास्त्रकारों को अभिमत रहा है। और उन्होने द्वितीय असंक्रान्तमास को ही अधिमास या मलमास घोषित किया है। ध्यान रहे इस समस्या के गणितीय विश्लेषण से स्पष्ट है कि बंगदेशीय रघुनन्दन मिश्र आदि विद्वानों का द्वितीय असंक्रान्तमास को शुध्द मानना तर्कसंगत नही। इसमें सन्देह नही, कि मासिक व्रत पर्वो के लोप को दूर करने में श्री रघुनन्दन जी का प्रयास प्रशास्य है। परन्तु सिध्दान्त दृष्ट्या द्वितीय अधिमास को शुध्द मानना युक्तिसंगत नही है। प्राचीन शातातप जाबालि आदि सभी ऋषियों ने पूर्ववर्ती असंक्रान्तमास को ही शुध्द मानते हैं।

" एकत्र मासद्वितयं यदि स्याद वर्षे अधिकं तत्र परोअधिमास: । ॥शातातप:॥
प्राकृत स्तत्र पूर्व: स्यादुत्तरस्तु मलिम्लुच: ॥जाबालि: ॥

यहाँ पर प्राकृत शब्द का अर्थ निर्णय सिन्धु के टीकाकार श्री कृष्ण भट्ट जी ने " त्रिंशात्तिथ्यात्मक " किया है। जब ऋषियों ने संसर्प को मलमास ही नही माना, तो स्पष्ट है कि वे इसे मलमास लक्षणों से रहित मानते हैं। अर्थात इसे षष्टितिथ्यात्मक नहीं माना जा सकता। अब यह स्पष्ट है, कि संसर्प का निज

====3=====

‡ मास द्वि:शुध्द मास ‡ नही होगा इस प्रकार सं0 2039 में आश्विन संसर्प के बाद क्रमश: कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ, लिखाने होगें । और वस्तुगत्या किसी भी मास का लोप नही होगा । संसर्प को मलमास न मानने में ऋषिवाक्यों का यही सुस्पष्ट अभिप्राय है । ध्यान रहे सौर, चान्द्र पन्चांग में कालनैयून्य ‡ एक मास के लोप ‡ की वस्तुस्थिति में कोई सत्ता नही है । केवल पूर्ति पक्षानुसारिणी परिभाषा के अनुसार एक मास के लोप की प्रतिती होती है इस का प्रतिवाद ऋषियों ने संसर्प को शुध्द घोषित करते हुए किया है । यह स्पष्ट है कि क्षयमास से पूर्व वर्ती असंक्रान्तमास को मलमास ‡षष्टितिथ्यात्मक‡ मानने के कारण ही एक मास का लोप प्रसक्त होता है । यदि संसर्प को ऋषियों के वाक्यों के अनुसार अनधिक मास त्रिंशत्तिथ्यात्मक मान लिया जाए तो एक मास का लोप प्रसक्त ही नहीं होता । दूसरे शब्दों में हम कह सकते है कि क्षय पूर्ववर्ती असंक्रान्त मास ही एक मास के लोप का कारण है । जब इसे शुध्छ या त्रिंशत्तिथ्यात्मक माना जाएगा तो इसके अशुध्दत्व के फलस्वरूप एक मास का लोप प्रसक्त ही नही होगा " निमित्तापाये नैमित्तिकस्या प्यपाय: " अत: संसर्प को अधिमास न मानने वाले आर्षमत के अनुसार यह सिध्द है कि संसर्प को अधिकमास न मानने से तदुत्तरवर्ती मासों के नाम स्वत: उत्तरोत्तर बदल जाएगें अन्यथा संसर्प को मलमास न मानना निष्प्रयोजन सिध्द होगा । अत: मासिक व्रतपर्वों के लिए संसर्प मास के उत्तरवर्ती मासों के नाम-परिवर्तन शास्त्र सम्मत हैं । यही बात श्री अमृतनाथ शर्मा ने कृत्यसार समुच्चय में स्पष्ट की है " यत्र कार्तिक के क्षयाख्य: तत्र कार्तिक कृष्ण मार्गशीर्षशुक्ल पक्षयों: अविकृत्तत्वमेव । कार्तिक शुक्ल मार्ग कृष्ण पक्षयों: क्षय कार्तिक शुक्ल, क्षय मार्ग शीर्ष कृष्णत्वेनाभिधानं, नतु शुक्लादि कार्तिक लोप: । " अर्थात् जब कार्तिक क्षयाख्यमास होगा तो भी शुक्लादिकार्तिक का लोप नही माना जाएगा । निर्णयसिन्धु के टीकाकार श्री कृष्णभट्ट ने भी यही बात स्पष्ट लिखी है --" यत्र कन्यायां संसर्प:, तत्र आश्विन परशो: कार्तिकादिकृत्यं बोध्यम् । " अर्थात जब आश्विन संसर्प होगा तब आश्विन संसर्प के बाद क्रमश: कार्तिक मार्गशीर्षादि के कृत्य अनुष्ठेय होगें । इस प्रकार वि0 सं0 2039 में पौष का लोप नही माना जाएगा एवं इससे किसी व्रत पर्व का लोप या व्रतपर्वों का क्रम विपर्यास नही होगा । शुक्लादि आश्विन के असंक्रान्तत्व ‡ न कि अधिमासत्व ‡ को प्रकट करने के लिए इसके साथ संसर्प विशेषण को प्रयोग होगा जिससे यह संकेतित होगा कि यह मास असंक्रान्त होते हुए भी मासिक व्रतपर्वों के लिए शुध्द तथा केवल विवाहादि अन्यगतिक मंगलकार्यों के लिए अग्राह्य है ।

===4====

द्विसंक्रान्तिक क्षयाख्य माघ मास एक मास (पौष मास) को पूर्ति पक्षीय परिभाषानुसार ग्रस्त करता है अत: इसे अहंस्पति (एक मास ग्रासित्वात् अंहस:=पापस्य पतिरिति = अहंस्पति:) विशेषण के साथ लिखा जाएगा । इस विशेषण के प्रयोग से इस मास का द्विसंक्रान्तित्व (न कि पौष का लोप) संकेतित होगा और इसी मास में माघ मास सम्बन्धी व्रतपर्वों का अनुष्ठान होगा इससे उपर्युक्त पध्दति से प्रकटीभूत पुनर्लब्ध पूर्ववर्ती पौष मास में ही इस पौष मास से सम्बध्द व्रतपर्व लगाए जाएगें । इस प्रकार पिछले मासों में भी व्रत पर्व क्रमशः लगाए जाएगें ।

संसर्प को मासिक व्रतपर्वों के लिए भी अशुध्द मानने वाले अपने स्वकल्पित पक्ष की पुष्टि में यह वाक्य अक्सर उद्धृत किया करते है :--

" मासत्रयं त्याज्यमिदं प्रयत्नाद् विवाह यज्ञोत्सव मंगलेषु " अर्थात दोनों असंक्रान्त मास तथा क्षयमास ये तीनों मास विवाह यज्ञ उत्सव आदि मांगलिक कृत्यों के लिए वर्जित हैं । " यहाँ अन्यगतिक विवाह यज्ञादि उत्सव ही वर्जित लिखो है न कि अनन्यगतिक मासिक व्रतपर्व भी ।

उपर्युक्त वाक्य के अनुसार संसर्प की शुध्दता का विरोध करने वाले लोग संसर्प को तो मासिक व्रतपर्वों के लिए शुध्द नही मानते परन्तु आश्चर्य है कि वे क्षयमास में तो मासिक व्रतपर्व शिवरात्री आदि लगा रहे हैं । मासिक व्रतपर्वों के लिए वह " मासत्रयं त्याज्यमिदं " के अनुसार क्षयमास को अग्राह्य क्यों नही समझते " (उनका यह कहना भी नितान्त असंगत होगा कि लुप्त (पंचांग से गायब) मास ही क्षयमास होता है तदनुसार सं0 2039 में पौष लुप्त है अत: वही क्षय मास है , माघ नही । इस आधार पर सं0 2039 में शुक्लादि माघ मास के शिवरात्री आदि व्रतों का त्याग नही किया जा सकता इस विषय में हमारा तर्क है :---

यदि लुप्त मास ही क्षय मास माना जाता तो "मासत्रयं त्याज्य मिदं प्रयत्नात् -- " आदि वाक्यों में क्षयमास को विवाहादि कृत्यों के लिए वर्ज्य कहना सर्वथा अयुक्त सिध्द होगा । क्योंकि जो मास लुप्त ही है उसमें वर्ज्य कार्यों का निर्देश सर्वथा अनुपपन्न है - " :--- प्रसक्तस्यैव प्रतिषैधो भवति " जो मास है ही नही, उसमें वर्ज्य कर्मों का प्रतिषेध प्रसक्त ही नही होता । इससे स्पष्ट हो जाता है कि सं0 2039 में क्षयमास शुक्लादि पौष नही , अपितु शुक्लादि माघ ही है ।

====5===

गुजरात की एक ज्योतिष संस्था मे संसर्प को केवल श्राध्द के लिए शुध्द सिध्द करने के लिए वीरमित्रोदय का यह वाक्य उद्धृत किया है :--

" इदं संसर्पस्य शुध्दत्वं प्रतिपादनं विवाहादि व्यतिरिक्त क्षयाहादि श्राध्दादि विषयम् ।" जिसका अर्थ स्पष्ट है कि संसर्प की शुध्दता का प्रतिपादन विवाहादि के अतिरिक्त क्षयाहादि - श्राध्द आदि के लिए है । यहाँ श्राध्द स शब्द के साथ आदि शब्द का प्रयोग है -- जिससे यह स्पष्ट है कि क्षयाह आदि श्राध्दमात्र के लिए ही यह संसर्प शुध्द नही , अपितु मासिक व्रत पर्वों के लिए भी शुध्द है । यहाँ अन्तिम आदि शब्द से विवाहादि से अतिरिक्त अनन्य गतिक मासिक व्रतपर्वादि ग्राह्य है । यदि वीरमित्रोदयकार को केवल श्राध्द के लिए ही शुध्दता अभिप्रेत होती तो वे क्षयाहादि श्राध्दादि विषयम् " न लिखकर केवल " क्षयाहादि श्राध्द विषयम् ऐसे वाक्य का ही प्रयोग करते । पुरुषार्थचिन्तामणिकार ने भी लिखा है"संसर्पांहस्पत्योर्निन्दितत्वं विवाहादि शुभ कार्य विषयम् ।" विवाहव्द्यतिरिक्त श्रौतस्मार्त कर्मसु संसर्पो योग्य एव । "

अत: संसर्प एवं क्षयाख्य अंहस्पति मास श्रोत व स्मार्त कर्मों के लिए ग्रह्य ही हैं । इसके अतिरिक्त " मासप्रधानाखिलमेव कर्म भुक्त्वाखिलं कर्म न कार्यमत्र " यह आर्षवाक्य भी संसर्प को मासप्रधान कर्मों के लिए ग्राह्य और अन्य कार्यों (अन्यगतिक मासिक व्रतपर्वाद्यतिरिक्त मांगलिक कार्यों) के लिए वर्ज्य बतलाता है ।

इसके अतिरिक्त कुछ लोग प्रचार करते है कि क्षयमास से अव्यवहितपूर्व संसर्पमास को ही शुध्द मानना चाहिए । लेकिन वे एक भी आर्षवाक्य अपने इस स्वकल्पित मत की पुष्टि में उपस्थित नही कर सकते । जाबालि, शातातप आदि सभी ऋषियों के वाक्य व्यवहिताव्यवहित निरपेक्ष हैं और वे ऋषिवाक्य संसर्पमात्र के लिए प्रवृत्त होते हैं ।

किन्चध्यान रहे - क्षयमासपूर्व वर्ती (व्यवहित या अव्यवहित) असंक्रान्त मास को मलमास न मानने का एकमात्र उद्देश्य यही है कि एकवर्ष में दो असंक्रान्त मास आने के कारण एक मास के लोप को रोका जा सके एवं मासिक व्रतपर्वों के लोप व क्रमविपर्यास से बचा जाए ।

व्यवहित संसर्प को मासिक व्रतपर्वों के लिए अशुध्द मानने पर सं0 2039 में/माघ स्नानादि का लोप तथा व्रत पर्वों में असह्य क्रम विपर्यास आ जाता है । ऐसी स्थिति से स्पष्ट है कि केवल व्यवहित संसर्प को मासिक व्रत पर्वों के लिए शुध्द स्वीकार करना धर्मशास्त्र के मत की अहवेलना होगी ।

====6====

यह लोग अव्यवहित संसर्प मात्र को शुध्द मानने में निम्नलिखित स्वकल्पित तर्क देते हैं :--

! क्योंकि अव्यवहित संसर्प की स्थिति में निजमास लुप्त रहता है अर्थात् प्राप्त नही होता अत: यहाँ संसर्प को शुध्द मानने के अतिरिक्त अन्य कोई गति नही अत: अव्यवहित संसर्प ही शुध्द है ।" अर्थात् वह अव्यहित संसर्प को शुध्द मानने में अनन्यगतिकता ही कारण मानते हैं । हम उनसे प्रश्न करते है कि सं० 2039 में व्यवहित संसर्प आश्विन के बाद पौष !उनके मतानुसार पौष! लुप्त है । अर्थात् पौष प्राप्त नही है इस स्थिति में तो वे पौषमास के व्रतपर्व अंहस्पति द्विसंक्रान्ति माघ मास के व्रत पर्वो के साथ एक ही मास में सांकर्येण मनाने जा रहे हैं ? तो क्या बात है कि वे अव्यवहित संसर्प मास की स्थिति में निज मास लुप्त हो जाने पर !अर्थात् उसके प्राप्त न होने पर ! उसके ! लुप्त निज मास के व्रतपर्व द्विसंक्रान्तिक मास में सांकर्येण मनाने के लिए क्यों नही तैयार होते ? जब व्यवहित संसर्प वा अव्यवहित संसर्प दोनों में एक सा मार्ग ! गति ! प्राप्त है तो केवल अव्यवहित संसर्प की शुध्दता में अनन्यगतिकता हेतु देना एक भ्रामक प्रचार मात्र ही है और यह वस्तुस्थिति को बिना विचारे ही दिया गया एक दोष पूर्ण तर्क है ।

इस प्रकार यह स्पष्ट है कि सं० 2039 में क्षयपूर्ववर्ती असंक्रान्तमास संसर्प आश्विन को त्रिंशत्तिथ्यात्मक मानते हुए उसी में नवरात्र दशहरा आदि मनाए जाएंगें । यही शास्त्र विहित सिध्दान्त है । अत: शास्त्र सम्मत मतानुसार दशहरा 27 सितम्बर 1982 को एवं दीपावली 16 अक्तूबर 1982 को ही मनाए जाएंगें ।

इस विषय पर 17, 18, 19 अगस्त को गुरुवायुर !केरल! में श्री 1008 कान्ची पीठाधीश शंकराचार्य जी के सान्निध्य में विविध प्रान्तों से आए धर्मशास्त्रियों एवं पंचांगकारों ने शास्त्रीय चर्चा के बाद बहुमत से इसी मत का समर्थन किया है । कान्चीमठ के शंकराचार्य ने इसी सिध्दान्त के मुताबिक अपना घोषणपत्र जारी कर दिया है । जिसकी फोटोकापी हम यत्र तत्र पंचांगकारों को भेज चुके हैं । इस पक्ष को पंजाब हरियाणा मध्यप्रदेश राजस्थान आन्ध्र प्रदेश केरल करनाटक तमिलनाड तथा बिहार में भारी बहुमत प्राप्त है । और 100 से भी अधिक पंचांग इसी पक्ष के अनुसार प्रेस में जा चुके है ।

यह हम स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि वैधशाला अहमदाबाद में 21 जुलाई 1981 को आयोजित सभा में हुए निर्णय को हम/बिलकुल मान्यता नही देते । हमने वहाँ संसर्प को अशुध्द मानने के प्रस्ताव का प्रबल विरोध किया था ।

====7=====

अहमदाबाद में हमने इदम् विषयक प्रस्ताव पर किसी प्रकार के हस्ताक्षर नहीं किए। इस बारे में किसी को भ्रान्ति नहीं होनी चाहिए।

नोट:--

सं0 2039 वि0 का मार्तण्ड पन्चांग " कम्पयूटर द्वारा की गई अत्यन्त सूक्ष्म गणित के साथ शीघ्र ही प्रकाशित हो रहा है। इसमें प्रयोग में लाए गए कम्प्यूटर प्रोग्राम भारत में सर्वाधिक शुध्द तथा सभी अंगों (सूक्ष्म ग्रह स्पष्ट, तिथ्यादि ग्रहचार क्रान्तिशर, विषुवांश, चन्द्रोदयास्तादि) से पूर्ण है इस वर्ष इस पंचांग में क्षयमास विषय में विस्तृत धार्म शास्त्रीय सैध्दान्तिक विवेचन पाठकों को पढ़ने के लिए मिलेगा।

निवेदक :--

सम्पादक
श्री मार्तण्ड पन्चांग
मार्तण्ड आलम जन्त्री
शिरोमणी तिथपत्रिका एवं बटुक पंचांग
केअर आफ श्री मार्तण्ड पंचांग कार्यालय
कुराली जिला रोपड़ पंजाब

Book Post (Printed Matter)

Rec 12/10/81

From:

श्री मार्तण्ड ज्योतिष ...
(हरियाणा)

To सत्सम्प्रदायाचार्य सद्गुरु-
श्रीजगजीत सिंह जी महाराज
Katana मु.पो. भैणी साहब
Kalan वाया - ~~समराला~~
(लुधियाना)



vegeta
1.10.81

दूरभाष : ६१६०६७

विराट हिन्दू समाज

रामायण विद्यापीठ, १५-इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोधी रोड, नई दिल्ली-११०००३

अध्यक्ष :
डा० कर्ण सिंह
संसद सदस्य

सत-गुरु वीर सिंह जी महाराज.

दिनाङ्क
दिनांक 28 सितम्बर, 1981

परमादरणीय महानुभाव,

सेवामें सादर प्रणाम ।

आपको सूचित करते हुए हमें हर्ष हो रहा है कि आगामी दिनांक 18 अक्टूबर, 1981 रविवार को दिल्ली में "विराट हिन्दू समाज" के तत्वावधान में एक भव्य हिन्दू सम्मेलन का आयोजन बोटक्लब मैदान में किया गया है । उसमें दस लाख की संख्या में हिन्दू एकत्रित आवें ऐसा प्रयास है ।

मीनाक्षीपुरम् के धर्मपरिवर्तन काण्ड ने निद्रित हिन्दू समाज को झकझोर कर जगा दिया है । साधन सम्पन्न विधर्मी शक्तियां हिन्दू समाज के दुर्बल स्थानों को हेरकर प्रबल आघात करने को उद्यत दिखाई देती है, और उससे राष्ट्र की अखण्डता को ही खतरा देखकर सभी दल, पंथ, जाति और सम्प्रदायों के हिन्दू क्षुब्ध हो गये हैं । इस जागृति का लाभ उठाकर सभी हिन्दुओं को एक मन्च पर लाकर इस संकट का प्रतिकार करने के लिये, संघठित करने के उद्देश्य से " विराट हिन्दू समाज " का निर्माण गत 6 सितम्बर, 1981 को दिल्ली में हुआ । डा० कर्णसिंह को इसका अध्यक्ष चुना गया ।

"धारणाद्धर्मः" इस वचन के अनुसार समाज की धारणा हेतु समयानुसार अपने आचारधर्म में परिवर्तन करने की हमारी परम्परा रही है, और इस दृष्टि से धार्मिक जगत के महान आचार्यों का अग्रेसर होकर इस दिशा में मार्गदर्शन करना हम सब हिन्दू बन्धुओं के लिये महान सौभाग्य होगा । आपसे करबध्द प्रार्थना है कि आप अपना शुभाशीर्वाद तथा अपने प्रभाव का लाभ इस महत्कार्य की सफलता के लिए देकर अनुगृहीत करें ।

आप दिनांक 18अक्टूबर के कार्यक्रम में तो अवश्यमेव सम्मिलित हों यह प्रार्थना है । विजयादशमी के पश्चात दिनांक 9 अक्टूबर से 17 तक सम्पूर्ण दिल्ली में धर्मजागरण निमित्त अति विशाल सभाओं का आयोजन किया जा रहा है, उसमें भी आपका सहयोग प्रार्थनीय है । यदि किसी अपरिहार्य कारणवश आपका आना सम्भव नहीं हो तो लिखित शुभाशीष भेजने की कृपा करें ।

सद्भावना सहित.

कृष्ण/

विनीत
(हस्ताक्षर)
(हंसराज गुप्त)
कार्यकारी अध्यक्ष

Recd
22.9.81
Jathedar Darbara Singh

ॐ

विराट हिन्दू समाज

रामायण विद्यापीठ, 15 इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोधी रोड, नई दिल्ली-3

राजधानी के प्रमुख हिन्दू कार्यकर्त्ताओं की आवश्यक बैठक

श्रीमन्

राजधानी के प्रमुख समाज सेवी कार्यकर्ताओं की आवश्यक बैठक 27 सितम्बर रविवार दोपहर 3 बजे विराट हिन्दू समाज के तत्वावधान में हो रही है। बैठक में आप सादर आमंत्रित हैं। श्री कर्णसिंहजी बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक का स्थान 'फीरोजशाह कोटला मैदान' दिल्ली गेट निश्चित हुआ है।

आपको यह विदित ही है कि 6 सितम्बर को दिल्ली में हिन्दू एकता सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें देश भर से आये हजार प्रतिनिधियों ने 'विराट हिन्दू समाज' नामक एक मंच का गठन किया। इस मंच का संकल्प है कि:-

1. भारत के सभी धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों को सूत्रबद्ध करते हुए हिन्दू एकता स्थापित करना।
2. हिन्दू समाज से अस्पृश्यता जैसी कालबाह्य रूढ़ियों को समूल समाप्त करना।
3. प्रलोभन, भय, जोर जबर्दस्ती एवं धोखे से धर्म परिवर्तन पर रोक लगवाना।
4. धर्मान्तरण हेतु विदेशी एजेन्टों तथा एजेन्सियों द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले विदेशी धन पर रोक लगवाना।
5. धर्मान्तरित होकर बिछुड़ गये बन्धुओं को अपनाकर पुनः अपने मूल धर्म में वापसी का प्रयास करना।

उपरोक्त महान उद्देश्यों की पूर्ति शक्तिशाली हिन्दू समाज के द्वारा हो सकती है। विराट हिन्दू समाज इसी दिशा में एक प्रयत्न है। इन पंचसूत्री उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आगामी 18 अक्तूबर 1981 दोपहर दो बजे बोट क्लब पर एक विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस सम्मेलन को सफल बनाने हेतु आपसे निम्न विनम्र निवेदन है।

विशाल बैठक में उपस्थिति :

1. दि० 27 सितम्बर दोपहर 3 बजे समाज के अग्रगणी आप महानुभावों की विशिष्ट बैठक में अवश्य पधारें। बैठक का स्थान 'फीरोजशाह कोटला मैदान' दिल्ली गेट रहेगा।

2. **सर्वस्पर्शी इकाई का गठन :**

प्रत्येक 10-15 हजार जनसंख्या पर एक मोहल्ला ईकाई का गठन करें। जिसमें सभी धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संगठनों से सम्बन्धित प्रौढ़, तरुण, किशोर एवं महिलाओं को सम्मिलित करें।

3. **सामूहिक सम्पर्क :**

दि० 2 एवं 4 अक्टूबर अवकाश के दिन हैं। इन दिनों में प्रत्येक हिन्दू परिवार से सामूहिक सम्पर्क करें।

4. **रामलीलाओं में प्रचार :**

29 सितम्बर से प्रारम्भ होने वाली अपने क्षेत्र की रामलीला में विराट हिन्दू सम्मेलन के उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों का भरपूर प्रचार करें।

4. **प्रत्येक हिन्दू के मकान पर झन्डा :**

दि. 8 अक्टूबर विजयदशमी के दिन से 18 अक्टूबर तक प्रत्येक हिन्दू परिवार अपने मकान पर केसरिया झन्डा फहराने की योजना बनावें। झण्डों की व्यवस्था की जा रही है।

6. **मोहल्ला सभाओं का आयोजन :**

दिनाँक 8 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक दिल्ली में सैकड़ों सभाओं की योजना है। हम सभाओं का आयोजन करें, धार्मिक नेताओं को आमंत्रित करें जिससे 18 अक्टूबर के विराट हिन्दू सम्मेलन को बल मिले।

7. **वृहत प्रभात फेरियों के आयोजन :**

दिनांक 10 से 17 अक्टूबर तक बाल, किशोर, तरुण, प्रौढ़, माताएँ, बहनें अपने अपने क्षेत्रों में प्रभात फेरियों के विशाल आयोजन करें।

8. **हरियाणा उत्तर प्रदेश से आने वालों का आतिथ्य :**

यदि अपने क्षेत्र में निकटस्थ जिलों में 18 अक्टूबर के सम्मेलन में भाग लेने वाले बन्धुओं के ठहरने की योजना बनती है तो उनकी व्यवस्था करें।

9. **दिनांक 18 को 12.00 बजे बसों से बोटक्लब के लिए सामूहिक प्रस्थान :**

18 अक्तूबर प्रातः 12.00 बजे बस तथा विभिन्न वाहनों से एक निश्चित स्थान से जलूस बनाकर चलने की योजना बनानी है। बोटक्लब में अपना निश्चित स्थान भी पता कर लेवें। ध्यान रहे लाखों की संख्या में उस दिन माताएँ, बाल-किशोर, तरुण-प्रौढ़ आदि सभी को तैयार करना है।

10. **कार्यक्रम से लौटने की व्यवस्था की पूरी चिन्ता :**

आपके साथ विभिन्न वाहनों से गये व्यक्ति ठीक प्रकार से उसी योजना से वापस पहुंचे, इसकी समुचित चिन्ता करनी है।

सूचना :—

दिनाँक 27 को समय की सीमा का ध्यान रखते हुए, जिन महानुभावों के भाषण होने हैं उन की पूर्व सूचना दी जावेगी। निश्चित वक्ताओं के अतिरिक्त भाषण नहीं हो सकेंगे। आपके अमूल्य सुझाव पढ़कर सुनाये जा सकेंगे, इसलिए कागज पर स्वच्छ लेखनी में सुझाव देवें। कृपया पत्रक साथ लेकर आवें, इसे गुम न होने दें।

भवदीय

प्रेमचन्द गुप्ता
संयोजक

हंसराज गुप्त
कार्यकारी अध्यक्ष

Rec
5.10.81
[handwritten illegible]

ॐ

विराट हिन्दू समाज

रामायण विद्यापीठ, 15 इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोधी रोड, नई दिल्ली-3

राजधानी के प्रमुख हिन्दू कार्यकर्त्ताओं की आवश्यक बैठक

श्रीमन्

राजधानी के प्रमुख समाज सेवी कार्यकर्ताओं की आवश्यक बैठक 27 सितम्बर रविवार दोपहर 3 बजे विराट हिन्दू समाज के तत्वावधान में हो रही है। बैठक में आप सादर आमंत्रित हैं। श्री कर्णसिंहजी बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक का स्थान 'फीरोजशाह कोटला मैदान' दिल्ली गेट निश्चित हुआ है।

आपको यह विदित ही है कि 6 सितम्बर को दिल्ली में हिन्दू एकता सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें देश भर से आये हजार प्रतिनिधियों ने 'विराट हिन्दू समाज' नामक एक मंच का गठन किया। इस मंच का संकल्प है कि:-

1. भारत के सभी धार्मिक, सामाजिक एवं साँस्कृतिक संगठनों को सूत्रबद्ध करते हुए हिन्दू एकता स्थापित करना।
2. हिन्दू समाज से अस्पृश्यता जैसी कालवाह्य रूढ़ियों को समूल समाप्त करना।
3. प्रलोभन, भय, जोर जबर्दस्ती एवं धोखे से धर्म परिवर्तन पर रोक लगवाना।
4. धर्मान्तरण हेतु विदेशी एजेन्टों तथा एजेन्सियों द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले विदेशी धन पर रोक लगवाना।
5. धर्मान्तरित होकर बिछुड़ गये बन्धुओं को अपनाकर पुनः अपने मूल धर्म में वापसी का प्रयास करना।

उपरोक्त महान उद्देश्यों की पूर्ति शक्तिशाली हिन्दू समाज के द्वारा हो सकती है। विराट हिन्दू समाज इसी दिशा में एक प्रयत्न है। इन पंचसूत्री उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आगामी 18 अक्तूबर 1981 दोपहर दो बजे बोट क्लब पर एक विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस सम्मेलन को सफल बनाने हेतु आपसे निम्न विनम्र निवेदन है।

विशाल बैठक में उपस्थिति :

1. दि० 27 सितम्बर दोपहर 3 बजे समाज के अग्रगणी आप महानुभावों की विशिष्ट बैठक में अवश्य पधारें। बैठक का स्थान 'फीरोजशाह कोटला मैदान' दिल्ली गेट रहेगा।

2. **सर्वस्पर्शी इकाई का गठन :**

प्रत्येक 10-15 हजार जनसंख्या पर एक मोहल्ला ईकाई का गठन करें। जिसमें सभी धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संगठनों से सम्बन्धित प्रौढ़, तरुण, किशोर एवं महिलाओं को सम्मिलित करें।

3. **सामूहिक सम्पर्क :**

दि० 2 एवं 4 अक्टूबर अवकाश के दिन हैं। इन दिनों में प्रत्येक हिन्दू परिवार से सामूहिक सम्पर्क करें।

4. **रामलीलाओं में प्रचार :**

29 सितम्बर से प्रारम्भ होने वाली अपने क्षेत्र की रामलीला में विराट हिन्दू सम्मेलन के उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों का भरपूर प्रचार करें।

4. **प्रत्येक हिन्दू के मकान पर झन्डा :**

दि. 8 अक्टूबर विजयदशमी के दिन से 18 अक्टूबर तक प्रत्येक हिन्दू परिवार अपने मकान पर केसरिया झन्डा फहराने की योजना बनावें। झण्डों की व्यवस्था की जा रही है।

6. **मोहल्ला सभाओं का आयोजन :**

दिनाँक 8 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक दिल्ली में सैकड़ों सभाओं की योजना है। हम सभाओं का आयोजन करें, धार्मिक नेताओं को आमंत्रित करें जिससे 18 अक्टूबर के विराट हिन्दू सम्मेलन को बल मिले।

7. **वृहत प्रभात फेरियों के आयोजन :**

दिनांक 10 से 17 अक्टूबर तक बाल, किशोर, तरुण, प्रौढ़, माताएँ, बहनें अपने अपने क्षेत्रों में प्रभात फेरियों के विशाल आयोजन करें।

8. **हरियाणा उत्तर प्रदेश से आने वालों का आतिथ्य :**

यदि अपने क्षेत्र में निकटस्थ जिलों में 18 अक्टूबर के सम्मेलन में भाग लेने वाले बन्धुओं के ठहरने की योजना बनती है तो उनकी व्यवस्था करें।

9. **दिनांक 18 को 12.00 बजे बसों से बोटक्लब के लिए सामूहिक प्रस्थान :**

18 अक्तूबर प्रातः 12.00 बजे बस तथा विभिन्न वाहनों से एक निश्चित स्थान से जलूस बनाकर चलने की योजना बनानी है। बोटक्लब में अपना निश्चित स्थान भी पता कर लेवें। ध्यान रहे लाखों की संख्या में उस दिन माताएँ, बाल-किशोर, तरुण-प्रौढ़ आदि सभी को तैयार करना है।

10. **कार्यक्रम से लौटने की व्यवस्था की पूरी चिन्ता :**

आपके साथ विभिन्न वाहनों से गये व्यक्ति ठीक प्रकार से उसी योजना से वापस पहुंचे, इसकी समुचित चिन्ता करनी है।

सूचना :—

दिनाँक 27 को समय की सीमा का ध्यान रखते हुए, जिन महानुभावों के भाषण होने हैं उन की पूर्व सूचना दी जावेगी। निश्चित वक्ताओं के अतिरिक्त भाषण नहीं हो सकेंगे। आपके अमूल्य सुझाव पढ़कर सुनाये जा सकेंगे, इसलिए कागज पर स्वच्छ लेखनीं में सुझाव देवें। कृपया पत्रक साथ लेकर आवें, इसे गुम न होने दें।

भवदीय

प्रेमचन्द गुप्ता
संयोजक

हंसराज गुप्त
कार्यकारी अध्यक्ष

तार-'सर्वसेवा'

फोन { दफ्तर : २२६५
{ निवास : २५६३

आखिल भारत कृषि-गोसेवा संघ

AKHIL BHARAT KRISHI-GOSEVA SANGH

GOPURI, WARDHA, 442001 (Maharashtra)

गोपुरी, वर्धा (महाराष्ट्र)

10.9.81

पत्र क्रमांक-

दिनांक : ५ सितंबर, १९८१

आदरणीय महोदय,

सादर प्रणाम। आपको विदित होगा कि दि० २२-२३ अगस्त १९८१ को दिल्ली में आयोजित गोरक्षा कार्यकर्ता सम्मेलन ने यह प्रस्ताव किया है कि यदि ३१ मार्च, १९८२ तक भारत सरकार केन्द्रीय कानून द्वारा समग्र देश के लिए गोहत्या पर प्रतिबन्ध न लगावे तो विवश होकर रामनवमी दि० २ अप्रैल, १९८२ से शांतिमय रूप में सत्याग्रह करने के लिए जनता का आवाहन किया जाय। इस प्रस्ताव को क्रियान्वित करने के लिये पूर्व तैयारी के रूप में एक योजना बनाई गई है जो आपकी जानकारी और उसके लिए आपका आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु इस पत्र के साथ में प्रेषित की जा रही है।

सौम्य सत्याग्रह योजना के अन्तर्गत देश में ५००० सौम्य साधना केन्द्र स्थापित करने हैं जहां एक मास तक निरन्तर दो दो दिन का उपवास गोभक्त महानुभाव समूह रूप में करते रहें। विश्वास है कि इस सौम्य उपवास योजना में जनजागरण होने के साथ शासन का भी प्रभु प्रेरणा से हृदय परिवर्तन होगा और देश में गोहत्याबंदी आन्दोलन के चलाने के लिये कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मिल सकेंगे।

इस योजना पर देश के मूर्धन्य साधु सन्तों, विद्वानों, सार्वजनिक संस्थाओं के अध्यक्षों के ऊपर स्वीकृति सूचक हस्ताक्षर कराये जा रहे हैं। अभी तक कुछ हस्ताक्षर मिल चुके हैं। प्रार्थना है कि आप भी इस योजना को अपना आशीर्वाद दें और संलग्न फार्म पर अपने हस्ताक्षर करके यह यह विज्ञप्ति गोपुरी-वर्धा भेजने की कृपा करें।

आशा है आप प्रसन्न होंगे

विनीत -

रा. बजाज

राधाकृष्ण बजाज

संयोजक

श्री सतिगुरु बीरसिंगजी महाराज

जीवननगर (सिरसा-पंजाब)

अखिल भारत कृषि गोसेवा संघ : गोपुरी - वर्धा :महाराष्ट्र:

दिल्ली कार्यालय	:	३ सदर थाना रोड, दिल्ली-११०००६	दूरभाष: ५१ १६१०
मुनि ज्ञानचन्द्रजी	:	१ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-२	" २७ ३५३७
बंबई कार्यालय	:	भारतीय विद्या भवन, चौपाटी, बम्बई-७	" ३६ ६३१३

गो र क्षा सौ म्य स त्या ग्र ह का आ वा ह्न

पांच लाख उपवासदानी चाहिये

गोसेवा कार्यकर्ता सम्मेलन ता० २२-२३ अगस्त, १९८१ को दिल्ली में हुआ। इस सम्मेलन का आयोजन अ० भा० कृषि गोसेवा संघ, गोरक्षा समन्वय समिति, सर्वसेवा संघ, भारत गोसेवक समाज एवं सर्वदलीय गोरक्षा महाभियान समिति की ओर से हुआ। इसमें प्राप्त विनोबाजी का संदेश :-

गाय हमारी माता है। गोहत्या मातृहत्या है ।।

१. गोहत्याबन्दी भारतीय संस्कृति का आदेश है।

२. यह भारतीय संविधान का निर्देश है।

३. उसके लिए भारत - सरकार वचनबद्ध है।

४. और भारतीय संसद का संकल्प है।

इसलिये सारे भारत में तुरन्त गोहत्याबन्दी होनी चाहिये।

सम्मेलन का मुख्य प्रस्ताव -

गंभीर विचार विमर्श के बाद निम्नलिखित प्रस्ताव स्वीकृत हुआ :-

"भारत की कोटि कोटि जनता की ओर से यह गोरक्षा कार्यकर्ता सम्मेलन भारत सरकार का ध्यान विशेष रूप से आकृष्ट करना चाहता है कि वह संत विनोबाजी के माध्यम से राष्ट्र को दिये गये अपने वचन और भारतीय लोकसभा के संकल्प के अनुसार संविधान में आवश्यक संशोधन करके सम्पूर्ण गोवंश हत्याबन्दी के लिए तुरन्त सशक्त केन्द्रीय कानून बनाये। यदि ३१ मार्च, १९८२ तक कानून नहीं बना तो विवश होकर शांतिपूर्ण सत्याग्रह के लिये भारतीय जनता को आवाह्न करना होगा।"

उपरोक्त प्रस्तावानुसार शांतिपूर्ण सत्याग्रह के प्रथम कदम के तौर पर ता० २ अप्रैल, १९८२ से १ मई, १९८२ तक ३० दिन सौम्य सत्याग्रह चलाया जाना है। सौम्य सत्याग्रह में दो-दो दिन के उपवास की श्रृंखला चलेगी। हरेक व्यक्ति को पूरे दो दिन का उपवास करना है। तन से उपवास, मन से प्रार्थना और धन के प्रतीक स्वरूप ~~[illegible]~~ यथाशक्ति दान देकर, तन-मन - धन तीनों से इस अभियान में सहयोग देना है।

१. सर्वसमर्थ, विश्व नियंता प्रभु से प्रार्थना है कि वह गोरक्षा एवं मानव समाज की रक्षा करे।

२. भारत सरकार से प्रार्थना है कि वह केन्द्रीय गोहत्याबंदी कानून बनाकर गोरक्षा करे एवं भारत के ग्रामीण अर्थतंत्र को टूटने से बचाये।

कृ० उ० देखें -----

३. भारत की कोटि कोटि जनता से प्रार्थना है कि वह सुस्ती और उदासीनता छोड़कर जागृत हो एवं सक्रिय होकर गोरक्षा करे ताकि भारतीय संस्कृति की रक्षा हो ।

उपरोक्त त्रिविध प्रार्थना के लिये यह सौम्य सत्याग्रह रहेगा । दिनभर के कार्यक्रम में भगवत्भजन, चिंतन अधिक हो । कुछ समय गोसेवा के शास्त्रीय ज्ञान के लिये रहे । सत्याग्रह जितना शुद्ध सात्विक रहेगा उतना ही तेजस्वी होगा, सत्याग्रह जितना व्यापक होगा उतना ही असरकारक होगा । कम से कम ५ हजार केन्द्रों में ५ लाख व्यक्ति उपवास रखेंगे तो यह प्रार्थना भगवान, सरकार और जनमानस तक अवश्य पहुंचेगी ।

संचालन -

१. इस सौम्य सत्याग्रह में जाति, धर्म, पंथ या किसी पक्ष विशेष का कोई भेद नहीं होगा । गोमाता सबको दूध पिलाती है, उसकी सेवा करना मानवमात्र का धर्म है ।

२. जो भाई - बहन दो दिन के उपवास के लिये तैयार हों, वे १०) दस देकर अपना नाम लिखवा सकते हैं ।

३. १०० या अधिक उपवासदानियों के नाम दर्ज हों वहीं केन्द्र कायम किया जासकेगा, ताकि रोजाना ५-६ व्यक्ति उपवास के लिये एक साथ बैठ सकें । स्थान ऐसा हो जहां किसी के आने में बाधा न हो ।

४. संयोजन का कार्य अखिल भारत कृषि गोसेवा संघ के जिम्मे रखा है । अत: सारा पत्र-व्यवहार तथा आर्थिक व्यवहार गोपुरी-वर्धा के पते पर किया जाय । धीरे-धीरे प्रदेश व जिला सत्याग्रह समितियों का गठन होने पर प्रत्यक्ष संचालन की जिम्मेवारी स्थानीय संगठनों की रहेगी । उपवासदान की रकम केन्द्रीय कार्यालय को वर्धा भेजी जाय । आधी केन्द्रीय खर्च के लिये एवं आधी प्रादेशिक खर्च के लिये रहेगी ।

गोरक्षा सौम्य सत्याग्रह की सफलता के लिये देशभर की जनता का सक्रिय सहयोग अपेक्षित है । हमें आशा है कि भारत की कोटि कोटि जनता, लाखों में ही नहीं करोड़ों की संख्या में उपवासदान के लिये आगे बढ़ेगी ।

निवेदक —

Vijayalakshmi
8.9.81

VISHVA HINDU PARISHAD

Draft Minutes of the 36th meeting of the Governing Council held at 5 p.m. on 4th September, 1981 at DHARMA BHAVAN, South Extension, Part-I, New Delhi - 110 049.

Members present :

1	Shri Mahant Ram Prakash Das	Daterpur	Vice President & North Zone Chairman
2	Shri V. B. Menon	Palghat	Vice President & South Zone Chairman
3	Shri Justice S.N. Katju	Allahabad	Vice President & Central Zone Chairman
4	Shri Lala Hansraj Gupta	New Delhi	Vice President
5	Shri M.V. Jayakar	Bombay	Vice President
6	Shri Sadajiwatlal	Bombay	Treasurer
7	Shri M. N. Ghatate	Nagpur	Treasurer
8	Shri Harmohanlal	New Delhi	General Secretary
9	Shri Brahmachari Vishwanathji	Bombay	Member
10	Shri P. D. Jhunjunwala	Chakulia	Member
11	Shri Hari Atmaram	Bombay	Member
12	Shri M. K. Joshi	Pune	Member
13	Professor Kiran Sharma	Gauhati	Member
14	Dr. Sujit Dhar	Calcutta	Member
15	Shri G. D. Ashar	Calcutta	Secretary
16	Shri Devdutt	Pondicherry	Secretary
17	Professor Mandakini Dani	New Delhi	Secretary
18	Shri D. P. Patodiya	Bombay	Central Organising Secretary

SPECIAL INVITEES

1	Shri Swami Satyamitranand Giri	Hardwar	Trustee
2	Smt. Rajmata Vijaya Raje Sckindia	Gwalior	Trustee
3	Shri M. D. Deoras	Nagpur	Trustee
4	Shri K. K. Shastri	Ahmedabad	Trustee
5	Shri C. Anna Rao	New Delhi	Trustee

..... 2

6	Shri Brij Ratan Mohatta	Bombay	Trustee
7	Shri Madanlal Agrawal	Jharia	Trustee
8	Shri Rajeshwarji	New Delhi	Trustee
9	Shri G. Pulla Reddy	Hyderabad	Trustee
10	Shri Badri Prasad Toshniwal	New Delhi	Delhi State Working President

The meeting commenced at 5.00 p.m. with the Mangalacharan. In the absence of the president, Shri Mahant Ram Prakash Das, the North Zone Chairman and Vice President, presided over the meeting.

The Leave of Absence was granted to the following members :-

1	Dr. S.K. Somaiya	Bombay	Vice President and West Zone Chairman
2	Shri Justice Harihar Mahapatra	Cuttack	Vice President and East Zone Chairman
3	Shri V.H. Dalmia	New Delhi	Vice President

1 Confirmation of the Minutes :-

General Secretary Shri Har Mohan Lal read out the proceedings of the previous meeting, held at Mathura on 7th March '81. The minutes were confirmed with the approval of the members present.

2 Implementation of the decisions of the previous meeting :-

The General Secretary reported the actions, taken on the resolutions, passed in the previous meeting.

3 Report of the General Secretary :-

A brief report on Vishva Hindu Parishad Activities during last Fifteen Years was presented by the General Secretary and it was approved by the meeting.

4 Audit Report for the year 1980 :-

The Audit Report for the year 1980, presented by the Chartered Accountant, was discussed and it was recommended to the Board of Trustees for its approval.

5 Arrangement for Hindu Vishva :-

The General Secretary informed the meeting about the new arrangements,

..... 3

being made for improving the functioning of Hindu Vishva. Afterwards there was a lively discussion on this issue. General Secretary assured the members that the new arrangement should be given a full trial and every thing will be alright in due course of time.

Afterwards following resolutions were passed :-

1 The Hindu Vishva Bank Account may be opened in their name (Hindu Vishva) after getting passed a resolution in the Hindu Vishva Prabandh Samiti as nominated by the General Secretary and approved in this meeting as follows :-

1. Shri Baikunth Nathji Bhargava
2. Shri Laxmanprasad Tondon
3. Professor Shri Harishchandra Srivastav
4. Shrimati Shakuntala Sirothia
5. Shri Krishna Gopal Mehrotra
6. Shri Vindeshwari Prasad Agrawal
7. Shri Ramchandra Jaiswal
8. Dr. Shri Rajendraji
9. Thakur Shri Gurujan Singh
10. Shri Devendra Pal Mathur
11. Shri Prabhakar Rao Joshi
12. Shri Narayan Rao Tarte
13. Shri Suresh Kulkarni

2 The old existing account in the name of Vishva Hindu Parishad with the Bank of India and Central Bank of India, Prayag be closed and the balance be transferred to the new account of Hindu Vishva.

3 A resolution to operate the new Hindu Vishva Account, to be opened with the Bank of India may be passed in the "Hindu Vishva Prabandh Samiti Prayag".

6 <u>Proposals by Shri V. H. Dalmia for changes in the Estate Duty Act.</u> :-

Shri Brahmachari Vishva Nathji was requested to contact Income tax experts on this subject and make his suggestions.

..... 4

7 Mass Conversion of Hindus :-

This issue was debated in detail and following priority programme was approved for immediate action :-

(a) I. Mass conversion of HINDUS :-

(a) For bringing psychological change in outlook :-

1. To secure signatures of all Sadhu Mahatmas, Community Leaders Etc. on the following two resolutions, passed by Second World Hindu Conference at Prayag in January, 1979.

(a) Removal of Untouchability.

(b) Social harmony (Negativating the evil impact of casteisn).

(b) For creating mass awareness :-

2. To organise small meetings in Harijan and other backward classes' Localities everywhere in order to achieve Social Integration.

3. To organise PADYATRAS, with Sadhus and Social Leaders in vulnerable areas.

4. To coopt 2-3 Members, belonging to Scheduled Castes and Tribes in All Vishva Hindu Parishad Committees/immediately.

5. To or ganise Vishva Hindu Parishad Conferences in Districts, having predominantly SC & ST Population.

6. To contact and involve DHARMACHARYAS of your District in Local Vishva Hindu Parishad Work, specially to eradicate Untouchability and to avert conversions.

(c) For the redressal of grievances :-

7. To appoint a Senior Worker at District Level to look into the grievances of SC & ST people and to work for their redressal.

(d) Vigilence :-

8. To keep watch on nefarious elements and to report about them to the Local Administration.

..... 5

II. Communal Riots :-

9. To contact Riot Victims and to work for their rehabilitation.

10. To provide Legal Aid to Sufferers.

11. To keep vigil on mischievious elements and to inform or fore-warn Local Administration in order to avert possible communal Riots in Traditionally Sensitive Areas.

III. Organisational :-

12. To enroll Minimum One Life Member in each District.

13. To remit Kendransh to Working Office : Bombay.

14. To help Collection Drive for the Central Fund.

(B) Besides, it was also decided that in order to counterant this mass convension wave, the cooperation of the like minded institutions be sought in order to carry on (i) a mass contact campaign and (ii) fund collection drive on all India basis for this purpose. Shri Harmohanlalji, the General Secretary was authorised to take necessary steps to achieve the above object in such way as he considers proper.

It was also decided that the following member be nominated to the Standing Committee for this particular issue and they be invited to participate whenever the Standing Committee discusses this issue.

Shri Brijratan Mohatta		Trustee
Shri S. Vedantham	Tamilnadu	State Organising Secretary
Shri V. Balgangadhan Menon		Vice President & Chairman South Zone
Shri K. Satyanarayan		South Zone Organising Secretary

8 Vishva Hindu Boudha Maha Sangha :-

Shri Devdutt, Secretary informed that the name and role of this new organisation is still under discussion and nothing has been finalised. Therefore this issue was postponed.

9 Increase in Life Membership Fee :-

There was general agreement about the increase in the Life Membership Fee but it was decided that this issue should be finalised in the next meeting.

..... 6

10 (A) Nominations on State / Regional Committees :-

Rajasthan State Committee.

Shri Mahendranath Arora, Jodhpur.	Joint Secretary
Shri K. L. Godha, Udaipur.	Joint Secretary

Madhya Bharat Regional Committee :-

Shri Bhagwandas Toshniwal, Indore.	Vice President
Shri Vasant Bochare.	Joint Secretary

(B) Following State / Regional Committees were newly nominated :-

1 Assam Mahakoshal

2 Vidarbh

3 Punjab

4 Kerala

5 Jammu & Kashmir

6 Himachal Pradesh

ADDITIONAL AGENDA

11 VISHVA HINDU PARISHAD ORGANISATION IN NEPAL :-

The detailed note submitted in this behalf was discussed and members expressed their resentment over the delay on this urgent issue. Shri Devdutt, the Secretary, who was to go to Nepal in this connection informed the meeting that before visiting Nepal, he wanted some guide-lines from the President Shri Maharanaji.

The meeting directed him to proceed into this matter without further delay.

12 Transfer of assets and liabilities of Vishva Hindu Parishad in Maharashtra :

Since Vishva Hindu Parishad has been seperately registered in Maharashtra as per our previous decision, the following resolution was passed :-

"The assets and liabilities pertaining to the State of Maharashtra (Including Goa) and appearing in the name of Vishva Hindu Parishad, the Society registered under No. S. 3106 New Delhi, should be transferred

..... 7

to the Vishva Hindu Parishad, Maharashtra Pradesh, the Trust Registered under No. MAH/455/Pune-80 dated 11.7.1980, 1365, Shukrawar Peth, Natu Bagh, Pune-411 002."

13 Reconstitution of the Board of Holding Trustees :-

With the change in the office of the General Secretary, the Board of Holding Trustees of Vishva Hindu Parishad is reconstituted as follows :

1	Shri M.V. Jayakar	Vice President
2	Shri Harmohanlal	General Secretary
3	Shri Sadajiwatlal	Treasurer

14 Additions to the Standing Committee :-

Following members were added to the Standing Committee making its strength to 9.

Shri Moropant Pingle	Nagpur	Trustee
Brahmachari Vishwanathji	Bombay	Trustee
Shri Vishnu Hari Dalmia	Bombay	Vice President

15 Bank Resolution :-

It was further resolved that the account of Sanskriti Raksha Nidhi be opened with the state Bank of India, Bombay, which will be deemed to be the corpus fund of Vishva Hindu Parishad.

The income of the corpus shall be utilised for the general work of the Parishad to maintain its full time workers with special attention to the weaker Section of the Society and village uplift programmes.

The Bank account shall be operated by the President, Treasurer (any one) and the General Secretary.

16. Family Planning Programme :-

Members expressed concern over the ever increasing numbers of minorities and the decreasing numbers of Hindus.

It was opined that the Central Government be approached for a Compulsory Family planning Law. Following resolution in Hindi was passed afterwards.

17. Uniform Civil Code :-

Members were of the opinion that this provision of the Indian Constitution be got implemented from the Government of India. Following resolution in Hindi was passed in this behalf.

18. Resolution by Shri Brij Ratan Mohata :-

Shri Brij Ratan Mohatta proposed resolution on following three subjects which are adversely effecting the destiny of the whole country :-

1 Minority Commission be abolished.
2 Aligarh University should not be termed "Minority University".

..... 8

3 Minority Community should not be given reservations in Educational Institutions and Government Service.

All the members supported these national issues and following resolution was passed :-

18 CONDOLENCE RESOLUTIONS :-

This meeting of the Governing Council of Vishva Hindu Parishad deeply mourns the death of :-

SHRI RAM KUMAR BATRA

He was the Central Treasurer of Vishva Hindu Parishad. His Contribution in making Vishva Hindu Parishad a strong organisation will be written in golden letters in the history of Vishva Hindu Parishad. His untiring efforts helped in the collections of requisite finances during the last World Hindu Conference. He was a leading public figure and held high offices in various national and international organisations. He was a social worker of repute and was also a leading industrialist. He was an embodiment of social harmony and contributed to many great national causes as and when required. His death has caused an irreparable loss not only to Vishva Hindu Parishad but to the humanity as a whole.

ACHARYA KISHORIDAS VAJPEVI

He was a luminary in literary field and was also a freedom fighter. He championed the cause of promoting Hindi for 5-6 decades continuously and was an authority on Hindi Grammar. His death has caused a void in the literary field.

KAKA SAHEB KALELKAR

He was a reputed linguist and contributed to enrich the literature in various languages. He was a distinguished author and had complete mastery over the works of Vishva Kavi Ravindranath Tagore. He was a great freedom fighter and also an educationist. His death has taken away one more exponent of our heritage.

..... 9

NIHARRANJAN ROY

He was a freedom fighter, an eminent physician as a skin specialist, an educationist and a leading figuro in the contemporary literary circle in West Bengal, his works covering a wide fields, such as novels, poems, travelogues, philosophical essays, etc. In personal life, he was deeply religious and sticked to the traditional religious practices, even when in foreign countries. He was also an Ex. member of Rajya Sabha, and to the last day, was the Chairman of the Indian. Institute of Advanced Studies.

SHRI RAM KHANNA

Shri Ram Khanna was the Divisional Incharge for Udhampur Division and had been devoting whole time for the parishad cause for the last three years. It is unfortunate that cruel hands of death snatched him away from us all of a sudden. In his death Vishva Hindu Parishad has lost a dedicated worker.

(D. P. PATODIYA)
Central Organising Secretary

BNP

Vidarbh Prant Samiti

1)	President	Advocate Chandrakant Jaydev Thakar	Nagpur
2)	Working President	Dr. Shri Bha Warnekar	Nagpur
3)	Vice President	Dr. N. V. Karbelkar	Nagpur
4)	Vice President	Shri K. Bha. Munchi	Vardha
5)	Secretary	Shri G. Pandaripande	Nagpur
6)	Jt. Organising Secretary	Shri S. B. Mapari	Amravati
7)	Treasurer	Shri Jamnadas Shah	Nagpur
8)	Members	Shri G. A. Puranik	Nagpur
		Shri V. D. Pathak	Nagpur
		Shri Rameshwarji Mundhda	Godiya
		Shri Dr. A. S. Joshi	Mehkar
		Shri Dr. S. V. Kulkarni	Chikhali
		Shri Advocate M. P. Nand	Akola
		Shri P. G. Shigore	Amravati
		Shri Dr. Sri G. Dive	Aarvi
		Sau. Vidhyatai Pande	Vroda

Jammu Kashmir Pradesh Committee

1)	President	Colonal Dev Raj	Jammu
2)	Vice President	Dr. Triloki Nathganju	Shrinagar
		Shri Kesar Sinha	Udampur
3)	Joint Secretary	Moti Lal Shastri	Srinagar
		Govind Ram	Udampur
		Dr. Shanta Sharma	Jammu
4)	Treasurer	Madan Lal Gupta	Jammu
	Office Secretary	Prof. Yashpal	Jammu
	Members	Shri Ishwardas	Udampur
		Shri Trilokinath Msin	Puncha
		Dr. Ramlal	Ktuaa
		Bal Krishna Kol	Srinagar
		Kashinath Kol	Pulwama
		Shyam Sunder Shastri	Sopor
		Thakur Surjitsinha	Madrabaha
		Shrimati Swadesh Degra	Madrabaha
		Mohanlal Motilal	Jammu
		Dr. Vidyanath	Jammu
		Vishandas Avarol	Jammu
		Balbir Jain	Jammu
		Sardar Narendra Sinha Kheda	Jammu
		Subhash Chandra Gupta	Jammu
		Kamal Dinnath	Jammu
		Rinchan Tundup Shastri	Leha
		Conchowa Rigjinlama	Leha
	Org. Secretary	Purushottam Dadhichi	Jammu

BNP

Punjab Pradesh & Chandigarh State Committee

Members

President	Shri Mahant Ram Prakash Das ji	
Vice President	Shri Gyani Prakash Dev ji	
	Shri Chen lal ji Jain	
	Shri Kailash Chandra Deveshwar	
	Shri Bajrag Das ji	
Treasurer	Shri Harichandra ji	
Secretary	Shri Dr. Brajbhiari Chobe	
Joint Secretary	Prof. Tarachandra ji	
Divisional Secretary	Shri Chiranjiv Lal Sharma, Amrutsar, Gurdaspur Vibhag	
	Shri Jainarayan Sharma, Jullunder, Kapoorthala, Hoshiyarpur	
	Shri Bharat Bhushan Goyal, Chandgarhpatiyala, Ropad	
	Shri Harvilas ji Faridkot, Sangrur	
Ladies Members	Smt. Laxmi Kanta Chavla	
	Sushri Jagtavali Sud	
	Smt. Saroj	
	Principal Vimala Chavla	
Members	Shri Aatma Prakash Shastri	Btala
	Shri Bhishmadev ji	Amritsar
	Shri Bharat Bhushan Bhardwaj	Mukundrapur
	Shri Kundan Lal Sharma	Hoshiyarpur
	Shri Jagmohan Sharma	Talwada
	Shri Sardar Kehar Siha	Hoshiyarpur
	Shri Yadukul Bhushan	Kapooryala
	Shri Vedprakash Digvaj	Aboha
	Shri Tekchand Bhargav	Fridkot
	Shri Mulakraj Bhatra	Kotakpura
	Shri Gulshan Paikaj	Ghidadwada
	Shri Jagnath ji	Ahmedgarh
	Shri Mahashya Premprakash	Dhuri
	Shri Janki Das Pasi	Jagrava
	Shri Mahant Murari Lal ji	Nabha
	Shri Devraj Baisal	Patiyala
	Shri Rajendra Goyal	Chandigarh
	Knarl Bhishma Gupt	Chandigarh

BNP

Appendix

Members of the Executive Committee of the State VHP, Assam Branch for the year 1981-82

Margadarshak :1. Sri Sri Dakshinpat Satradhikar.
2. Sri Sri Auniatiya Daka Satradhikar.
3. Sri Teertha Nath Sarmah, Founder President, Assam State VHP.

1. President : Dr. Kalinath Sarma, M.Sc. P.hd.Ex.DFI Assam. Add. Favagiri, Gauhati-3. Phone(Res)25830.

2. Working -do- & Convenor Margadarshak Mandal : Swami Bangovinda Parampanthi VIRAJ, P.O. Dibrugarh, Upper Assam.

3. Vice President: a) Dr. Dharani Phukan, Rtd. Director of Public Health, P.G. Dibrugarh.
b) Shri Harindra Nath Kalita, Rtd.Magistrate,Tezpur
c) Shri Trailokya Nath Hajarika, Principal Law College, P.O. Nowgong, Assam.
d) Shri Dinesh Ranjan Sarkar, Principal, Law College, P.O.DHUBRI, Assam.

4. Secretary : Prof. Kiran Sarmah, Add. Chatrakar, Gauhati-1, Assam - 781 001 Phone (Res) 27362.

5. Treasurer : Shri Keshab Deu Bauri, Add. T.R. Phukan Road, Fency Bazar,Phone:26253.

Members : 1.Shri Bhaskar Sarma, Fency Bazar, Gauhati-1.
2.Shri Chitta Ranjan Banerjee, Fancy Bazar,Gau.-1.
3.Shri Om Prakash Anand, Kharghooli, Gauhati-4.
4.Srt. Dipali Goswami, M.G.Road, Ujan Bazar,Gau.-1
5.Shri Shyam Sundar Haroalka, Advocate, Dhubri.
6.Shri Gopal Rai Khemka, Haiborgaon, Nowgong.
7.Shri Haricharan Pathak, Advocate, Nalbari.
8.Shri Arabinda Bhattacharya, Silchar.
9.Shri Abinash Brahma Choudhury, Kokrajhar.
10.Shri K.K. Hojai, CBI, Haflong, N.C.Hills.
11.Shri Joising Bolei, Diphu, Karbi Anglong.
12.Dr. Dina Nath Barua, Torajan, Jorhat.
13.Shri Gajadhar Patwari, Prof. Rongiya College P.O. Rangiya, Kanrup.
14.Birinchi Dhar Borgohai, Marigaon, Nowgong.
15. " Ram Raja Singh, Sibsagarh.
16. Prof. Nandeswar Dowri, Dhamaji College, P.O.Dhemaji, Lakhimpur.
17.Shri Bhumi Dev Goswami, Asolapatti, Nowgong.
18.Shri Navanarayan Goswami, Advocate, Manipuri Basti, Gauhati-8.
19.Shri Nanda Kishore Sharma,M/s.Advance Engineering Murlidhar Sharma Road, Gauhati-1.
20.Shri R.N. Singh,M/s. Buildworth, Dispur - 5.
21.Shri Surendra Nath Sarma, Santipur, Gauhati-9.

Organising Secretary (N.E.Region) : Shri Chandra Kanta Harkare, VHP Office, Gauhati-1 Phone - 25596.

Provincial Organiser : Shri Prafulla Bora, C/o. Bhumi Dev Goswami, Arolapatty, Nowgong.

BNP ***

Kerala State Committee

	Patron	Sri V. Nagappan Nair	Trivandrum
1.	President	Sri V. Balgangadharan	Palghat
2.	Vice-President	Sri A.S. Diwakaran	Trichur
3.	Vice-President	Smt. K. Parukuttyamma	Quilon
4.	General Secretary	Sri M. Bhaskaran Nair	Alleppy
5.	Jt. Secretary	Lt-Col. P.G. Nair	Cochin
6.	Treasurer	Sri T. Pankajakshan	Cochin
7.	Member	Prof. P.N. Somarajan	Alleppy
8.	Member	Sri V. Kumaran Eradi	Calicut
9.	Member	Sri Vachaspathy V. Panoli	Calicut
10.	Member	Sree Ram G. Gurjar	Calicut
11.	Member	Prof. R. Ram Varma Thampuran	Alleppy
12.	Member	Sri M. Gangadhar Shastry	N. Parur
13.	Member	Sri Javeribhai Govindji	Cochin
14.	Member	Sri M.R. Parekh	Cochin
15.	Member	Prof. Sumangala Devi	Eranakulam
16.	Member	Sri P. Madhavan	Eranakulam
17.	Member	Sri C.K.C. Panikkar	Kottayam
18.	Member	Sri K.B. Menon	Trichur
19.	Member	G. Mahadevan	Trichur
20.	Member	A.K. Narayanan	Cannanore
21.	Member	Prof. K. S. Krishnan	Trivendrum
22.	Member	Swami Dayanand Theersha	Alleppy
23.	Member	Sri K.H. Namba Disipad	Calicut
24.	Member	Sri C. K. Menon	Palghat
25.	Member	Sri Neela Kantav Nair	Trivendrum
26.	Member	Dr. Shankar Ram	Alleppey
27.	Org. Secretary	P.S. Kashi Vishwanathan	

HIMMACHAL PRADESH State Committee

1-	Shri Hardev ji	Solan	President
2-	Dr. Kailash Chandra ji	Shimala	Vice-President
3-	Shri Om Prakash ji Vaidhya	Shimala	Secretary
4-	Shri Ratna Chandra ji Dogara	Shimala	Joint Secretary
5-	Shri Tarini Chani ji	Baijnath	Joint Secretary
6-	Shri Satish ji Butel	Shimala	Treasurer
7-	Shri Baldev Raj ji	Baijnath	Treasurer
8-	Shri Sansarchand ji Kapoor	Kinor	Vice President
9-	Shri Brahma Dutt ji Shastri	Dharmashala	
10-	Shri Upal Shib		
11-	Shri Ramashankar ji	Mandi	
12-	Shri Sohan Lal ji Sud	Dehara	
13-	Shri Ramnath ji		
14-	Shri Kriparam ji	Pragpur	
15-	Shri Vijay Narayan Trivedi	Bhid	
16-	Shri Tarsem Siha ji	Belaspur	
17-	Shri Bbakta Siha ji	Kinor	
18-	Shri Fakir chandra ji	Sundra Nagar	
19-	Dr. Om Prakash Grobar	Shimala	Organising Secretary

BNP

विश्व हिन्दू परिषद

६ सितंबर १९८१ को दिल्ली में सम्पन्न अखिल भारतीय प्रान्तीय पदाधिकारी सम्मेलन में पारित

प्रस्ताव क्रमांक १.

भारतमें आज बढती हुई जनसंख्या, एक राष्ट्रीय समस्या है जिसके वर्तमान विस्फोटक स्वरुपसे सबका चिन्तित होना स्वाभाविक है । व्यक्तिगत जीवन में आचार विचारों के पालनमें विचार भेद होनेके बावजूद भी, यह युगकी माँग है कि जनसंख्या - वृध्दि के निराकरण हेतु परिवार नियोजन के लिये शासकीय या अशासकीय प्रयत्नोंमें सब नागरिकों का सहकार्य मिलना चाहिये । लेकिन अनुभव यह आ रहा है कि सभी भारतीय नागरिक, जनसंख्या सीमित रखनेके इन प्रयत्नों में सहयोगी नहीं हो रहे हैं । प्रमाणस्वरुप,

S.R.S. Analytical Series No. 6, November 1973, under the head 'facts' III Published by the Registrar General and Census Commissioner of India, and Table F. 3 - 1 on page 80 of the year - Book 1975-76, published by welfare Department Government of India -

में स्पष्ट बताया गया है कि इस देश के अधिकांश मुस्लिम एवं ईसाई धर्मावलम्बी नागरिक, राष्ट्रव्यापी परिवार नियोजन कार्यक्रम में सहयोग नहीं करते हैं । अर्थात अपने भारत देश के इस जीवन मरण के प्रश्नपर अपना नागरिक-कर्तव्य निभाने के लिये वे प्रस्तुत नहीं है ।

विश्व हिन्दू परिषद के इस सम्मेलन की यह मान्यता है कि यदि केन्द्रीय शासन जनसंख्या वृध्दि की इस समस्या का स्थायी हल चाहता है तो उसे परिवार नियोजन कार्यक्रम को ऐच्छिक नहीं रखकर सभी नागरिकों के लिये कानूनन अनिवार्य बना देना चाहिये । इस राष्ट्रीय समस्या के निराकरण में किन्ही भी नागरिकों, मतावलंबियों, वर्गों के विरोध की परवाह नहीं करके देशव्यापी समान कानून बना कर परिवार - नियोजन कार्यक्रमको उसे सब नागरिकोंपर आग्रहसे लागू करना चाहिये । किसी भी धर्म के अनुयायी नागरिकों को देश के शासनसे केवल सुविधायें प्राप्त करते रहनेका ही अधिकार नहीं है, तो राष्ट्रीय समस्याओं को हल करने में अपना कर्तव्य निभाना भी उनके लिये आवश्यक है । शासन को निडर होकर कानून व्दारा सबपर परिवार नियोजन कार्यक्रम लागू करना चाहिये व कानून का उल्लंघन करनेवालों को कठोरता से दण्डित किया जाना चाहिये ।

प्रस्तावक - श्री. राजेश्वर, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली
अनुमोदक - श्री. सदाजीवत लाल, सुप्रसिध्द समाजसेवी, बम्बई
समर्थक - व्रम्हचारी विश्वनाथजी, धर्मोपदेष्टा, बम्बई

प्रेषक
द्वारकाप्रसाद पाटोदिया
(व्दारकाप्रसाद पाटोदिया)
केन्द्रीय संगठन मंत्री

वासंती

विषय सूची - १७ प्रस्ताव

समान नागरिक संहिता

भारतीय संविधान के नीति निर्देशक तत्वों में यह निर्देश दिया गया है कि सभी नागरिकों के लिये एक समान नागरिक संहिता लागू की जावे । लेकिन आज ३१ वर्ष के बाद भी भारत सरकार संविधान के इस निर्देश को क्रियान्वित नहीं कर पाई है । यह चिन्ता का विषय है ।

देश के हित में ऐसी समान नागरिक संहिता शीघ्रातिशीघ्र बनाई जानी चाहिये और देश के कानून के समक्ष हिन्दू, मुसलमान, ईसाई का भेद भाव समाप्त होना चाहिये ।

विषय सूची - १८ प्रस्ताव

(अ) अल्पसंख्यकों के प्रति अपनी तुष्टीकरण नीति के परिणाम स्वरुप, भारत सरकारने जिस अल्पसंख्यक आयोग का गठन किया है, उसके दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं ।

चिन्ता का विषय तो यह है कि यह आयोग, अल्पसंख्यक समुदाय को कर्तव्य बोध कराने के बजाय केवल उनकी स्वार्थपूर्ण माँगों का समर्थन करता रहता है । इससे बहुसंख्यक हिन्दू समाज में प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है तथा राष्ट्रीय एकता की भावना कमजोर होती है ।

अतः इस आयोग को समाप्त किया जावे ।

(ब) अलीगढ विश्वविद्यालय एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय है । उसका संचालन राष्ट्रीय कोषसे होता है, अतः यह विश्वविद्यालय संपूर्ण देश का है, केवल मुसलमानों का नहीं ।

इस विश्वविद्यालय को अल्पसंख्यक मुसलमानों के नियंत्रण में सौपना देश के व्यापक हित में नहीं है । अतः इसकी व्यवस्था पूर्ववत रखी जावे ।

(स) आजकल ऐसा भी सुनने में आ रहा है कि अल्पसंख्यक समुदाय के लिये शिक्षा संस्थानों व राज्य सेवा में आरक्षण की नीति लागू किये जाने पर भारत सरकार विचार कर रही है ।

विश्व हिन्दू परिषद इस विचार का विरोध करती है । संविधान के अनुसार सब नागरिकोंको समान अधिकार है, फिर अल्पसंख्यकों के प्रति यह पक्षपात क्यों ?

वासंती

Del
12.8.81

गोरक्षा कार्यकर्ता सम्मेलन, दिल्ली

जन्माष्टमी २२-२३ अगस्त १९८१

निमंत्रण–पत्र

भाई श्री

पूज्य विनोबाजी ने ता० ३१ मई १९७६ को ऐलान किया था कि सारे भारत में गोवध बंदी कानून नहीं बनेंगे तो ११ सितम्बर १९७६ से वे उपवास करेंगे। उपवास आरंभ होने के पूर्व ही तत्कालीन प्रधान-मंत्री श्रीमती इंदिराजी ने आश्वासन दिया था कि असम, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और आन्ध्र चारों प्रदेशों में तत्काल गोवधबंदी कानून बन जायेंगे, उसके अनुसार वे बन गये। बंगाल और केरल के लिए एक साल के भीतर कानून बनवाने की बात थी। इस बीच राज्यसत्ता पल्टी और श्रीमती इंदिराजी अपने पद पर नहीं रहीं।

जनता सरकार आई, श्री मोरारजी भाई प्रधान-मंत्री बने। एक साल के भीतर केन्द्रीय गोहत्याबंदी कानून बनाने के लिए पार्लियामेंट में ऐलान किया। तत्कालीन पार्लियामेंट में डॉ० रामजीसिंह का एक प्रस्ताव भी पास हुआ, जिसमें पार्लियामेंट ने भारत सरकार को आदेश दिया है कि केन्द्रीय गोहत्याबंदी कानून बनाया जाय।

जनता सरकार ने पार्लियामेंट में एक बिल भी पेश किया था, जिसे इंदिरा कांग्रेस का भी समर्थन था लेकिन उसके स्वीकृत होने के पूर्व ही राज्यसत्ता बदली और श्रीमती इंदिराजी पुनः प्रधान-मंत्री बनीं। जनता को उम्मीद थी कि ता० ८-४-७९ के इंदिरा कांग्रेस के प्रस्ताव को तथा ता० १२-४-७९ के पार्लियामेंट प्रस्ताव को, संत विनोबाजी को १९७६ में दिए गये अपने वचन को, श्रीमती

इंदिराजी पूरा करेंगी, एवं केन्द्रीय गोहत्या बंदी कानून बनावेंगी। श्रीमती इंदिराजी से अनेक जन-प्रतिनिधि, साधु-संत तथा खुद विनोबाजी के प्रतिनिधि मिले। उनका एक ही जवाब रहा कि "विचार कर रही हूँ।" श्रीमती इंदिराजी की जो भी कठिनाई रही हो वे स्वयं ही हल कर सकती हैं।

अब जनता जनार्दन की सेवा में पहुंचना, यही एक मात्र मार्ग रहा। पिछले ५ वर्षों से जन-जाग्रति का सतत प्रयास चालू है। जनवरी १९७९ से इन ढाई सालों में गोहत्या-रोकने के लिए अनेक प्रकार के सत्याग्रह किए गये। जहाँ-जहाँ सत्याग्रह हुए सफलता मिली, उनका असर भी अच्छा रहा, जन-जागृति भी हुई।

पिछले ६ मास से कसाइयों ने अपना तरीका बदला है। गाय ले जाने के बदले स्थान-स्थान पर गायों को कत्ल करके गौ मांस ट्रकों में भरकर बर्फ के सहारे बड़े शहरों में ले जाते हैं, जहां से एक्सपोर्ट भी होता है। अरब देशों में ८०) से १००) रुपये किलो गोमांस के भाव हैं। इस लालच के सामने गाय का जिंदा रहना असंभव हो गया है।

इस विनाश का मुकाबला कैसे किया जाय इसपर विचार करने के लिए श्रीकृष्ण जन्माष्टमी ता० २२ शनिवार व २३ रविवार, अगस्त १९८१ को दिल्ली में **गोरक्षा** कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

निवास स्थल :

सम्मेलन में आनेवाले कार्यकर्ताओं का केवल निवास एवं भोजन खर्च सम्मेलन समिति वहन करेगी। जो भाई सब कार्यकर्ताओं के साथ साधारण व्यवस्था में रहना पसंद करें उनके निवास-भोजन की व्यवस्था : मारवाड़ी धर्मशाला जोगीवाड़ा, नई सड़क (चांदनी चौक) दिल्ली-६ में रहेगी। फोन नं० २३०२७८ है।

सम्मेलन का दिल्ली कार्यालय भारत गोसेवक समाज, ३ सदर थाना रोड, दिल्ली—६ पर रहेगा। फोन नं० ५११९१० है। दिल्ली में सम्मेलन के संयोजक १. श्री मानवमुनिजी २. श्री किसनलाल जी कटपीसवाले (फोन २६८०४८) ३. श्री विश्वम्भरप्रसाद जी शर्मा होंगे। सम्मेलन का प्रधान कार्यालय अ० भा० कृषि गो-सेवा संघ, गोपुरी, वर्धा रहेगा।

इस सम्मेलन की प्रथम दिन की अध्यक्षता पंचखंड पीठाधीश्वर **आचार्य धर्मेन्द्र जी महाराज** करेंगे तथा दूसरे दिन की अध्यक्षता तमिलनाडु सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष एवं केरल गाय-रोको सत्याग्रह के नायक श्री **एस० जगन्नाथन् जी** करेंगे।

प्रथम दिन प्रातः १० बजे से १२ बजे : अ० भा० कृषि गोसेवा संघ एवं केन्द्रीय गोरक्षा समन्वय समिति की संयुक्त बैठक (मारवाड़ी धर्मशाला)।

निवेदक—

ठाकुरदास बंग अध्यक्ष, सर्व सेवा संघ	**तुलसीदास विश्राम** कार्याध्यक्ष, अ० भा० कृषि गो-सेवा संघ	**चन्द्रभान शर्मा** मंत्री, केन्द्रीय गोरक्षा समन्वय समिति
विश्वम्भरप्रसाद शर्मा मंत्री, भारत गोसेवक समाज	**किसनलाल कटपीसवाले** मंत्री, सर्वदलीय गोरक्षा महाभियान समिति	**राधाकृष्ण बजाज** महामंत्री, कृषि गो-सेवा संघ—संयोजक

सम्मेलन स्थान :

निगम रंगशाला, (टाऊन हाल)

चांदनी चौक, दिल्ली—६

सम्मेलन का कार्यक्रम :

शनिवार दि० २२ अगस्त, ८१

अपराह्न २॥ से ५॥ बजे : सम्मेलन का खुला अधिवेशन
अध्यक्ष : आचार्य धर्मेन्द्र जी ।

रविवार दि० २३ अगस्त ८१

प्रात : ६ से १२ बजे : सम्मेलन की प्रातःकालीन बैठक

अपराह्न २॥ से ५॥ बजे : सम्मेलन का समारोप अधिवशन
(निगम रंगशाला)
अध्यक्ष : श्री एस० जगन्नाथन् ।

रवीन्द्रा प्रिंटिंग एजेन्सी द्वारा वैदिक मुद्राणालय, पहाड़ी धीरज, दिल्ली-६

डी. २९.७.८१

गोरक्षा कार्यकर्ता सम्मेलन, दिल्ली

जन्माष्टमी २२-२३ अगस्त १९८१

निमंत्रण-पत्र

…ाई श्री

पूज्य विनोबाजी ने ता. ३१ मई १९७६ को ऐलान किया था कि सारे भारत में गोवधबंदी कानून नहीं बनेंगे तो ११ सितम्बर १९७६ से वे उपवास करेंगे। उपवास आरंभ होने के पूर्व ही तत्कालीन प्रधान-मंत्री श्री इंदिराजी ने आश्वासन दिया था कि असम, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और आन्ध्र चारों प्रदेशों में तत्काल गोवधबंदी कानून बन जायेंगे, उसके अनुसार वे बन गये। बंगाल और केरल के लिए एक साल के भीतर कानून बनवाने की बात थी। इस बीच राज्यसत्ता पल्टी और श्री इंदिराजी अपने पद पर नहीं रहीं।

जनता सरकार आई, श्री मोरारजी भाई प्रधान-मंत्री बने। उनको गोवधबंदी के लिए अनेक आवेदन-निवेदन दिये गये, अनेक लोग मिले, फिर भी विलंब होता गया। अंत में २१ अप्रैल १९७९ को संत विनोबाजी का उपवास आरंभ हुआ। पांचवें दिन …६-४-७९ को समझौता हुआ, तदनुसार श्री मोरारजी भाई ने एक साल के भीतर केन्द्रीय गोहत्याबंदी कानून बनाने के लिए पार्लियामेंट में ऐलान किया। तात्कालीन पार्लियामेंट में डॉ. रामजीसिंह का एक प्रस्ताव भी पास हुआ, जिसमें पार्लियामेंट ने भारत सरकार को आदेश दिया है कि केन्द्रीय गोहत्याबंदी कानून बनाया जाय।

जनता सरकार ने पार्लियामेंट में एक बिल भी पेश किया था, लेकिन उसके स्वीकृत होने के पूर्व ही राज्यसत्ता बदली और श्री इंदिराजी पुनः प्रधान-मंत्री बनी। जनता को उम्मीद थी कि श्री इंदिराजी, संत विनोबाजी को १९७६ में दिए गये अपने वचन को पूरा करेंगी। पिछली पार्लियामेंट का आदेश भी पालन करेंगी कि केन्द्रीय गोवधबन्दी कानून बनाया जाय। श्री इंदिराजी से अनेक जन-प्रतिनिधि, संत-साधु तथा खुद विनोबाजी के प्रतिनिधि मिले। उनका एक ही जवाब रहा कि "विचार कर रही हूँ।" यहाँ तक कि श्री इंदिराजी की परम् श्रद्धास्पद माता आनंदमयीजी ने भी स्वयं गोहत्याबंदी कानून बनाने के लिए कहा। उन्हें भी वही जवाब मिला। श्री इंदिराजी की जो भी कठिनाई रही हो वे स्वयं ही हल कर सकती हैं।

जनता जनार्दन की सेवा में पहुँचाना, यही एक मात्र मार्ग रहा। पिछले ५ वर्षो से जन-जाग्रति का सतत प्रयास चालू है। जनवरी १९७९ से इन ढाई सालों में गोहत्या-रोको के लिए अनेक प्रकार के सत्याग्रह किए गये। कलकत्ता के कतलखाने पर सत्याग्रह हुआ। केरल में जन-जागृति के प्रयत्न हुए। गायें रोकने के सत्याग्रह भी अनेक स्थानों पर चले। गाय-रोको सत्याग्रह का प्रारंभ भगवान श्रीकृष्ण की बृजभूमि कोसी, मथुरा से हुआ। रेलवे स्टेशनों में मुगलसराय पर हुआ। तमिलनाडु-केरल की सीमा पर सत्याग्रह हुआ, जिसमें अनेक लोग जेल भी गये। बंगाल की बिहार-उडोसा सीमा पर सत्याग्रह हुए और आज भी चालू हैं। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र आदि सभी प्रान्तों में गायें-रोको सत्याग्रह हुए। जहाँ-जहाँ सत्याग्रह हुए सफलता मिली, उनका असर भी अच्छा रहा, जन-जागृति भी हुई।

पिछले ६ माह से कसाइयों ने अपना तरीका बदला है। गायें ले जाने के बदले स्थान-स्थान पर गायों की कत्ल करके गौ मांस ट्रकों में भरकर बर्फ के सहारे बडे शहरों में ले जाते हैं, जहां से एक्सपोर्ट भी होता है। इस तरीके में उनको खर्च भी कम लगता है और परिश्रम भी कम। अरब देशों में ८०) से १००) रुपये किलो गोमांस के भाव हैं। इस लालचके सामने गाय का जिंदा रहना असंभव ही हो गया है।

इस विनाश का मुकाबला कैसे किया जाय इसपर विचार करने के लिए श्रीकृष्ण जन्माष्टमी ता. २२ शनि. व २३ रवि, अगस्त १९८१ को दिल्ली में **गोरक्षा** कार्यकर्ता संमेलन का आयोजन किया जा रहा है। गो-सेवा के लिए किसी प्रकार का सक्रिय सहयोग देने की जिनकी तैयारी हो वे सब कार्यकर्ता माने जायेंगे। जैसे गोहत्याबंदी के लिए प्रचार करना, व्याख्यान देना, पदयात्रायें निकालना, सत्याग्रह करना, आर्थिक मदद देना तथा अन्य हर प्रकार से गोहत्या रोकने के लिए जो प्रयत्नशील हैं वे सभी आमंत्रित हैं।

इस सम्मेलन की प्रथम दिन की अध्यक्षता पंच खंड पीठाधीश्वर **आचार्य धर्मेंद्रजी महाराज** करेंगे तथा दूसरे दिन की अध्यक्षता तमिलनाडु सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष एवं केरल गायें-रोको सत्याग्रह के नायक **श्री एस. जगन्नाथनजी** करेंगे।

संमेलन में आनेवाले कार्यकर्ताओं का केवल निवास एवं भोजन खर्च संमेलन समिति करेगी। आनेवाले कार्यकर्ता पहले से सूचना देंगे तो व्यवस्था करने में सुविधा रहेगी। ठहरने के लिए जिन्हें विशेष सुविधा की आवश्यकता हो वे अपना प्रबंध स्वयं करने की कृपा करें। जो भाई सब कार्यकर्ताओं के साथ साधारण व्यवस्था में रहना पसंद करें उनके निवास-भोजन की व्यवस्था संमेलन समिति करेगी।

इस संमेलन का आयोजन अ. भा. कृषि गो-सेवा संघ, केंद्रीय गोरक्षा समन्वय समिति, सर्व सेवा संघ, सर्व दलीय गोरक्षा महाभियान समिति एवं भारत गो-सेवक समाज की ओर से हो रहा है। संमेलन का दिल्ली कार्यालय भारत गो-सेवक समाज, ३ सदर थाना रोड, दिल्ली – ६ पर रहेगा। फोन नं. ५११९१० रहेगा। दिल्ली में संमेलन के संयोजक १. श्री मानवमुनिजी २. श्री किसनलालजी कटपीसवाले (फोन २६८०४८) ३. श्री विश्वंभरप्रसादजी शर्मा होंगे। संमेलन का प्रधान कार्यालय अ. भा. कृषि गो-सेवा संघ, गोपुरी, वर्धा रहेगा।

संमेलन स्थान

मारवाडी धर्मशाला, जोगीवाडा, नई सडक
(चांदनी चौक के पास) दिल्ली – ६

अगस्त २२ शनिवार को सुबह १० से १२ बजे तक कृषि गो-सेवा संघ एवं केंद्रीय गोरक्षा समन्वय समिति की बैठक होगी। संमेलन दोपहर में २॥ बजे आरंभ होगा।

निवेदक

ठाकुरदास बंग
अध्यक्ष, सर्व सेवा संघ

तुलसीदास विश्राम
कार्याध्यक्ष, अ. भा. कृषि गो-सेवा संघ

चन्द्रभान शर्मा
मंत्री, केंद्रीय गोरक्षा समन्वय समिति

विश्वंभरप्रसाद शर्मा
मंत्री, भारत गोसेवक समाज

किसनलाल कटपीसवाले
मंत्री, सर्वदलीय गोरक्षा महाभियान समिति

राधाकृष्ण बजाज
महामंत्री, कृषि गो सेवासंघ – संयोजक

(संशोधित – १८-७-८१)

परंधाम मुद्रणालय, पवनार

22.7.81 vegetarian

नव जीव दया मण्डल, दिल्ली (रजि०)

1443, गली छीपियां, मालीवाड़ा,
नई सड़क, दिल्ली-110006

Regd. No. S/7192 Dt. 3 July, 1974

क्रमांक 1191/81

दिन 19/7/81

परमपूज्य सतगुरु श्री जगजीत सिंह जी म०

नमस्कार। आप को यह जान कर बड़ी खुशी होगी कि देश विदेश के अनेक व्यक्तियों से मांस व शराब को छुड़ाने वाली रंगीन चित्रों वाली 'अहिंसा चित्रावली' का संशोधित संस्करण 1982 में छपाने की बड़ी ज़ोर शोर से तैयारियां चल रही हैं। आप से हाथ जोड़ की प्रार्थना है कि ~~जब~~ आप इस को छपाने के लिए अधिक से अधिक आर्थिक सहायता भिजवाने की कृपा करें।

हम ने जब जब भी आर्थिक सहायता आप से मांगी आप ने तुरन्त भिजवाई। अब की बार भी आप अवश्य भिजवाएंगे। ऐसी पूरी पूरी आशा है। पत्र का उत्तर देने का कष्ट करें।

भवदीय
केवल चन्द जैन
President
Nav Jeev Daya Mandal (Regd.)
1443, Gali Chhipian, Maliwara, Delhi-6

2.6.80

Copy of application made by A.D.A Dabwali, in the court of Shri P.C.Narial,HCS., Sub Divisional Judicial Magistrate, Dabwali,In the case noted below:-

Case No.553-1 of 1980
Date of Institution: 16.10.1980
Date of Decision: Pending for 22.12.1980

Case FIR No.82 dt.31.5.80
Police Station: G.R.P.Hissar.
Under Section: 4-A/-120-B P.C.S. IPC.

बाअदालत जनाब सब डिवीजनल जूडिशियल मैजिस्ट्रेट महोदय, डबवाली।

सरकार बनाम 1-तमुला पुत्र नाजिर खाँ कौम मुसलमान पठान साकिन टपराना थाना झिंझाना, जिला मुजफर नगर (यू0पी0)।

2-महमूद पुत्र अबदुल रहीम कौम मुसलमान पठान साकिन टपराना, थाना झिंझाना जिला मुजफर नगर (यू0पी0)।

3-सईद पुत्र जीजू कौम मुसलमान पठान साकिन झिंझाना, थाना झिंझाना, जिला मुजफर नगर (यू0पी0)।

4-मुसतफा पुत्र अली हसन कौम मुसलमान फकीर साकिन पटनी थाना झिंझाना, जिला मुजफर नगर (यू0पी0)।

5-सईद पुत्र अजीज कौम मुसलमान सईद साकिन झिंझाना थाना झिंझाना, जिला मुजफर नगर (यू0पी0)।

6-मुन्ना पुत्र छोटा कौम शेख मुसलमान साकिन आलमगंज लोहा मण्डी सईदपाड़ा आगरा (यू0पी0)।

7-इसता पुत्र अबदुल रहमान कौम शेख मुसलमान साकिन पिरावता थाना अछनेरा, जिला आगरा (यू0पी0)।

8-नवाब उदीन उर्फ जानदार उर्फ इसोअली पुत्र साबु कौम शेख मुसलमान साकिन लोहा मण्डी आलमगंज सईदपाड़ा आगरा (यू पी)।

9-रतन लाल पुत्र श्री प्यारे लाल कौम ब्राहमण साकिन गली हाई स्कूल सिरसा थाना सिटी सिरसा, हाल सी जी सी माल गोदाम रेल्वे स्टेशन मण्डी डबवाली।

10-निर्मल कुमार पुत्र जगदीश प्रशाद गुप्ता साकिन रेलवे क्वाटर टी-26 माल गोदाम रेलवे स्टेशन मण्डी डबवाली।

11-माल चन्द पुत्र प्रभाती राम कौम सुनार साकिन बहादरां थाना बहादरां जिला श्री गंगानगर (हाल एस एम रेलवे स्टेशन मण्डी डबवाली।

12-बृज लाल पुत्र दीन दयाल कौम अग्रवाल साकिन मण्डी डबवाली हाल दलाल माल गोदाम रेलवे स्टेशन मण्डी डबवाली।

ATTESTED
READER
Sub Judge 1st Class Cum Sub Divisional Magistrate (J) Dabwali

13-मुश्ताक अली पुत्र अब्दुल अजीज कौम शेख मुसलमान उर्फ छोटे मुसलमान साकिन आलमगंज लोहा मण्डी सईदपाड़ा आगरा, (यू0पी0)।

14-शफीक जुलाहा पुत्र मजीद कौम मुसलमान साकिन कोरड़ामोहल्ला झिंझाना थाना झिंझाना जिला मुजफ्फरनगर

15-गफूर पुत्र अहमद हसन कौम मुसलमान कसाई साकिन झिंझाना थाना झिंझाना जिला मुजफ्फर नगर (यू0पी0)।

16-इजाज पुत्र अजीजातुल्ला कौम मुसलमान कसाई साकिन झिंझाना, जिला मुजफ्फर नगर (यू0पी0)।

17-वकील पुत्र अमीन कौम मुसलमान साकिन झिंझाना थाना झिंझाना, जिला मुजफ्फरनगर (यू0पी0)।

18-बाबु पुत्र दोषा कौम मुसलमान साकिन झिंझाना, थाना झिंझाना, जिला मुजफ्फर नगर (यू0पी0)।

19-बशीर पुत्र अल्ला रखा कौम शेख मुसलमान साकिन झिंझाना, थाना झिंझाना, जिला मुजफ्फर नगर (यू0पी0)।

मुकदमा एफ आई आर नंबर 82, दिनांक 30-5-80 थाना जी0आर0पी0 हिसार अधीन जेर दफा 4/5-ऐ 6/80 पी0 सी0 एस0 एक्ट 120-बी आई पी सी।

=====

तारीख पेशी : 22/12/80.

विषय:- दरख्वास्त बराये दिये जाने इजाजत बाबत लिये जाने वापिस मुकदमा हजा जेर सैक्शन 321 सी आर पी सी। (...)

=====

श्री मान् जी:

प्रार्थी हसब जैल अर्ज करता है:-

1- यह कि उपरोक्त अनुवान का मुकदमा निम्नलिखित आधार पर वापिस लेने के लिए निवेदन करता है।-

1. उपरोक्त अनुवान मुकदमा अदालत थाना के जेरे गौर है और जिसका चालान अदालत में दिया जा चुका है। फर्द जुर्म लगाये जाने के लिए आईन्दा तारीख पेशी ... मुकदमा अभी प्रारम्भिक स्टेज पर है।

पृ.सं. 3/

2. उपरोक्त मुकदमा में दोषीगण ने 127 बैल हरियाणा से बाहर भेजने के लिए रेल्वे स्टेशन डबवाली से बुक करवाये थे, लेकिन अभी गये नां थे। सी इस तरह जुर्म की तैयारी में थे।

3- उपरोक्त मुकदमा में अभियोजन विभाग शायद यह साबत नां कर सके कि उपरोक्त बैल बुचड़खाने में जाने के लिए लेजाये जा रहे थे क्योंकि दोषीगण का डेस्टीनेशन (Destination) दूर था और उनका विचार किसी भी समय बदल सकता है। इरादा साबत करने के लिए कोई सबूत फाईल पर अनुसंधान अधिकारी ने इकत्र नां किया है।

4- मुकदमा इसलिए भी वापिस लिये जाने योग्य है क्योंकि मण्डी डबवाली में मौजूदा हालात तनावपूर्ण है और हिन्दु मुसलमानों का झगड़ा होने का अन्देशा है इसलिए जनता आम की भलाई के लिए व शान्ति के लिए मुकदमा वापिस लिया जाना न्यायसंगत है।

लिहाजा दरखास्त पेश करके प्रार्थना है कि उपरोक्त आधार को मध्य नजर रखते हुए मुझे, इंचार्ज आफ दी केस को मुकदमा प्रोसीक्युशन से वापिस लिए जाने की इजाजत दी जावे।

अति कृपा होगी।

डबवाली/17/x/80. प्रस्तुत कर्ता:

हस्ताक्षर/

सहायक अभियोजक, डबवाली।

Presented today by Sh. S.K. Makhan P.P. Ahmad to put up the challan on

22.X.80 ... 911-CA sel

10.12.80 5 Dym / 20 bail. 17.10.80

26

1.52

1

1.55

20.12.80

2.12.80

Certified to be true copy

Under Sec. 76 Evidence Act of 1872

20.12.

22.12.80

Sub copying Agent, DABWALI

25.6.81

दूरभाषा — ५१००४

राष्ट्रीय गोरक्षा संघ

(रजिस्ट्रेशन नं० — ४०-७४/७५)

प्रधान कार्यालय - संकीर्तन भवन, झूसी, प्रयाग (उ० प्र०)

शाखा कार्यालय :—

i. संकीर्तन भवन, वसंत गाँव, पो०-वसन्त बिहार, नई दिल्ली

ii. संकीर्तन भवन, वंशीवट, वृन्दावन जिला—मथुरा (उ० प्र०)

iii. सिद्ध बाबा का स्थान, श्रीघाट, खाजेकला, पटना सिटी, (बिहार)

प्रधान संरक्षक :— पूज्यपाद महात्मा अनन्तश्री विभूषित् प्रभुदत्त ब्रह्मचारी जी महाराज

संस्थापक :— स्वामी जनार्दन देव

पत्रांक २०

दिनांक १६-६-८१

प्रात: स्मरणीय श्री सद्‌गुरू जी महाराज

सादर चरण वन्दना

श्री चरणों में सादर अनुरोध है कि राष्ट्रीय गोरक्षा संघ की केन्द्रीय कमेटी का पुनर्गठन किया जा रहा है। जिसमें गोरक्षा ~~सम~~ समर्थक हर धर्म सम्प्रदाय के प्रतिनिधि लिये जा रहे हैं।

अतएव आप से करबद्ध प्रार्थना है कि कृपया उपर्युक्त कमेटी के लिये अपनी ओर से कम से कम दो प्रतिनिधि का नाम पता भेजने का कष्ट करें। साथ ही यह नम्र निवेदन है कि दिनांक १७-७-८१ को २ बजे दिन में संकीर्तन भवन झूसी प्रयाग में राष्ट्रीय गोरक्षा संघ की केन्द्रीय कमेटी की बैठक होगी। जिसमें आप के प्रतिनिधियों की उपस्थिति ~~में~~ होने के लिये मेरी प्रार्थना कह देंगे।

पुन: अनुनय विनय है कि गोवंश की प्राण रक्षा हेतु मेरी उपर्युक्त विनती अवश्य स्वीकार करने तथा उक्त बैठक में आपके प्रतिनिधियों के पधारने की पूर्व सूचना देने का कष्ट करेंगे। पुन: चरण वन्दन।

विनीत

आपके स्नेहाधीन जनार्दन देव
१६-६-८१

जनार्दन देव १६-६-८१

~~सेवा में :~~ ~~स~~-सेवा में :--

प्रात: स्मरणीय सद्‌गुरू श्री जगजीत सिंह जी महाराज
श्री भैनी साहब, लुधियाना । पंजाब ।

VIVEKANANDA KENDRA
Shiksha Prasar Vibhag Delhi Region.
16/44, RAJENDRA NAGAR
NEW DELHI-110060
Phone : 586482

3.1.81

Vivekananda Kendra Vidyalaya

(Under The Aegis Of Vivekananda Kendra, Kanyakumari)
P. O. HURDA (VIA GULABPURA)
Dist. BHILWARA, RAJASTHAN.
PIN. 311022
Phone 75

Ref. No

Date 31 Dec.80

Sardar Gurucharan Singhji,
Sadguru Namdhari cattle farm,
Jiwan Nagar,
Sirsa,
Haryana.

Dear Sir,

We came to know about your Goshala in Go cross. The main intention of writting this letter is to share the experiences of yours which will be of very helpful to run a Dai[ry] of local marwari and Sindhi cows.

We are looking forward for your guidance,

Thanking You,

Yours sincerely,

M Ramaswamy

M.Ramaswamy.

राष्ट्रीय गोरक्षा संघ का पंचम महाधिवेशन

में स्वीकृत प्रस्ताव

दिनांकः २१ और २२ फरवरी, १९८१ को गाँधी मैदान, पटना में राष्ट्रीय गोरक्षा संघ का पंचम महाधिवेशन के शुभ अवसर पर इस विराट गोरक्षा सम्मेलन में सर्वसम्मति से निम्न लिखित प्रस्ताव स्वीकृत किये गये ।:-

[१] यह सम्मेलन अपनी भारत सरकार से माँग करता है कि सम्पूर्ण देश में गोवंश की हत्या पर रोक लगाने के लिए प्रभावपूर्ण एवं सशक्त कदम उठाय । यह सम्मेलन यह भी माँग करता है कि गोवंश की हत्या पर प्रतिबन्ध लगाने के लिए आवश्यक कानून बनाय तथा वर्तमान कानूनों की त्रुटियों को दूर कर उनके अनुपालन का समुचित प्रबन्ध करे ।

भारत सरकार से यह भी अनुरोध किया जाता है कि वह भारत की सीमा से बाहर गोवंश तथा गोमांस के निर्यात को शीघ्र बन्द करे । यह सम्मेलन बिहार आदि सभी राज्यों से अनुरोध करता है कि वे अपने राज्य की सीमाओं से बाहर अर्थात् बंगाल और केरल जाने में गाय-बैलों पर रोक लगायें ।

यह हर्ष की बात है कि अनेक प्रान्तों में उत्साही कार्य-कर्ताओं द्वारा संत विनोबा भावे के निर्देशानुसार गाय रोको । रोको भाई रोको आन्दोलन चलाया जा रहा है जिसका यह सम्मेलन पूर्ण-रुपेण समर्थन करता है ।

[२] यह सम्मेलन बिहार सरकार से अनुरोध करता है कि वह अपने गोहत्या निरोध सम्बन्धी त्रुटिपूर्ण कानून को शीघ्र दुरुस्त करे जिससे बिहार में एक भी गाय अथवा बैल की हत्या नहीं हो पाये । चाहे वह किसी प्रकार का और किसी उम्र का क्यों नहीं हो ।

[३] यह सम्मेलन भारतीय गोरक्षक जनता से अनुरोध करता है कि देशभर में जहाँ कहीं भी राष्ट्रपति, राज्यपाल, केन्द्रीय मंत्री, राज्य मंत्री, संसद सदस्य अथवा विधायकों का कार्यक्रम हो वहाँ वे उन विशिष्ट नेताओं को गोरक्षा की महत्ता को अच्छी प्रकार से समझावें तथा उनके चुनाव क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार शांतिपूर्वक और अहिंसात्मक ढंग से सांकेतिक धरना सत्याग्रह द्वारा उन्हें सम्पूर्ण देश में सम्पूर्ण गोवंश की हत्या पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाने हेतु कानून बनाने में प्रबल नैतिक बल प्रदान करे ।

[४] जनतंत्र में जनही तन्त्र का स्वामी है । भारतीय जनता की परमपरागत आस्था है कि गोमाता सर्वदेवमयी होने के कारण केवल अवध्य ही नहीं वरन् परम् पूज्य भी है । किन्तु आज दुर्भाग्य से तन्त्र ही जन को कुचल कर चल रहा है । आज शासन तंत्र जनता की गोभक्ति और विश्वास को जबरदस्ती पुलिस डन्डा, जेल और गोली से कुचल कर प्रतिदिन ४० हजार गोवंश के गले पर छुरी चला रहा है । इस राष्ट्रीय गोरक्षा सम्मेलन में हम सब गो एवं गंगा की सौगन्ध खाकर प्रतिज्ञा करते हैं कि हम इस गो एवं गोपाल के देश में, बिना किसी दलबन्दी या साम्प्रदायिक भावना के शुद्ध गोभक्ति और देशभक्ति की भावना से, अपना मत [वोट] केवल

उसी व्यक्ति को देंगे जो विधान सभा या लोक-सभा में पहुँचने के पश्चात् सबसे पहला काम यही करेंगे कि सम्पूर्ण देश में गोवध बन्दी का आदेश पारित करवाने हेतु अपनी ओर से पूर्णरूपेण प्रबल प्रयास करेंगे । जो इसका पालन नहीं करेंगे उन्हें सारा समाज गोहत्यारा मानेगा ।

[५] यह सम्मेलन उन सब अधकचरे नेताओं, क्षुद्र स्वार्थों से प्रेरित राजनीतिज्ञों, लोभी, स्वार्थी, गोरक्त लोलुप्त ठीकेदारों तथा लेखकों एवं पत्र-पत्रिका सम्पादकों की घोर भर्त्सना करता है जो आये दिन यदा-कदा यत्र-तत्र बड़े संयमहीन एवं अशोभन ढंग से सर्वदेवमयी गोमाता की निन्दा, गोरक्षा अभियान का विरोध एवं गोवंश हत्या का निर्लज और अविवेकपूर्ण समर्थन कर देश के करोड़ो नागरिकों की श्रद्धा भक्ति और आस्था का भयंकर खून करते रहते हैं ।

[६] राष्ट्रीय गोरक्षा संघ का प्रधान कार्यालय इलाहाबाद में रखा जाय ।

[७] पूज्य पाद संत अनन्त श्री विभूषित प्रभुदत्त ब्रह्मचारी जी महाराज को सर्वसम्मति से राष्ट्रीय गोरक्षा संघ का प्रधान संरक्षक चुन लिया गया जिसे पूज्यपाद अनन्त श्री विभूषित प्रभुदत्त ब्रह्मचारी जी महाराज ने स्वीकार कर लिया ।

[८] पूज्यपाद स्वामी जनार्दन देव जी महाराज को सर्वसम्मति से राष्ट्रीय गोरक्षा संघ का अध्यक्ष चुन लिया गया तथा पूज्य स्वामी जनार्दन देव जी महाराज को ही यह कार्यभार और अधिकार दिया गया कि वे स्वयं पूज्यपाद संत अनन्त श्री विभूषित प्रभुदत्त ब्रह्मचारी जी महाराज, परम आदरणीय जनाब आली ख्वाजा हसन सानी नेजामी नेजामुद्दीन औलिया, नई दिल्ली तथा माननीय श्रीमान् जत्थेदार श्री राम सिंह अकाली जी से सलाह मशविरा करके संघ की केन्द्रीय प्रबन्ध समिति का गठन कर लेने का कष्ट करें ।

[९] सर्वसम्मति से यह निर्णय किया गया कि पूज्यपाद संत अनन्त श्री विभूषित प्रभुदत्त ब्रह्मचारी जी महाराज के संरक्षण और मार्गदर्शन में राष्ट्रीय गोरक्षा संघ को अखिल भारतीय स्तर पर सशक्त प्रभावकारी संगठन बनाने के लिए देश के सभी प्रान्तों में तथा क्रमशः प्रत्येक जिले में इसकी शाखायें स्थापित की जायं ताकि देश भर के तीर्थों में, नगरों में और सभी ग्रामों में करोड़ों देश-वासियों के हृदय की प्रसुप्त गोभक्ति की भावना को जागृत कर उनसे गोरक्षार्थ उपयुक्त वातावरण बनाया जा सके और भारत माता के माथे से गोहत्या का कलंक मिटाया जा सके ।

:: टाईप हाउस ::

Vaselani -
23.6.81

Q 2030 MCR 84 Bombay 23 18

Jagjit Singh Maharaj
Sirijeevan -

Bombay meeting changed to Eighteenth June kindly attend inconvenience regretted

Patodiya

Cor
27.5.'80
Vegetarian

VISHVA HINDU PARISHAD

16/10 Arya Samaj Marg, Karol Bagh, New Delhi - 110 005.

Bombay Office :
36,Piroja Mansion,
Opp. Grant Road Stn.(E),
Bombay - 400 007.

Bombay : Date : 22-5-80

Sub: 31st Meeting of the Governing Council and
14th Annual Meeting of the Board of Trustees.

Respected Sir,

Namaskar. With reference to the notices of above mentioned meetings, you are further requested to note the change in the date of the above meetings.

As the audit of our Accounts is in progress these meetings will now be held on 15th June, 1980, instead of 1st June, 1980, as intimated to you earlier.

The venue and time of these meetings remain the same, as intimated in the notices, referred above.

The inconvenience, caused to you due to change of date, is highly regratted.

With regards,

Yours sincerely,
Kulkarni
FOR (D. P. Patodiya)
Central Organising Secretary.

Hindu Vigelis.
16.4.81

हिन्दू मन्च

HINDU MANCH

Pratap Bhawan,
B. S. Zafar Marg,
New Delhi-110002

अध्यक्ष :
के० नरेन्द्र

प्रताप भवन,
बहादुर शाह जफर मार्ग,
नई दिल्ली-११०००२

दि0 12. 4. 1981

पूजनीय गुरु श्री जगजीतसिंह महाराज जी,

सादर प्रणाम स्वीकार हो ।

मैं अपने पुराने परिचय के बारे में तो इतना ही निवेदन करता हूँ कि आपके पूज्य पिता जी सद्गुरु महराज प्रतापसिंह जी मुझे जगदीशचन्द्र अब्रोल बहुत अच्छी तरह जानते थे - जम्मू काश्मीर और मण्डी हिमाचल प्रदेश के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह- प्रान्त प्रचारक के नाते । अब मैं 'हिन्दू मंच' दिल्ली राज्य के महामंत्री के नाते गत 8 मास से कार्य कर रहा हूँ ।

इस समय हिन्दुओं पर, हिन्दू समाज पर और इस भारत राष्ट्र पर गत 5 हजार वर्षों में सबसे अधिक संकट का समय गुजर रहा है । हमने मुगलों से और बाद में अंग्रेजों से निपटने में जो वीरता, त्याग कुर्बानी इतिहास में साक्षी है ,उसकी मिशाल नहीं मिलती । किंतु आजकल उसका उलट हो रहा है हर स्तर पर केवल मात्र व्यक्तिगत स्वार्थ दिखाई दे रहा है और देश एवं राष्ट्र ऐसे गर्त में गिरा जा रहा है कि कोई शिवाजी ,प्रताप तेग बहादुर ,गुरु गोविन्द सिंह कूके गुरु एवं वीर या फिर चन्द्रशेखर ,भगतसिंह,राजगुरु, सुभाष ही राष्ट्र की रक्षा करसकते हैं या फिर आप जैसे गुरु महाराज मैदान में उतरकर हिन्दू हितों की रक्षा कर सकते हैं । इसी हेतु हम कुछ हिंदुओं ने (जो राजनीति से बिलकुल दूर हैं) एकत्र होकर यह मंच स्थापित किया है। जिसमें सरदार सेवा सिंह जी (आपके सेवकों में से) भी शामिल हैं ।

इस मंच का एक प्रतिनिधियों का सम्मेलन 26. 4. 81 रविवार को कान्सटुयूसन क्लब रफीमार्ग नई दिल्ली में सारे दिन के लिए बुलाई गया है ।

हमारी कार्यकारिणी के सभी सदस्यों की ओर से मेरी विशेष प्रार्थना है कि आप भी अपना शुभ आशीर्वाद देने के लिए उस दिन दिल्ली में मंच के सम्मेलन में शामिल हो कर कुछ समय प्रदान

करें एवं हिन्दू समाज को एक मंच पर लाने के प्रयासों को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें ।

यह मेरी विनम्र प्रार्थना है

आशा है इसे स्वीकार कर मुझे एवं समस्त हिन्दू समाज पर अनुकम्पा कर अपने महान कर्तव्य का पालन करते हुए स्वयं उपस्थित रह आशीर्वाद देने का कष्ट करेंगे ।

अति विनीत सेवक

जगदीश अग्रोल

(जगदीश अग्रोल)

महामंत्री

हिन्दू मंच दिल्ली

3/14 ईण्डस्ट्रीयएरिया कीर्तिनगर

नई दिल्ली-110015

कार्यालय दूरभाष
532259

घर
590223

25.4.81 vegetarian

सनातन धर्म महासभा, दिल्ली

के तत्वावधान में

रविवार १२ अप्रैल १९८१, प्रातः १० से मध्याह्न १२ बजे तक

लाल किला मैदान, दिल्ली में

जगदाचार्य स्वामी नारदानन्दजी सरस्वती

की अध्यक्षता में

श्रीरामजन्मोत्सव-भव्य शोभायात्रा

शोभा यात्रा अपराह्न २ बजे लालकिला से प्रारम्भ होकर
अजमलखां पार्क में पूर्ण होगी।

सान्निध्य—

स्वामी विवेकानन्दजी सरस्वती	स्वामी अमर देव जी
स्वामी भास्करानन्दजी सरस्वती	सिद्ध बाबा सुथरेशाह जी
स्वामी लोकनाथ जी	पूज्य श्री शुभमूर्ति माँ जी
स्वामी परमानन्द जी	पूज्य श्री सच्चिदानन्द माँ जी

आप सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं।

विनीत—

प्रेमचन्द गुप्ता	लक्ष्मीनारायण पोद्दार	वेद प्रकाश
संस्थापक सभापति	**अध्यक्ष**	**सचिव**

सनातन धर्म महासभा मानस केन्द्र यमुना तट, दिल्ली-११००५४

कृ० पृ० उ०

* भव्य शोभा यात्रा *

रविवार १२ अप्रैल श्रीराम जन्मोत्सव के पश्चात् मध्याह्नोत्तर २ बजे लालकिला मैदान से प्रारम्भ होकर चांदनी चौक, फतहपुरी, खारी-बावली, लाहौरी गेट कुतुब रोड, सदर बाजार, बाराटुटी, पहाड़ी-धीरज, बाड़ा हिन्दुराव, फिल्मिस्तान से पृथ्वीनाथ शर्मा मार्ग (मोडली बस्ती) से अजमल खां पार्क में भगवान की आरती के पश्चात् पूर्ण होगी।

कृपया शोभा यात्रा के मार्ग में अपनी दुकानों व मकानों पर रोशनी तथा भगवान की झाँकी के दर्शन व आरती की व्यवस्था करने का कष्ट करें।

मन्दिरों व सभाओं के पदाधिकारियों से निवेदन है कि कृपा-कर श्रीरामजन्मोत्सव के दिन मन्दिरों पर व अपने मकान व दुकान पर रोशनी करने का कष्ट करें।

ओंम प्रकाश मोगा
संयोजक
अर्थ संग्रह समिति

विनीत
मनोहर लाल कुमार
संयोजक, शोभायात्रा समिति

प्रबन्ध कार्यालय, दरबार मुथरेशाह, यमुना बाजार, दिल्ली-६, दूरभाष : २२६३२१

Dely. 1.11.81.
Vegetarian

गौः (ॐ) 卐

विश्व–हिन्दु–सम्मेलने हिन्दु राष्ट्रे नेपाले
सादर निमन्त्रणा

स्वस्ति । श्रीशाके १९०२ चैत्र मासे शुक्ले पक्षे नवरात्रे नव-दुर्गा—पूजा–महापर्वणि राम नवाम्यां तिथौ रविवारे विश्वस्मिन्नद्वितीये गोरक्षके धर्मसापेक्षे विधानतो घोषिते, आर्यसंस्कृतेरनुयायिनि हिन्दुधर्मावलम्बिनि हिन्दुराष्ट्रे नेपाले नारायण्यञ्चले वीरगञ्जे परवाणीपुरे स्पर्शनाथपीठनिकटे पुण्यस्थले पञ्चदिवसीये विश्व-हिन्दु-सम्मेलने प्रतिनिधि-रूपेण / पर्यवेक्षकरूपेण समुपस्थातुं सादरं निमन्त्रणाऽऽस्ते । कृपया, पत्रमिदं सहैव रक्षणीयम् । विनीताया: पूर्वाङ्गसमिते:

विश्वहिन्दुसम्मेलनस्य नेपालस्य

संवत २०३७।१२।३०।१ नवरात्र महापर्व दुर्गा पूजा रामनवमी श्री ५ पृथ्वीराज्यभिषेक शुभ मुहूर्तमा, विश्वमा एक मात्र गोरक्षक धर्मसापेक्ष विधानत: घोषित आर्यसंस्कृतिका अनुयायी, हिन्दुधर्मावलम्बी हिन्दुराष्ट्र नेपालका, नारायणी अञ्चल, पर्सा जिल्ला, वीरगञ्ज, पारसनाथपीठनिकट पर्वानीपुरमा हुने विश्वहिन्दु सम्मेलनमा, प्रतिनिधिरूपमा । पर्यवेक्षक रूपमा भागलिनु हुन सादर निमन्त्रणा छ । कृपया यो पत्र संगै रहोस् ।

विनीत पूर्वाङ्ग समिति

विश्व-हिन्दु सम्मेलन नेपाल

(खातानं. १३४०।१२राष्ट्रिय वाणिज्य बैंक वीरगञ्जमा जम्मागरी सहयोग गर्नुहोस्)

बाटो

विमानद्वारा सिमरा रक्सौल भएर । रेल द्वारा रक्सौल भएर । बसद्वारा पथलैया वीरगञ्ज रक्सौल भएर । पदाति नेपाल भारतका आठै दिशाबाट सम्मेलन स्थल पर्वानीपुरमा पुगिन्छ । वसन्त समयोचित विस्तरा र यातायात शुल्क स्वयं बहन गर्ने । प्रवेश शुल्क ने. रु. २५ छ । भोजनको अर्ध मूल्य मात्र छ । आराम व्यवस्था सम्मेलनको छ ।

श्री सतगुरु सतनसिंह जी महाराज

(signature)

महा सचिव

आध्यात्मिक मुद्रणालय, मृगस्थली गोरक्षपीठ काठमाण्डप, नेपाल ।



ॐ 卐

धर्म संस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे

विश्व हिन्दू सम्मेलन संस्थापक सदस्य

:: नियमावली :-

१. विश्व हिन्दूसम्मेलनका ॐ र गाई मान्ने संस्थापक सदस्य परिवारबाट उठेको अर्थराशि अक्षय धर्म कोषमा सुरक्षित रहने छ। मूल धनमध्ये एक पैसा पनि हिना-मिना हुने छैन। वृद्धि (ब्याज) बाट विश्व भरिका हिन्दूहरूका धार्मिक आध्यात्मिक सांस्कृतिक संगठन संरक्षण संवर्धनात्मक काम मात्र हुने छन्। संस्थाको कौडी कौडी संस्थाका काममा मात्र लाग्ने छ। अन्यत्र लाग्ने छैन।

२. शुद्ध लेखा-जोखा कोषाध्यक्ष र सचिवका पासमा रहने छ। संस्थापक सदस्यहरूका बैठकमा सबैका जानकारीका लागी प्रस्तुत गरिने छ। बैठकका निर्णयलेनै संस्थाको उद्देश्य पूर्तिमा लाग्ने छ। अन्यथा हुने छैन।

३. पवित्र आध्यात्मिक र धार्मिक भावना द्वारा प्रेरित भएर धर्मसंस्थापनार्थाय संस्थापक सदस्यहरूले आफ्ना सत्यका उपार्जनबाट खोटा-खोटा पैसा दुरुप्रयोगबाट बचाएर रू. १०१।- एक सय एक रुपिया का दरले एकत्रित गरिएको अक्षय धर्मकोषमा अर्थशुद्धिका साथ भावशुद्धि राखिने छ। कहिलेपनि कुनै पनि प्रकारले कसैका भावना दूषित हुन दिइने छैन। किनकि भावदोषबाट अर्थदोष प्रवेश गर्छ र अर्थदोषबाट अक्षयकोषको क्षय हुन्छ। अक्षयकोषको सम्वर्धन र संरक्षण क्षीण भयो भने धर्मनाश हुन्छ। धर्मनाशबाट सबैको सर्वनाश हुन्छ सो सम्झेर सबै कार्य गरिनेछ।

४. विश्व हिन्दू सम्मेलन जस्ता सभा सम्मेलन, धर्मशिक्षा गोरक्षा, धर्म प्रचार विश्व भरि हिन्दुसंगठन अध्यात्म कथा प्रवचन, सद्ग्रन्थ प्रकाशन धार्मिक पत्र पत्रिका प्रकाशन, सम्मेलन शाखा संचालन तथा धर्मसंस्थापन धर्मसंवर्धन र धर्मसंरक्षण प्रमुख सत्कर्मका साथ विश्व हिन्दू आचार संहिता सम्पादन संशोधन मुद्रण प्रकाशन र विश्व-भरि व्यापक प्रचार प्रसार गर्ने काममा वृद्धि धनको सदुपयोग गरिने छ।

५. धर्मसेवक-परीक्षण-केन्द्र शाखा संचालन गर्ने, धर्मप्रचारक पुरोहित शिक्षण केन्द्रहरू चलाउने कथा वाचक प्रवक्ता स्वयंसेवक प्रशिक्षण केन्द्रहरू चलाउने। योगाभ्यास केन्द्र द्वारा समाजलाइ आरोग्य-शिक्षा प्रदान गर्ने र यौगिक प्राकृतिक आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र सर्वत्र चलाउने।

६ देश काल पात्र परिस्थिति अनुसार संस्थापक परिवारका सर्वसम्मतिले र बहुमतले जुन वेला जुन ठाँउमा जे जस्तो काम गर्नु पर्छ गर्ने गराउने।

७ धर्म संस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे भन्ने भगवानका भक्त शक्तिशाली संस्थापक सदस्यहरूले नै प्रयोजन अनुसार मूलसमिति र उपसमितिको गठन गर्ने तथा अरू जे जस्तो काम गर्नु पर्छ गर्ने वैधानिक अधिकार स्थाइ रहने छ। संस्थापक सदस्य नै संस्थाका मुल आधार शिला हुनाले संस्थापक सदस्यहरू स्वतः आजीवन आदर्श सदस्य रहने छन्। संस्थाका सर्वाधिकार संस्थापक सदस्यहरूमा सुरक्षित रहने छन। संस्थाको हानि कसैले गर्न पाउने छैन। शुभलाभ गर्ने अधिकार जन्मसिद्ध सबैको रहने छ। यस्ता धार्मिक काममा सहयोग गर्नु प्रत्येक मानवको पावन कर्त्तव्य छ।

मुहूर्तमपि जीवेत नरः शुक्लेन कर्मणा।

विश्व हिन्दू सम्मेलन — **योगी नरहरिनाथः**

वीरगंज पर्सा नेपाल … २०३७। ८। १३

गाेरखा आध्यात्मिक मुद्रणालय, मृगस्थली गोरक्षपीठ काष्ठमण्डपः नेपाल



श्री ५ महाराजाधिराज का बाहुलिबाट समुदघाटन हुने

विश्व हिन्दू सम्मेलन

विश्व शान्ति, शिव शक्ति महायज्ञ

परावाणीपुर वीरगञ्ज नारायणी अञ्चल नेपालमा हुनेछ ।

कार्य-क्रम

मितिः- २०३७।१२।३०।१ देखि २०३८।१।४ सम्म

दिनांकः- १२ अप्रैल देखि १६ अप्रैल १९८१ „

कृपया यस सम्मेलनमा भाग लिनु होस्, सहयोग गर्नु होस् ।

पूर्वाङ्ग समितिः-

विश्व हिन्दू सम्मेलन परावाणीपुर
वीरगञ्ज (नेपाल)

योगी नरहरिनाथः

म.व्या.शिक्षा मुद्रणालय, मृगस्थली गोरक्षपीठ काठमाडौं, नेपाल

Rec
1.4.81
Vegetarian.

गौ

काठमाण्डौं कार्यालय
वेद वेदाङ्ग आश्रम

पशुपति क्षेत्र काठमाण्डौं
फोन नं. १६६३२, ११८६६

ॐ

॥ यतो धर्मस्ततो जयः ॥

विश्व हिन्दू सम्मेलन

सम्मेलन कार्यालय, वीरगंज (नेपाल)

卐

वीरगंज कार्यालय
गीता मन्दिर, वीरगंज

फोन नं. २३२१ २१२३
२०९२, २७७६

वीरगंज–१८।८।२०३७
३–१२–१९८०

–ःशुभ संदेशः–

विश्व कल्याणको लागि अध्यात्मिक चेतना जगाई विश्व भरिका हिन्दूहरूको एउटै आचारसंहिता निर्माण गर्ने र विश्व हिन्दू मंचको स्थापना गर्ने उद्देश्यले विश्वमा एकमात्र धर्मसापेक्ष गोरक्षक विधानतः घोषित हिन्दूराष्ट्र देवभूमि नेपालको पवित्रस्थान वीरगंज क्षेत्रमा विश्वहिन्दू सम्मेलन गर्ने अठोट गरिएको छ। यस सम्मेलनमा यस वसुन्धराका कुनै पनि स्थानमा बसोबास गर्ने हिन्दू, बौद्ध, जैन, सिख, आदि गाई र ॐ लाई मान्ने र हिन्दू धर्मप्रति श्रद्धा राख्ने र राख्न चाहने कुनै पनि व्यक्ति भाग लिन सक्दछन्।

विश्वका विभिन्न स्थानहरुबाट महान् योगी, सन्यासी, धर्मगुरु, राजपरिवार, विद्वान् महर्षिहरुले यस सम्मेलनमा भाग लिने व्यवस्था गरिने भएको छ। सम्मेलनको उद्देश्यलाई सफल र सार्थक पार्न तपाई जस्तो युगप्रवर्तकको आत्मीय सहयोगको आवश्यकता छ।

सम्मेलनलाई संगठनात्मक रूप प्रदाद गर्न र अनुशासित राख्ने विश्व हिन्दू सम्मेलन प्रति हामीले प्रारंभिक नियमानुसारतत्पर हुनु आवश्यक भएकोले यस पत्रक द्वारा संस्थापक सदस्य भई सम्मेलन प्रति आवद्ध हुन अनुरोध गर्दछौं

संस्थापकसदस्यः- यस पत्रकमा उल्लेख भए अनुसारको प्रार्थना पत्र भरी शुल्क सहित पठाउनु पर्दछ।
(क) संस्थापक सदस्यता शुल्क नेपाल कालागि ने० रु. १०१।-
(ख) ,, ,, ,, भारतको लागि भा० रु. १०१।- (ग), अन्यत्रका लागि यू० यस० डालर १५।- मात्र।

स्वयंसेवकः- संस्थापक सदस्य हुनु पर्दछ वा प्रवन्धक समितिले आमंत्रित गरेको हुनु पर्दछ।

प्रतिनिधिः- (क) संस्थापक सदस्य हुनु पर्दछ र न्यूनतम १० जना संस्थापक सदस्य बनाइएको हुनु पर्दछ।
वा (ख) संस्थापक सदस्य हुनु पर्दछ र २५ जना संस्थापकहरूबाट प्रतिनिधि बनाइएको हुनु पर्दछ।
वा (ग) संस्थापक सदस्य र धर्म संगत आचार विचारको भै न्यूनतम रु. १००१।- को विशेष सहयोग प्रदान गरेको हुनु पर्दछ।
वा (घ) सम्मेल द्वारा प्रतिनिधिको रूपमा आमंत्रित गरियेको हुनु पर्दछ।

पर्यवेक्षकः- संस्थापक सदस्य हुनु पर्दछ र न्यूनतम रु. ५०१।- सहयोग प्रदान गरेको हुनु पर्दछ, वा सम्मेलनद्वारा आमंत्रित गरियेको हुनु पर्दछ।

....."धर्मवीर" "कर्मवीर" "दानवीर":–

जुन व्यक्तिले सम्मेलनको उद्देश्यलाई सफल र सार्थक पार्नकोलागि आध्यात्मिक, बौद्धिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, आर्थिक र कर्मयौगिक रूपमा असाधारण योगदान गरेको ठहर्छ, त्यस्ता महानुभावहरूलाई 'धर्मवीर' 'कर्मवीर' 'दानवीर' को पदवीले सम्मेलन द्वारा सम्मानित गरिनेछ।
आजीवन सम्मानित संरक्षक सदस्यः-जुन व्यक्तिले सम्मेलनको उद्देश्यलाई सफलर सार्थक पार्नको लागि रु.१,२५,०००।-(रु.एक लाख पच्चीस हजार) प्रदान गर्नं छन् त्यस्ता व्यक्ति को पछि सम्म रहने गरि सम्मेलनमा चित्र राख्ने रआजीवन सम्मानित संरक्षक सदस्यको रूपमा प्रतिष्ठित गर्ने। अन्य सहयोगीहरुलाई पनि यथोचित प्रतिष्ठा प्रदान गरिने छ।

कोषः- विश्वको जुन सुकै बैंकको चेक, ड्राफ्ट, स्वीकृत गरिने छ।

द्रष्टव्यः- कुनै पनि व्यक्तिलाई संस्थापक, स्वयंसेवक, प्रतिनिधि, पर्यवेक्षकको रूपमा स्वीकार गर्ने नगर्ने र कसैको आर्थिक सहयोग स्वीकृत गर्ने नगर्ने, कसलाई कुन सम्मानवाट विभूषित गर्ने हो सो को सर्वाधिकारसम्मेलनमा सुरक्षित रहने छ। योगी, सन्यासी साधु, महात्माहरुको लागि, शुल्क अनिवार्य छैन।

बन्धुवर ! मानव कल्याणको लागि, दुःखले पीडित जीवमात्रको दुःख नाशकोलागि, प्रेम करुणा ज्ञानको गंगा यस वसुन्धरामा उतारनको लागि पुनः धर्मको संस्थापनाको लागि हामी देवसंततिहरू अगाडी बढौं ! बढौं !

'उत्तिष्ठत ! जाग्रत ! प्राप्य वरान्निबोधत !'

योगी नरहरिनाथः
स्वयंसेवक :

प्रार्थीः-
डा० काशीराज उपाध्याय
पं. उमानाथ शास्त्री
महासचिव-
विश्व हिन्दू सम्मेलन, वीरगञ्ज

गौ

ॐ

'यतो धर्मस्ततो जयः'

आवेदन-पत्रम्

卐

मिति..........२०३

श्री महासचिव महोदय,
विश्व हिन्दु सम्मेलन,
सम्मेलनकार्यालय, वीरगञ्ज
क्षान्यवर;
विश्व हिन्दु सम्मेलनस्य संस्थापकसदस्यतां वाञ्छामि। सदस्यशुल्केन साकमावेदनपत्रं प्रेषयामि।
धर्मसंस्थापनार्थाय मामपि सहभागिनं कुरुतु।
धन्यवादः।

संलग्नशुल्कराशिः- रु. १०१।-
परिचायक :-
हस्ताक्षराणि-
नाम-
स्थानम्

निवेदक :
हस्ताक्षराणि-
पूर्णनाम-
स्थानम्-

Vijay Lal
9.4.81 प

ओं ३०.३/८१   ३.३/८१

श्री महोदय गोपालसिंह जी
सादर जयवेदविद्या जी

अनन्तर आज सोमवार आपका पत्र प्राप्त हुआ. काणी, दातारपुर में श्री सनातन धर्म संस्कृत विद्यालय का वार्षिक सम्मेलन 13-14-15 मार्च को था दस ग्यारह दिन से मैं दातारपुर में होगा. इसलिए सौपारी पहुंचने पर कृपा पत्र मिला. उत्तर दे रहा हूं. ~~आ~~ सम्मेलनों का उद्घाटन शुक्रवार 3 अप्रैल को श्री १०८ महन्त रामप्रकाशदास जी करेंगे. आप शुक्रवार ही पहुंचने का प्रयत्न करें. दातारपुर सम्मेलन में मुकेरियां से आपके कुछ सज्जन आये थे. उन से भी आपका परिचय जान रहे थे. आपके अपना एड्रेस मालूम कर रहा था परन्तु सौपारी पहुंचने पर आप का पत्र मिल गया. रास्ता परिचय - दसूहा ~~से~~ में होशियारपुर हाजीपुर बस्स अड्डा से सौपारियां के लिये बस्स मिलेगी. यह बस्से दसूहा से हाजीपुर नंगल धोगरा सौपारियां के रास्ते बस्से चलती हैं. सौपारियां टिकट ले लेना. आसानी से सौपारियां पहुंच जायेंगे. पहुंच जाय।

निवेदक
पं. बालमुकन्द शर्मा,
धर्मप्रचार/वैद परिषद सौपारियां होशियारपुर

20.3.81

क्रमांक 3435 गोशाला/93-गा-डी दिनांक 10/3/81

प्रेषक

निदेशक, पशुपालन विभाग,
हरियाणा, चण्डीगढ़ ।

प्रेषित

श्री राम लाल शास्त्री महामन्त्री,
गऊ रक्षा समिति मण्डी डब्वाली,
सिरसा ।

विषयः - प्रतिवेदन ।

महोदयः

उपरोक्त विषय पर आपका ध्यान मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार के पृ0 क्रमांक 8(3) 28-डी: जी दिनांक 30-1-81 की ओर दिलाकर सूचित किया जाता है कि दिनांक 27-5-80 व 28/5/80 को मण्डी डब्वाली से 13 वैगनों द्वारा बम्बई (हावड़ा) के लिये 127 बैलों को बुक करवाया गया था परन्तु मण्डी डब्वाली के लोगों के शोर मचाने पर ये जानवर वैगनों से उतरवा लिये गये थे और इन्हें गोशाला डब्वाली के हवाले कर दिया गया था ।

इस सम्बन्ध में श्री बनारसी दास सिंगला प्रधान गोशाला डब्वाली ने एक एफ: आई: आर: रेलवे पुलिस हिसार में एफ आई आर: नं: 32 दिनांक 31/5/80 को नियम नं: 4-7-6/80 of Prevention of Cow Slaughter Act & Rule 188/34 IPC के अधीन दर्ज करवाई थी । ऐसा कोई भी केस इस विभाग द्वारा पुलिस में दर्ज नहीं करवाया गया था इसलिए सरकार के स्तर पर इस केस को वापिस लेने का प्रश्न ही पैदा नहीं होता क्योंकि यह केस एक प्राईवेट आदमी ने पुलिस में दर्ज करवाया हुआ है । अतः मण्डी डब्वाली के लोगों का सरकार के विरुद्ध इस बारे में रोष प्रकट करना उचित प्रतीत नहीं होता ।

कृते:- निदेशक, पशुपालन विभाग हरियाणा,
चण्डीगढ़ ।

2/3/81

क्रमांक 8434 गोशाला/ 9३-ना-डी   दिनांक 10/3/81

प्रेषक

निदेशक, पशुपालन विभाग,
हरियाणा, चंडीगढ़ ।

प्रेषित

श्री राम लाल कामड़ी महामन्त्री,
गऊ रक्षा समिति मण्डी डब्बवाली,
सिरसा ।

विषयः- प्रतिवेदन ।

ज्ञापनः

उपरोक्त विषय पर आपका ध्यान मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार के पृ0 क्रमांक 2(3) 28-डीः जो दिनांक 30-1, 81 की ओर दिलाकर सूचित किया जाता है कि दिनांक 27-5-80 व 28/5/80 को मण्डी डब्बवाली से 13 वेगनों द्वारा बाम्बा(बम्बई) के लिये 127 बैलों को बुक करवाया गया था परन्तु मण्डी डब्बवाली के लोगों के शोर मचाने पर ये जानवर वेगनों से उतरवा लिये गये थे और इन्हें गोशाला डब्बवाली के हवाले कर दिया गया था ।

इस सम्बन्ध में श्री बनारसी दास जिन्दल प्रधान गोशाला डब्बवाली ने एक एफः आईः आरः रेलवे पुलिस हिसार में एफः आईः आरः नः 32 दिनांक 31/5/80 को नियम नः 4-ए-6/80 of Prevention of Cow slaughter Act & Rule 120/34 IPC के अधीन दर्ज करवाई थी । ऐसा कोई भी केस इस विभाग द्वारा पुलिस में दर्ज नहीं करवाया गया था इसलिए सरकार के स्तर पर इस केस को वापिस लेने का प्रश्न ही पैदा नहीं होता क्योंकि यह केस एक प्राईवेट आदमी ने पुलिस में दर्ज करवाया हुआ है । अतः मण्डी डब्बवाली के लोगों का सरकार के विरुद्ध इस बारे में रोष प्रकट करना उचित प्रतीत नहीं होता ।

पत्र प्राप्त दि 9.3.81

कृतेः- निदेशक, पशुपालन विभाग, हरियाणा,
चंडीगढ़ ।

2/3/81.

Rec
18.3.82
vegleam

L—583.
H. H. Satguru Shri Jagjit Singh ji,
Maharaj,
Shri BHAINI SAHIB,
Distt. Ludhiana (Pb.)

भारत INDIA 20

—५००-३-८१

विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध-संस्थान सभा

V. V. Research Institute Society, Hoshiarpur

पो. साधु-आश्रम, होशिआरपुर

बैठक स्थगित करने की सूचना

(Notice for Postponement of Meeting)

सं० ११/४ ता. १६-३-१९८१

वि. वै. शोध संस्थान सभा की साधारण व विशेष वार्षिक बैठक (General and Special Annual Meeting) जो रविवार २२-३-१९८१ को सायं ३ बजे प्रो० वेदव्यास जी के निवास-स्थान 64 गाल्फ लिंक्स (Golf Links) देहली—3 (On Sunday, March 22-3-1981 at 3 P. M.) पर होने वाली थी, वह विशेष कारणों से स्थगित कर दी गई है।

नई तिथि की सूचना आपको यथासमय भेज दी जाएगी।

एस. भास्करन नायर
सहमन्त्री

19

L—583.
H. H. Satguru Shri Jagjit Singh ji,
Maharaj,

Shri BHAINI SAHIB,
Distt. Ludhiana (Pb.)



Ree 13.3.81 Vagish

—५००-३-८१

विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध-संस्थान सभा

V.V. Research Institute Society, Hoshiarpur.

पो. साधु-आश्रम, होशिआरपुर

सदस्यों को सूचना

(Notice to Members)

सं० ११/४ ता. ६-३-१९८१

वि. वं. शोध संस्थान सभा की साधारण व विशेष वार्षिक बैठक (General and Special Annual Meeting) रविवार २२-३-१९८१ को सायं ३ बजे प्रो० वेदव्यास जी के निवास-स्थान 64 गाल्फ लिंक्स (Golf Links) देहली—3 (On Sunday, March 22-3-1981 at 3 P. M.) होगी। कृपया अवश्य दर्शन दीजिएगा।

एस. भास्करन नायर
सहमन्त्री

विषय—

१. पिछली (ता. ६-४-८० की) बैठक की कार्यवाही।
२. संवत् २०३६ का हिसाब।
३. संवत् २०३८ का बजट।
४. कार्यकारिणी समिति के विशेष प्रस्ताव।
५. कार्यकारिणी समिति का चुनाव।
६. संस्थान के भविष्य के बारे में विचार।
७. संविधान में संशोधन।
८. मिश्रित तथा सभापति की अनुमति से अन्य कोई विषय।

vegetarian

3.3.81

अखिल भारत कृषि गोसेवा संघ

दि० २१-२-८१

पू० बाबा,

सादर प्रणाम् । ता० ११ को शांति कुटी पर पू० काकाजी (जमनालालजी) की पुण्यतिथि प्रार्थना पूरी करके निकला था । इस बार चि० सुजाता तथा उसकी मां भी साथ थे । ता० १२ की शामको वाराणसी पहुंचे । श्री नरेन्द्रभाई का १४ वा उपवास चल रहा था । साधन शुध्दि की ओर सर्वोदय साथियों का ध्यान आकर्षित करनेके लिए एवं चित्त शुध्दिके लिए १४ दिनका उपवास रखा था । उपवास कालमें नीबू-पानी, शहद लेते रहे । १४ दिनमें करीब १५ पौंड वजन घटा । ता० १३ की सुबह उपवास की परिसमाप्ति उषा बहन मेहता के हाथसे मोसंबी रस लेकर हुआ । उस मौके पर साधकजी, गोविंदरावजी देशपांडे, एस० एम० जोशी और मैंने अपने विचार प्रगट किये । सभी ने साधन शुध्दिकी ओर ध्यान आकर्षित करानेवाले इस उपवासका स्वागत किया । नरेंद्रभाजी ने भी उपवास के बीच रही शांति और आनंदप्रद अनुभवोंकी प्राप्तिपर समाधान व्यक्त किया ।

मोगलसरायमें गायें रोको कार्यक्रम सफलतापूर्वक चल रहा है । जयप्रकाशजी, प्रेमलता बहन तथा श्रीकिशनजी काबरा उस ओर ध्यान दे रहे हैं । मोगलसराय स्टेशन से गायोंका जाना पूराही बंद मानना चाहिए । सडक व्दारा ट्रकें काफी जाती है, उनको रोकने में कुछ भ्रष्टाचार पनप गया था इसलिए उस कार्यक्रमको स्थगित करना पडा । अलखभाई, प्रकाश जोशी, कुलकर्णी बिहार गये हैं ।

ता० १४ को वाराणसी से निकले । इंदिरा कांग्रेस की किसान रेली के कारण स्पेशल गाडियोंकी भरमार थी । रिजर्वेशन में लोग घुस गये, ता० १५ को दिनभर दिल्ली रहना था लेकिन गाडी १६ घंटा लेट पहुंची, इस कारण १ दिन दिल्लीका और १ दिन बिकानेर का व्यर्थ गये । दिल्लीमें चारों ओर मानव समुद्र उमड रहा था । इंदिरा जिंदाबाद के नारे लग रहे थे । २०-२५ लाख लोग अवश्य रहे होंगे । स्पेशल ट्रेनों को प्रायरिटी दी गई थी । इस कारण नित्यकी सभी गाडियां अस्तव्यस्त रही । दो तीन दिन पहिले और दो तीन दिन बाद तक देशभरमें नित्यके मुसाफिर परेशान रहे ।

ता० १७ को थोडा समय ही छत्रगढ(बिकानेर) ठहर सके । पू० दादा धर्माधिकारी वहीं थे । विमलाबहन ठकार को माइल्ड हार्ट अटेक जैसा होनेसे नहीं आ सकी वे आबूमें है । करीब २ माह आराम लेना होगा । छत्रगढ के आसपासके ५० गांवों में ग्रामसंगठन अेवं गोसंवर्धनका कार्य संगठित किया जाना है । उसके लिए कार्यकर्ता प्रशिक्षण चल रहा था । वहापर अकालके समय बची १००० गायें बछडी-बछडे है ।

समग्र सेवा संघकी सभामें यहा अेक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि ता० १८ अप्रैल ८१ से सालभरके लिए गोकुलभाई की वाहन यात्रा चलेगी । राजस्थान में २३२ प्रखंड एवं २६ जिले है । प्रखंडो में अेक अेक दिन तथा जिला स्थानोंपर दो दो दिन देनेकी योजना है । गोकुलभाई के साथमें थोडे थोडे समयके लिए सभी प्रमुख लोग रहेंगे । इस यात्राका नाम सर्वोदय यात्रा रहेगा । शराब बंदी, गोवधबंदी ये दो प्रमुख कार्य अेवं साथमें सभी रचनात्मक कार्योपर, ग्राम स्वराज्य के लक्ष्य को

-- पीछे

ध्यानमें रखते हुवे जोर दिया जायगा ।

ता० १८ को जयपुर आये । अकाल सहायता कमीश्नर से मिलकर पिछले अकालके हिसाबों की कठिनाइयां दूर करवायी । बाबा बलवन्तसिंगजी के नामपर १। लाख रुपये का फंड इकत्रित करके उसके व्याजसे हरसाल उत्तम गोधनके लिए ११००० के इनाम बांटनेकी माणेकचंदजी बोहरा की भावनाको संघने स्वीकृति दी । माणेकचंदजी ने उसी समय ५१००) का दान दिया । बाबा बलवन्तसिंहजी के जानेसे रिक्त दुर्गापुरा कृषि-गोपालन केंद्र का संचालन श्री माणेकचंदजी के जिम्मे दिया गया ।

ता० २० को दिल्ली आया । पू० शिवाजी महाराजसे मिला । वे भाई रामकुमारजी जालानके घर दरियागंजमें ठहरे हैं । ता० २४ को जी०टी० से वर्धा पहुचेंगे । चल नही सकते स्ट्रेचर से उतारना होगा । उनके साथ पद्मा और शैला बहन हैं । श्री वसंतरावजी साटे शिवाजी महाराज से मिलने आये थे । महाराजने पूछा गोवधबंदी बाबत श्री इंदिराजी क्या कर रही हैं तो उन्होंने बताया कि बंगाल व केरल जानेवाली गायोंको रोकना चाहिए इससे वे सहमत है । तमिलनाडूके मुख्यमंत्री जी० रामचंद्र से संपर्क किया गया उन्होंने स्वीकार किया हैं कि तमिलनाड से जानेवाली गायोंको रोकेंगे । कर्नाटकसे भी संपर्क किया है । बिहार और उडिसा वालोंको भी खबर करनेवाले हैं, आदि ।

मुनि ज्ञानचंद्रजी का शुध्दि साधना प्रयोग यथावत चल रहा है । मुनीजी का उत्साह बढ़ता जा रहा है । काफी दिनोंसे उनका मानस आमरण उपवास की ओर जा रहा है लेकिन वे जल्दी में कदम नहीं उठावेंगे । अंतरप्रेरणा अधिक तीव्र होगी तब मुनि संतबालजी तथा आपके आशीर्वाद लेकर ही आगे बढेंगे । भाई बद्रीनारायणजी गाडोदिया भी शुध्दि साधना में २ दिनके उपवास कर गये । गायके दूधको पूरा भाव मिले इस बारेमें प्रयत्न करने के लिए श्री चंद्रप्रकाशजी दिल्ली आये हुवे थे । राजस्थान भी जाकर आये ।

प्लनींग मंत्री श्री नारायणदत्तजी तिवारी से मिलना हुआ । साथमें योजना आयोग के सदस्य अेन०एस०स्वामीनाथन् भी थे । हमारे साथ दशरथभाई ठाकर तथा हरीकिशनजी गुप्ता थे । तिवारीजीने यह स्वीकार किया कि ग्रामको इकाई बनाना आवश्यक है । उसके लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के साथ बैठकर तपशील से बात करनी होगी । तय रहा श्री स्वामीनाथन जी श्री अंतुलेजी से संपर्क करें । यथा संभव ९ मार्च को मुंबई में मीटिंग रखी जाय । वर्धा के लोगोंको भी बुलाया जावेगा ।

वस्त्र स्वावलंबन योजना बाबत खादी कमीशन के अध्यक्ष श्री थामस से श्री तिवारीजी स्वयं बात करेंगे । आर्थिक उत्पादन अेवं रोजगार देनेकी कोई भी योजना तभी चल सकेगी जब उसके उत्पादनके मार्केटिंग की जिम्मेवारी सरकार लेगी । इस संबंधमें वे सोचेंगे । श्री तिवारीजीने परिवार में सबकी कुशलता पूछी एवं आपको प्रणाम कहलवाया है ।

गुजरात हायकोर्ट में १६ सालतक के बैलोंकी कतल पर पाबंदी लगानेवाले कानून को चैलेंज किया गया था उस केसमें हायकोर्ट ने कानून के पक्षमें निर्णय दिया उसपर विरोधी पक्षकी ओरसे सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई है । श्री दशरथभाई ठाकर मंत्री कृषि गोसेवा संघ के जिम्मे यह काम है । इस कार्यमें सहयोग देनेके लिए सुप्रीम कोर्ट के अेक प्रमुख अडव्होकेट श्री लक्ष्मीमलजी सिंघवी से मिले । उन्होंने पूरी तरहसे सहयोग देना स्वीकार किया हैं ।

अडव्होकेट त्र्यंबकलाल मेहता से मदत लेनेकी बात मुनी संत बालजीने सुझायी थी । वे, सिंघवी जी के भी अच्छे मित्र हैं । दोनों मिलकर इस कार्य को देखेंगे ।

मेरा स्वास्थ अच्छा रहा । मन प्रसन्न, उत्साह भरपूर ।

सेवक

रा. बजाज

(राधाकृष्ण बजाज)

श्री महाराज बीरसींगजी महाराज
जीवननगर सिरसा (हरियाणा)
125075

Vegadan
12.2.81

VISHVA HINDU PARISHAD

16/10, Arya Samaj Marg,
Karol Baug, DELHI - 110 005.

Dated : 5th Feb., 1981.

NOTICE OF THE 15th ANNUAL MEETING OF THE BOARD OF TRUSTEES OF VISHVA HINDU PARISHAD.

The 15th annual meeting of the Board of Trustees will be held at Mathura. You are cordially invited to attend.

Date of meeting	:	8th March, 1981 the Sunday.
Time	:	3 P.M. to 6 P.M.
Venue	:	International Guest House, Lord Shri Krishna's Janma bhoomi, Mathura (U.P.) Telephone 857

If required the meeting will also continue on 9th March.

AGENDA

1. To confirm the minutes of the last meeting, held on 5th October, 1980. at Calcutta.
2. To consider the report about the implementation of the decisions of the previous meeting.
3. To consider the report on the General working of the Parishad.
4. To consider the audit report for the year 1979.
5. To approve the General budget for 1980 & 1981 and budget for the film on Second World Hindu Conference.
6. To approve appointment of new trustees, in place of those retiring in Aug. 1981.
7. To consider any other matter, with the permission of the chair.

M. P. Degwekar
(M. P. DEGWEKAR)
GENERAL SECRETARY

VISHVA HINDU PARISHAD
16/10, Arya Samaj Road,
Karol Baug, NEW DELHI - 110 005.

Dated: 5th Feb., 1980.

NOTICE OF THE 35th MEETING OF THE GOVERNING COUNCIL OF VISHVA HINDU PARISHAD.

The 35th meeting of the Governing Council will be held at Mathura.

You are cordially invited to attend.

Date of meeting	:	7th March 1981, the Saturday.
Time	:	9-00 A.M. to 12-00 A.M. 3-00 P.M. to 6-00 P.M.
Venue	:	International Guest House, Lord Shri Krishna's Janma bhoomi, Mathura (U.P.) Telephone 857

AGENDA

1. To confirm the minutes of the last meeting held on the 30th November, 1980 at 185, Walkeshwar Road, Bombay - 6.
2. To consider the report about the implementation of the decisions of the previous meeting.
3. To consider the report of the General Secretary on the General working of the Parishad.
4. To consider the budget proposal for the domumentary film on Second World Hindu Conference.
5. To consider the progress of the implementation of the resolutions of the Second World Hindu Conference.
6. To consider the transfer of local Vishva Hindu Parishad assets. to the newly formed body " Vishva Hindu Parishad Kerala "
7. To consider the functioning as well as continuous deficit of HINDU VISHVA magazine.
8. To consider present financial position of the organisation.
9. To consider appointment of new trustees in place of those, retiring in Aug. 1981.
10. To consider the expansion of Vishva Hindu Parishad organisation in Nepal.
11. To consider the convening of the first All India, Vishva Hindu Parishad office bearers' conference.
12. To consider any other matter with the permission of the chair.

M. P. Degwekar

(M. P. DEGVEKAR)
GENERAL SECRETARY

Rec. 12.2.81

फोन नं० २२६२०६ 卐 तार का पता : 'इन्दुसंघ" दिल्ली

अखिल भारतीय आर्य (हिन्दू) धर्म सेवा संघ

२५, मलकागंज रोड,
जवाहर नगर, दिल्ली-११०००७

ओ३म्

दिनांक फरवरी १०, १९८१

माननीय महोदय,

संघ के मन्त्री श्रीयुत लालूरामजी गुप्ता के दु:खद देहावसान पर संघ की प्रबन्धक समिति द्वारा एक सर्कुलर द्वारा शोक प्रस्ताव आपके हस्ताक्षर के लिए आपकी सेवा में भेज रहे हैं। आशा तथा प्रार्थना है, आप कृपया इस अपना हस्ताक्षर कर हमारे रेकार्ड के लिए भेज देंगे।

भवदीय,

संयुक्त मन्त्री

संलग्न: शोक प्रस्ताव

ओ३म्

अखिल भारतीय आर्य (हिन्दू) धर्म सेवा संघ

प्रबन्धक समिति

सर्कुलर द्वारा शोक-प्रस्ताव

दिनांक जनवरी ७, १९८१

अखिल भारतीय आर्य (हिन्दू) धर्म सेवा संघ के सम्मान्य मन्त्री श्रीयुत डालूरामजी झंगटा के आकस्मिक दुःखद देहावसान पर यह समिति हार्दिक शोक व्यक्त करती है तथा उनके शोकसंतप्त परिवार के प्रति अपनी आन्तरिक समवेदना प्रेषित करती है। श्रीयुत डालूराम जी के निधन से संघ की अपूरणीय क्षति हुई है। वे इस संघ के कुशल, उदारचरित एवं सेवाभावी मन्त्री तो थे ही, वे इस संस्था के संस्थापक स्व० सेठ जुगलकिशोर जी बिरला के विश्वस्त व्यक्ति तथा इस संघ के सक्रिय संचालकों और नियामकों में से थे।

परमात्मा से प्रार्थना है कि उनकी दिवंगत आत्मा को वह चिर शान्ति प्रदान करें।



ਸ੍ਰੀ ਸਤਿਗੁਰੂ ਜੀ

L—583.
H. H. Satguru Shri Jagjit Singh ji,
Maharaj,
Shri BHAINI SAHIB,
Distt. Ludhiana (Pb.)

vegelu ५-२-८१

—५००-४-८१

विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध-संस्थान सभा

V. V. Research Institute Society, Hoshiarpur

पो. साधु-आश्रम, होशिआरपुर

सदस्यों को सूचना

(Notice to Members)

सं० ११/४ — ता. १०-४-१९८१

वि. वै. शोध संस्थान सभा की साधारण व विशेष वार्षिक बैठक (General and Special Annual Meeting) जो रविवार २६-४-१९८१ को सायं ३ बजे प्रो० वेदव्यास जी के निवास-स्थान, 64 गाल्फ लिंक्स (Golf Links), देहली—3 (On Sunday, April 26, 1981 at 3 P. M.) होगी।

कृपया अवश्य दर्शन दीजिएगा।

आनन्द कुमार
प्रधान

विषय —

१. पिछली (दि० ६-४-८० की) बैठक की कार्यवाही की पुष्टि।
२. संवत् २०३६ का हिसाब।
३. संवत् २०३८ का बजट।
४. कार्यकारिणी समिति के विशेष प्रस्ताव।
५. कार्यकारिणी समिति तथा अधिकारी वर्ग का चुनाव।
६. संस्थान के भविष्य के बारे में विचार।
७. संविधान में संशोधन।
८. मिश्रित तथा सभापति की अनुमति से अन्य कोई विषय।

Vagbalwan

हिन्दू मञ्च
HINDU MANCH

दूरभाष : 274472

Pratap Bhawan,
B. S. Zafar Marg,
New Delhi-110002.

प्रताप भवन,
बहादुरशाह् जफ़र मार्ग,
नई दिल्ली-११०००२

● अध्यक्ष :
के० नरेन्द्र
● महामन्त्री :
जगदीश अब्रोल

सम्पर्क सूत्र :
३/१४, इण्डस्ट्रियल एरिया,
कीर्तिनगर, नई दिल्ली–११००१५
दूरभाष : कार्यालय 532259
निवास : 590223

पत्र संख्या :

दिनांक १९८१

आदरणीय महोदय / महोदया :

हिन्दू मन्च दिल्ली राज्य की ओर से हिन्दू हितों की रक्षार्थ एवं ईसाइयों और मुसलमानों की ओर से हो रहे आक्रमणों और उनसे भी भयंकर रूप से मुस्लिम विदेशी हकूमतों, उदाहरणतः कुवैत, सउदी अरब, ईरान आदि देशों से लाखों डालरों के आधार पर मुस्लिम विश्वविद्यालयों, भव्य मसजिदों और मकबरों के निर्माण और उससे भी भयंकर परिणाम लानेवाली स्थिति अर्थात हिन्दू हरिजन बन्धुओं, पिछड़े वर्गों और बनवासियों को इस्लाम की गोद में ले जाने के षडयन्त्रों के बारे में विचारार्थ सभी हिन्दुओं जो इस मूल हिन्दू धारा के अंग हैं। चाहे वे हैं हरिजन बंधु, पिछड़े वर्ग, बनवासी, बौद्ध, जैन, सिक्ख, निरंकारी, नामधारी, राधास्वामी, देवसमाजी, आर्यसमाजी, सनातन धर्मी, लिंगायत, शैव, वैष्णव, शाक्त इत्यादि । एक मंच पर इकट्ठे होकर इस घोर आक्रमण का मुकाबला करने के लिए कटिबद्ध हो जाएँ।

इसी हेतु एक प्रतिनिधि सम्मेलन २६अप्रैल १९८१ (रविवार) प्रातः १०-०० बजे से कान्स्टिट्यूशन क्लब (Constitution Club) के बड़े मैदान में (मावलंकर हाल के साथ) करने का हिन्दू मंच दिल्ली कार्यकारिणी ने निश्चय किया है। इस सम्मेलन में विचारार्थ विषयों में अपने देश को मुस्लिमस्तान बनाने के षडयन्त्रों से बचाने तथा पूर्वी हिन्दुस्थान को ईसाईस्तान बनने से रोकने आदि पर विचार होगा । गत ३० वर्षों में सरकार की नीतियों की नाकामियों आदि पर भी विचार किया जायेगा । अतः इस चुनौती को हिन्दू समाज ने एक मंच पर एकत्र होकर अगर स्वीकार नहीं किया तो उपरोक्त पंथ, उपपंथ, मन्दिर, गुरुद्वारे, जैनस्थान, बौद्ध विहार, स्तूप आदि कुछ नहीं बचेगा ।

अतः मैं इस सम्मेलन के संयोजक के नाते सविनय प्रार्थना करता हूँ कि आप अपने प्रधान एवं मन्त्री को प्रतिनिधि के नाते इस सम्मेलन में सक्रिय रूप से सम्मिलित होने के लिये भेजें और समय की नज़ाकत को समझते हुए अपने पारास्परिक सभी भेद-भाव भुलाकर इस मंच को मजबूत बनायें एवं भावी कार्यक्रम बनाने के लिए इसमें सम्मिलित होने की कृपा करें।

पूर्ण आशा एवं विश्वास के साथ ।

आपका साथी—

(जगदीश अब्रोल)
संयोजक
प्रतिनिधि सम्मेलन हिन्दू मंच,
दिल्ली प्रदेश

Vegetarian
31.1.81

DEV SANGEET ~~SHALA~~ NIKTAN

(*Principal* **K. Mahavir**)
Music Director

C/o. Mrs. S. Paigaonkar,
Krishna Nivas,
Hindu Colony,
Dadar, Bombay.

Ref. No...... ....

Date 28. 1. 1981
Bombay

चरणों में आदर सहित "श्री"

श्री सतगुरु जी महाराज जी को मेरा व बच्चों का बहुत बहुत प्रणाम व सत श्री अकाल। हम आपके आशीर्वाद से सकुशल हैं। समाचार ये है की किसी मिशन के कार्य में आपको अब तक पत्र न दे सका सो मैं बहुत बहुत क्षमा चाहता हूं और आप बड़े छोटों की छोटाई पर न जाकर क्षमा करेंगे। मैं यहां पिताजी की स्मृति में ता: 19.2.81 को तेजपाल हाल में संगीत का कार्यक्रम दे रहा हूं जिसमें मैं जो पिताजी के नाम से देव संगीत निकेतन संस्था चलाता हूं उसके विद्यार्थी गायेंगे और एक दो कलाकार बाहर के लूंगा। इस कार्यक्रम में जो सब से ज़्यादा ज़रूरी चीज़ है वो है आपका आशीर्वाद उसी की प्रतीक्षा में आपका दास।

आप बम्बई कब पधार रहे हैं सो सूचित करें।

के. महावीर
संगीत निर्देशक
हिल ग्रेंज हाई स्कूल
13, ए पेडर रोड बम्बई 400026

Vegetarian
31.1.81

॥ श्री ॥



DEV SANGEET NIKETAN

(PRINCIPAL)

GURU K. MAHAVIR

PRESENTS

"SWAR SANDHYA"



C/o HILL GRANGE HIGH SCHOOL,

13-A, PEDDER ROAD,

BOMBAY–400 026.

DEV SANGEET NIKETAN

Dear Sir/Madam,

We are presenting a Programme of popular music of the noted singers, Anuradha Paudwal, Suresh Wadkar, Aruna Giri, Devki Anand, Arun Date & others in aid of "Dev Sangeet Niketan" on 19–2–1981 at 8–00 P. M. Sharp, at Tejpal Auditorium Gwalia Tank.

On the above occassion we are publishing a Souvenir to insert Advertisements of our well wishers and Friends which will help us a lot to make our Programme a grand success.

An order form for booking your valuable advertisements in attached herewith.

Hoping to receive your kind Co-operation and encouragement in our above efforts.

Thanking you.

ADVERTISEMENT TARIFF

SIZE 9" x 7.1/2"

Back Cover Page	.. Rs. 2000/-
Inside Cover Page	.. Rs. 1500/–
Special Colour Page	.. Rs. 1000/–
Full Page	.. Rs. 700/–
Half Page	.. Rs. 500/–

Your's faithfully,

(GURU K. MAHAVIR)

Principal

CONTRACT FORM

To,

Dev Sangeet Niketan

C/o. HILL GRANGE HIGH SCHOOL,
13-A, PEDDER ROAD,
BOMBAY-400 026.

Dear Sir/Madam,

We are pleased to Book the ______________ Page space of Rs. ______________ in your Souvenir of 19–2–1981. We are enclosing our Cheque/Cash favouring Dev Sangeet Niketan for the space booked. please note that the following instructions our regarding advertisement.

Your's faithfully,

Instructions : ____________________________

____

Address : ____________________________

____

DEV SANGEET NIKETAN

Principal GURU K. MAHAVIR
(Music Director)

Hill Grange High School,
13 'A' Pedder Road,
Bombay-400 026.

Ref. No.__________ Date__________198

Dear Sir/Madam,

This letter I address for your kind favour.

My consistent endeavours in the field of Classical and Light Music are known to you. Apart from my regular performance as a singer and music composer, I also conduct a music school known as ''Dev Sangeet Niketan''. The school was founded by me in memory of my late father Pandit Mahadev Prasad, who was one of the foremost exponents of Jaipur Gharana.

On Thursday, February 19th, 1981, I am holding a programme of popular music of the noted singers, Anuradha Paudwal, Suresh Wadkar, Aruna Giri Devki Anand, Arun Date and others, for raising funds for my music school. A special Souvenir will be brought out to commemorate the occassion.

I humbly request you to spare your efforts by extending co-operation in raising funds for my school. I look forward to your support for the Souvenir in the form of advertisement from your esteemed organisation. The tariff and the technical data of the same are attached. I am sure you will co-operate and release your advertisement.

With kindest regards,

Yours sincerely,

के. महावीर.

(GURU K. MAHAVIR)
Principal

Encl. : as stated.

Rec
31.1.81.

On Thursday, February 1981. on the occasion of Sangeet [illegible]
Request for co-operation in raising funds for school

Reservd. 31.1.81

~~[illegible]~~

सेवा में

श्री सतगुरु महाराज जगजीत सिंह जी
श्री भैणी साहब
ज़िला लुधियाना
पंजाब

9

Rec
21.1.81. Vgela

ॐ

यतो धर्मस्ततो जयः

Regd. UNDER
ACT XXI of 1860

दूरभाष : 20107
21282

श्री सनातन धर्म सभा, अम्बाला छावनी

(पंजीकृत)

SHRI SANATAN DHARAM SABHA, AMBALA CANTT. (Regd.)

क्रमांक.................... दिनांक 17.1.81 १९७

परम पूज्य त्यागमूर्ति श्री सतगुरु जी महाराज के चरणों में सादर प्रणाम।

सेवा में निवेदन है कि आप को यह जान कर बड़ी प्रसन्नता होगी कि सभा का वार्षिक उत्सव इस वर्ष 25 अप्रैल से 2 मई तक मनाया जा रहा है। कई वर्ष हो गये जब आप अपनी मण्डली सहित सभा के वार्षिक उत्सव में पधारे थे। अब फिर यहाँ की जन्ता की बड़ी तीवर इच्छा है कि आप दर्शन दें। और हमें अपना आशीर्वाद प्रदान करें और अपने मुखार बिन्द से कुछ उपदेश दे कर लोगों को ~~विश~~ निहाल करें। इस भयंकर काल में जहाँ प्राणी अत्यन्त दुखी है, वहाँ केवल एक सहारा आप जैसे महा पुरुषों का ही है।

इस लिये आशा है कि आप हमारी प्रार्थना को स्वीकार करके जन्ता को कृतार्थ करेंगे।

आप का दास

[illegible]

प्रधान सभा

Rec 16.1.81

Vegetarian Diet

वन्दे गो-मातरम् !

केन्द्रीय गोरक्षा समन्वय समिति

(गोरक्षा - निष्ठ संस्थाओं का समन्वित संगठन)

मुक्त अध्यक्ष : आचार्य विनोबा भावे

प्रधान कार्यालय :

अखिल भारत कृषि-गोसेवा संघ

भारतीय विद्याभवन, क. मा. मुनशी मार्ग,
चौपाटी, बम्बई-७. टे. फो. नं. ३६६३१३

: उपाध्यक्ष :
स्वामी श्री. सत्यमित्रानंद गिरी (ऋषिकेश)
स्वामी श्री. शिवानंद महाराज (वडोदरा)
श्री. गुलजारीलाल नन्दा (कुरुक्षेत्र)
लाला श्री. रामगोपाल शालवाले (दिल्ली)

: कोषाध्यक्ष :
श्री. तुलसीदास विश्राम (बम्बई)

: महामन्त्री :
आचार्य श्री धर्मेन्द्रजी – बी, १८६,
विश्वविद्यालय मार्ग, बापूनगर, जयपुर-४.
मन्त्री : श्री. मानवमुनी (इन्दौर)
श्री. चन्द्रभानु शर्मा (बम्बई)
श्री. किशनलाल कटपीसवाले (दिल्ली)
श्री. एस्. जगन्नाथन (मदुराई)
कु. प्रवीणाबहन देसाई (पवनार-वर्धा)

पत्र क्रमांक गो.के.-81/19

दिनांक ____________ १९८

दूरभाष: 6 93677
ए-367, डिफैंस कालोनी,
नई दिल्ली-110024
दिनांक: 3/1/81

प्रिय श्री

सप्रेम जय जगत !

आपको यह जानकर जरूर प्रसन्नता होगी कि इन दिनों गोरक्षा सम्बन्धी जो वातावरण पैदा हुआ है और आगे के लिए जिस प्रकार के साधन तथा सुविधायें प्राप्त होने की सम्भावनायें बनी हैं, उनकी दृष्टि से आगामी 18-19 और 20 जनवरी, 1981 को वीतराग स्वामी श्री कल्याण देव जी महाराज के सान्धिय में मुजफ्फरनगर के पास शुक्रताल वाले उनके आश्रम में केन्द्रीय गोरक्षा समन्वय समिति तथा सम्बन्धित संस्थाओं व गोभक्तों का एक सम्मेलन कर लेने की बात तय पाई है।

राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली तथा उ०प्र० में आरम्भ हुए 'गाय रोको अभियान' के परिणामस्वरुप जो परिणाम तथा परिस्थितियां पैदा हुई हैं उस सम्बन्ध में सभी सक्रिय एवं प्रमुख कार्यकर्त्ताओं ने एक बार ~~मिल~~ सम्मलित रूप से मिलकर विचार-विनमय कर लेना आवश्यक समझा गया है। जिस प्रकार का कार्यक्रम तय पाया है उसका पूरा ब्यौरा समय पर आपके पास भिजवा दूंगा, अभी तो आपसे इतना ही निवेदन है कि आप तीन दिन का समय प्रस्तावित सम्मेलन में सम्मलित होने की तैयारी व व्यवस्था कर लेवें।

आशा है आप स्वस्थ एवं प्रसन्न होंगे।

मंगलाकांक्षी,
चन्द्रभान शर्मा
(चन्द्रभान शर्मा)
मन्त्री

श्रद्धेय सतगुरु श्री जगजीत सिंह जी महाराज
लुधियाना (पंजाब)

Ree
6.1.81.

vaget -

SHRI GIRIVANAVASI PRAGATI MANDAL, BOMBAY

Contributions of Rs. 2,500/- or above Totally Tax-Exempt as under:

for 7th Roga Upachar Shibir (Eye-cum-Medical Camp)
at Kukma (Gujarat)
as well as
Rural Development Programmes at Nareshwadi,
Taluka Dahanu, Dist.: Thane (Maharashtra)
approved u/s 35 CCA
will get benefit of 100% deduction from taxable income.

Contributions below Rs. 2,500/-

will get benefit as per Section 80G of
The Income Tax Act.

Name :

Address :

Date :

The Secretary,
Shri Girivanvasi Pragati Mandal,
Fazalbhoy Building, 4th Floor,
45-47, Mahatma Gandhi Road,
BOMBAY-400 023.

Dear Sir,

SUPPORT TO YOUR ACTIVITIES

With reference to your appeal, I/we enclose a crossed cheque No.__________ for Rs.__________(Rupees____________________) made out in your favour, "Account Payee" being my/our donation towards the corpus of your Mandal's funds/contribution for Nareshwadi Centre/Roga Upachar Shibir.

Re : Advertisements :—

We hereby release advertisement as per matter enclosed to be displayed at the Camp/to be published in the Special/Ordinary issue of "Girivanavasi Sandesh" at the tariff rates indicated in the appeal.

The matter/block for advertisement is sent herewith/may be collected.

We wish you success in your activities.

Yours faithfully,

( )

ॐ

મોકલનારનું નામ : સરનામું :

તારીખ :

મંત્રીશ્રી,
શ્રી ગિરિવનવાસી પ્રગતિ મંડળ,
ફાઝલભાઈ બિલ્ડીંગ, ૪થે માળે,
૪૫-૪૭, મહાત્મા ગાંધી રોડ,
મુંબઈ-૪૦૦ ૦૨૩.

આપની પ્રવૃત્તિમાં સહાય

ભાઈ શ્રી,

આપની અપીલ મળી છે. આપના મંડળના ભંડોળ/નરેશવાડી કેન્દ્ર/રોગ ઉપચાર શિબિર

માટે રૂ.______________ અંકે રૂ.______________નો "Account Payee" ચેક/ડ્રાફ્ટ મોકલીએ છીએ.

જાહેર ખબર બાબત : આપના ટેરીફ મુજબ શિબિરમાં પ્રદર્શિત કરવામાટેની જાહેર ખબર કે "ગિરિવનવાસી સંદેશ"ના વિશેપાંક/માસિક અંકમાં છાપવા માટેની જાહેર ખબર માટે વિગત/બ્લોક આ સાથે મોકલાવેલ છે./આપનો માણસ મોકલી મંગાવી લેશો.

આપની પ્રવૃત્તિઓમાં અમો આપને સફળતા ઈચ્છીએ છીએ.

એ જ લિ.

( )

ॐ

न मानुषात् परो धर्मः ।

Grams : CARE MANIKAKA
Telephones : 297272
315404

SHRI GIRIVANAVASI PRAGATI MANDAL

(President Shri K. J. Somaiya)

Regd. Office : Bank of Baroda Building, 6th floor, Parliament Street, New Delhi-110 001 (India)
Registered under Indian Trusts Act : Reg. No. 4431/9 dtd 27-9-74
[Exempt u/s 80-G of Income-tax Act, 1961 under Certificate No. CIT-II/TE (269)/74/86
dated 24-6-1978 valid till 31-12-1980]

(i) BC-IT/35 CCA (12)/79 dated 18-10-1979 valid from 12-10-1979 to 31-3-1982 for Nareshwadi Rural Develooment Programmes.

(ii) H. Q. I / 35 CCA-50 / 80-81 dated 17-11-1980 valid from 15-11-1980 to 31-3-1981 for 7th Medical Camp at Kukma (Kutch).

Permanent Centre :
Nareshwadi,
Post :- Dhundhalwadi,
Tal. :- Dahanu, Dist. :- Thane
Maharashtra. Tele : Talasari 61

Central Office :
Fazalbhoy Building, 4th Floor,
45, Mahatma Gandhi Road,
Fort, Bombay-400 023.

1st December 1980

Dear friends,

7th Medical Camp

By now you are perhaps aware of the activities of Shri Girivanavasi Pragati Mandal.

We have pleasure in informing you that the Seventh Annual Medical Camp of the Mandal is being organised at Kukma. Taluka: Bhuj, District: Kutch (Gujarat) from 2nd January 1981 to 25th January, 1981.

The number of total patients likely to be examined and/or treated at the Camp is expected to be around 20,000. The estimated budget for the Camp is around Rs. 10-12 lakhs.

Your generous munificence in the past has helped us in conducting such Camps successfully and we look forward to your assistance for this seventh annual Camp, as before.

For your ready information, we give you here below the particulars of the Camps held so far and the number of patients examined and/or treated.

	Year	*Venue*		*Persons examined/treated*
1.	1974–75	SURGANA	(Maharashtra)	7.878
2.	1975–76	SHAMALAJI	(Gujarat)	14,563
3.	1976–77	BAGIDORA	(Rajasthan)	18,392
4.	1977–78	AMARKANTAK	(M.P.)	16,299
5.	1978–79	JAYKAYPUR	(Orissa)	34,096
6.	1979–80	MESRA	(Bihar)	45,027
				1,36,255

May we request you to kindly help the cause by a substantial donation in cash and/or kind, in keeping with your status and the needs of the organisation.

Even if you are not inspired to give a large donation, we are sure, we can rely on your token gesture of goodwill by donating a minimum Rs. 150/– (Rs. One hundred and fifty) not only in your own name, but also in names of your dear and near ones, and adopt at least one eye-patient.

You may also support the Camp activities by giving Advertisement on the Pandal walls, Wards, etc. as well as in the special issue of 'Girivanavasi Sandesh' (as per schedule attached).

You may also contribute in kind by way of new or old clothes, foodgrains, medicines, goggles, spectacles, etc.

Lastly, may we extend to you a cordial invitation to visit the Camp along with your family members, relatives and friends and give us the benefit of your encouragement and guidance.

We are sure, we can look forward to your warm, favourable and encouraging response,

Yours cordially,
For **GIRIVANAVASI PRAGATI MANDAL**

K. J. Somaiya

President

Income-tax Reliefs as per slip attached herewith

Schedule

(A) 7th Annual Medical Camp at Kukma, Taluka: Bhuj, Dist: Kutch (Gujarat)

1. Entire Ward to be named as per wish of the Donor — 200/250 Beds ... ... Rs. 25,000/-
2. One of the 3 sides of the Ward to be named as per wish of the Donor ... ... Rs. 10,000/-
3. **Advertisements:**
   (a) At the Camp site:
   On banners fixed on the sides of the walls @ Rs. 30/- per sq. ft. — Minimum 40 sq. ft. ... Rs. 1,200/-
   (b) Advertisements in "Girivanavasi Sandesh"

	Special colour page	Full page	Half page
(i) Special Issue: (for one insertion)	Rs. 2,000	Rs. 1,000	Rs. 600
(ii) Regular monthly issues: (for one insertion)	Rs. 1,000	Rs. 600	Rs. 400

4. Donation for adoption of One or more eye-patients @ Rs. 150/- per patient ... ... Rs. 150/-

(B) NARESHWADI KENDRA

FOLLOWING ACTIVITIES TOTALLY TAX-EXEMPT UNDER 35 CCA

1. The following 12 activities at Nareshwadi have been approved under Section 35 CCA, entitling full exemption from Tax:
   1. Residential School
   2. Primary Education Programme
   3. Adult Education
   4. Nutrition
   5. Medical Aid
   6. 40-Bed Eye Hospital
   7. Drinking Water and Sanitation
   8. Agricultural Services
   9. Vegetable cultivation
   10. Vocational Training
   11. Dairy Development
   12. Labour Employment Programme

   The total budget covering the above activities including the Hospital is around Rs. 120 lacs.

   Sumptuous donations for the above activities are requested.
2. Adoption of each student for one year ... Rs. 1,500/- per student.
3. Donation of One cow for the Dairy (Gaushala) Rs. 2,500/- per cow.

-- Please cut here --

Name: Address:

The Secretary,
Shri Girivanavasi Pragati Mandal,
Fazalbhoy Building, 4th Floor,
45-47, Mahatma Gandhi Road,
BOMBAY-400 023.

Date:

Dear Sir,

SUPPORT TO YOUR ACTIVITIES

With reference to your appeal, I/we enclose a crossed cheque No. for Rs. (Rupees) made out in your favour, "Account Payee" being my/our donation towards the corpus of your Mandal's funds.

We hereby release advertisement as per matter enclosed to be displayed at the Camp/to be published in the Special/Ordinary issue of "Girivanavasi Sandesh" at the following tariff:

We wish you success in your activities.

Yours faithfully,

Dr. B. N. Purandare
M.D.,F.R.C.S.E.,F.C.P.S.F.I.C.S.,F.R.C.O.G.,F.A.M.S.
OBSTETRICIAN & GYNAECOLOGIST.
Specialist. in Diseases of
WOMEN & CHILDREN
Res. 35 12 81

CHOWPATY MATERNITY & GYNAECOLOGICAL HOSPITAL
31-C, Dr. N. A. PURANDARE MARG,
BOMBAY-400 007
TELEPHONE NO. 35 65 20

Consultation Hours :-By Appointment
Chowpaty : Daily 4-30 to 6-30 P. M.
Wednesday : 7-30 to 9-30 A.M.

DATE 14th November 1977.

To

The President,
Shri Giri Vanavasi Pragati Mandal,
BOMBAY.

Sir,

I had the privilege to attend along with my team of doctors and take active part in the last two camps organised by your Mandal one at Shamlaji, District-Sabarkata, Gujarat in December 1975 and the other at Bagidora, District-Banaswada, Rajasthan in December 1976.

Both the camps were organised in complete rural surroundings where thousands of women got the advantage of the camps. All the doctors in the team were highly impressed by the perfect arrangements made in creating surgical facilities, operation theatres and temporary wards for the operated cases and an excellent arrangement for the examination of daily out-patient cases.

The arrangements made for the out-door examination and treatment was highly appreciated by thoudands of poor patients coming from distant villages. The in-door operation theatre facilities including sterilization

(P.T.O.)

of surgical instruments made it possible for the team of doctors to undertake even major gynaecological operations by hundreds through out the camp.

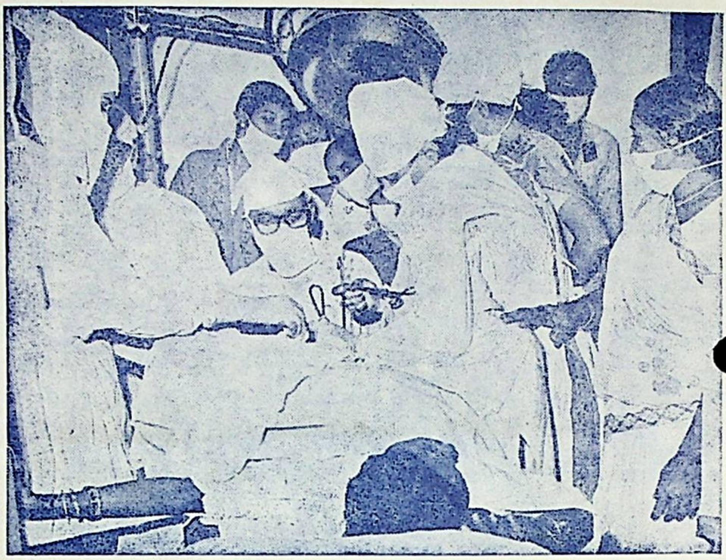
The post-operative nursing care of the patients was efficiently organised from the points of view of the patients comforts. Even the relatives who accompanied the patients were offered facilities such as food etc. These camps gave unlimited opportunities for rendering medical and operative services to the poor rural women. We highly appreciate the untiring efforts made by your Mandal in making the camps very successful. This has also given an opportunity to carry our medical services to the very door steps of the patients as is expected by our Government.

We look forward to offer our services to the future camps.

Yours faithfully,

B. N. Purandare

(B. N. Purandare)



"Gynaec Operation in Progress"
(Team led by World-Renowned Dr. B. N. Purandare and assisted by his son, daughter-in-law and others).

THANKS

The Mandal conveys its thanks for the selfless, devoted services rendered at Rog Upachar Shibir (Eye-Cum-Medical Camp) in our last camp in Bihar

At "EYE CAMP"—by the eye team led by Dr. J. S. Mahashabde, Eye Specialist from Indore.

At "DANT YAGNA" (TOOTH CAMP)—by Dant Vaidya Kum. Sarojben L. Shukla.

At "STREE ROGA NIDAN UPACHAR SHIBIR" (GYNAECOLOGICAL CAMP)—by the team led by World Renowned Dr. B. N. Purandare, his son, Dr. C. B. Purandare and his daughter-in-law, Dr. (Smt.) Nandiniben Purandare.

At "CANCER DETECTION CENTRE FOR AILING LADIES" (GYNAECOLOGICAL)—by Dr. Chandrakant A. Shah and Dr. Niranjan Parikh of Ahmedabad.

At "EAR, NOSE AND THROAT CENTRE" by renowned Dr. Sudhir Joshi.

At "SKIN DISEASES CURING CENTRE"—by the team led by Dr. S. S. Pade and Dr. N. S. V. Chari.

At "YOGA SHIBIR"—by Swami Omanandji Saraswati of M.P. and Shri R. C. Gupta from Simla.

At "AYURVEDIC TREATMENT CENTRE"—by Swami Paramanandji.

At "GENERAL MEDICAL O.P.D. SECTION"—by various doctors.

Since the last two years, two Sisters from U. K.—*Miss Howell and Miss Yap* arrive at the Camps at their own expense sacrificing their leave and comforts and serve the patients with dedication and devotion.

The Mandal also expresses its sincere thanks to the Central and State Ministers, Government Officials, doctors, nurses, volunteers and service minded social workers, donors, businessmen and industrialists, the press authorities and all those who helped in the organisational efforts so largely responsible for the great success of this Camp.

ॐ

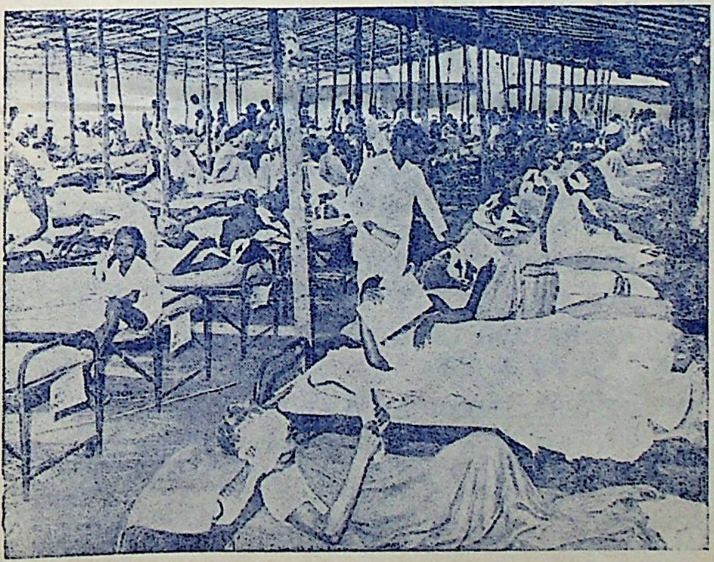
न मानुषात् परो धर्मः

SHRI GIRIVANAVASI PRAGATI MANDAL

(President : Shri K. J. SOMAIYA)
Fazalbhoy Building, 45-47, Mahatma Gandhi Road,
BOMBAY-400 023.
Telephone: 297272
Regd.: as Public Charitable Trust

શ્રી ગિરિવનવાસી પ્રગતિ મંડળ

[અધ્યક્ષ : શ્રી. કરમશી જેઠાભાઇ સોમૈયા]
ફાઝલભાઈ બિલ્ડીંગ, ત્રીજે માળે, ૪૫-૪૭, મહાત્મા ગાંધી રોડ,
મુંબઈ-૪૦૦ ૦૨૩ ફોન : ૨૯૭૨૭૨



(Photo showing patients convalescing and looking to future with hope)

અંધકારમાંથી પ્રકાશમાં પ્રયાણ.

STATEMENT OF DETAILS ABOUT OUR EARLIER EYE-CUM-MEDICAL C

ભૂતપૂર્વ નેત્ર—ચિકિત્સા શિબિરોં ના કાર્યની વિગત

Particulars	IV **Amarkantak Camp (M.P.) (25-12-77 to 15-1-78)	V Jaykaypur Camp (Orissa) (28-1-79 to 18-2-79)	VI Mesra Camp (Bihar) (25-1-80 to 13-2-80)
I. DRISHTI DAN YAGNA (EYE CAMP):			
(a) Total No. of patients examined	5,329	20,000	23,735
(b) Total No. of patients admitted & treated	2,027	3,794	8,331
(c) Total No. of operations performed	1,707	3,568	1,901
II. GYNAECOLOGICAL CAMP: (Stree Rog Nidan Upachar Shibir)			
(a) No. of patients registered for gynaecological examination	1,120	4,835	2,056
(b) No. of patients admitted and operated indoors	190	180	269
III. GYNAECOLOGICAL CANCER DETECTION Centre for Ailing Ladies:			
(a) No. of patients examined and screened	617	575	550
(b) No. of Pap Smear taken	373	500	230
(c) No. of patients operated	10	4	—
(d) No. of cases referred to Ahmedabad Centre	—	—	7
IV. DANT YAGNA (TOOTH CAMP):			
(a) Total No. of patients examined	1,764	2,500	3,015
(b) Total No. of teeth extracted patients	1,012	1,754	1,592
(c) Total No. of teeth extracted	—	—	4,027
V. EAR, NOSE AND THROAT CAMP:			
(a) No. of patients treated for ENT and Thyroid ailments	1,132	565	2,180
(b) No. of patients operated	—	35	—
VI. ASTHMA CAMP: Total No. examined and treated	3,790	—	—
VII. BAL ROG VIBHAG: Total No. of patients examined and treated	—	—	1,265
VIII. YOGA SHIBIR: No. of patients attended	2,547	500	2,662
Patients treated by Swami Omanandji			1,988
Patients trained by Shri R. C. Gupta			674
IX. SKIN DISEASES CURING CENTRE: Total No. of patients examined and treated	—	1,445	1,885
X. BONE DISEASES CURING CENTRE: Total No. of patients examined and treated	—	—	695
XI. AYURVEDIC TREATMENT CENTRE: Total No. of patients examined and treated	—	1,958	6,891
XII. GENERAL MEDICAL O.P.D. SECTION:			
(a) Total No. of patients examined and treated	—	1,718	93
(b) Total No. of patients operated	—	—	6
Total	16,299 (૧૬,૨૯૯)	34,096 (૩૪,૦૯૬)	45,027 (૪૫,૦૨૭)

I SURGANA CAMP (Maharashtra) (19-1-75 to 10-2-75) No. of patients who were benefited —	7,878		
II SHAMALAJI CAMP (Gujarat) (14-12-75 to 30-12-75) No. of patients who were benefited —	14,563		
III BAGIDORA CAMP (Rajasthan) (5-12-76 to 26-12-76) No. of patients who were benefited —	18,392	(Grand Total of 6 Camps)	1,36,255

AMPS

विवरण

1) दृष्टिदान यज्ञ : (नेत्र-शिबिर)
(क) तपासेला रोगीओनी कुल संख्या
(ख) दाखल करायेला रोगीओनी कुल संख्या
(ग) थयेला ओपरेशननी (शस्त्रक्रियानी) संख्या.

2) स्त्रीरोग चिकित्सा शिबिर : (स्त्रीरोग निदान उपचार शिबिर)
(क) तपास माटे रजीस्टर थयेला रोगीओनी संख्या
(ख) दाखल थयेला अने ओपरेशन थयेला (शस्त्रक्रिया)

3) स्त्रीरोग केन्सरनुं निवारण :
(क) तपासेला अने स्क्रिनिंग करेला रोगीओनी संख्या
(ख) पेपस्मीअर लीधेला रोगीओनी संख्या
(ग) शस्त्रक्रिया करेला रोगीओनी संख्या

4) दंतयज्ञ :
(क) तपासेला रोगीओनी संख्या
(ख) दांत काढेला रोगीओनी संख्या
(ग) कुल दांत काढयानी संख्या

5) कान, नाक अने गळाना रोगोनो शिबिर :
(क) कान, नाक गळा अने थाईरोडना रोगीओनी कुल संख्या.
(ख) शस्त्रक्रिया करेला रोगीओनी संख्या

6) अस्थमा शिबिर :
तपासेला अने उपचार करेला रोगीओनी संख्या

7) बाळरोग विभाग :
तपासेला अने उपचार करेला रोगीओनी संख्या

8) योग शिबिर :
भाग लेनार रोगीओनी संख्या.
(क) स्वामी ओमानंदजीना रोगीनी संख्या
(ख) श्री आर. के. गुप्ताजीना रोगीनी संख्या

9) त्वचारोग निवारण केन्द्र :
तपासेला अने उपचार करेला रोगीनी संख्या

10) अस्थिरोग उपचार शिबिर :
तपासेला अने उपचार करेला रोगीओनी संख्या

11) आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
तपासेला अने उपचार करेला रोगीओनी संख्या

12) सार्वजनिक ओषधीय केन्द्र :
(क) तपासेला अने उपचार करेला रोगीओनी संख्या.
(ख) शस्त्रक्रिया करेला रोगीनी संख्या

सुरगाणा महाराष्ट्र : (19-1-1975 थी 10-2-1975)	
लाभान्वित रोगीओनी संख्या—	7,878
शामळाजी (गुजरात) : (14-12-1975 थी 30-12-1975)	
लाभान्वित रोगीओनी संख्या—	14,563
बागीदोरा (राजस्थान) : (5-12-1976 थी 26-12-1976)	
लाभान्वित रोगीओनी संख्या—	18,392

छ शिबिरोमां कुल लाभान्वित रोगीओनी संख्या 1,36,255

"न मानुषात् परो धर्मः ।"

OUR MOTTO

અમારું ધ્યેય

"There is no Religion greater than humanity"

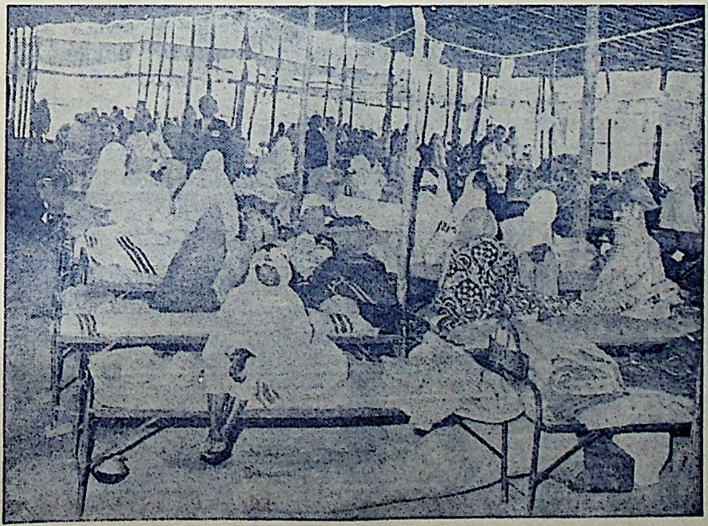
માનવતાથી વિશેષ કાઈ ધર્મ નથી.

We are a voluntary social-service organization committed to helping in all humility the under-privileged and the down-trodden — living in the remote regions — through various activities and health care programmes.

We believe in partnership of people regardless of caste, race, religion, etc.

અમારી સંસ્થા સ્વૈછિક સમાજ સેવા માટે નિર્ધરિલ મંડળ છે, જે સામાજીક અને આરોગ્ય સુધારણના કાર્યક્રમો દ્વારા દૂર-સુદૂર પ્રદેશોમાં વસતા ઉપેક્ષિત બાંધવોના ઉત્કર્ષ માટે વિનમ્રતાપૂર્વક પ્રયત્ન કરી રહ્યું છે.

અમે, ન્યાત જાત અને ધર્મના ભેદભાવ વિના માનવની એકયતા અને સેવામાં વિશ્વાસ રાખીએ છીએ.



"EYE-CAMP" "નેત્ર-શિબિર"

ABOUT OURSELVES

SHRI GIRIVANAVASI PRAGATI MANDAL, as its name implies is, in all humility, working for the uplift of our neglected brethren living in far-flung areas of our country.

The activities to be carried out are listed below:

(1) Education, both traditional and vocational, will be imparted at free boarding schools, with agricultural farms, horticultural farms, dairy, workshops, handicrafts, etc. attached thereto. These schools will also serve as centres to train Social Workers who will carry on the work to achieve the objectives of the Mandal.

(2) Development of character and a sense of nationhood will be inculcated in the Girivanavasi, so that he becomes a good citizen of Bharat.

(3) Another salient feature of the Mandal's activities will be in the field of public health. Dispensaries with midwives attached and lying-in hospitals will be a special feature at each Kendra.

(4) Drishti Dan Yagnas (Eye-cum-medical Camps) will be held from time to time at specially selected Girivanavasi centres. Every possible action will be taken at the camps for the prevention and cure of diseases.

(5) Construction of an eye clinic and a Hospital at the Kendra, suitable for treatment of eye diseases not only as out-patients but also as in-patients with surgical theatre and ward attached.

(6) Mobile medical vans, suitably staffed and equipped, will tour the Girivanavasi areas taking health-giving remedies to the Girivanavasi doors.

(7) Construction of an Eye-cum-General Hospital at Nareshwadi for treatment of eye and other ailments.

The above items deserve top priority and the Mandal will keep its eyes and ears open to receive new ideas and fresh suggestions for increasing the benefits from its operations. Your association with these ideals will be greatly appreciated.

We are registered under the Indian Trusts Act at Delhi under No. 4431-9 dated 27-9-1974. The Mandal has also been registered with the Commissioner of Income-tax under No. CIT-II/TE(269)/74-86. Twelve Rural Programmes have been accorded approval vide Order B. C. No. T-I/35CCA-(12)/79 dated Bombay 18-10-79. The Eye-cum-medical Camp at Kukma has also been approved under Rural Programme vide approval order No. H.Q.I/35CCA-50/80-81 dated 17-11-1980 by Commissioner of Income-Tax, Gujarat and is valid upto 31-3-1981.

ૐ

અમારા વિષે

શ્રી ગિરિવનવાસી પ્રગતિ મંડળે, પોતાના નામઅનુસાર, આપણા દેશના દૂર સુદૂરના પ્રદેશોમાં રહેનારા ઉપેક્ષિત ગિરિવનવાસી બંધુઓની ઉન્નતિનું કાર્ય વિનમ્રતાથી ઉપાડ્યું છે.

અમારા ધ્યેયની પૂર્ણતા માટે અમે નિમ્નલિખિત કાર્યક્રમોની યોજના ઘડી છે:

૧) પરંપરાગત તેમજ વ્યાવસાયિક શિક્ષણ આપવા માટે વિનામૂલ્ય (મફત) છાત્રાલયોની સ્થાપના કરવી, જે ખેતી, બાગકામ, દુગ્ધાલય, તંત્ર-વિજ્ઞાનની શાળા અને હસ્તકળા ઉદ્યોગની શાળા સાથે સંકળાયેલ હોય. આ પાઠશાળાઓમાં સામાજિક કાર્યકર્તાઓને પ્રશિક્ષણ આપવામાં આવશે, જેઓ મંડળના કાર્યક્રમોનો અમલ કરશે.

૨) ગિરિવનવાસી ભારતનો એક સુસંસ્કૃત નાગરિક બની શકે એ માટે તેનામાં દેશભકિતની ઉત્કટ ભાવનાની સાથે સાથે સચ્ચારિત્ર્યનો પણ વિકાસ કરવામાં આવશે.

૩) મંડળનું સૌથી મહત્ત્વપૂર્ણ અને વિશિષ્ટ પાસું એ છે કે સાર્વજનિક સ્વાસ્થ્ય માટે સેવા કેન્દ્રોની સ્થાપના કરવી, જયાં દવાખાનું ચલાવવામાં આવશે, તેની સાથે દાયણો સંકળાયેલી હશે અને દર્દીઓને રાખી શકાય તેવી હોસ્પીટલ પણ હશે.

૪) ખાસ પસંદ કરેલા મહત્વનાં ગિરિવનવાસી કેન્દ્રોમાં સમયે સમયે મેડીકલ કેમ્પો (નેત્ર યજ્ઞો અને રોગોપચાર શિબિર)નું આયોજન કરવામાં આવશે. રોગોને અટકાવવા માટે તેમજ તેના ઉત્કૃષ્ટ ઉપચાર માટે સર્વ જરૂરી પગલાં લેવામાં આવશે.

૫) નેત્રચિકિત્સા અને નેત્રરોગ ઉપચાર કેન્દ્રની સાથે સાથે અન્ય રોગોના ઉપચાર માટે હૉસ્પીટલની સ્થાપના કરવી જયાં "ઈન્ડોર" અને "આઉટડોર" રોગીઓને (દાખલ થયેલા અને બહારના રોગીઓને) ઉપચારની સર્વ સગવડતાઓ પૂરી પાડવી, હૉસ્પીટલમાં શસ્ત્રક્રિયા વિભાગ પણ રહેશે.

૬) આસપાસના પ્રદેશોમાં ઘૂમતી-ફરતી એમબ્યુલન્સની વ્યવસ્થા કરવામાં આવશે જે કર્મચારી અને સાધનોથી સુસજજ હશે અને દરવાજે જઈને જરૂરી સેવા પૂરી પાડશે.

૭) નેત્રરોગ ઉપચાર તેમજ અન્ય સેવા સુશ્રુષા માટે 'નરેશવાડી'માં નેત્રરોગ-સહ-હૉસ્પીટલની સ્થાપના કરવી. (બાંધકામ ચાલે છે)

ઉપરોકત કાર્યક્રમોના અમલ માટે મંડળ અધિક બળ પ્રદાન કરશે. સાથે સાથે પોતાના ધ્યેયની પૂર્ણતા માટે મદદરૂપ થનાર નવાં કાર્યક્રમો, નવાં સૂચનોને સહર્ષ આવકારશે. આ કાર્યને પૂર્ણ કરવા માટે અમે આપના સહકારની અપેક્ષા રાખીએ છીએ.

ગિરિવનવાસી પ્રગતિ મંડળ 'ઈંડિયન ટ્રસ્ટ એકટ' અનુસાર ક્રમાંક 4431-9 મુજબ તા. ૨૭-૯-૧૯૭૪થી રજીસ્ટર થયેલું છે, સાથે સાથે મંડળ આવકવેરા આયુકત ધારા ક્રમાંક CIT-II/TE(269)/74-86 મુજબ પણ રજીસ્ટર થયેલ છે, વનવાસી ક્ષેત્રના અન્ય બાર કાર્યક્રમોને પણ આયુકત ધારા B. C. No. T-1/35CCA (12) 79. મુંબઈ તારીખ ૧૮-૧૦-૭૯ મુજબ સ્વીકૃતિ મળી છે. ગુજરાતમાં કુકમા નેત્રરોગ ઉપચાર શિબિરને આયુકત ધારા No. H.Q.I./35CCA-50/80-81 તારીખ ૧૭-૧૧-૧૯૮૦ મુજબ કમીશ્નર ઑફ ઈન્કમટેક્ષ ગુજરાત સેંટર તરફથી માન્યતા આપવામાં આવી છે, જે ૩૧-૩-૧૯૮૧ સુધી અધિકૃત છે.

ॐ

Grams : CARE MANIKAKA
Telephones : 297272
315404

न मानुषात् परो धर्मः ।

SHRI GIRIVANAVASI PRAGATI MANDAL

(President Shri K. J. Somaiya)

Regd. Office : Bank of Baroda Building, 6th floor, Parliament Street, New Delhi-110 001 (India)
Registered under Indian Trusts Act : Reg. No. 4431/9 dtd. 27-9-74
[Exempt u/s 80-G of Income-tax Act, 1961 under Certificate No. CIT-II/TE (269)/74/86 dated 24-6-1978 valid till 31-12-1980]

(i) BC-IT/35 CCA (12)/79 dated 18-10-1979 valid from 12-10-1979 to 31-3-1982 for Nareshwad Rural Development Programmes.

(ii) H. Q. I / 35 CCA-50 / 80-81 dated 17-11-1980 valid from 15-11-1980 to 31-3-1981 for 7th Medical Camp at Kukma (Kutch).

Permanent Centre:
Nareshwadi,
Post : Dhundhalwadi.
Tal. : Dahanu. Dist. : Thane
Maharashtra, Tele : Talasari 61

Central Office :
Fazalbhoy Building, 4th Floor,
45, Mahatma Gandhi Road,
Fort, Bombay 400 023.

1st December 1980.

Dear Friends,

There is a dire and urgent need in the country to improve the lot of our neglected brethren living in the far-flung regions.

For achieving the objectives of uplift and welfare of the Girivanavasis, the Mandal has decided to set up the following:

		Capital Cost (Rs. in lacs)
(i)	A Training Centre at Nareshwadi (Near Dahanu, Dist. Thane, Maharashtra)	35
(ii)	A 40-bed Eye hospital to be expanded later into a General Hospital with 140 beds	85
	Total Rs.	120 lacs

The Training Centre at Nareshwadi would have the following:

(a) A free Residential School for about 150 boys and 150 girls;
(b) Hostel, Gymnasia, and Playground for the above;
(c) An Arts & Crafts training school and a Workshop providing courses in different skills, Amber Charkha, Mechanical repairs, etc.
(d) Agricultural school providing training in modern methods of agriculture, horticulture, dairy cow rearing and breeding, etc.
(e) An Agricultural Farm for practical demonstration, training and farming.

The Training Centre at Nareshwadi has already started a few of the above activities.

The Mandal has been granted approval under Section 35 CCA for all the programmes undertaken at Nareshwadi. The relevant approval No. B.C. No. T–1/35 CCA (12) 79 dated 18th October, 1979 is valid till 31st March 1982. The approval applies to the following 12 programmes :

(i) Residential School
(ii) Primary Education programme
(iii) Adult Education programme
(iv) Nutrition programme for children and expectant mothers
(v) Medical aid and Immunisation services
(vi) 40-Bed Hospital at Nareshwadi
(vii) Drinking water and Sanitation facilities
(viii) Agricultural services and Lift irrigation practices
(ix) Distribution of seeds and vegetable cultivation
(x) Vocational and Industrial training
(xi) Dairy development programme
(xii) Girivanavasi Labour Employment programme

The Mandal's activities have also been recognised by International agencies such as Royal Commonwealth Society of England and S.I.D.A. (Swedish International Development Agency). Further, we have been recognised by Govt. of India, Ministry of Home Affairs as an All India organisation in the field of Tribal Development.

It will be appreciated that to successfully complete the programmes undertaken by the Mandal, large funds are required. May we request you to kindly extend your assistance to the Mandal by liberal and munificent donations so that the tasks undertaken by the Mandal are fulfille and achieved. Different sections or divisions in different activities would be named as per wishes of the Donors according to the schedule enclosed.

Needless to add that since the programmes of the Mandal have been approved u/s 35 CCA, all contributions would be eligible for full deduction from taxable income.

Your prompt and generous response would be greatly appreciated.

Thanking you,

Yours faithfully,
For Shri Girivanavasi Pragati Mandal

K. J. Somaiya

President

Encl : as above.

ॐ

न मानुषात् परो धर्मः ।

SHRI GIRIVANAVASI PRAGATI MANDAL

NARESHWADI CENTRE (Near Dahanu, Dist. Thane, Maharashtra)

Donors would be entitled to naming different Divisions as per their wishes.

Different Divisions of the following Institutions would be named as per wishes of the donors on their contributing specified sums as under:

(A) SCHOOL & HOSTEL:	*Minimum donation (More is welcome)*
1. Library	Rs. 2.50 lacs
2. Laboratory	Rs. 3.00 ,,
3. Workshop	Rs. 5.00 ,,
4. Gymnasium	Rs. 1.00 ,,
5. Playground	Rs. 0.50 ,,
6. Prayer Hall	Rs. 2.00 ,,
7. Dining Hall	Rs. 1.00 ,,
8. Class Rooms	Rs. 0.25 ,, each
9. Teachers' Room	Rs. 0.25 ,,
10. Tailoring & Embroidery sections	Rs. 0.25 ,,
11. Other Rooms	Rs. 0.25 ,, each
12. Principal's Quarters	Rs. 1.00 ,,
13. Teachers' Quarters	Rs. 0.40 ,, each

(B) HOSPITAL:	
1. Male Ward	Rs. 2.50 lacs
2. Female Ward	Rs. 2.50 ,,
3. Children's Ward	Rs. 2.50 ,,
4. Maternity Ward	Rs. 2.50 ,,
5. Special Ward	Rs. 5.00 ,,
6. Out-Patient Dept.	Rs. 5.00 ,,
7. Radiology Dept.	Rs. 5.00 ,,
8. Pathology Dept.	Rs. 5.00 ,,
9. Cancer Dept.	Rs. 5.00 ,,
10. Physiotherapy Dept.	Rs. 3.00 ,,
11. E.N.T. Dept.	Rs. 3.00 ,,
12. Gynaec. Dept.	Rs. 3.00 ,,
13. Pediatric Dept.	Rs. 3.00 ,,
14. Doctors' Quarters	Rs. 1.00 ,, each
15. Nurses' Quarters	Rs. 0.50 ,, ,,
16. Other Rooms	Rs. 0.50 ,, ,,
17. Operation Theatre	Rs. 3.00 ,,
18. Emergency Section	Rs. 1.00 ,,
19. Store Room	Rs. 0.50 ,,
20. Reception Room	Rs. 0.50 ,,

All contributions for the above are Totally Tax-Exempt u/s 35 CCA

Bombay :
1-12-1980



INTERNATIONAL VEGETARIAN UNION

(Established 1908)

Headquarters: 10 King's Drive, Marple, Stockport, Cheshire, SK6 6NQ, England

Telephone: 061-427 5850

Please reply to:

POSTFACH 55 02 10
D-2000 HAMBURG 55.
☎: 040 - 87 72 71.

੧ਓ

ਸ੍ਰੀ ਸਤਿਗੁਰੂ ਰਾਮ ਸਿੰਘ ਜੀ ਸਹਾਇ

ਅਕਾਲ ਪੁਰਖ ਸ੍ਰੀ ਸਤਿਗੁਰੂ ਜੀ,
ਆਪ ਜੀ ਦੇ ਚਰਨਾ ਵਿਚ ਮਾਥਾ ਟੇਕਦਾ ਹਾਂ ਜੀ. ਆਪ ਜੀ ਨੇ ਬਹੁਤ ਕਿਰਪਾ ਕੀਤੀ telephone ਤੇ ਦਰਸ਼ਨ ਦੀਤੇ.
Vegetarian Congress 1982 - west Germany ਬਾਬਤ ਮੇਰੇ ਇਹ ਵਿਚਾਰ ਹਨ ਜੀ:-

1. USA/Canada - Thailand - Africa - India ਅਤੇ UK ਤੋਂ ਇਕ ਸਰੀਰ ਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜੀ ਸਾਰੀ CONGRESS ਬਾਬਤ
2. ਇਕ ਵੱਡੀ Phamphlet ਛਾਪੀ ਜਾਵੇ ਜੀਸ ਵਿਚ ਆਪਜੀ ਦੀ ਪੂਰੀ ਪ੍ਰਚਾਰ ਹੋਵੇ ਜੀ
3. ਦੋ lectures ਲਈ ਤਿਆਰੀ ਕਰਨੀ ਹੈ ਜੀ (one hour each)
   a) ਆਪਜੀ ਦੀ ਪੂਰੀ ਪ੍ਰਚਾਰ
   b) FULL REPORT ON NAMDHARI WORLD-WIDE ACTIVITY.
   c) ਇਕ Proposel ਤਿਆਰ ਕੀਤੀ ਹੈ ਜੀ, for the advancement, development and growth of international vegetarianism, ਇਸ ਨਾਲ ਭੇਜ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਜੀ. ਆਪ ਜੀ ਇਸ ਨੂੰ ਠੀਕ ਕਰਕੇ, openining ਤੋਂ ਆਪ ਜੀ ਲਈ ਪੜ੍ਹੀ ਜਾਵੇ.

ਮੇਰੀ ਸਿਹਤ ਅਗੇ ਨਾਲੋ ਆਪ ਜੀ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਨਾਲ ਠੀਕ ਹੈ ਜੀ ਅਤੇ ਮੈਂ 19 INTERNATIONAL BOAT SHOW BARCELONA (SPAIN) ਆ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਜੀ STOWAWAY ਲੈਕੇ ਜੀ. 12 m² ਜਗਾ ਲਈ ਹੈ ਜੀ ਅਤੇ full report ਸ੍ਰੀ ਠਾਕਰ ਜੀ ਨੂੰ ਭੇਜਾਂਗਾ ਜੀ, Show ਤੋਂ ਬਾਦ.
ਸੁਰਜੀਤ ਕੌਰ, ਜਰਮਨੀ ਆਈ ਹੋਈ ਹੈ ਜੀ ਅਤੇ 23 JAN ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਜੀ.
ਗਲਤੀਆਂ ਮਾਫ ਕਰਨੀਆਂ ਜੀ ਅਤੇ ਆਪ ਜੀ ਦੇ ਚਰਨਾ ਵਿਚ ਰਖਣਾ ਜੀ.
ਜਸਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਠੀਕ ਹੈ ਜੀ. ਸਤਿ ਸ੍ਰੀ ਅਕਾਲ ਜੀ.

—————— ਅਮਰਜੀਤ ਸਿੰਘ.

[illegible] 1981.

The International Vegetarian Union Trophy

Introduction:
The IVU Trophy is presented at every bi-annual world vegetarian Congress by the IVU.
The I.V.U Trophy recognises the higest membership achievments between International Regional vegetarian organizations. The award is made on the basis of a written submission. ~~and the~~
The winning entrants may use the specially designed IVU-Trophy award symbol.
The IVU invites every national vegetarian organization~~s~~ to submit an entry for the next IVU-Trophy. All entries will be completely confidenteal.

The Trophy:

Its material & design etc.

The Trophy Winners:
The winners will receive the above IVU-Trophy to be held untill the next World vegetarian Congress and a certificate to be held permenently both which will be presented at the annual general meeting, during the congress.

Who is eligible?
The IVU Trophy scheme is open to all subscribing members of the I.V.U.

How to Enter!
Entries may only be made with the permission of the President or Chairman of the national vegetarian organizations being entered for the IVU-Trophy scheme.
On receipt of an application form for an entry from the IVU, will send a questionnaire & written submission must be returned to the Honorary General Secretary by three months before the commencement of every bi-annual world vegetarian congress.

Your Submission:
The entrants written submission is the primary document upon which the I.V.U-Trophy award is made. Although costly printed submissions are not required, it is most important that the layout and content of the submission should be such that the award criteria and the total application performance can be readily assesed. The completed questionnaire & submission must be approved by the President or Chairman of the vegetarian organization being entred.

The IVU-Trophy-criteria:
The adjucting panel will evalute the submissions by assesing the individual vegetarian organization's performance under the following skills:-

a) use of marketing approach & techniques;
The use of marketing skills & techniques such as market research, planning, advertising & propaganda force.

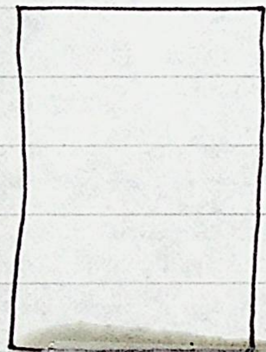
b) organization/society growth & profit;
Since the IVU-Trophy award is not confined to membership achievments in a single year, the submission should show clearly the period of time it covers, the organization growth in that time and the profit performance year by year, taking into account difficulties overcome.

c) innovation and exploitation;
The contribution of management to the exploitation of innovation & new ideas.

The panel will also take account of the clarity of the submission itself and the relevance & effectiveness of the supporting material.

The adjudicating panel:
The adjudicating panel is drawn from the International council of the International-vegetarian union.

The IVU-Trophy symbol:
The symbol may be used for a maximum of four years from the end of the year in which the Trophy award was made.



Any enquiries about the IVU-Trophy should be addressed to the Honourary General Secretary at the International Vegetarian Union.

Honorary General Secretary. International Vegetarian Union
10 King's Drive, Marple, Stockport, Cheshire. GB - SK6 6NQ.

THE IVU-TROPHY AWARD 1982

We would like to enter a submission for the above IVU-trophy award. Please mail us a copy of the questionnaire and the notes for entrants.

Name of Organization/society :
Address :

Country :
Name of contact :
Position :
Date :
Entry authorised by :
(President / Chairman)*

* please delete as appropriate.

For official use only.

1. National Vegetarian Organisations ?
2. Written submissions? by organisations? or Ind?

Impossibilities:- 3. No. 1. The formation of Nat. Veg. Orgs/Socs.
No. 2. Their agreeing to subscribe the IVU

Veja/ordar
22.12.80

- विश्व हिन्दू परिषद -
३६, पिरोजा मॅन्शन,
ग्रँटरोड स्टे. समोर (पूर्व), मुंबई - ४०० ००७.

1 8 DEC 1980

परम् आदरणीय श्री०

सादरं प्रणामा:

श्रीमन्महाराणा भगवत्सिंह मेवाड महाभागेन भवताम् विश्व-हिन्दु-परिषाद: मार्गदर्शक - मंडलस्य सदस्यत्वम् स्वीकृतम् इति हिन्दु - समाजस्य सौभाग्यम्

सादरम् सूचयामि यत: मण्डलस्य भावि संगोष्ठी ८१ संवरस्य मार्च मासे ~~नवम~~ अष्टम दिनांके श्रीकृष्ण जन्म भूमि धामे ब्रज मंडले मथुरानगरे (८-३-८१) भविष्यति । अस्मिन सम्मेलने धर्माचार्याणाम् मार्गदर्शनम ग्रहणार्थम् विश्व हिन्दु परिषादस्य प्रबंध समिते: सदस्या: प्रन्यासि-मंडल सदस्या: अपि तत्रैव आगामिष्यन्ति ।

हिन्दु समाजस्य निर्देशनाय मार्गदर्शनाय च भवताम् उपस्थिति: विश्व हिन्दु परिषादाध्यक्ष महाराणा महोदय: सम्प्रेक्षते ।

<u>मार्गदर्शक मंडलं विचारार्थ प्रस्तावा:</u>

(१) वैदिक - धर्मस्य सार्वभौम - सिध्दान्ताश्रित - संप्रदाया नाम् समन्वयम्, परस्परम् सौहार्दम् उत्पादीना कार्यक्रम विषाये विचार विमर्श: ।

(२) विश्व हिन्दु परिषाद; प्रणति - दत्तक - योजनायाम् धर्माचार्या: जनपदा: दत्तकरूपेण् गृहित्वा हिन्दु समाजस्य संरक्षणार्थम् बध्दपरिकरा: भवन्ति, इति योजनायाम संवर्धनार्थाय विचार - विमर्श:

(३) प्रयागे विश्व हिन्दु परिषाद् संमेलने पारितानां प्रस्तावानाम् कार्यान्वियेन् सहयोग विवादे चिन्तनम् ।

(४) सर्वत्र परावर्तन कार्यक्रम परिचालनार्थम् कार्यक्रम - नियोजनम् ।

चरण कृपाकांक्षी,

Dwarka Prasad Patodia

(पं. द्वारका प्रसाद पाटोदिया.)

अ० मा० मंत्री.

प्रस्ताव ४

मठ - मन्दिरों की सुव्यवस्था

मठ-मन्दिर प्राचीन काल से ही हमारे श्रद्धा-केन्द्र रहे हैं जिनके प्रभाव स्वरूप समाज में जाग्रति एवं कर्तव्य-बोध होता आया है.

इन श्रद्धा-केन्द्रों के कार्य में हमारे धर्म के सर्व-स्पर्शी स्वरूप की अभिव्यक्ति होने से ही समाज में शुचिता का प्रसार हो सकता है, जो राष्ट्र-कल्याण में साधक है.

परिवर्तित युग में समाज इन धर्म केन्द्रों को केवल भक्ति-पूजा उपासना के केन्द्र के रूप में ही नहीं, अपितु समाज सेवा व सामाजिक प्रगति का आधार बिन्दु भी देखना चाहता है. अतः यह सम्मेलन आग्रह करता है कि :-

(१) मठ-मन्दिरों के संचालक गण युगानुकूल व्यवस्था के सन्दर्भ में विभिन्न समाजोपयोगी प्रवृत्तियाँ प्रारम्भ करें.

(२) इन मठ-मन्दिरों का वातावरण व प्रबन्ध आकर्षक, प्रेरक एवं उपयोगी बनाने के लिए तत्काल प्रयास प्रारम्भ किये जाएं जिसमें आवश्यकतानुसार जन-सहयोग भी लिया जा सकता है.

(३) केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा तथाकथित सुप्रबन्ध के नाम पर हिन्दू देवस्थानों का अधिग्रहण नहीं किया जाये और यदि किया भी जाये तो हिन्दुओं का स्वायत्तशासी निगम बनाकर उसे ही वह प्रबन्ध सौंपा जाये.

(४) शासकीय व्यवस्थाओं के अन्तर्गत इनकी प्रबन्ध समितियों में केवल हिन्दू अधिकारी ही नियुक्त किये जाये.

प्रस्तावक : महन्त रामप्रकाश दास,
दातारपुर पंजाब प्रदेश.
अध्यक्ष, वि.हि.प.

अनुमोदक : स्वामी विकासानन्द,
कलकत्ता सह मंत्री,
भारत सेवाश्रम संघ.

समर्थक :- डा० शान्तिभाई सोमैया, बम्बई,
अखिल भारतीय उपाध्यक्ष, वि.हि.प.

27.11.80 [illegible]

Deepak Kaushal
Advocate
Punjab & Haryana High Court

MANDI DABWALI-125104.

Dated 8.-11-80

ਪਰਮ ਸਤਿਕਾਰ ਯੋਗ ਮਹਾਰਾਜ ਜੀ

ਸਤ ਸ੍ਰੀ ਅਕਾਲ।

ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਸੰਗਰੂਰ ਤੋਂ ਉਸ ਦਿਨ ਜੀਵਨ ਨਗਰ ਨਹੀਂ ਪਹੁੰਚ ਸਕਿਆ ਸੀ ਕਿਉਂਕਿ ਇਕ ਜ਼ਰੂਰੀ ਐਡਵੋਕੇਟ ਦੇ ਵਿਆਹ [illegible] ਜ਼ਰੂਰੀ ਸੀ। ਮੈਂ ਇਸ ਲਈ ਖਿਮਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਪਰ ਹੁਣ ਮੈਂ ਐਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਤੋਂ ਇਕ [illegible] ਜਿਸ ਵਿਚ ਤਕਰੀਬਨ 27-28 ਆਦਮੀਆਂ ਦੇ ਦਸਖ਼ਤ ਹਨ। ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਦੇਖਿਆ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਇਕ ਦੋਸ਼ ਲਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਮੇਰੇ ਲਾਇਕ ਕੋਈ ਸੇਵਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਦੱਸਣਾ। ਦਾਸ ਹਾਜ਼ਰ ਹੈ। ਉਮੀਦ ਹੈ ਤੁਸੀਂ 21-11-80 ਨੂੰ ਗੁਰੂ ਸਾਹਿਬ ਕਾਲੋਨੀ 'ਚ' ਆ ਰਹੇ ਹੋਵੋਗੇ। ਬਾਕੀ ਖ਼ੈਰ ਸੁਖ ਹੈ।

ਚਰਨ ਕਮਲਾਂ 'ਚ'

ਤੁਹਾਡਾ ਹੀ

ਦੀਪਕ ਕੌਸ਼ਲ
ਐਡਵੋਕੇਟ
ਮੰਡੀ ਡਬਵਾਲੀ

1980
[illegible]

सेवा में,

विषय :- केस वापिस न लेने के लिये प्रार्थना पत्र ।

श्रीमान् जी,

विश्वस्थ सूत्रों से हमें पता चला है कि गाय बैलों के बारे में जो केस बउनवान सरकार बनाम यूसफअली वगैरा डबवाली सब जज प्रथम श्रेणी डबवाली में चल रहा है जिसमें आईन्दा पेशी ______ मुकर्र है । उस मुकदमा को सरकार वापिस (Withdraw) कर रही है । अगर सरकार इस मुकदमा को वापिस लेगी तो यह जनहित के खिलाफ होगा और जनता में इस बारे में रोष प्रकट होगा । जनता का सरकार के विरुद्ध होने का अन्देशा है ।

2- यह कि जनता की भावनाओं को ठेस पहुँचेगी, क्योंकि गऊ हत्या बन्द करने के सम्बन्ध में निकाले गये जलूस या जलसा आम में करीबन 10,000 लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था । लोगों की दृष्टि इसी मुकदमा पर है कि मुलजमान को क्या सजा मिलेगी ।

3- यह कि यदि सरकार कानून की उल्लंघना करने वालों को नहीं रोकती तो भविष्य में लोग कोई भी संगीन जुर्म करने से नहीं डरेंगे और कानून व व्यवस्था का कोई डर मुलजमान को नहीं रहेगा ।

विशेष निवेदन है कि मुकदमा बउनवान सरकार बनाम यूसफअली वगैरा अन्डर सैक्शन गाओं सलाटर एक्ट पैंडिंग फार ______ अदालत सब डिवीजनल जुडिशियल मैजिस्ट्रेट -कम सब जज डबवाली किसी भी सूरत में वापिस (Withdraw) ना किया जावे और मुलजमान को मुताबिक कानून सजा दिलाई जावे ।

अति कृपा होगी ।

डबवाली
दिनांक: 1/11/80.

प्रार्थीगण
[illegible]

द: रामरतन वर्मा
उ: प्रधान जा: र: सि:

सुरेश कुमार

लक्ष्मीनारायण

Jarsem Kaur

Madan Lal

Parshotam

Ram Kumar

Darya Singh

हरिसिंह

Rec 22.11.80

फोन न० २२६२०६ | 卐 | तार का पता : 'इन्दुसंघ" दिल्ली

अखिल भारतीय आर्य (हिन्दू) धर्म सेवा संघ

२५, मलकागंज रोड,
जवाहर नगर, दिल्ली-११०००७

दिनांक १० ११ १९८०

माननीय महोदय,

अखिल भारतीय आर्य (हिन्दू) धर्म सेवा संघ की जो मीटिंग २३ नवम्बर १९८० रविवार, १०-३० को बिरला मन्दिर नई दिल्ली में बुलायी गयी थी और जिसकी अग्रिम सूचना और एजेण्डा आपकी सेवा में पहले प्रेषित किया जा चुका है, वह मीटिंग अब ७ दिसम्बर, १९८० रविवार प्रातः १०-३० को बिरला मन्दिर नई दिल्ली में होगी जिसमें एजेण्डा वही रहेगा जो आपकी सेवा में भेजा जा चुका है। इस असुविधा के लिए कृपया क्षमा करेंगे और मीटिंग में सम्मिलित होकर अनुगृहीत करेंगे।

भवदीय

[signature]

संयुक्त मन्त्री

31.10.80 vagelar.

The North India Vegetarian Union (N.I.V.U.)

(Hon. Patron : H.H. Sadguru Jagjit Singh Ji Maharaj)

Hon. President
L. Jagat Narain
Ex. M. P.
Jullundur
Phone : 73559

Hon. Vice President
Mr. S. S. Sanehi M. A.
Reserch Scholar
V. P. O. SHAHPUR

Hon. Treasurer
Sh. S D. Sagar
Mandi Gobind Garh
Phone : 17

Hon Sec.
Inderjit Jain
BANGA
Phone : 84
Res. : 56

Office : B A N G A. 144505 INDIA

Dated 25/10/80

Ref. No.........

Respected His Holiness Sat Guru Ji,

Sat Sri Akal. I am glad to know from Sh. Dyal Singh Ji that Your Highness is visiting this area ~~on to~~ in 2nd week of Nov 80. So I shall be glad if your highness preside over the function on 10.10.80 at 7 to 9 P.M. on 'All Religion Meet on Vegetarianism'.

Please arrange your programmes accordingly and do the needful.

With respectful regards to Maharaj Ji and others. Remaining

Yours

[signature]

WHY VEGETARIAN?

- Science Favours Vegetarianism
- Vegetarianism Has Moral Values
- Vegetarianism Has Nutritioual Values
- Vegetarianism Leads To Simple Living And High Thinking
- Greatmen Favour Vegetarianism
- Vegetarianism Reduces Crimes

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Rec
15.10.80 उत्तर ... ओ

जम्मू
12/10/80

आ[illegible]ीय
नमस्कार

9, 10, 11 नवम्बर को जम्मू में मन्दिरों के सम्बन्ध में होने वाला सैमीनार किन्हीं कारणों से स्थगित हो गया है। नई तिथियां तय होने पर आपके चरणों में निवेदन करूंगा।

भवदीय
पुरुषोत्तम कुमार
12.10.80

विश्व हिन्दू परिषद्
3, लक्ष्मी नारायण मन्दिर
ढक्की सराजां, जम्मू 180001



JAMMU TAWI

بُخار
کہیں ملیریا نہ ہو
کلوروکوین لیجئے

CORRECT COMPLETE ADDRESS ENSURES QUICK DELIVERY

सतगुरु जगजीत सिंह जी महाराज
भैनी साहब
लुधियाना (पंजाब)

पिन PIN

पूज्य माता जी श्रीमती चन्द्रवती देवी का देहावसान
मंगलवार ७ अक्तूबर १९८० को हो गया।

रस्म पगड़ी शुक्रवार १७ अक्तूबर १९८०, अपराह्न ३ बजे
हमारे निवास स्थान ४/१७ रूपनगर, दिल्ली-७ में सम्पन्न होगी।

विनीत :

नरेन्द्र मोहन गुप्ता	(पौत्र)	प्रेमचन्द गुप्ता,
सुरेन्द्र मोहन, श्याम मोहन	,,	प्रकाश चन्द गुप्ता
ललित मोहन, विरेन्द्र मोहन	,,	

Ree
23.10.80



Redirected to
Sri Bhaini Sahib,
P.O. Sri Bhaini,
Distt Ludhiana,
Punjab.

सदगुरु जगजीत सिंह जी महाराज
~~11/10 साधु वासवानी मार्ग~~
~~नई दिल्ली~~

पिन PIN

गढ़ शंकर

ॐ

Recd
15.10.80

परम पूज्य महात्मन्

—चरण वन्दना।

नम्र निवेदन है कि यहां शुभौर २६ अक्टुबर १९८० को गोरक्षा सम्मेलन होने वाला था। जो स्थगित हो गया है। अतः पुनः सम्मेलन की तिथि निश्चित होने पर आपकी सेवा में पुनः पधारने के लिए प्रार्थना पत्र भेजूंगा।

नारायण हरि
ओमकी दीदि
१०-१०-८०

अध्यक्ष
राष्ट्रीय गोरक्षा संघ
श्री पंचम देव जी का मठ
नन्द गोला पटना सिटी
पटना

15 भारत 15
INDIA

श्री सदगुरु जगजीत सिंह जी
महाराज
श्री भैनी साहिब
लुधियाना
पंजाब

Vegetarian

WORLD VEGETARIAN DAY - OCT. 1

Last October 1st, the first World Vegetarian Day was celebrated on an experimental basis by the North American Vegetarian Society and many of its affiliate societies around the continent.

With the success of that limited effort, the concept is now spreading around the globe, and the International Vegetarian Union has proclaimed the next such event for this year, to be celebrated Sunday, October 1st (or as near that date as practical, depending upon local circumstances).

In announcing the event, IVU President Dr. Gordon Latto addressed himself to all vegetarian organizations and individuals around the world, calling upon them to join in this co-operative effort to effectively draw the world's attention to the many great benefits of vegetarian living:

19th April, 1978

Dear Friends:

The second World Vegetarian Day will be celebrated on or around October 1st.

The adoption of a vegetarian regimen would naturally alter the use of the land, and more food for man would be produced. Many people simply do not have enough to eat.

Also, the amount of cruelty meted out to the creatures would be greatly lessened. If we harden our hearts to the sufferings of the creatures we must, by an immutable law, harden our hearts to our brothers and sisters, and this can never lead to ideal conditions.

We wish subsequently to abolish all unnecessary suffering of the creatures, and at the same time we believe we would make man healthier and happier.

Such is the aim of our movement— to demonstrate by example, by writings and talks, how this can be achieved.

Sincerely yours,
Gordon Latto
(Reading, England)

Reprinted from the April/June, 1978
issue of Vegetarian Voice (Vol.5, No.2)

In the Advocacy of Vegetarianism: MORAL, ETHICAL, AESTHETIC, SCIENTIFIC, HEALTHFUL, ECOLOGICAL, ECONOMICAL, HUMANITARIAN

NORTH AMERICAN VEGETARIAN SOCIETY

P.O. Box 72
DOLGEVILLE, NEW YORK 13329
Phone (518) 568-7970

Sept. 15, 1980

Dear Friends:

Happy World Vegetarian Day. Yes, the annual celebration of this event is only a couple of weeks away. We hope that you've planned for this festive occasion.

Down through the ages there have been public celebrations spanning from mediocre reasons to vitally important issues. Obviously WVD would be included in the latter. Often times people believe that being a vegetarian makes your life more spartan or boring. They see vegetarianism as taking some of the enjoyment out of life. Of course we know differently. Most vegetarians find that their diets are more varied and interesting. Vegetarianism with its many health benefits is an important part of a healthly lifestyle and increased longevity. We can just look around us and see how much joy is robbed from the lives of people because of poor health. How much freer our conscience feels knowing that a cow, pig or chicken didn't have to die for our sake. Plus being less of a drain on food resources and our natural environment makes us grateful that we are part of the solution to world food problems and pollution. I need not enumerate the problems and suffering that plague the world today but vegetarianism has much to contribute to their alleviation. Sure vegetarianism is a statement of something serious but with hopeful joy. World Vegetarian Day is a celebration of LIFE, of HOPE for a better future and a way of living that is actively accomplishing a more compassionate world. Let's join vegetarians worldwide during this time to express our gratitude and share our joy with friends, neighbors and people in general.

World Vegetarian Day is now recognized and supported by the International Vegetarian Union. As each year passes the opportunity to express worldwide solidarity grows. Public media is listening more than ever. This year NAVS hasn't for various reasons (including the moving of our headquarters, change in officers, and an additional Congress) been able to bring an early coordination of this event internationally. But the future looks bright for making this date a noticeable public event. We've had numerous requests for information about WVD from other than local groups, including health food stores, food co-ops, libraries and even a radio station that wants to give promotion. If you have any ideas on expanding and improving the impact of this event or if you'd like to be actively involved with plans for the future please contact us. A sustained effort on our part will ensure success. By all means let us know about your activities this year. We'll share your experiences with all our members in Vegetarian Voice. Include pictures if you can.

Strike up the band, vegetarians are ready to dance and sing.

Warm wishes,

Brian Graff

Brian Graff / Vice President

THE NORTH. INDIA VEGETARIAN UNION
BANGA (Jullundur)

Reg
25.9.80

Book Post

H.H. S. Jagjit Singh Ji Maharaj
Gurdwara - Namdhari
BHAINI SAHIB
(Dt Jullundur)

Vegetarian

विश्व हिन्दू परिषद बम्बई

रक्षा बन्धन

बंधुवर, दि. २६-८-१९८०

भाई बहिन के परस्पर, मधुर एवं शुद्ध स्नेह के प्रतीक-पर्व रक्षाबंधन पर, आपके प्रति हमारे स्नेह की परिचायक यह राखी, हम प्रसन्नता पूर्वक आपको बांधते हैं।

हम सब अपने चिर उपेक्षित, बुभुक्षित, संतप्त करोडों गिरिवनवासियो व निर्धन बंधुओं से भी संश्लिष्ठ है, हमें इस पवित्र दिन पर यह भी स्मरण रहना चाहिये !

भारत भर में विद्यमान अपने सेवा केन्द्रो के द्वारा, विश्व हिन्दू परिषद ने इन लोगों के लिये निःशुल्क चिकित्सा, भोजन, वस्त्र व शिक्षा की हरसंभव व्यवस्था की हैं।

आप भी विश्व हिन्दू परिषद के माध्यम से इन गिरिवनवासियों व निर्धन बंधुओं, जो अंततोगत्वा हमारे ही अंगोपांग हैं, के जीवन में आशा की एक नई किरण प्रकट कर सकते हैं।

विश्व हिन्दू परिषद की व हमारी शुभकामनाओं के साथ, स्नेह की प्रतीक यह राखी कृपया स्वीकार करें।

स्नेहाभिलाषी

श्री. गोविंदभाई जी. श्राफ	अध्यक्ष
श्रीमती पुष्पा बी. कामदार	उपाध्यक्ष
श्री. दौलतराम भैरूमल	उपाध्यक्ष
,, सूरजप्रकाश मनचंदा	कोष+अध्यक्ष
,, हरि आत्माराम	मंत्री
,, गोपाल जी. हिंगोरानी	सहमंत्री
, किशनकुमार सिंधी	सहमंत्री
,, कमलाक्ष शेणाय	सहमंत्री
एवं अन्यं कार्यकारिणी समिती सदस्य	

विश्व हिन्दू परिषद
३६, पिरोजा मॅन्शन,
ग्रॅंट रोड स्टेशन के सामने,
बम्बई-४०० ००७.

दूरभाषा : ३७३८०५-८९१०१२

Reg
2.9.80.
~~[illegible]~~
vagetarian

VISHVA HINDU PARISHAD BOMBAY

Raksha Bandhan

Dt. 26-8-1980

Dear Brother

On the auspicious occasion of **Raksha Bandan,** the Festival symbolising the sweet and pure love of a sister for her brother, we take great pleasure in binding you with this Rakhi, the token of our love for you.

On this auspicious day, let us remember that all of us are also 'tied-up' with millions of our suffering, starving and long neglected Adivasis and poor brethren.

Vishva Hindu Parishad, through the medium of its various Service Centres, spread all over the country, is doing its best to provide them with free medical care, food and the clothing and free education for their children.

You can also light a lamp of New Hope and New Life through Vishva Hindu Parishad in the lives of those Adivasis and poor brothers who are after all our own kith and kin, our own flesh and blood.

Please accept this Rakhi, a token of love - with the compliments of Vishva Hindu Parishad and ourselves.

Yours brotherly,

Shri Govindjibhai Shroff	President
Smt. Pushpa B. Kamdar	Vice President
Shri Doulatramji Bherumal	Vice President
Shri S. P. Manchanda	Treasurer
Shri Hari A Samtani	Secretary
Shri Gopal G Hingorani	Joint Secretary
Shri Krishan Kumar Sindhi	Joint Secretary
Shri Kamalaksha Shenoy	Joint Secretary

and other executive committee members

From : ....
Vishva Hindu Parishad
36, Piroja Mansion,
Opp. Grant Road Stn. (East),
Bombay-400 007.
Tel. : 373805-891012

Vegetarian

VISHVA HINDU PARISHAD

Bombay Office.

Date : 21st July, 1980.

Sub :- Next meeting of The Board of Trustees and The Governing Council.

Respected Sir,

Namaskar. You are requested kindly to note the dates for the next meeting of our Board of Trustees and The Governing Council, which will be held on Oct. 4 and 5, 1980.

The possible venue for these meetings will be Calcutta.

Kindly mark these dates in your diary for above noted Vishva Hindu Parishad meetings.

This is only an advance intimation and the necessary notice alongwith agenda papers will be sent to you in due course.

With regards,

Yours sincerely,

D P Patodiya

(D. P. Patodiya)
Central Organising Secretary

Vigelatives

VISHVA HINDU PARISHAD

16/10, ARYA SAMAJ ROAD, KAROL BAGH, NEW DELHI - 5.

* * *

S/701
Dt. 1/7/1980

Respected Sir,

I am sorry that as the Audit for 1979, could not be finalised, the budget also could not be placed before the meeting of the Governing Council and Board of Trustees held at Bombay on the 15th June 1980.

Now I take this opportunity of presenting the budget by a circular resolution as per rule 7 (ix), otherwise it will be too late.

As you are already aware that I am directed to attend the Hindu Conference of America, scheduled to be held at Batton Rouge on the 4th, 5th, & 6th July, 1980. Accordingly I am leaving by flight No. AI 105 tomorrow the 2nd July, 1980 for New York. I am confident that with your blessings I will be successful in my Mission.

It is requested that you will kindly send your endorsement in the attached copy of the resolution as early as possible on the Delhi address.

With respectful regards.

Yours sincerely,
M. P. Degwekar
(M.P. Degwekar)
GENERAL SECRETARY.

RESOLUTION

It is resolved that the budget for the year 1980, in respect of Vishva Hindu Parishad, as well as Hindu Vishva, as presented by the General Secretary, is hereby approved.

Approved :

Signature :

.vagelw

੧ੳ
ਸ੍ਰੀ ਸਤਿਗੁਰੂ ਜਗਜੀਤ ਸਿੰਘ ਜੀ ਲਾਇਬ੍ਰੇਰੀ

O/C

Dated-II-9-80,

My Dear Shri Balashahab Devrash Ji,

Sadar Sat Sari Akal,

With referance to your letter which is received by post I am giving you an information that Mr. R.S. Agarwal has come to Sri Bhaini Sahib, Distt. Ludhiana with letter duly signed behalf of you whose copy is enclosed with this letter. He presented that very letter to H.H. Sri Satguru Jagjit Singh Ji. Sri Satguru Ji found that letter duly signed so order to give Rs. 500/- to Mr. R.S. Agarwal. So Rs. 500/-has been given to that very person. Some days latter a letter is received by post from which we come to the conclusion.

An Annual fair has been going to celebrated at Sri Bhaini Sahib from I7 to 20 Octobar I980, Please pay a kind visit.

Sincerely Yours.

(signature)

S. Tarsem Singh, Private Secretary To
Sri Bhaini Sahib H.H. Sri Satguru
LUDHIANA Jagjit Singh Ji.

R.S. Agarwal (RADHEY SHYAM AGARWAL) an Active Worker of R.S.S.(Rashtriya Swayam Sewak Sangh), Nagpur, and Vishwa Hindu Parishad, with a letter of Mr/. Bala Sahab Deorash, Chief of R.S.S. Nagpur (Maharashtra), for His Highness Satguru Jagjit Singh Ji Maharaj, Jivan Nagar,(Punjab).

तार : "हिन्दुत्व" ।। शक्ती माँ वसुन्धरायनकः ।। दूरभाष : २४३७५

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रधान कार्यालय नागपुर–२

(हिन्दु गौरव विश्व गौरव बनें)

पत्रांक 1st

दिनांक 16th June, 1980.

Param Pujya Satguru Shri Jagjit Singh Ji Maharaj,

Sadar Pranam.

Please find enclosed herewith an application of Mr. R.S. Agarwal, a regular R.S.S. worker of Nagpur. He deserves and needs some financial aid to perform the Marriage Ceremony of his daughter, here on date 6th July, 1980, Sunday at Shivaji Maratha Udyan, Nagpur. I sincerely recommend to go through the contents of his application and generous attitude maybe adopted to extend your kind cooperation and oblige.

With kind regards.

Sincerely yours,

B.S. Devrash

(BALASHAHAB DEVRASH)

Param Pujya Satguru
Shri Jagjit Singh Ji Maharaj,
JIVAN NAGAR,
PUNJAB.

भवदीय

सर संघ चालक (रा० स्व० सेवक संघ)

(बाला साहब देव रस)